THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

तिहाड़ जेल को भी मिली बम से उड़ाने की धमकी, जांच में जुटी पुलिस

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ईमेल के जरिये बम से उड़ाने की धमकी भरे मेल आने के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। पहले दिल्ली के अस्पतालों में मेल आने के बाद अब तिहाड़ जेल को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। जेल के डीजी के पास ईमेल आया है।

तिहाड़ जेल को बम की धमकी भरा मेल आने के बाद पुलिस और प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। मौके पर पुलिस की कई टीमें और डॉग स्कयाड टीमें पहुंच चुकी हैं और जांच में जुट गई है।

वर्ष-28 अंक : 53 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.8 2080 बुधवार, 15 मई-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मोदी ने वाराणसी से नामांकन किया

> प्रस्तावकों के साथ खड़े रहे > डीएम ने बैठने के लिए कहा > तब कुर्सी पर बैठे

वाराणसी, 14 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार वाराणसी से नामांकन दाखिल कर दिया है। 4 प्रस्तावक और सीएम योगी उनके साथ मौजूद रहे। प्रस्तावकों में गणेश्वर शास्त्री, बैजनाथ पटेल, लालचंद कुशवाहा और संजय सोनकर शामिल रहे। गणेश्वर शास्त्री ने राम मंदिर का मुहूर्त निकाला था, जबकि अन्य तीन स्थानीय भाजपा नेता हैं।

पीएम नामांकन कक्ष में 50 मिनट रहे। वह प्रस्तावकों के साथ कक्ष में खड़े रहे। जब डीएम ने उन्हें कुर्सी पर बैठने के लिए कहा, तब वह बैठे। पीएम ने शुभ मुहूर्त पुष्य नक्षत्र में 4 सेट में नामांकन दाखिल किया। गणेश्वर शास्त्री ने बताया कि 11.40 से 12.15 तक शुभ मुहूर्त रहा। इसमें सारे ग्रह एक साथ होते हैं।

नामांकन करने के बाद पीएम रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर पहुंचे और कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इससे पहले, पीएम बीएलडब्ल्यू गेस्ट हाउस से सुबह 9.30 बजे दशाश्वमेध घाट पहुंचे, जहां उन्होंने 20 मिनट गंगा पूजन किया। इसके बाद आरती कर क्रूज से नमो घाट पहुंचे।

पीएम ने काशी के कोतवाल कहे जाने वाले कालभैरव मंदिर में भी दर्शन-पूजन किया।

पीएम के नामांकन में महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस, आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायुडू, लोजपा (आर) प्रमुख चिराग पासवान, रालोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति पारस, अपना दल की अनुप्रिया पटेल, आएलएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा, रालोद प्रमुख जयंत चौधरी वाराणसी पहुंचे।

पीएम मोदी के पास न कार, न खुद का घर

पांच साल में संपत्ति 87 लाख बढ़कर 3.02 करोड़ हुई, 52 हजार 920 रुपए कैश

वाराणसी, 14 मई (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वाराणसी से तीसरी बार नामांकन दाखिल किया। हलफनामे के मुताबिक, पीएम मोदी के पास न कोई घर है न जमीन और कार्। 2019 में उनके पास गांधीनगर में 1.10 करोड़ की प्रॉपर्टी थी, लेकिन इस बार उसका जिक्र नहीं है। पीएम ने 15 साल से कोई ज्वेलरी भी नहीं खरीदी। मोदी के पास 52 हजार 920 रुपए कैश है। उन्होंने कुल 3.02 करोड़ की संपत्ति बताई है। 5 साल में यह संपत्ति 87 लाख रुपए बढ़ी। वाराणसी से अपने पहले चुनाव (2014) में मोदी ने अपनी कुल संपत्ति 1.65 करोड़ रुपए बताई थी। दूसरे चुनाव (2019) में यह 2.15 करोड़ हो गई थी। पीएम ने मोबाइल नंबर भी बताया है।>14

संजय सिंह ने माना मालीवाल के साथ बदतमीजी हुई

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। आप सांसद संजय सिंह ने माना कि पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ अरविंद केजरीवाल के आवास पर बदसलूकी हुई थी। संजय सिंह ने मंगलवार (14 मई) को मीडिया से कहा- 13 मई को बहुत ही निंदनीय घटना घटित हुई। सिंह बोले-कल (13 मई) सुबह अरविंद केजरीवाल से मिलने स्वाति मालीवाल उनके आवास पर पहुंची थीं। ड्रॉइंग रूम में केजरीवाल का इंतजार कर रही थीं। इस बीच मुख्यमंत्री के पीए बिभव कुमार वहां पहुंचे और उनके साथ अभद्रता और बदतमीजी की।

संजय सिंह ने बताया-इस पूरी घटना को दिल्ली के सीएम ने संज्ञान में लिया है। वो इस मामले में सख्त कार्रवाई करेंगे। जहां तक स्वाति मालीवाल का सवाल है, उन्होंने देश और समाज के लिए बहुत काम किया है। वो सीनियर और पुराने नेताओं में से एक हैं। हम उनके साथ हैं। पुलिस के मुताबिक, स्वाति मालीवाल सोमवार को सिविल लाइंस पुलिस स्टेशन आई थीं और मुख्यमंत्री के पर्सनल स्टाफ के खिलाफ शिकायत की। पुलिस को उनकी तरफ से औपचारिक रूप से शिकायत नहीं मिली। स्वाति मालीवाल से सोमवार (13 मई) को दिल्ली सीएम हाउस में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार ने मारपीट की। यह दावा भाजपा के आईटी सेल के चीफ अमित मालवीय ने किया। उन्होंने कहा कि आप सांसद स्वाति मालीवाल के साथ सीएम केजरीवाल के पीए बिभव कुमार ने मारपीट की। ये घटना सीएम हाउस में हुई, लेकिन कोई आधिकारिक रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई। शाम 4 बजे तक ना तो दिल्ली महिला आयोग और ना ही आप ने इस घटना की पुष्टि की थी। डीसीपी (नॉर्थ) मनोज मीना ने बताया, 'हमें सुबह 9:34 बजे एक पीसीआर कॉल मिली जिसमें कॉल करने वाले ने कहा कि उसके साथ सीएम आवास के अंदर मारपीट की गई है।

मुंबई में आंधी से होर्डिंग गिरा, 14 लोगों की मौत

मुंबई, 14 मई (एजेंसियां)। मुंबई में सोमवार को दोपहर करीब 3 बजे तेज आंधी आई। घाटकोपर में 100 फीट ऊंचा और 250 टन वजनी लोहे का होर्डिंग एक पेट्रोल पंप पर जा गिरा। इस दौरान कुछ कार, टू-व्हीलर्स और पैदल यात्री इसकी चपेट में आ गए। हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 74 लोग घायल हो गए। हादसे के फौरन बाद मुंबई पुलिस, फायर ब्रिगेड, एसडीआरएफ ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। शुरुआत में होर्डिंग के नीचे 100 से ज्यादा लोगों के फंसे होने की खबर थी। धीरे-धीरे लोगों को निकाला जा रहा था। इसके बाद एनडीआरएफ ने मोर्चा संभाला। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी शाम को हादसे का जायजा लेने पहुंचे थे।

एनडीआरएफ के असिस्टेंट कमांडेंट निखिल मुधोलकर ने बताया- सोमवार शाम से बचाव अभियान जारी है। हमने 88 लोगों को बाहर निकाला है, जिसमें से 14 लोगों को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया है। 31 लोगों को डिस्चार्ज किया गया है और बचे हुए लोग अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन अभी भी जारी है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि यह होर्डिंग 120X120 फीट का था। इसलिए होर्डिंग लिम्का बुक में भी दर्ज है।

होर्डिंग मालिक फरार, उस पर पहले से 20 केस दर्ज

होर्डिंग के मालिक भावेश भिंडे के खिलाफ पंत नगर पुलिस स्टेशन में गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। मुंबई पुलिस भावेश भिंडे की तलाश कर रही है। सोमवार रात में पुलिस की टीम भिंडे के मुलुंड स्थित आवास पर पहुंची। हालांकि वह परिवार सहित फरार हो गया। उसका फोन भी बंद है। पुलिस ने उसका पता लगाने के लिए टीमें बनाई हैं।

राहुल बोले-सरकार बनते ही गरीबों को खटाखट पैसा देंगे

झांसी, 14 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को झांसी में संयुक्त रैली की। राहुल ने कहा, भाजपा वाले 22 अरबपति बना रहे हैं। हम करोड़ों लखपति बनाएंगे। हर परिवार से एक महिला चुनी जाएगी। उन करोड़ों महिलाओं के खाते में एक लाख रुपये भेजे जाएंगे। यानी महीने 8500 रुपया खाते में खटाखट-खटाखट जाएगा। 4 जून को हम हिंदुस्तान के गरीब किसानों का कर्जा माफ करने जा रहे हैं।

जैसे हमने यूपीए सरकार में पहले किया था। राहुल ने कहा, अग्निवीर योजना को हम फाड़कर कचरे में फेंक देंगे, हम शहीदों के साथ भेदभाव नहीं होने देंगे। मुफ्त अनाज योजना कांग्रेस की सरकार लेकर आई थी, हमारी सरकार बनने पर हम इसके तहत और अधिक, अच्छी क्वालिटी का राशन देंगे। गरीबों, किसानों, कमजोर लोगों की सरकार बननी चाहिए, अंबानी-अडानी की सरकार हटाई जानी चाहिए। रैली में अखिलेश ने कहा, किसानों की आय का सारा पैसा भाजपा की जेब में जा रहा है। सब कुछ इस सरकार में महंगा हो गया है।

ईडी ने किया मनीष सिसोदिया की जमानत का विरोध : कोर्ट में बोली-शराब घोटाले में आप को भी बनाया जाएगा आरोपी

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर आज एक बार फिर सुनवाई हुई। ईडी ने याचिका पर विरोध दर्ज कराया और बताया कि वह इस मामले में जल्द ही सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर करने वाली है। ईडी ने दिल्ली हाईकोर्ट को बताया कि आम आदमी पार्टी (आप) को भी मामले में आरोपी बनाया जाएगा और जल्द ही सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की जाएगी।

इस मामले में केवल 17 गिरफ्तारियां होने के बावजूद 250 से ज्यादा याचिकाएं दायर की गई हैं। हाईकोर्ट के सामने ईडी ने सिसौदिया की जमानत याचिकाओं का विरोध करते हुए कहा कि जांच अधिकारी को लगभग हर दिन अदालत में मौजूद रहना होगा। इस मामले पर सुनवाई दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा कर रहे हैं। मनीष सिसोदिया के वकील दयान कृष्णन ने कोर्ट के सामने कई तर्क पेश किए। दयान कृष्णन ने मुकदमे में देरी को लेकर कई सवाल उठाए। इडी के की ओर से पेश हुए वकील जुहैब हुसैन ने कहा कि इस मामले में ईडी जल्द ही आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाने वाली है और सप्लीमेंट्री चार्जशीट भी दायर करेगी। मनीष सिसोदिया ने देरी पर सवाल उठाए और कहा कि मामले में प्रोग्रेस नहीं हो रही है और बहुत धीमे तरीके से सब किया जा रहा है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया समन्वयक पद पर सुप्रिया भारद्वाज की नियुक्ति

राधिका खेड़ा की जगह लेंगी

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी ने सुप्रिया भारद्वाज को अपना राष्ट्रीय मीडिया समन्वयक नियुक्त किया है। पार्टी ने तत्काल प्रभाव से सुप्रिया भारद्वाज को यह जिम्मेदारी सौंपी है। सुप्रिया भारद्वाज के पास मीडिया इंडस्ट्री में काम करने का 16 साल का अनुभव है और वह कई प्रतिष्ठित मीडिया संस्थानों के साथ काम कर चुकी हैं। सुप्रिया भारद्वाज से पहले कांग्रेस का राष्ट्रीय मीडिया समन्वयक का पद राधिका खेड़ा संभाल रहीं थी, लेकिन बीते दिनों उनके भाजपा में शामिल होने के बाद से यह पद खाली था।

राधिका खेड़ा बीते हफ्ते ही भाजपा में शामिल हुई हैं। राधिका खेड़ा ने बीते दिनों छत्तीसगढ़ में उनके साथ कथित दुर्व्यवहार होने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दिया था। राधिका खेड़ा ने दावा किया था कि उन्होंने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के सामने अपने साथ हुए दुर्व्यवहार का मामला उठाया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया समन्वयक पद पर सुप्रिया भारद्वाज की नियुक्ति का आदेश पवन खेड़ा ने जारी किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सुप्रिया भारद्वाज ने मास्टर ऑफ मास कम्युनिकेशन की डिग्री के साथ ही बीबीए की भी डिग्री हासिल की है।

आप अदालत की खिल्ली नहीं उड़ा सकते

आईएमए अध्यक्ष की बिना शर्त माफी को सुप्रीम कोर्ट ने किया खारिज

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष की बिना शर्त माफी को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। साथ ही उनसे कई कड़े सवाल भी पूछे। दरअसल, हाल ही में आईएमए अध्यक्ष आर वी अशोकन ने पंतजलि आयुर्वेद वाले मामले में एक साक्षात्कार के दौरान सर्वोच्च अदालत को लेकर गंभीर टिप्पणी की थी।

आप अदालत की खिल्ली नहीं उड़ा सकते

न्यायमूर्मित हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने अशोकन से कहा कि आप सोफे पर बैठकर प्रेस को साक्षात्कार देते हुए अदालत की खिल्ली नहीं उड़ा सकते। अदालत ने साफ किया कि वे उनके बिना शर्त माफी वाले हलफनामे को स्वीकार नहीं करेगी। अदालत ने कहा कि हम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और अधिकारों का समर्थन करते हैं। लेकिन कई बार आत्म संयम बरतने की आवश्यकता होती है, जो हमें आपके साक्षात्कार में नहीं दिखी।

आईएमए अध्यक्ष के बयान दुर्भाग्यपूर्ण :

दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि आपका आचरण ऐसा नहीं है कि हम इतनी आसानी से माफ कर सकें। उन्होंने पूछा कि आपने एक

लंबित मामले में बयान क्यों दिया, जिसमें आईएमए याचिकाकर्ता है। आपके पास लंबा अनुभव है। आप आईएमए अध्यक्ष हैं। ऐसे में आपसे उम्मीद की जाती है कि आप जिम्मेदारी से बात करेंगे। आप आपनी आंतरिक भावनाओं को इस तरह प्रेस में व्यक्त नहीं कर सकते। वह भी अदालत के आदेश के खिलाफ। आपके बयान दुर्भाग्यपूर्ण हैं।

हम दयालु हैं, मतलब यह नहीं कि कोई कुछ भी कह सकता है :

अदालत ने कहा कि आईएमए ने ही पतंजलि आयुर्वेद को कोर्ट में घसीटा था। आईएमए ने ही दावा किया था कि वे पूरी दुनिया को धोखा दे रहे हैं। एलोपैथी को गलत तरीके से पेश कर रहे हैं। एलोपैथी को बदनाम किया जा रहा है।

कोर्ट ने कहा कि आप जानते हैं कि आपने जो भी यहां दलील दी हमने उसे गंभीरता से लिया। दूसरे पक्ष को अदालत में बुलाया। उनकी माफी को भी हमने कई बार अस्वीकार किया है। अशोकन के हलफनामे से अदालत खुश नहीं है। सिर्फ हम कृपालु हैं, इसका मतलब यह नहीं कि कोई कुछ भी कहकर बच सकता है।

आपने संस्था पर हमला किया :

अदालत ने कहा कि आप किस तरह का उदाहरण स्थापित कर रहे हैं। आपने सार्वजनिक माफी क्यों नहीं मांगी। आपने यहां आने का इंतजार क्यों किया। आप न्यायाधीशों की आलोचना कर सकते हैं। न्यायाधीश व्यक्तिगत आलोचना पर प्रतिक्रिया नहीं देते क्यों कि उनमें अहंकार नहीं है। हम व्यक्तिगत रूप से उदार हैं। हम इसे अन्यथा नहीं लेते। हमारे पास अधिकार हैं फिर भी हम शांत रहते हैं। लेकिन आपने संस्था पर हमला किया है।

संदेशखाली वायरल वीडियो केस सुप्रीम कोर्ट पहुंचा

याचिकाकर्ता ने एसआईटी जांच की मांग की कहा-वीडियो की सच्चाई का पता लगाया जाए

कोलकाता, 14 मई (एजेंसियां)। 22 फरवरी को भाजपा ने 20 मिनट 41 सेकेंड का वीडियो सोशल मीडिया में शेयर किया था। इसमें संदेशखाली की महिलाओं ने यौन उत्पीड़न और हिंसा मामले में अपनी आपबीती बताई। हालांकि अब कई पीड़ितों का कहना है कि दुष्कर्म नहीं हुआ, भाजपा नेताओं ने कोरे कागज पर साइन कराए थे। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में जमीन हड़पने और महिलाओं के खिलाफ अपराध (यौन शोषण) केस में वायरल वीडियो का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। एक महिला ने याचिका लगाकर मौजूदा हालात को लेकर एसआईटी जांच की मांग की है।

एक महिला के वकील उदयादित्य बनर्जी ने कोर्ट से कहा कि संदेशखाली मामले में कई वीडियो वायरल हैं। इसमें एक व्यक्ति खुलासा कर रहा है कि टीएमसी नेता शाहजहां शेख के खिलाफ रेप के आरोप झूठे थे। उनके खिलाफ झूठे आरोप भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के निर्देश पर लगाए गए। वहीं, संदेशखाली की पीड़ित महिलाओं का कहना है कि उनसे कोरे कागज पर हस्ताक्षर कराए गए। इसके बाद शाहजहां शेख के खिलाफ रेप की झूठी शिकायतें हुईं। याचिकाकर्ता ने कोर्ट से मांग करते हुए कहा कि वायरल वीडियो की सच्चाई का पता लगाने के लिए जांच होनी चाहिए। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी गठित की जाए। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली मामले में नया वीडियो 12 मई को सामने आया। इस वीडियो में भाजपा मंडल (बूथ) अध्यक्ष गंगाधर कायल टीएमसी नेता शाहजहां शेख के खिलाफ प्रोटेस्ट करने वाली 70 महिलाओं को 2-2 हजार रुपए देने की बात कहते नजर आ रहे हैं। >14

380 में 270 सीट लेकर बहुमत प्राप्त कर चुके हैं पीएम मोदी

चार चरणों के चुनाव पर अमित शाह का दावा

कोलकाता, 14 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के बनगांव में एक जनसभा के दौरान एक बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि चार चरण के मतदान पूरे हो गए हैं। 380 सीटों का चुनाव पूरा हो गया है। बंगाल में 18 सीटों का चुनाव पूरा हो गया है। आज में बता कर जाता हूं कि 380 में से पीएम मोदी 270 सीट लेकर पूर्ण बहुमत प्राप्त कर चुके हैं। आगे की लड़ाई 400 पार करने की है।

उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी झूठ बोल रही हैं कि सीएए के तहत नागरिकता के लिए जो भी अर्जी करेगा, उसे तकलीफ आएगी। मतुआ समाज के लोगों को मैं आश्वस्त करने आया हूं कि किसी को कोई तकलीफ नहीं आएगी। नागरिकता भी मिलेगी और देश में सम्मान के साथ जी भी पाओगे। दुनिया की कोई ताकत मेरे शरणार्थी भाइयों को भारत का नागरिक बनने से रोक नहीं सकती, ये श्री नरेंद्र मोदी जी का वादा है।

उन्होंने कहा कि यहां पर (बंगाल में) कटमनी, घुसपैठ, बम धमाके और सिंडिकेट राज... ममता दीदी नहीं बंद कर सकती हैं, इसे सिर्फ मोदी जी ही बंद कर सकते हैं। चिटफंड घोटाले वाले, शिक्षक भर्ती घोटाले वाले, नगरपालिका भर्ती घोटाले वाले, राशन घोटाले वाले, गाय और कोयला तस्करी करने वाले व पैसे लेकर सवाल करने वालों को जेल जाने की तैयारी कर लेनी चाहिए। किसी को छोड़ा नहीं जाएगा।

सरकार ने ब्लॉक की 1,000 ठगों की स्काइप आईडी

डिजिटल अरेस्ट करके लोगों को करते थे ब्लैकमेल

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। सरकार ने देश में तेजी से बढ़ी रही डिजिटल अरेस्ट और ब्लैकमेल की घटनाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सरकार ने 1,000 स्काइप आईडी को ब्लॉक किया है। इसके अलावा इस तरह के स्कैम में शामिल कई हजार सिम कार्ड भी ब्लॉक हुए हैं। सरकार ने इसके लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ साझेदारी की है। यह कार्रवाई भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र की ओर से की गई है।

गृह मंत्रालय के तहत भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी), देश में साइबर अपराध से निपटने से संबंधित गतिविधियों का समन्वय करता है। गृह मंत्रालय इन धोखाधड़ी से निपटने के लिए अन्य मंत्रालयों और उनकी एजेंसियों, आरबीआई और अन्य संगठनों के साथ मिलकर काम कर रहा है। आई4सी मामलों की पहचान और जांच के लिए राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के पुलिस अधिकारियों को इनपुट और तकनीकी सहायता भी प्रदान कर रहा है।>14

बैंकिंग ऋण धोखाधड़ी मामले में डीएचएफएल के पूर्व निदेशक धीरज वधावन गिरफ्तार, सीबीआई की कार्रवाई

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। सीबीआई ने डीएचएफएल के पूर्व निदेशक धीरज वधावन को 34,000 करोड़ रुपये के बैंक धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वधावन को सोमवार शाम मुंबई से हिरासत में लिया गया और उसे मंगलवार को दिल्ली की एक विशेष अदालत में पेश किया गया, अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले में सीबीआई ने उनके खिलाफ 2022 में पहले ही आरोपपत्र दायर कर दिया था।

सशर्त जमानत मिलने के बाद जेल से छूटे एचडी रेवन्ना

महिला के अपहरण मामले में अदालत ने दी राहत

बेंगलूरू, 14 मई (एजेंसियां)। महिला के अपहरण मामले में घिरे जेडी-एस नेता एचडी रेवन्ना जेल से बाहर निकल आए हैं। बता दें कि एचडी रेवन्ना हासन सांसद प्रज्वल रेवन्ना के पिता हैं। जेडी-एस विधायक पर आरोप था कि उन्होंने एक महिला का अपहरण किया और उसके बाद प्रज्वल ने उस महिला के साथ दुष्कर्म किया। इस मामले में एचडी रेवन्ना ने बेंगलूरू की विशेष अदालत में याचिका दायर की थी। अदालत ने 13 मई को मामले में सुनवाई करते हुए जेडी-एस नेता को सशर्त जमानत दी थी।

इन शर्तों पर मिली है जमानत :

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के पुत्र एचडी रेवन्ना को महिला के अपहरण के मामले में एसआईटी ने गिरफ्तार किया था। विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट मामले की सुनवाई करते हुए रेवन्ना को सशर्त जमानत दी थी। जेडी-एस विधायक को जमानत देने के साथ अदालत ने कुछ शर्तें भी रखी हैं। कोर्ट ने कहा कि रेवन्ना को जमानत के लिए पांच लाख रुपये का मुचलका भरना होगा। इसके अलावा वह फिलहाल देश से बाहर नहीं जा सकते। इसके अलावा एचडी रेवन्ना इस मामले से जुड़े पीड़ितों को प्रभावित करने की कोशिश नहीं कर सकते।

छह दिन जेल में रहने के बाद जब एचडी रेवन्ना बाहर निकले, तो उनके समर्थकों ने उन्हें घेर लिया। इसके बाद जेडी-एस विधायक अपने पिता एचडी देवेगौड़ा से मिलने गए।

एचडी रेवन्ना को क्यों गिरफ्तार किया गया था :

एचडी रेवन्ना और उनके विश्वासपात्र सतीश बबन्ना के खिलाफ एक महिला के अपहरण के आरोप में मैसूरु में मामला दर्ज किया गया था। महिला के बेटे की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। बेटे ने यह भी आरोप लगाया कि विधायक एच डी रेवन्ना के बेटे प्रज्वल रेवन्ना ने उसकी मां का यौन शोषण किया था। इस मामले में बबन्ना को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था।

भीमा कोरेगांव-एल्गार परिषद मामले में

गौतम नवलखा को मिली बड़ी राहत, सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानत

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। एल्गार परिषद-माओवादी से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आज कार्यकर्ता गौतम नवलखा को जमानत दे दी है। वहीं, सर्वोच्च न्यायालय ने बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर लगाई गई रोक को बढ़ाने से इनकार कर दिया। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने कार्यकर्ता गौतम नवलखा को नजरबंदी में सुरक्षा के खर्च के लिए 20 लाख रुपये देने का निर्देश दिया।

19 दिसंबर को बॉम्बे हाई कोर्ट ने जमानत दी थी

शीर्ष अदालत ने कहा कि नवलखा चार साल से अधिक समय से जेल में हैं और मामले में अभी तक आरोप तय नहीं किये गये हैं। बॉम्बे हाई कोर्ट ने पिछले साल 19 दिसंबर को नवलखा को जमानत दे दी थी, लेकिन एनआईए द्वारा शीर्ष अदालत में अपील दायर करने के लिए समय मांगने के बाद अपने आदेश पर तीन सप्ताह के लिए रोक लगा दी थी। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने नवलखा को दी थी नजरबंद की इजाजत अगस्त 2018 में गिरफ्तार किए गए नवलखा को पिछले साल नवंबर में सुप्रीम कोर्ट ने घर में नजरबंद करने की अनुमति दी थी। वह वर्तमान में नवी मुंबई में रह रहे हैं।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला 31 दिसंबर, 2017 को पुणे में आयोजित एल्गार परिषद सम्मेलन में दिए गए कथित भड़काऊ भाषणों से संबंधित है, जिसके बारे में पुलिस का दावा है कि अगले दिन पश्चिमी महाराष्ट्र शहर के बाहरी इलाके में कोरेगांव-भीमा युद्ध स्मारक के पास हिंसा भड़क उठी थी। इस मामले में 16 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है और उनमें से पांच फिलहाल जमानत पर बाहर हैं।

दिल्ली में ज्वेलरी शोरूम की दीवार में ड्रिल कर घुसे चोर, साफ कर लिया पूरा माल, सीसीटीवी फुटेज से खुला राज

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के दरीबा कलां इलाके में एक ज्वेलरी शोरूम में लूटपाट का मामला सामने आया है। पुलिस का कहना है कि चोर दुकान की दीवार में ड्रिल कर शोरूम में घुसे और लाखों के आभूषणों पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस का कहना है कि उन्हें इस घटना का वीडियो मिला है, जिसके बाद जांच शुरू कर दी गई है। आरोपी बगल की दुकान की दीवार में ड्रिल कर शोरूम में घुसे थे और लूट को अंजाम दिया था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस लूट के संबंध में कोतवाली पुलिस स्टेशन में कॉल की गई थी।

रीवा में फरियादी से अभद्रता करने वाली टीआई पर गिरी गाज, एसपी ने किया लाइन अटैच

रीवा, 14 मई (एजेंसियां)। मोबाइल फोन पर फरियादी से अभद्र भाषा में बात करने वाली रीवा जिले के चाकघाट थाने की टीआई उषा सिंह सोमवंशी का ऑडियो वायरल हो गया। इस मामले के बाद पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने उन्हें लाइन अटैच कर दिया है। टीआई के खिलाफ एसपी विवेक सिंह ने जांच के आदेश भी जारी किए हैं। मालूम हो कि रीवा जिले के चाकघाट थाने की महिला टीआई उषा सिंह सोमवंशी की एक ऑडियो क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। इस ऑडियो क्लिप में थाना प्रभारी फरियादी के साथ फोन पर अमर्यादित भाषा में बात कर रही हैं। आरोप है कि बातचीत के दौरान टीआई ने कहा, ₹तेरे नेताओं की ऐसी की तैसी, तू सुन ले अच्छे से और रिकॉर्ड भी कर लें। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता राजनीतिक दबाव का। उन्होंने आगे कहा, फालतू की बकवास न कर। तेरे बाप ने तुझे एक जूता मारा था, मेरे सामने आएगा मैं दो जूते मारूंगी तुझे। दरअसल, जिले के पड़री गांव निवासी अभय द्विवेदी पारिवारिक विवाद में अपने चाचा की शिकायत लेकर थाने पहुंचे थे। फरियादी अभय द्विवेदी का आरोप था कि उनके चाचा ने उनके साथ मारपीट की थी। पीड़ित के अनुसार थाने पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने उनकी फरियादी नहीं सुनी और थाने से वापस लौटा दिया। फरियादी अभय द्विवेदी का कहना है कि जब दो दिन तक उनकी फरियाद नहीं सुनी गई, तो उन्होंने चाकघाट थाना प्रभारी उषा सिंह सोमवंशी से मोबाइल पर बात की। इसी बातचीत के दौरान टीआई ने उनसे अमर्यादित भाषा का उपयोग किया। इस मामले में प्रारंभिक जांच में ऑडियो क्लिप सही पाई गई। जिसके बाद पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने थाना प्रभारी उषा सिंह सोमवंशी को लाइन अटैच कर दिया है।

कठुआ के कंडी क्षेत्र में दिखे संदिग्ध

पुलिस और सुरक्षाबलों ने शुरु किया तलाशी अभियान

कठुआ, 14 मई (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जिला कठुआ के जुथाना क्षेत्र में देर रात संदिग्ध देखे जाने के बाद पुलिस और सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया। जिला पुलिस के अलावा सेना और कमांडो पूरे इलाके को खंगाल रहे हैं। सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान का दायरा बढ़ाते हुए बिलावर के भीनी नाले के आसपास भी तलाशी अभियान शुरु कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, बीती रात पुलिस पोस्ट जखोल के अधीन आते गांव जुथाना में चार हथियारबंद लोग एक घर पहुंच कर महिला से खाने की मांग की। हथियारबंद लोगों को देख घर महिला ने शोर मचा दिया तो पड़ोसियों को इकट्ठा होता देख संदिग्ध वहां से निकल गए।

उसके बाद पुलिस और सेना को सूचना दी गई। सोमवार देर रात 10 बजे के करीब तलाशी अभियान शुरू किया गया, जो कि खबर लिखे जाने तक जारी रहा। सुरक्षा बलों की ओर से चॉपर और ड्रोन के साथ आसमान से भी जंगली और पहाड़ी इलाके पर नजर रखी जा रही है। वहीं, संदिग्धों को घेरने के मकसद से पुलिस और सेना ने बिलावर में भी तलाशी अभियान शुरु कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने प्रोफेसर मिर्जा बेग के खिलाफ एफआईआर किया रद्द

मध्य प्रदेश सरकार को फटकारा

इंदौर, 14 मई (एजेंसियां)। इंदौर लॉ कॉलेज से संबंधित एक विवादित किताब मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश सुनाया है। देश की सर्वोच्च अदालत ने कॉलेज के सहायक प्रोफेसर डॉ. मिर्जा मोजिज बेग को राहत दी है। कोर्ट ने प्रोफेसर बेग के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही और एफआईआर को रद्द कर दिया है। डॉ। मिर्जा मोजिज बेग के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगाने से इंकार करने वाले हाईकोर्ट के फैसले पर अदालत ने चिंता व्यक्त की।

किस तरह मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट?

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 26 अप्रैल को प्रोफेसर बेग को अग्रिम जमानत दे दी थी। प्रोफेसर पर आरोप था कि जब वह इंदौर के सरकारी लॉ कॉलेज में असीसटेंट प्रोफेसर थे तब लाइब्रेरी में एक ऐसी किताब मिली थी जिसमें कथित तौर पर हिंदुओं के खिलाफ बातें थीं। इसके बाद प्रोफेसर के खिलाफ दो धर्मों के बीच नफरत फैलाने का मामला दर्ज किया गया प्रोफेसर बेग ने सबसे पहले तो अग्रिम जमानते के लिए मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया लेकिन वहां से उन्हें राहत नहीं मिली। आखिरकार, वह सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। तब जस्टिस ए। एस। बोपन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने प्रोफेसर को अग्रिम जमानत दे दी थी।

मध्य प्रदेश सरकार की लगी क्लास!

सुप्रीम कोर्ट ने आज की सुनवाई के दौरान कहा कि "मध्य प्रदेश की सरकार ऐसे मामले में उत्पीड़न करने के लिए इतना उत्सुक क्यों है? यह किताब सिलेबस के बारे में है, सुप्रीम कोर्ट के लाइब्रेरी में भी मिल सकती है। वहीं, प्रोफेसर पहले से ही अग्रिम जमानत पर बाहर हैं।" जस्टिस बीआर गवई और संदीप मेहता की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही थी। बेग पर कथित तौर पर धार्मिक कट्टरता फैलाने का आरोप था जो अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद एक तरह से खारिज हो गया है।

असम में आतंकी नेटवर्क फैलाने की साजिश, गुवाहाटी स्टेशन से दो बांग्लादेशी आतंकवादी गिरफ्तार

गुवाहाटी, 14 मई (एजेंसियां)। भारत के विभिन्न हिस्सों में बीते कुछ समय से बड़ी संख्या में अवैध घुसपैठ देखी गई है। बड़ी संख्या में घुसपैठियों को समय-समय पर गिरफ्तार भी किया जाता रहा है। लेकिन इन घटनाओं के कारण सुरक्षा एजेंसियों को लगातार चौकन्ना रहना पड़ता है। इसी क्रम में खबर मिली है कि आतंकियों द्वारा असम में भी आतंकी नेटवर्क को फैलाने की साजिश की जा रही है। असम पुलिस ने जानकारी दी है कि अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के दो संदिग्ध बांग्लादेशी आतंकवादियों को गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया है। असम पुलिस ने जानकारी दी है कि दो संदिग्ध बांग्लादेशी आतंकवादियों को सोमवार को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के बयान मुताबिक, दोनों बांग्लादेशी नागरिक अवैध रूप से भारत में रह रहे थे। खुफिया सूचना के आधार पर दो बांग्लादेशी नागरिकों को गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से पकड़ा गया। उनके पास से आधार और पैन कार्ड सहित आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया है कि पकड़े गए आतंकी शहर में युवाओं को आतंकवादी संगठन में शामिल करने के लिए उन्हें कट्टरपंथी बनाने की फिराक में थे। ये आतंकी काडर बांग्लादेशी नागरिक हैं और इन्होंने अवैध रूप से भारत में रहते हुए असम में आतंकी नेटवर्क फैलाने के लिए उन्होंने भारतीय दस्तावेज हासिल किए थे। आतंकियों के पास से मिले आधार और पैन कार्ड सहित अन्य दस्तावेजों के फर्जी होने का अनुमान है।

सुप्रीम कोर्ट ने देश भर के वकीलों को दी बड़ी राहत

पलट दिया एनसीडीआरसी का फैसला

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। वकीलों की सेवाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा और अहम फैसला सुनाया है। कोर्ट ने अपने आज के ऑर्डर में साफ किया है कि वकीलों पर उनकी खराब सेवा या पैरवी की वजह से कंज्यूमर कोर्ट (उपभोक्ता अदालतों) में मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। अदालत ने माना कि वकालत का पेशा व्यापार से अलग है और ये कंज्यूमर प्रोटक्शन एक्ट 1986 (उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986) के दायरे में नहीं आता। कंज्यूमर प्रोटक्शन एक्ट साल 1986 में आया था और इस में साल 2019 में संशोधन किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने आज इसी कानून के प्रावधानों की रौशनी में स्पष्ट कर दिया कि सेवाओं की कमी के लिए वकीलों को इस कानून के तहत उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि वकील के पेशेवरों के साथ व्यापार करने वाले व्यक्तियों से अलग व्यवहार किया जाना चाहिए।

किस तरह मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट?

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में बार काउंसिल ऑफ इंडिया, दिल्ली हाई कोर्ट बार एसोसिएशन और बार ऑफ इंडियन लायर्स जैसी संस्थाओं ने याचिका लगाई थी। इस याचिका में राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी के 2007 के फैसले को चुनौती दी गई थी। एनसीडीआरसी ने अपने फैसले में कहा था कि वकील और उनकी सेवाएं उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 के दायरे में आती हैं।

एनसीडीआरसी के इसी फैसले से वकीलों से जुड़े संस्थानों को आपत्ति थी। उन्होंने अपनी याचिका में कहा था कि वकील या लीगल प्रैक्टिशनर, डाक्टरों और अस्पतालों की तरह अपने काम का विज्ञापन नहीं कर सकते। इसलिए उनकी सेवाओं को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत नहीं लाया जा सकता। आखिरकार, सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की दलोलों को दुरुस्त पाया। सुप्रीम कोर्ट ने माना की सेवाओं में कमी का आरोप लगा कर वकीलों के खिलाफ उपभोक्ता फोरम के समक्ष सुनवाई नहीं की जा सकती। इस फैसले को देश भर के वकीलों के लिए राहत के तौर पर देखा जा रहा है।

कोझिकोड में दर्दनाक हादसा, बिजली के खंभे से टकराई एंबुलेंस में लगी आग; अंदर ही जलकर राख हो गई महिला मरीज

कोझिकोड, 14 मई (एजेंसियां)। केरल के कोझिकोड में मंगलवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। यहां एक एंबुलेंस की बिजली के खंभे से जोरदार टक्कर हो गई और उसमें आग लग गई। इस एंबुलेंस में मौजूद महिला मरीज की जलकर मौत हो गई। यह चौंकाने वाली दुर्घटना तब हुई जब मृत मरीज सुलोचना (57) को आपातकालीन सर्जरी के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल से कोझिकोड के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया था। पुलिस ने बताया कि तेज रफ्तार एंबुलेंस नियंत्रण खोने के बाद फिसल गई और सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से टकरा गई, जिससे उसमें आग लग गई। वाहन में महिला मरीज और ड्राइवर के अलावा दो व्यक्ति, एक डॉक्टर और एक नर्स भी थे। वे तो बाल-बाल बच गए और उन्हें मामूली चोटें आईं, लेकिन मरीज वाहन में ही फंस गई, जिससे उसकी जलकर उनकी मौत हो गई।

चुनावी बॉन्ड योजना मामले में कब सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट?

एनजीओ की मांग- चंदा देने वाली कंपनियों, राजनीतिक दल और अधिकारियों से जुड़े केस की हो एसआईटी जांच

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। दो गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) ने सुप्रीम कोर्ट से मंगलवार को चुनावी बॉन्ड योजना से जुड़ी जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया है। याचिका में चुनावी बॉण्ड योजना में राजनीतिक दलों, कॉर्पोरेट संस्थाओं और जांच एजेंसियों के अधिकारियों से जुड़े बदले में लाभ पहुंचाने के कथित मामलों की एक विशेष जांच दल (एसआईटी) से कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की गई है। यह याचिका एनजीओ कॉमन कॉज और सेंटर फॉर पब्लिक इंट्रेस्ट लिटिगेशन (सीपीआईएल) ने दाखिल की है। एनजीओ की तरफ से सीनियर एडवोकेट प्रशांत भूषण ने कोर्ट में दलील दी। उन्होंने कोर्ट से सुनवाई के लिए याचिका को जल्द से जल्द सूचीबद्ध करने की अपील की। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने प्रशांत भूषण के अनुरोध पर संज्ञान लिया। जस्टिस संजीव खन्ना ने प्रशांत भूषण से कहा, 'यह मुख्य न्यायाधीश के कार्यालय के विचारार्थ है और वही इसे सूचीबद्ध करेंगे।'

15 फरवरी को पांच जजों की संविधान पीठ ने भारतीय जनता पार्टी नीत केंद्र सरकार की ओर से लाई गई चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द कर दिया था। दोनों एनजीओ की याचिका में चुनावी बॉन्ड योजना को घोटाला करार दिया है। याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट से अनुरोध किया है कि अधिकारियों को निर्देश दिए जाएं कि वह उन शेल कंपनियों और घाटे में चल रही कंपनियों के वित्त पोषण के स्रोत की जांच करें, जिन्होंने विभिन्न राजनीतिक दलों को चंदा दिया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद निर्वाचन आयोग की ओर से दिए गए आंकड़ों में खुलासा हुआ कि इन कंपनियों ने पॉलिटिकल पार्टियों को चंदे में बड़ी रकम दी थीं। याचिका में अधिकारियों को यह निर्देश देने की भी मांग की गई है कि कंपनियों की ओर से लाभ पाने के ऐवज में दिए गए उस चंदे को भी वसूला जाए, जो अपराध की आय के रूप में अर्जित पाया जाता है।

चार धाम यात्रा में 72 घंटे में 4 की मौत, यमुनोत्री और बद्रीनाथ में मौसम ठंडा और बर्फीला

देहरादून, 14 मई (एजेंसियां)। 10 मई से शुरू हुई उत्तराखंड में चारधाम यात्रा में अब तक करीह 4 लोगों की मौत हो गई है। बता दें कि भक्त इन दिनों में चार धामों की यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ की यात्रा करते हैं। बता दें कि ये यात्रा हाई अल्टीट्यूड पर ही ज्यादा होती है, लिहाजा लोगों को हार्ट संबंधी दिक्कतों से भी जूझना पड़ता है। जिससे की बार लोगों की जान चली जाती है। इस वजह से हृदय संबंधी मरीजों को यात्रा न करने की सलाह दी जाती है। बता दें कि उत्तराखंड के चारों धाम ऊंचाई वाली जगहों पर ही हैं। इस बीच यमुनोत्री और बद्रीनाथ में मौसम ठंडा और बर्फीला रहता है। जिससे शरीर में जकड़न और अन्य स्वस्थ संबंधी दिक्कतें हो सकती है। बता दें कि चार धाम यात्रा के चार तीर्थस्थल इन ऊंचाइयों पर हैं।

'जज साहब मेरे डायलॉग पर लगे रोक'

अमिताभ बच्चन, अनिल कपूर के बाद यह बॉलीवुड एक्टर पहुंचा हाईकोर्ट

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ ने मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। जैकी श्रॉफ ने याचिका दाखिल करके अपने व्यक्तित्व और प्रचार अधिकारों की सुरक्षा की मांग की है। जैकी श्रॉफ ने इसको लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। आपको बता दें कि इससे पहले वर्ष 2022 में बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और फिर वर्ष 2023 पर अनिल कपूर ने भी ऐसी ही याचिका हाईकोर्ट में दाखिल की थी। अमिताभ बच्चन और अनिल कपूर ने अपनी याचिका में कहा था कि उनकी सहमति के बिना, किसी भी तरह या रूप में उनके नाम या आवाज के इस्तेमाल पर रोक लगाई जाए। दिल्ली हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में जैकी श्रॉफ ने कहा है कि उनकी सहमति के बिना उनके नाम, फोटो, आवाज और डायलॉग 'भिडू' का उपयोग करने से रोकने की मांग की है। फिल्म अभिनेता जैकी श्रॉफ ने अपने नाम (जैकी श्रॉफ, जैकी, भिडू आदि) तस्वीर और आवाज के साथ अपने व्यक्तित्व के अन्य पहलुओं के दुरुपयोग पर रोक लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि बिना उनकी अनुमति के उनके नाम जैसे जैकी, भिडू और आवाज का व्यावसायिक इस्तेमाल हो रहा है, जो गलत है और इस पर रोक लगनी चाहिए। दिल्ली हाई कोर्ट ने जैकी श्रॉफ की याचिका पर समन जारी किया है और अंतरिम राहत के आवेदन पर कल यानी बुधवार को सुनवाई होगी। अनिल कपूर की याचिका पर क्या था हाईकोर्ट का आदेश? अनिल कपूर की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने गो डैडी एलएलसी, डायनॉट एलएसी और पीडीआर लिमिटेड को निर्देश दिया है कि अनिल कपूर के नाम पर डोमेन जैसे अनिल कपूर ।कॉम को तुरंत ब्लॉक करने का निर्देश दिया था। सुनवाई के दौरान न्यायाधीश प्रतिभा एम सिंह ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के नाम, आवाज, फोटो का अवैध रूप से इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं।

क्या थी अमिताभ बच्चन की याचिका?

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने भी अपने पर्सनैलिटी राइट्स को लेकर कोर्ट में याचिका दायर की थी। वर्ष 2022 में अमिताभ बच्चन ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इसमें उन्होंने अपनी तस्वीर, नाम, आवाज सहित पर्सनैलिटी का इस्तेमाल बिना उनकी इजाजत के न करने की मांग की थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने आदेश जारी करते हुए पर्सनैलिटी राइट्स को सुरक्षित रखने का अंतरिम आदेश जारी किया था।

हाईकोर्ट का फैसला

एचसी ने बरी किए प्रेमी जोड़े के हत्यारोपी 2014 में चकराता में हुई थी हत्या

नैनीताल, 14 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने देहरादून के चकराता में 2014 में हुई बहुचर्चित प्रेमी जोड़े की हत्या के मुख्य आरोपी राजू दास को निचली अदालत से मिली फांसी की सजा के मामले पर सुनवाई के बाद अभिलेखों में पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध नही होने के कारण सभी अभियुक्तों को बरी करने के आदेश दिए हैं। पिछले माह कोर्ट ने इस प्रकरण पर सुनवाई के बाद निर्णय सुरक्षित रख लिया था। निचली अदालत ने राजू दास को फांसी की सजा व उसके बाकी तीन साथी कुंदन दास, गुड्डू व बबलू को उम्रकैद की सजा सुनवाई थी। न्यायमूर्ति रवींद्र मैठाणी एवं न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की खंडपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। मामले के अनुसार निचली अदालत ने राजू दास को फांसी की सजा व उसके बाकी तीन साथी कुंदन दास, गुड्डू व बबलू को उम्रकैद की सजा सुनवाई थी। इस आदेश को सभी अभियुक्तों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। यह आदेश अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ढकरानी मोहम्मद सुल्तान की अदालत ने दिल्ली से चकराता घूमने आए प्रेमी जोड़े से लूट, हत्या और साक्ष्य छुपाने के मामले पर 27 मार्च 2018 को आदेश पारित किया था। मामले के अनुसार अभिजीत पाल पुत्र अतुल पाल निवासी कोलकाता पश्चिम बंगाल हाल निवासी नई दिल्ली और मोमिता दास पुत्री मृणाल कृष्णादास निवासी लाडो सराय नई दिल्ली 22 अक्तूबर 2014 को दिवाली की छुट्टियों में देहरादून के चकराता आए थे। मगर इसके अगले ही दिन टाइगर फॉल घूमने के बाद दोनों लापता हो गए। मोमिता के घरवालों ने 23 अक्तूबर 2014 को उसे फोन लगाया तो संपर्क नहीं हो पाया। इसके बाद उन्होंने नई दिल्ली के लाडो सराय थाने में मोमिता की गुमशुदगी दर्ज की। पुलिस जांच में मोमिता के फोन की आखिरी लोकेशन चकराता में मिली और ईएमआई नंबर के आधार पर उसके मोबाइल में राजूदास के नाम का सिम भी ट्रैस हो गया।

'इंसान बूढ़ा हो जाता है तो ऐसी बातें बोलता है'

मल्लिकार्जुन खरगे को रवि किशन ने दी हिमालय जाने की सलाह

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 अब धीरे-धीरे समाप्ति की ओर बढ़ रहा है। बीते सोमवार को लोकसभा चुनाव के चौथे फेज के लिए वोटिंग संपन्न हो गई है। इस बीच चुनाव प्रचार के दौरान नेताओं द्वारा एक दूसरे के खिलाफ बयानबाजी का सिलसिला लगातार जारी है। हाल ही में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा एक सभा में कहा गया कि अगर भाजपा की सरकार वापस आती है तो वह देश को गुलाम बना देगी। अब भाजपा नेता और गोरखपुर लोकसभा सीट से सांसद व प्रत्याशी रवि किशन ने मल्लिकार्जुन खरगे पर उनके बयान को लेकर तीखा निशाना साधा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के तीसरे कार्यकाल का मतलब गरीबों, दलितों और आदिवासियों के साथ गुलामों की तरह व्यवहार होगा। उन्होंने कहा था कि आजादी से पहले गरीबों, दलितों और आदिवासियों के साथ गुलामों जैसा व्यवहार किया जाता था। यदि आप मोदी और शाह को तीसरा कार्यकाल देंगे तो वही स्थिति दोहरायी जाएगी। हम फिर से गुलाम बन जायेंगे। गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी उम्मीदवार रवि किशन ने कहा, इससे पता चलता है कि उम्र का कितना असर होता है। इंसान जब बूढ़ा हो जाता है तो वह ऐसे ही बोलता है। देश 10 साल से देख रहा है कि 'राम राज्य' में हिंदू और मुसलमान सब खुश हैं। हम चांद पर पहुंच गए हैं और वह ऐसा बोल रहे हैं? खरगे साहब, आपको तुरंत आराम की जरूरत है। हिमालय पर एक जगह है, मैं आपको उस गुफा के बारे में बता दूंगा और आप वहां चले जाएगा। आपको वहां जाने की आवश्यकता है। वहां कैसे पहुंचना है इसका पता मैं भेज दूंगा।

अगले फेज का चुनाव 20 को

लोकसभा चुनाव 2024 के 4 चरण संपन्न हो चुके हैं और इन सभी चरणों में क्रमशः 66.14 प्रतिशत, 66.71 प्रतिशत, 65.68 प्रतिशत और 67.25 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। देश में अगले तीन चरणों के लिए मतदान 20 मई, 25 मई और एक जून को होगा। सभी सीटों पर हुए चुनाव की मतगणना चार जून को होगी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 15 मई, 2024 3

सुविचार

परमात्मा गुणों के सागर हैं। यदि आप किसी विकार की अग्नि में जल रहे हैं तो उस सागर में डुबकी लगाइये

लोकसभा मतदान में 2.16 प्रतिशत की वृद्धि

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सोमवार को लोकसभा चुनाव के दौरान मतदान प्रतिशत में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई और 64.93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। यह 2019 के आम चुनावों से 2.16 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। मतदान प्रतिशत में वृद्धि को कई कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, जिसमें अनुकूल मौसम की स्थिति और मतदाता जागरूकता में वृद्धि शामिल है।

तेलंगाना की 1.7 संसदीय सीटों और सिकंदराबाद छावनी विधानसभा सीट पर मतदान प्रक्रिया सुचारू रूप से चली। 13 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान शाम 4 बजे समाप्त हो गया, जबकि शेष 106 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान शाम 6 बजे समाप्त हो गया। जो मतदाता शाम 6 बजे से पहले लाइन में थे, उन्हें वोट डालने की अनुमति दी गई, मतदान की अवधि अंततः रात 10 बजे तक बढ़ गई। अधिकारियों के मुताबिक, शाम छह बजे के बाद रात 10 बजे तक 1,400 केंद्रों पर मतदान जारी रहा। बढ़े हुए मतदान प्रतिशत में एक प्रमुख योगदान कारक चरम गर्मी में पूरे दिन मौसम की स्थिति में सुधार था। पूरे मतदान घंटों के दौरान मतदान के आंकड़ों में लगातार वृद्धि देखी गई, सुबह 9 बजे तक 9.48 प्रतिशत से बढ़कर 11 बजे तक 24.31 प्रतिशत, दोपहर 1 बजे तक 40.38 प्रतिशत, 3 बजे तक 52.34 प्रतिशत और शाम 5 बजे तक 61.16 प्रतिशत हो गया। चुनाव अधिकारियों ने बताया कि आधी रात तक 64.93 फीसदी मतदान दर्ज किया गया, सटीक आंकड़े जल्द ही सामने आने की उम्मीद है। तुलनात्मक डेटा से मतदाता सहभागिता पैटर्न में बदलाव का पता चलता है। 2019 के लोकसभा चुनाव में तेलंगाना में 62.69 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि पिछले विधानसभा चुनाव में यह आंकड़ा 71.97 प्रतिशत था।

2018 के विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत 73.74 फीसदी था। गौरतलब है कि हाल के लोकसभा चुनावों ने पिछले मतदान को पीछे छोड़ दिया है, जो मतदाताओं की भागीदारी में बढ़ोतरी का संकेत देता है। संसदीय निर्वाचन क्षेत्र-वार विश्लेषण से मतदान प्रतिशत में भिन्नता का पता चलता है, जिसमें भोंगिर 76.47 प्रतिशत की उच्चतम मतदान दर के साथ सबसे आगे है। इसके विपरीत, हैदराबाद में केवल 46.08 प्रतिशत भागीदारी के साथ अब तक का सबसे कम मतदान हुआ। दो निर्वाचन क्षेत्रों के अलावा, सभी क्षेत्रों में 2019 के संसद चुनावों की तुलना में अधिक मतदान हुआ।

विशेष रूप से, पारंपरिक कांग्रेस के गढ़ नलगोंडा और खम्मम संसदीय क्षेत्रों में पिछले चुनावों की तुलना में मतदान प्रतिशत में मामूली गिरावट देखी गई। जहां नलगोंडा में 2019 में 74.15 प्रतिशत से घटकर इस बार 73.78 प्रतिशत हो गया, वहीं खम्मम में 75.30 प्रतिशत से मामूली गिरावट के साथ 75.19 प्रतिशत हो गया। चुनाव अधिकारियों ने कहा कि अंतिम मतदान प्रतिशत जल्द ही घोषित किया जाएगा।

स्नातक एमएलसी उपचुनाव के लिए 52 उम्मीदवार मैदान में हैं

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा-खम्मम-वारंगल स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी उपचुनाव में कुल 52 उम्मीदवार मैदान में हैं। कुल 63 नामांकन दाखिल किए गए हैं और 11 ने वापस ले लिया है। 27 मई को 12 जिलों में मतदान होगा। वोटों की गिनती 5 जून को होगी, तीन संयुक्त पूर्ववर्ती जिलों में कुल 4,61,806 मतदाता हैं।

कांग्रेस जहां तीनमार मल्लन्ना को समर्थन दे रही है, वहीं बीजेपी प्रेमेंदर रेड्डी को और बीआरएस राकेश रेड्डी को समर्थन दे रही है। लोकसभा चुनाव खत्म होने के साथ ही प्रमुख पार्टियों का ध्यान एमएलसी उपचुनाव पर केंद्रित हो गया है, बीआरएस प्रमुख केसीआर कल तीन पूर्ववर्ती जिलों के नेताओं से मुलाकात करेंगे। बीआरएस सिटिंग सीट की सुरक्षा के लिए रणनीति बनाएगा। पल्ला राजेश्वर रेड्डी को मार्च 2021 में इस पद के लिए एमएलसी चुना गया था।

सौर स्थापना कार्यक्रम में आ रही बाधाएं

जागरूकता की कमी के कारण हो रही परेशानी

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जागरूकता की कमी, उच्च प्रारंभिक लागत, रियायती बिजली आपूर्ति और वित्तपोषण विकल्पों की कमी राज्य में छत पर सौर स्थापना कार्यक्रम में बाधा बन रही है। छत पर सौर ऊर्जा अपनाने की गति बहुत धीमी है, विशेष रूप से राज्य में आवासीय क्षेत्र में क्योंकि सौर ऊर्जा की स्थापना अभी भी कई लोगों के लिए एक महंगा विकल्प है। केंद्र विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सब्सिडी प्रदान कर रहा है, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण लोग इसे लेने से कतराते हैं।

सस्ती बिजली के लिए रूफटॉप सोलर महत्वपूर्ण :

उपभोक्ताओं को राज्य संचालित बिजली वितरण कंपनियों से सब्सिडी वाली बिजली मिल रही है, इसलिए उन्हें सौर मोड पर स्विच करने की आवश्यकता महसूस नहीं होती है। तेलंगाना राज्य नवीकरणीय ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एन जनैया के अनुसार जागरूकता की कमी लोगों को सौर ऊर्जा अपनाने से रोक रही है। सस्ती बिजली के लिए रूफटॉप सोलर महत्वपूर्ण है।

25 साल तक मुफ्त बिजली :

उन्होंने कहा कि यह ग्रिड पर निर्भरता कम करता है और लंबे समय में बहुत सारा पैसा बचाता है। यदि 3 किलोवाट प्रणाली स्थापित करने के लिए 1.50 लाख रुपये का निवेश किया जाता है, तो व्यक्तिगत घर 25 साल तक मुफ्त बिजली पा सकते हैं। उन्होंने कहा कि नई छत सौर योजना 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना (पीएसजीएमबीवाई)' के माध्यम से, राज्य सरकार उच्च लागत सहित छत पर सौर क्षमता बढ़ाने के मुद्दों को लेकर चल रही थी।

कंपनियों को मिलता है आर्थिक लाभ

बिजली अधिकारियों ने कहा कि आवासीय घरों में छत पर सौर पैनलों की स्थापना से बिजली वितरण कंपनियों को भारी आर्थिक लाभ मिलता है, जिसमें क्रॉस-सब्सिडी का बोझ कम होना, ट्रांसमिशन और वितरण घाटे में सुधार और उपभोक्ताओं की सेवा के लिए कम औसत लागत शामिल है।

केसीआर होते तो अच्छा होता

4 महीने में ही सबको पता चल गया कांग्रेस कार्यकर्ता का वीडियो हुआ वायरल

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बने 5 महीने हो चुके हैं। हर कोई सीएम रेवंत रेड्डी की सरकार पर अपनी राय रख रहा है। आम तौर पर जहां बीआरएस और बीजेपी के कार्यकर्ता आलोचना कर रहे हैं, वहीं कांग्रेस पार्टी के समर्थक समर्थन कर रहे हैं। हालांकि, अनाज पहुंचने की बात को लेकर न सिर्फ विपक्ष बल्कि उनकी अपनी पार्टी के कार्यकर्ता भी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। विपक्ष का कहना है कि वायरल हो रहा ये वीडियो इस बात का सबूत है।

तेलंगाना में एक तरफ चुनावी मेला चल रहा है तो दूसरी तरफ कल्ला सीजन चल रहा है। कटाई लगभग समाप्त हो चुकी है और अनाज पुलियों तक पहुंच चुका है। किसानों को यह चिंता सता रही है कि अनाज की खरीदारी कब होगी। चुनाव को देखते हुए धान खरीद में देरी तय मानी जा रही है, लेकिन असामयिक बारिश के कारण किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश के कई हिस्सों में वरुण देवता अपना रौब दिखा चुके हैं..उन हिस्सों में अनाज गीला हो चुका है।

बरसात के मौसम में बारिश होने से कुछ इलाकों में खेतों में अनाज बह गया। नतीजा कड़ी मेहनत से उगाई गई फसल बेचने और पैसा कमाने के वक्त इस बारिश को देखकर किसान अपना गहरा दुख व्यक्त कर रहे हैं। वे सरकार की ओर देख रहे हैं कि क्या वे समय-समय पर उनका अनाज खरीदेंगे।

हर पार्टी का दावा संसद चुनाव में चली हमारी ही हवा

कांग्रेस-बीजेपी-बीआरएस ने व्यक्त किया दोहरे अंक में सीट जीतने का विश्वास

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में कडे मुकाबले वाला संसदीय चुनाव ख़त्म हो गया है। 17 सीटों के लिए हुए चुनाव में तीनों पार्टियों कांग्रेस, बीजेपी और बीआरएस ने जमकर प्रचार किया। मतदान खत्म होने के बाद तीनों पार्टियों के नेता जीत के करीब हैं और तीनों ही दोहरे अंक में जीत का दावा कर रहे हैं।

पार्टियों के नेता मतदान प्रतिशत को लेकर ग्राउंड रिपोर्ट लेकर आ गए हैं और हिसाब-किताब लगा रहे हैं। हमेशा की तरह इस बार भी ग्रामीण इलाकों में मतदान का प्रतिशत ज्यादा रहा, तीनों पार्टियों का कहना है कि ग्रामीण मतदाता उनके पक्ष में हैं और उम्मीदवारों की किस्मत का पता 4 जून को मतगणना के दिन पता चलेगा।

कांग्रेस-बीजेपी-बीआरएस तीनों की गणना डबल डिजिट में एक जैसी है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का कहना है कि कांग्रेस पार्टी के लिए 14 सीटें सुरक्षित की जाएंगी। उन्होंने छह में से पांच गारंटी लागू होने का दावा करते हुए कहा कि इसका असर इस चुनाव में साफ तौर पर देखने को मिला है। रेवंत ने कहा कि लोग समझ गए हैं कि बीआरएस को वोट देना बेकार है और नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना के लिए कोई अच्छा काम नहीं किया है। कहा जा रहा है कि उन्होंने जो सबूत दिए हैं कि आरक्षण खत्म कर दिया जाएगा और संविधान बदल दिया जाएगा, उससे एससी, एसटी और बीसी समुदाय में हलचल मच गई है, किसानों को भी कर्ज माफी के उनके वादे पर पूरा भरोसा है, किसी भी हाल में वे आश्वस्त हैं कि कांग्रेस 14 लोकसभा सीटें जीतेगी।

बीजेपी नेता किशन रेड्डी, डॉ.के. लक्ष्मण और एटाला का कहना है कि पिछले संसदीय चुनाव में बीजेपी को चार एमपी सीटें मिली थीं, इस बार आठ सीटें और जुड़ जाएंगी और बीजेपी कुल 12 सीटें जीतने जा रही है। लोगों का कहना है कि वे स्पष्ट फैसला देने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को एहसास हो गया है कि राज्य में सत्ता में आई कांग्रेस सरकार ने उन्हें धोखा दिया है और इससे उन्हें वोट मिलेंगे। उन्होंने कहा, साथ ही लोगों को यह भी एहसास हुआ कि बीआरएस को वोट देने से कोई फायदा नहीं होगा। किशन रेड्डी ने कहा कि सभी लोग जान गए हैं कि तेलंगाना का विकास नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही होगा। ग्रामीण मतदाता भी कह रहे हैं कि इस बार वे उनके साथ हैं। कहा जा रहा है कि हर वर्ग के लोग मोदी के नेतृत्व को आमंत्रित कर रहे हैं।

पूर्व सीएम केसीआर का कहना है कि राज्य में हाल ही में सत्ता में आई कांग्रेस सरकार पर लोगों को भरोसा नहीं है। उनका कहना है कि वे जहां भी जाते हैं, पीने के पानी की समस्या और बिजली कटौती देखने को मिलती है, लोगों को दुख होता है कि उन्होंने इस सरकार को क्यों चुना, वे इस बार अपना विरोध वोट के रूप में दिखाएंगे और बीआरएस 14 सीटें जीतेगी। लोग खुलेआम कह रहे हैं कि कांग्रेस सरकार छह गारंटी लागू करने में विफल रही है।

यह भी कहा जाता है कि वे समझ गए हैं कि अगर वे बीजेपी को वोट भी देंगे तो कोई फायदा नहीं होगा, उन्होंने कहा कि मोदी ने दस साल में तेलंगाना को कुछ नहीं दिया और लोगों को इस बात का एहसास हो गया है। इसीलिए बीआरएस कह रही है कि कांग्रेस और बीजेपी में सिर्फ दूसरी सीट के लिए प्रतिस्पर्धा हुई है, बीआरएस 12 से 14 सीटों पर जीत हासिल करेगी।

श्री वेणुगोपालस्वामी का वार्षिक ब्रह्मोत्सव 29 मई से

तिरुपति, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कर्वेतिनगरम श्री वेणुगोपालस्वामी का वार्षिक ब्रह्मोत्सव 29 मई से 6 जून तक आयोजित होगा। 21 मई को कोइल अलवर तिरुमंजनम और 28 मई को अंकुरारपनम भी होगा। कर्वेतिनगरम में श्री रुक्मिणी सत्यभामा समता श्री वेणुगोपालस्वामी मंदिर में ब्रह्मोत्सव के दौरान सुबह 7.30 बजे से 9.30 बजे तक और फिर शाम 7.00 बजे से 9.00 बजे तक वाहन सेवा का आयोजन किया जाता है।

7 जून को दोपहर 1.30 बजे से 3.30 बजे तक पुष्प यज्ञ किया जाएगा। ब्रह्मोत्सव के दौरान, टीटीडी हिंदू धर्मप्रचार परिषद और अन्नमाचार्य परियोजनाओं के तत्वावधान में प्रतिदिन भक्ति संगीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन और कोलतम का आयोजन किया जाएगा।

आंध्र में चुनाव बाद हिंसा : तिरुपति में टीडीपी उम्मीदवार पर हमला

तिरुपति, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में चुनाव के बाद जारी हिंसा में मंगलवार को तिरुपति में हमलावरों के एक समूह द्वारा हमला किए जाने के बाद चंद्रगिरि विधानसभा क्षेत्र से एक टीडीपी उम्मीदवार घायल हो गया। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने हमले के लिए वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) को जिम्मेदार ठहराया, जो एक सशस्त्र समूह द्वारा किया गया था। यह घटना तब हुई जब टीडीपी उम्मीदवार पुलिवर्ती वेंकट मणि प्रसाद, जिन्हें पुलिवर्ती नानी के नाम से जाना जाता है, पद्मावती महिला विश्वविद्यालय में स्ट्रॉन्ग रूम का दौरा करने के बाद लौट रहे थे।टीडीपी नेता घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

टीडीपी ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय के पास लाठी-डंडों से लैस भीड़ ने नानी की कार पर हमला किया। हमले में टीडीपी नेता के सुरक्षाकर्मी भी घायल हो गए। इस घटना से इलाके में तनाव फैल गया और टीडीपी समर्थक सड़क पर बैठ गए और हमले में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे। उन्होंने वाईएसआरसीपी के झंडे के साथ वहां खड़ी एक कार पर भी हमला किया। पुलिस ने स्ट्रांग रूम के पास भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया, जहां सोमवार के मतदान के बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें (ईवीएम) रखी गई थीं। तिरुपति के पुलिस अधीक्षक कृष्णकांत पटेल ने मीडियाकर्मियों को बताया कि नानी अस्पताल में सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि वह नानी से मिले और उनका बयान दर्ज किया। चुनाव लड़ रहे उम्मीदवार ने हमले में शामिल लोगों के नाम बताए। हमने विशेष टीमें बनाई हैं। हम इसमें शामिल लोगों की पहचान करेंगे और उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। हम उन्हें पकड़ेंगे और रिमांड पर लेंगे। उन्होंने कहा कि स्ट्रांग रूम पूरी तरह सुरक्षित है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि चूंकि धारा 144 लागू है, इसलिए वे स्ट्रॉन्ग रूम के पास के क्षेत्र में किसी भी सभा की अनुमति नहीं देंगे। नानी के समर्थकों ने आरोप लगाया कि हमले के पीछे वाईएसआरसीपी विधायक चेविरेड्डी भास्कर रेड्डी का हाथ है। भास्कर रेड्डी के बेटे चेवीरेड्डी मोहित रेड्डी ने वाईएसआरसीपी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा। विधानसभा और लोकसभा चुनाव के लिए सोमवार को मतदान के दौरान राज्य में कई जगहों से हिंसक घटनाएं हुईं। कुछ जगहों पर वाईएसआरसीपी और टीडीपी समर्थकों के बीच झड़प हो गई। पलनाडु जिले में भी पेट्रोल बम फेंके गए।

मुसी रिवर फ्रंट डेवलपमेंट : मास्टर प्लान के लिए सलाहकार आमंत्रित

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार रिवर मुसी फ्रंट डेवलपमेंट परियोजना को क्रियान्वित करने के लिए भव्य योजनाएं बना रही है और परियोजना के लिए समग्र मास्टर प्लान तैयार करने के लिए सलाहकारों को आमंत्रित किया गया है। मास्टर प्लान मुसी नदी के 55 किमी के क्षेत्र को कवर करने वाले साइट क्षेत्र के लिए तैयार किया जाएगा। इसमें दोनों ओर के कुल 110 वर्ग किमी क्षेत्र के एक किमी प्रभाव क्षेत्र को शामिल नहीं किया गया है। मुसी रिवर फ्रंट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने पिछले महीने सलाहकारों को आमंत्रित किया था और आवेदकों द्वारा प्रस्तुत आवेदन 18 मई को खोले जाने की संभावना है।

मास्टर प्लान तैयार करने की कवायद को चार घटकों में विभाजित किया गया है, जिसमें ब्लू-ग्रीन मास्टर प्लान, भूमि उपयोग मास्टर प्लान, इंफ्रास्ट्रक्चर मास्टर प्लान और वित्तीय मास्टर प्लान शामिल हैं। किए जाने वाले विभिन्न अभ्यासों में सलाहकारों को सीमांकित क्षेत्र की मास्टर प्लानिंग और प्रारंभिक डिजाइन में इनपुट के लिए क्षेत्र की मौजूदा जलवायु परिस्थितियों और वनस्पतियों का विश्लेषण करना होगा। उन्हें सरकारी नियमों द्वारा निर्धारित उपायों के अलावा सतत विकास के कार्यान्वयन के लिए विशिष्ट उपायों को एकीकृत करना होगा। इन उपायों में एकीकृत जल प्रबंधन, वर्षा जल संचयन, जल का पुनः उपयोग, एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना, नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग और निर्माण के दौरान टिकाऊ सामग्रियों का उपयोग शामिल होगा। सलाहकारों को सभी पूर्व साइट सर्वेक्षणों का आकलन करना होगा और परियोजना की सीमा और साइट के सीमांकन को मान्य करना होगा। उन्हें नदी और ऊंचे तटबंधों पर प्रस्तावित पुलों या राजमार्ग संरचनाओं के लिए भू-तकनीकी जांच और उप-सतह अन्वेषण करना होगा और मिट्टी पर सभी प्रासंगिक प्रयोगशाला और क्षेत्र परीक्षण करना होगा। सलाहकारों को मौजूदा बुनियादी ढांचे का आकलन करना होगा और मुसी नदी में स्वच्छ और पुनर्नवीनीकरण पानी के प्रवाह को सक्षम करने के लिए सुधार का प्रस्ताव देना होगा। उन्हें चिन्हित भूमि क्षेत्र के लिए भू-संदर्भित भूकर मानचित्र सहित एक विस्तृत मास्टर प्लान तैयार करना होगा। ब्लू-ग्रीन मास्टर प्लान के तहत नदी में स्वच्छ या पुनर्नवीनीकृत पानी के प्रवाह के लिए प्रौद्योगिकी समाधान पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा था। नदी तटों को स्थिर करने और बाढ़ के प्रभाव को कम करने के लिए प्राकृतिक बाढ़ मैदान प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने के लिए बायोइंजीनियरिंग तकनीक। इसी तरह, ग्रीन मास्टर प्लान के तहत सौंदर्यीकरण के अलावा खुली जगह और लैंडस्केप रणनीति विकसित करने की योजना है। भूमि उपयोग मास्टर प्लान में एक आधार मानचित्र तैयार किया जाएगा, जो साइट के भीतर निर्मित सुविधाओं, मौजूदा सड़क नेटवर्क, जल निकायों, नदियों, पहाड़ियों और जंगलों आदि पर प्रकाश डालता है। इंफ्रास्ट्रक्चर मास्टर प्लान के तहत सभी सड़कों, पुलों और उपयोगिता सेवाओं के लिए एक डिजाइन आधार रिपोर्ट तैयार की जाएगी। वित्तीय मास्टर प्लान में विकास की लागत, परियोजना संरचना आदि सहित विभिन्न मापदंडों पर विचार करके एक वित्तीय व्यवहार्यता मॉडल विकसित किया जाएगा।

सखी सेवा एवं बाल विवाह पर जागरूकता सेमिनार

नागरकर्नूल, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नगरकर्नूल जिले के कोडर मंडल और पेद्दा कोट्टापल्ली मंडल के मुस्तिपल्ली गांव में सखी केंद्र के तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। नगरकर्नूल सखी केंद्र समन्वयक सुनीता ने कहा कि रोजगार की गारंटी वाले श्रमिकों के साथ सखी सेवाओं और बाल विवाह उन्मूलन पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सखी सेवाओं का उपयोग कैसे करना चाहिए, इसके बारे में बताया गया। उन्होंने बताया कि महिलाओं को किसी भी समस्या का डटकर सामना करना चाहिए। उन्होंने बताया कि साक्ष्य के अभाव में सखी सेंटर उन्हें न्याय दिलाने के लिए सदैव उपलब्ध रहेगा।

वाहन पलटने से रेत ट्रैक्टर चालक की मौत

कोत्तागुडेम, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को जिले के लक्ष्मीदेवीपल्ली मंडल के करुकोंडा इलाके में एक रेत ट्रैक्टर चालक की वाहन पलटने से मौत हो गई। कोत्तागुडेम के बोदागुट्टा क्षेत्र के मृतक बी मोतीलाल (24) को एक ट्रैक्टर मालिक ने रेत के कथित अवैध परिवहन के लिए काम पर रखा था।

हादसे का कारण तेज रफ्तार बताया जा रहा है। मृतक के परिवार के सदस्यों ने एक निजी अस्पताल में विरोध प्रदर्शन किया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई, और ट्रैक्टर मालिक को मुआवजा देने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि उन्होंने अवैध रेत परिवहन के बारे में स्थानीय पुलिस को सूचित किया है लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई।

दोस्त, किताब, रास्ता और सोच सही मिल जाए तो जिंदगी में बल्ले-बल्ले

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। फेमिली वॉट्स एप ग्रुप में सोमवार की दोपहर से सीबीएसई की ट्वेल्थ/टेंथ परीक्षा में पास हुए बच्चों को बधाई के मैसेज चल पड़े। बच्चों के पास होने की खुशी से ज्यादा पेरेंट्स की चिंता यह भी थी कि जितना सोचा था उतना परसेंटेज नहीं बना, बच्चे थोड़ी मेहनत और कर लेते तो अच्छा परसेंटेज बन जाता।

इस नाखुशी वाले ऐसे मैसेज के जवाब में दूसरे रिश्तेदार ने भी अपने बच्चे के कम परसेंटेज का दुखड़ा रोना शुरू कर दिया। एक तीसरे रिश्तेदार को अपने बच्चे के परसेंटेज की खुशी से अधिक नाराजी इस बात की थी कि उसके फ्रेंड का परसेंटेज इतना अच्छा कैसे बन गया। जबकि मेहनत तो इसने भी खूब की थी। दोनों अकसर साथ में स्टडी करते थे। वॉट्सएप पर चल रहे ये सारे मैसेज देखते-पढ़ते हुए मुझे अपने बचपन के पढ़ाई वाले वो दिन याद आ गए जब पांचवी, आठवीं से लेकर दसवीं, बारहवीं तक लगभग हर परीक्षा में अपन थर्ड डिविजन से पास होते रहे थे और मेरी कम पढ़ी-लिखी मां और नानी इस रिजल्ट पर भी खुश होकर पेड़े लाकर पड़ोसियों में बांटती रही थीं कि मुन्ना पास हो गया है। उस जमाने में परसेंटेज का आज जैसा महत्व नहीं था, और न ही इतनी काम्पिटिशन ही थी। अधिकांश परिवारों के अभिभावक आज की तरह बच्चों पर परसेंटेज का भी इतना प्रेशर नहीं बनाते थे। इतनी महंगाई नहीं थी, घर में एक व्यक्ति की कमाई से परिवार की गुजर-बसर आसानी से हो जाती थी। संयुक्त परिवार वाली व्यवस्था में तो प्रेम की गंगा बहती रहती थी। पिछले पांच-छह दशकों में सारा परिदृश्य बदल गया है। स्कूल से लेकर कॉलेज एडमिशन तक एजुकेशन स्टेटस सिंबल हो गया है।हर परिवार का मोटा खर्चा तो बच्चों के एडमिशन-एजुकेशन पर होने लगा है। पड़ोसी का बच्चा बाहर पढ़ने गया है तो मेरा बच्चा क्यों नहीं जाए, इस मानसिकता से पेरेंटस का तो परसेंटेज को लेकर दबाव रहता ही है, आकर्षित करते नए-नए सब्जेक्ट, कोचिंग सेंटरों का चुंबकीय आकर्षण,सरकार की नाकामी से जड़ जमा चुका एजुकेशन माफिया, दोस्तों से होड़ाहोड़ी का आलम यह हो गया है कि हर अभिभावक चाहता है परसेंटेज की दौड़ में उसका बच्चा ही आगे रहे। शायद यही सारे कारण है कि ऑनलाइन रिजल्ट घोषित हुआ तो लगभग सभी फेमिली ग्रुप पर बच्चों के पास होने की खुशी से अधिक परसेंटेज की चर्चा होती रही।

एग्जाम वाले दिनों में लगभग हर परिवार में मम्मी बच्चों से पहले जाग कर उन्हें स्टडी के लिए उठाती रहीं और उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए जगराता भी करती रही हैं, मुश्किल सवालों के आसान हल का तरीका पापा भी बताते रहे हैं। जिस तरह कोई डॉक्टर मरीज को अंतिम क्षण तक बचाने के लिए प्रयासरत रहता है वैसे ही अधिकांश बच्चे भी स्टडी से लेकर पेपर हल करने तक बेहतर परफार्मेंस के लिए प्रयासरत रहते हैं। कोई भी स्टूडेंट कम परसेंटेज के लिए तो संघर्ष नहीं करता।

कोई पेरेंट्स नहीं चाहेगा कि उसका बच्चा उनके हाथों से निकल जाए। कोटा से हर कुछ दिनों में स्टूडेंट द्वारा प्रेशर के कारण की जाने वाली आत्महत्या की घटनाओं से उन तमाम पेरेंट्स को सबक लेना ही चाहिए जो हायर एजुकेशन के लिए अपने बच्चों पर अब और दबाव बनाएंगे ही। अपने बच्चों पर परसेंटेज का दबाव बनाने की अपेक्षा बेहतर तो यह होगा कि उनके साथ दोस्ताना व्यवहार रखें। उन्हें गाइड करने का प्रेशर बनाने की अपेक्षा पहले उनकी सुनें कि वो अब क्या करना चाहते हैं, किस सब्जेक्ट में उनकी रुचि है और कौन सा सब्जेक्ट उन्हें फूटी आंखों नहीं सुहाता है।

जिस फील्ड में बच्चे जाना चाहते हैं या जिस सब्जेक्ट को वे करियर के लिहाज से बेहतर मानते हैं जरूरी नहीं कि हर पेरेंट्स उसे बेहतर समझते हों ऐसे में बच्चों को सही रास्ता करियर काउंसिलिंग से भी मिल सकता है, हो सकता है आप की बात उसे शिक्षाविद-मार्गदर्शक बेहतर तरीके से समझा दें। शहर के शैक्षणिक संगठनों को भी जिला प्रशासन प्रेरित करे कि वे निशुल्क मार्गदर्शन दें और इस शहर से मिली उपलब्धियों का कर्ज उतारने की उदारता दिखाएं। स्कूलों में एक दिन पढ़ाने के लिए वक्त निकालने वाले आयएएस, आयपीएस सहित अन्य अधिकारी भी स्टूडेंट्स को करियर गाइडेंस के लिए सही रास्ता बता सकते हैं।

पीएम मोदी के खिलाफ

सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करना पड़ा भारी, आरोपी आसिफ राणा गिरफ्तार

शामली, 14 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के बीच उत्तर प्रदेश के शामली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी का मामला सामने आया है। आरोप ने पीएम मोदी को लेकर सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी की थी जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई थी। इस पोस्ट लेकर लोगों की नाराज़गी के बाद पुलिस ने आरोपी आसिफ़ राणा सौहंजनी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। खबर के मुताबिक आरोपी आसिफ राणा ने प्रधानमंत्री को लेकर अभद्र टिप्पणी करते हुए एक पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर की थी, जिसमें पीएम मोदी के लिए आपत्तिजनक शब्दों को इस्तेमाल किया गया था। देखते ही देखते ये पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, जिसके बाद लोग इस पोस्ट को देखकर भड़क उठे थे और कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

पुलिस ने आरोपी आसिफ राणा को गिरफ्तार किया

ये मामला शामली के थाना थानाभवन क्षेत्र के गया सौहजनी उमरपुर का बताया जहां है, जहां रहने वाला आसिफ़ राणा सौहजनी ने पीएम मोदी को लेकर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अभद्र टिप्पणी की थी। इस पोस्ट को लेकर लोगों में काफी नाराजगी देखने को मिली। जिसके बाद लोगों ने आरोपी को गिरफ्तार करने और उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से संज्ञान में लिया और तत्काल आरोपी की तलाश शुरू करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए कहा आरोपी आसिफ राणा सौहंजनी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई में जुट गई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि लोगों में इस पोस्ट को लेकर आक्रोश था, जिसके बाद आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की गई है। पुलिस इसकी जांच कर रही है।

एल्विश यादव से पीएफए के दो लोगों को जान का खतरा

लगाया पीछा करने का आरोप, कहा- एक्सीडेंट करा देंगे

नोएडा, 14 मई (एजेंसियां)। पीएफए के एक्टिविस्ट भाईयों को एल्विश यादव से जान का खतरा है। उन्होंने एल्विश और उसके साथियों पर लगाया पीछा करने का आरोप लगाया है। गौतमबुद्ध नगर की पुलिस कमिश्नर से की लिखित शिकायत की है। अभी मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है।

नोएडा सर्प विष तस्करी केस के वादी गौरव गुप्ता और गवाह व उनके भाई सौरभ गुप्ता ने यूट्यूबर एल्विश यादव से जान का खतरा होने की आशंका जताई है। आरोप लगाया है कि पिछले कुछ दिनों से एल्विश यादव और उसके साथियों द्वारा उनके घर की रेकी कराई जा रही है। आरोप है कि गाड़ियों का पीछा किया जा रहा है। दोनों भाईयों ने यह भी आशंका जताई है कि वह सड़क हादसे में उन्हें मरवा सकते हैं या किसी झूठे केस में फंसा सकते हैं। इस संबंध में गौतमबुद्ध नगर की पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह को शिकायत दी है। अभी एफआईआर नहीं हुई है।

सीएम योगी की बुलडोजर नीति का बृजभूषण शरण सिंह ने किया विरोध, कहा- 'घर मुश्किल से बनता है

कैसरगंज, 14 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के बीच उत्तर प्रदेश की कैसरगंज सीट से बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह का एक ऐसा बयान सामने आया है, जिसे लेक कयासों का दौर शुरू हो गया है। बीजेपी सांसद ने सीएम योगी की बुलडोजर नीति का विरोध किया है। अपने बेटे के समर्थन में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए बृजभूषण ने कहा कि वो बुलडोज़र नीति के विरोधी हैं। घर बड़ी मुश्किल से बनता है। बृजभूषण शरण सिंह ने कैसरगंज में अपने बेटे और भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी करण भूषण सिंह के समर्थन मोहम्मदपुर में हुई एक चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे हैं, इसी दौरान उनके ये तेवर देखने को मिले। बीजेपी सांसद ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि, मैंने सार्वजनिक मंच से बोला था बुलडोजर नीति का मैं विरोधी हूं। याद होगा गोरखपुर का एक प्रकरण था, मुझसे पूछा गया था। हमने कहा, बुलडोजर नीति का मैं विरोधी हूं।

बृजभूषण शरण सिंह बोले- घर मुश्किल से बनता है

उन्होंने कहा, घर बड़ी मुश्किल से मिलता है। मेरे भाईयों बृजभूषण शरण सिंह एक ऐसा व्यक्ति हैं जो आपके दुख और दर्द को समझता है। इसीलिए मैंने कहा था घर बड़ी मुश्किल से बनता है और इसी बात की नाराजगी मैं झेल रहा हूं। लेकिन कोई बात नहीं, मैं विरोध करता रहूंगा। बीजेपी सांसद ने आगे कहा, सच्चाइयों के गीत गाना बगावत है तो मैं भी एक बागी हूं। मेरा मजहब बगावत है। सीएम योगी की बुलडोजर

नीति की काफी चर्चा की जाती है। विरोधी दल हमेशा इस नीति पर सवाल उठाते हैं और इसे एक शख़्स के अपराध की सज़ा पूरे परिवार को दिए जाने का आरोप लगाते हैं, तो वहीं अब बृजभूषण शरण सिंह ने भी खुलकर इसका विरोध किया है जिसके बाद कयासों को दौर शुरू हो गया है। इससे पहले भी एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके नेता है वहीं सीएम योगी के सवाल पर उन्होंने कहा कि वो यूपी की मुख्यमंत्री हैं। भारतीय जनता पार्टी ने इस बार सांसद बृजभूषण शरण सिंह का टिकट काट दिया हैं। उनकी जगह बेटे करण भूषण सिंह को कैसरगंज से उम्मीदवार बनाया है। जिसके बाद बृजभूषण लगातार अपने बेटे के समर्थन में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। हालांकि वो ख़ुद इस सीट से चुनाव लड़ने के लिए अड़े थे लेकिन महिला पहलवानों के आरोपों के बाद हाईकमान ने उनका टिकट काट दिया है। वहीं दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में इस मामले में उनके खिलाफ आरोप भी तय हो गए हैं।

आसमान में दिखा अदभुत नजारा, सूरज के चारों ओर बनी दुर्लभ रिंग देखने के लिए रही उत्सुकता

प्रयागराज, 14 मई (एजेंसियां)। यूपी के प्रयागराज में सुबह बाद आसमान में सूरज के चारों ओर गोलाकार रिंग का अद्भुत नजारा दिखा। प्रयागराज शहरवासियों ने एक अद्भुत खगोलीय घटना का नजारा देखा। आसमान में सूरज के चारों ओर एक गोलाकार रिंग दिखाई दी। जिसे देखने के लिए लोग अपने घरों की छतों और बाहर सड़कों पर इकट्ठा हो गए। यह नजारा बहुत ही दुर्लभ था, और लोगों में इसे लेकर उत्सुकता और आश्चर्य का विषय बन गया। लोगों ने छतों और सड़कों पर आकर सूर्य के इस नजारा की फोटो भी खूब खिंचा। इसके अलावा लोगों द्वारा सोशल मीडिया पर सूर्य के इस नए रूप को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं भी हैं।हालांकि मौसम जानकारों ने अभी इसपर कुछ नहीं कहा है।

पुलिस ने शातिर अपराधी को किया गिरफ्तार अवैध हथियार और उपकरण बरामद

झांसी, 14 मई (एजेंसियां)। थाना बबीना पुलिस ने मंगलवार को एक शानदार सफलता हासिल करते हुए एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से पुलिस ने 6 तमंचे (जिनमें से 5 चालू हालत में थे), 1 देशी रिवाल्वर, 2 जिंदा कारतूस और शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किए हैं। मामले का खुलासा करते हुए एसपी सिटी ज्ञानेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी का नाम अर्जुन यादव है, जो ग्राम खिरकन, थाना बबीना का रहने वाला है। पुलिस को सूचना मिली थी कि अर्जुन अवैध हथियारों का निर्माण और तस्करी कर रहा है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने एक टीम का गठन किया और छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने अर्जुन यादव को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान पुलिस को उसके घर से 6 तमंचे (जिनमें से 5 चालू हालत में थे), 1 देशी रिवाल्वर, 2 जिंदा कारतूस और शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद हुए। एसपी सिटी के अनुसार, अर्जुन यादव एक शातिर अपराधी है जिसके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। बदमाश के पास से 5 तमंचा 315 बोर (चालू हालत में), 1 तमंचा 315 बोर (अर्ध-निर्मित), 1 देशी रिवाल्वर 32 बोर, 1 जिंदा कारतूस 315 बोर, 1 जिंदा कारतूस ।32 बोर, शस्त्र बनाने के उपकरण (धौंकनी, पेचकस, छेनी, हथौड़ा, आरी, रेती, आदि) अभियुक्त का आपराधिक इतिहास अभियुक्त अर्जुन यादव पर कई गंभीर अपराधों के मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या का प्रयास, डकैती, लूटपाट, और अवैध हथियार रखना शामिल है। अरुण कुमार तिवारी, थानाध्यक्ष, उपनिरीक्षक सर्वेश कुमार, उपनिरीक्षक कुलदीप पवार, हेड कॉन्स्टेबल 195 आदित्य कुमार, कॉन्स्टेबल 839 कृष्ण मुरारी

मुंगेर में वोट देने से रोका गया

आरजेडी सांसद मनोज झा ने चुनाव आयोग से की शिकायत

मुंगेर, 14 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के राज्यसभा सांसद मनोज झा के साथ पार्टी प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव और कारी सोहैब सोमवार को चौथे चरण के मतदान के दौरान चुनाव आयोग पहुंचे। उन्होंने मुंगेर लोकसभा सीट पर मतदान से संबंधित शिकायत चुनाव आयोग से की। मुख्य निर्वाचन आयुक्त एचआर श्रीनिवास से मिलकर निकलने के बाद मनोज झा ने कहा कि आरजेडी के प्रति गरीबों का जो झुकाव है, उससे एनडीए डर गई है और प्रशासन के साथ मिलकर मतदान प्रभावित कर रही है। मनोज झा ने पत्र दिखाते हुए कहा कि मुंगेर लोकसभा के 22 से अधिक बूथों पर लोगों को मतदान करने से रोका जा रहा है। पूरी प्रशासनिक मिलीभगत से यह सब कुछ हो रहा है। उनकी पार्टी को निष्पक्ष चुनाव को लेकर प्रशासन से जो अपेक्षा थी वह मुंगेर लोकसभा सीट पर नहीं दिख रही है।

मतदान केंद्र पर वोट देने से रोका

सांसद मनोज झा ने कहा कि गरीब और पिछड़े समाज के लोग जो इंडिया गठबंधन को वोट देने जा रहे थे, उन्हें मतदान केंद्र पर वोट देने से रोका जा रहा है। यह दिखा रहा है कि सरकार में किस तरह की बेचैनी है। चुनाव आयोग निष्पक्ष चुनाव करने की बात करती है तो इस मामले की निष्पक्ष जांच करके उचित कार्रवाई करे।

हार का अंतर कम करने की कोशिश

उन्होंने कहा कि प्रशासन का काम यह सुनिश्चित करना है कि गरीब और बहुजन आबादी अपने मताधिकार का प्रयोग करे। यह मत देने का अधिकार बहुत मुश्किल से बाबा साहब अंबेडकर ने दिया था। मनोज झा ने कहा कि सरकार प्रशासन के माध्यम से हार का अंतर कम करने की कोशिश कर रही है और उन्हें विश्वास है कि मुंगेर सीट वह जीत रहे हैं।

चुनाव आयोग का होगा मूल्यांकन

मनोज झा ने कहा कि चुनाव आयोग के बारे में वह टिप्पणी नहीं करेंगे लेकिन इतना कहेंगे कि दुनिया देख रही है, जब इस दौर का मूल्यांकन होगा तो उनका मूल्यांकन एक सजग संस्था के रूप में नहीं होगा और एक प्लांट संस्था के रूप में होगा।

चेहरे पर हार का डर दिख रहा

वहीं प्रधानमंत्री की रैली को लेकर अखबारों में विज्ञापन के सवाल पर उन्होंने कहा कि मोदी जी को सब माफ है। एनडीए के पास इतना धनबल है कि अखबारों में इतने बड़े-बड़े विज्ञापन दे सकती है और यह लड़ाई धनबल की जनता के बल से है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इतना डर गए हैं बिहार से की सड़क पर उतर आए हैं और अब सड़क तो छोड़िए और रोटियां तक बेल रहे हैं। प्रधानमंत्री लंगर तक में खड़े हो जा रहे हैं और उनके चेहरे पर हार का डर दिख रहा है।

अतीक अहमद के बेटे को दिलाई वकील की वर्दी फिर कराया सरेंडर, इस डायरी से खुले कई राज

प्रयागराज, 14 मई (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद के मामलों में पैरवी करने वाले एक फरार वकील के कारनामों को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। यह खुलासा जुआ खिलाने और रंगदारी मांगने के आरोपी गैंबलर गैंग के मुखिया दीपक सरदार की गिरफ्तारी से हुआ है। दीपक सरदार से बरामद डायरी व रजिस्टर से माफिया अतीक के फरार वकील समेत कई सनसनीखेज खुलासे हुए हैं। जानकारी मिली है कि दीपक सरदार अतीक अहमद के करीबी अधिवक्ता के नाम से रजिस्टर्ड गाड़ी की किस्त जमा करता था। इसके अलावा कुछ साल पहले अतीक के बेटे अली पर जब पचास हजार का इनाम घोषित था और पुलिस वा एसटीएफ अली की तलाश में जुटी थी। इस बीच अधिवक्ता की ड्रेस में अली को वकील बनाकर कोर्ट में सरेंडर कराया गया था। माफिया अतीक के कहने पर अली के लिए वकील का ड्रेस बनवाया गया था। इस खर्च का भी जिक्र दीपक सरदार के रजिस्टर में दर्ज है। वकील की ड्रेस में पुलिस को चकमा देकर अली को कोर्ट में सरेंडर करा दिया गया था। दो दिन पहले ही दीपक सरदार और उसके साथियों को जुआ खेलते हुए चकिया से गिरफ्तार किया गया था। हालांकि उस वक्त दीपक सरदार के दो साथी मौके से फरार हो गए थे। पुलिस ने दीपक सरदार की कार भी जब्त कर ली थी। उसके घर से सवा दस लाख रुपए और नोट गिनने की मशीन बरामद की थी। पूछताछ में दीपक सरदार ने खुलासा किया है

सहारा में इन्वेस्टमेंट, करोड़ों की मालकिन हैं अनुप्रिया पटेल, दो मुकदमे विचाराधीन

मिर्जापुर, 14 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले से एनडीए गठबंधन से चुनाव लड़ रहीं अनुप्रिया पटेल 69 लाख रुपये की चल संपत्ति की मालकिन हैं। उनके पास एक करोड़ 78 लाख रुपये की अचल संपत्ति भी है। उनके पति यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल भी करोड़ों रुपये के चल-अचल संपत्ति के मालिक हैं। अनुप्रिया पटेल ने मिर्जापुर लोकसभा सीट से नामांकन करने के दौरान दिए गए शपथ पत्र में यह जानकारी दी है।

अनुप्रिया पटेल के ऊपर 18 लाख रुपये का कर्ज भी है, जहां उनके ऊपर दो मुकदमे भी दर्ज हैं। दो बार सांसद बनने के बाद भी अनुप्रिया पटेल के पास अभी तक खुद की कार भी नहीं है। शपथ पत्र में दी गई जानकारी के अनुसार, अनुप्रिया पटेल के पास 60 हजार रुपये नकद हैं। उनके

इकलौते बैंक खाते में तीन लाख रुपये जमा हैं। अनुप्रिया पटेल ने सहारा गोल्ड में 40 हजार रुपये इन्वेस्ट किया है। 10 लाख रुपये की कीमती 150 ग्राम सोने के ज्वेलरी अनुप्रिया पटेल के पास है। अनुप्रिया पटेल तीन अलग-अलग शिक्षण संस्थान की फाउंडर मेंबर भी है। उनकी कुल चल संपत्ति 69 लाख 57 हजार रुपये हैं। अनुप्रिया पटेल के पास दिल्ली और नोएडा में बेशकीमती जमीन है। जिसकी कीमत एक करोड़ 78 लाख रुपये है। अनुप्रिया पटेल के ऊपर 18 लाख 5 हजार रुपये का कर्ज भी है। तीसरी बार चुनाव जितने के लिए मैदान में आई अनुप्रिया पटेल के पास खुद की कार भी नहीं है। उनके ऊपर दो मुकदमे प्रयागराज और वाराणसी में दर्ज हैं। हालांकि, दोनों मुकदमे न्यायालय में विचाराधीन हैं।

अनुप्रिया पटेल के पति और यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल भी करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं। उनके पास 50 हजार नकद और एक बैंक खाते में दो लाख 73 हजार रुपये जमा हैं। आशीष पटेल के पास 50 ग्राम सोने की ज्वेलरी भी है, जिसकी कीमत तीन लाख 60 हजार रुपये है। आशीष पटेल के पास कुल एक करोड़ 16 लाख 83 हजार रुपये चल संपत्ति है। अचल संपत्ति में उनके नाम 24 बीघा जमीन है, जिसकी कीमत 58 लाख रुपये है।

पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे अजय राय हैं करोड़पति, 18 केस दर्ज, पहनते हैं हीरे की अंगूठी

वाराणसी, 14 मई (एजेंसियां)। लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव मैदान में उतरे कांग्रेस नेता अजय करोड़पति हैं। यह खुलासा उनके चुनावी हलफनामे से हुआ है। हलफनामे के अनुसार उनके खिलाफ 18 मुकदमे दर्ज हैं। हलफनामे के अनुसार उनके पर 1 लाख 80 हजार कैश है वहीं उनकी पत्नी के पास डेढ़ लाख रुपये नकद है। वहीं उनके पास ढाई लाख रुपये की कीमत वाली हीरे की एक अंगूठी और 1 लाख 10 हजार रुपये के कीमत की पन्ना की अंगूठी है। उनके पास फिलहाल 80 रुपये की कीमत वाली टाटा सफारी है जो उन्होंने 1998 में खरीदी थी। उनकी पत्नी के पास 9 लाख 36 हजार रुपये के जेवरात हैं। बैंक खाते और निवेश मिलाकर कुल अजय राय के पास 66 लाख 66 हजार 832 रुपये की चल संपत्ति है। वहीं उनकी पत्नी के पास 45 लाख 37 हजार 208 रुपये की चल संपत्ति है। इसके अलावा अजय की बेटी श्रद्धा के पास कुल चल संपत्ति 4 लाख 24 हजार 912 रुपये हैं वहीं उनके बेटे शांतनु के पास 1 लाख 3 हजार 96 रुपये की चल संपत्ति है। अजय की तीसरी बेटी आस्था के पास 2 लाख 70 हजार 944 रुपये की चल संपत्ति है। अजय राय के पास 1 करोड़ 25 लाख रुपये की अचल संपत्ति है। वहीं उनकी पत्नी रीना राय के नाम 80 लाख रुपये की अचल संपत्ति है। उनके नाम 15 लाख 35 हजार 243 रुपये का लोन भी है। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ से साल 1989 में ग्रेजुएट अजय राय ने साल 2023-24 में 5 लाख 70 हजार 440 रुपये की आय, आयकर के तहत दर्शाई है।वहीं उनकी पत्नी रीना राय ने 8 लाख 54 हजार 660 रुपेय आयकर के दायरे में आय दिखाई है। वाराणसी लोकसभा सीट पर पीएम नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नामांकन किया है। वह लगातार तीसरी बार इस सीट से चुनाव लड़ने जा रहे हैं। वहीं अजय राय भी लगातार तीसरी बार पीएम के खिलाफ चुनावी मैदान में होंगे। वाराणसी सीट पर 1 जून को मतदान है और नतीजे 4 जून को आएंगे।

गाजीपुर में करोड़ों का मालिक है अंसारी परिवार नुसरत 5, अफजाल 15 करोड़ की जमीन के मालिक

गाजीपुर, 14 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश की गाजीपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से समाजवादी पार्टी ने मुख्तार अंसारी के परिवार से अफजाल अंसारी और नुसरत अंसारी दो लोगों को टिकट दिया है। दरअसर, मुख्तार के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक मामले की सुनवाई चल रही है। उसकी अगली सुनवाई 20 मई को होनी है। माना जा रहा है कि एहतियात के तौर पर नुसरत का नामांकन किया गया है। नुसरत और अफजाल दोनों ने सोमवार को नामांकन किया। नामांकन के लिए पेश किए गए चुनावी हलफनामे से दोनों की संपत्ति का खुलासा हुआ। पहले बात करते हैं नुसरत अंसारी के संपत्ति की। नुसरत अंसारी ने साल 2022-23 में कुल 5 लाख 46 हजार 213 रुपये की आय, आयकर के तहत दर्शाई है। नुसरत के पास 1 लाख 60 हजार रुपये कैश है। वहीं बैंक खातों और अन्य निवेश में उनके पास कुल 24 लाख 30 हजार 153 रुपये चल संपत्ति है। इसमें 15 लाक 60 हजार रुपये का 240 ग्राम सोना है। इसके अलावा उनके पास टाटा नेक्सॉन है जिसकी कीमत 6 लाख रुपये बताई गई है। जमीन के मामले की बात करें तो उनके पास 5 करोड़ नब्बे लाख रुपये की जमीनें हैं। इसके अलावा उन पर 6 लाख 94 हजार 21 रुपये का लोन है। अफजाल के पास 5 लाख 75 हजार रुपये कैश है। वहीं उनकी पत्नी फरहत के पास 2 लाख हजार रुपये हैं। बैंक और अन्य निवेश मिला कर अफजाल के पास 67 लाख 97 हजार 152 रुपये की संपत्ति है। इन चल संपत्तियों में अफजाल के पास सोने की दो अंगूठियां जिनकी कीमत 3 लाख 50 हजार, तीन बंदूकें भी हैं जिनकी कीमत 12 लाख 25 हजार रुपये है। वहीं उनकी पत्नी फरहत के पास 380 ग्राम सोना है जिसकी कुल कीमत 24 लाख 70 हजार रुपये है।

तीन तलाक देकर पति ने पीटा, घर से भी निकाला: एक महिला की दर्दनाक कहानी

लखनऊ, 14 मई (एजेंसियां)। सर्वोदय नगर निवासी महिला ने दिव्यांग संतान होने पर प्रताड़ित होने का आरोप लगाया है। उन्होंने पति के माध्यम से तीन तलाक देने का दावा किया है, साथ ही एक रिश्तेदार पर अश्लील हरकत कर छेड़छाड़ का भी आरोप लगाया है।

पीड़िता ने अपनी तहरीर में यह आरोप दर्ज किया है, और गाजीपुर थाने में पति समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। गाजीपुर निवासी पीड़िता के मुताबिक, उनका निकाह वर्ष 2004 में अयोध्या के रुदौली निवासी एक युवक से हुआ था। वर्ष 2007 में उन्होंने एक बेटे को जन्म दिया था। जन्म के दो महीने बाद बेटे के दिव्यांग होने का पता चला। इसके बाद ससुराल वाले उसे प्रताड़ित करने लगे। पति दूसरे निकाह की सहमति का दबाव बनाने लगा।

इसके लिए राजी न होने पर एक रिश्तेदार में घर में ही अश्लील हरकत की। पति और परिवार वालों से शिकायत की तो मारपीट की गई। पीड़िता के भाई ने बताया कि नवंबर में जब बहन घर आई तो पति ने कागज पर तलाकनामा थमाकर भगा दिया। लेकिन वह अपनी ससुराल में ही रही। मां को इस बारे में पता चला तो उनकी तबीयत खराब हो गई। अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई। मां की मौत की खबर सुनकर वह अपने मायके चली गई। दो दिसंबर को वह घर पहुंची तो उसे पति ने उन्हें तीन तलाक देकर घर से भगा दिया।

हापुड़ में दर्दनाक हादसा, हाईवे पर बेकाबू कार दूसरी दिशा में ट्रक से भिड़ी, छह लोगों की मौत

हापुड़, 14 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में दर्दनाक हादसा हुआ है। सोमवार देर रात एक कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। जबकि एक गंभीर घायल है। कार के परखच्चे उड़ गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त कार से शवों को निकाला। जानकारी के अनुसार, हापुड़ जिले में नेशनल हाईवे 09 पर अल्लाहबख्शपुर टोल प्लाजा के पास एक कार बेकाबू होकर डिवाइडर पार दूसरी तरफ पहुंच गई। जिसे तेज रफ्तार ट्रक ने चपेट में ले लिया। हादसे में कार सवार सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें तुरंत ही अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने छह लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं, हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया। इससे वाहन चालकों को परेशानी झेलनी पड़ी। सोमवार की रात करीब 12 बजे एक तेज रफ्तार कार हापुड़ से मुरादाबाद की तरफ जा रही थी। कोतवाली इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर गांव अल्लाबख्शपुर के पास पहुंचने पर चालक नियंत्रण खो बैठा और कार हाईवे पर बने डिवाइडर से टकरा गई। रफ्तार अधिक होने के चलते डिवाइडर से टकरा कर कार मुरादाबाद से दिल्ली जाने वाले मार्ग पर जाकर पलट गई। इस दौरान दूसरी दिशा से आ रहे ट्रक कार से टकरा गया। हादसा इतना भयंकर था कि टक्कर होने के बाद कार के परखच्चे उड़ गए।

वाहनों के टकराने की तेज आवाज सुनकर ग्रामीण जाग गए, जो तुरंत ही मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना देते हुए ग्रामीणों ने कार में फंसे लोगों को बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन कार में फंसे लोग काफी देर तक नहीं निकल सके। पुलिस ने ग्रामीणों के सहयोग से कार को काटकर सभी घायलों को बाहर निकाला। जिन्हें तुरंत ही एंबुलेंस के माध्यम से स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया।

1.29 करोड़ महिलाओं को हर महीने 1250 नहीं 3 हजार रुपए मिलेंगे, योजना के 'जनक' का ऐलान

भोपाल, 14 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में लाडली बहन योजना के तहत हर पात्र महिला को 1250 की बजाय तीन हजार रुपये मिलेंगे। इस योजना की शुरुआत करने वाले शिवराज सिंह चौहान ने खुद यह बात कही है। शिवराज सिंह चौहान ने मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री रहते हुए यह योजना शुरू की थी। 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश में एक बार फिर बीजेपी की सरकार बनाने में इस योजना की लाभार्थियों का अहम योगदान था। हालांकि, चुनाव के बाद शिवराज सिंह मुख्यमंत्री नहीं रहे। जीत के बावजूद उनकी जगह मोहन यादव को नया मुख्यमंत्री बनाया गया। हालांकि, यह योजना अभी भी जारी है और पात्र महिलाओं को हर महीने 1250 रुपये दिए जाते हैं। शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश की विदिशा लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा मैं चार बार मध्य प्रदेश का मुख्यमंत्री रहा हूं। प्रदेश में एक करोड़ से ज्यादा बहनों के खातों में अभी हम 1250 रुपए हर महीने डाल रहे हैं। हम लगातार इस राशि को बढ़ा रहे हैं। इसे बढ़ाते हुए तीन हजार रुपए महीना तक ले जाने वाले हैं।

क्या है हकीकत?

शिवराज सिंह चौहान ने 2023 में इस योजना की शुरुआत की थी और उसी समय वह कहते थे कि एक दिन लाडली बहनों को मिलने वाली राशि को बढ़ाकर 3000 तक ले जाएंगे। हालांकि, शिवराज अब राज्य के मुख्यमंत्री नहीं हैं और उनके पास ऐसा कोई अधिकार नहीं है। वहीं, राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव की तरफ से इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

कौन-सी शिवसेना से हो? विरासत बनाम विचार की जंग फिर भी परेशान! 20 को मुंबई करेगी फैसला कौन है 'गद्दार'

मुंबई, 14 मई (एजेंसियां)। हाल ही में शिवसेना (उद्धव गुट) की राज्यसभा सदस्य प्रियंका चतुर्वेदी ने मुंबई के उपनगर घाटकोपर में अपनी पार्टी का प्रचार करते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर हमला बोल दिया। उन्होंने दीवार फिल्म के एक डायलाग की तर्ज पर मुख्यमंत्री के सांसद पुत्र श्रीकांत शिंदे का नाम लेते हुए कहा - श्रीकांत शिंदे को अपने माथे पर लिखवाना चाहिए कि, 'मेरा बाप गद्दार है'। उन्होंने जून 2022 में शिवसेना के विभाजन की याद दिलाते हुए मुख्यमंत्री से सवाल किया कि 'आप कौन हैं एकनाथ शिंदे ? आप क्या हैं एकनाथ शिंदे ? आप एक गद्दार के अलावा कुछ नहीं हैं'।

प्रियंका चतुर्वेदी पहली नेता नहीं हैं एकनाथ शिंदे एवं उनके साथियों को गद्दार कहने वाली। उन्हीं की पार्टी के उनसे बड़े नेता संजय राउत, उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे शिवसेना से बगावत करने वाली टीम शिंदे को लगातार गद्दार कहते रहे हैं। '50 खोखे (करोड़), ओके ओके' कहकर चिढ़ाते और अपमानित करते रहे हैं। अब चुनाव के दिनों में यह सिलसिला और तेज हो गया है, क्योंकि शिवसेना (उद्धव गुट) को लगता है कि शिवसेना (शिंदे गुट) को गद्दार सिद्ध करके ही मुंबई और ठाणे के मराठी मानुष की सहानुभूति हासिल की जा सकती है। खासतौर से मुंबई और ठाणे की उन पांच सीटों पर, जहां उसका सीधा मुकाबला शिवसेना शिंदे गुट से हो रहा है। करीब दो साल पहले शिवसेना में हुए विभाजन के बाद से ही शिवसेना के दोनों गुटों द्वारा दो अलग-अलग विचार प्रचारित किए जा रहे हैं। उद्धव गुट बागी एकनाथ शिंदे को 'गद्दार' बताकर मराठीभाषियों की सहानुभूति एवं वोट हासिल करना चाहता है, तो शिंदे गुट स्व। बालासाहब ठाकरे की वैचारिक विरासत को आगे बढ़ाने का दावा कर रहा है। जैसे-जैसे मुंबई और ठाणे में मतदान की तिथि नजदीक आ रही है, दोनों गुटों के एक-दूसरे पर हमले भी तेज होते जा रहे हैं।

विचारधारा पर दावा

बगावत के कुछ दिन बाद तक ठाकरे परिवार पर व्यक्तिगत टिप्पणियां करने से बचने वाले एकनाथ शिंदे ने 2022 की दशहरा रैली से ही उद्धव पर खुलकर हमला बोलना शुरू कर दिया था। वह 2019 के विधानसभा चुनाव की याद दिलाते हुए कहते हैं कि वह चुनाव तब की अविभाजित शिवसेना ने भाजपा से गठबंधन करके लड़ा और चुनाव परिणाम आते ही सिर्फ मुख्यमंत्री पद के लिए उद्धव ठाकरे अपनी 25 साल पुरानी वैचारिक सहयोगी भाजपा से गद्दारी करके कांग्रेस और राकांपा की गोद में जा बैठे। इसलिए गद्दार वह हैं, ना कि हम। शिंदे यह भी बार-बार याद दिलाते हैं कि बालासाहब ठाकरे ने जिन विचारों को लेकर शिवसेना की स्थापना की और हिंदुत्व के जिन विचारों के साथ आगे बढ़ते रहे, उद्धव ठाकरे ने हिंदुत्व की उस विचारधारा को तिलांजलि दे दी है। उनके असली विचारों को लेकर तो हम ही आगे बढ़ रहे हैं। संयोग से शिंदे के इस दावे को उनके पक्ष में आए चुनाव आयोग एवं विधानसभा अध्यक्ष के फैसलों ने भी पुष्टि ही की है। इन दोनों फैसलों में शिवसेना के नाम एवं चुनाव चिह्न पर शिंदे गुट को ही अधिकार प्रदान किया गया है।

'नकली शिवसेना'

अब तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी अपनी महाराष्ट्र की रैलियों में उद्धव ठाकरे की शिवसेना को 'नकली शिवसेना' कहकर संबोधित करते सुनाई देते हैं, जबकि प्रदेश भाजपा के नेता शिवसेना में विभाजन के बाद से ही यह कहकर खुद को इस विवाद से अलग रखते आए हैं कि शिवसेना में हुई बगावत से उनका कोई मतलब नहीं है। उन्होंने तो बगावत के बाद एकनाथ शिंदे के साथ मिलकर राज्य में नई सरकार बनवाने की पहल की थी। अब जिस प्रकार दोनों शिवसेनाओं के नेता एक-दूसरे को गद्दार बता रहे हैं, उसी प्रकार इन नेताओं के समर्थक एवं शिवसैनिक भी वैचारिक तौर पर बंटे दिखाई दे रहे हैं। जो लोग 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद उद्धव ठाकरे के कांग्रेस और राकांपा के साथ जाकर सरकार बनाने को गलत मानते हैं, ऐसा वैचारिक आधार रखने वाले लोग आज शिंदे के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं, लेकिन जिनकी आस्था हर हाल में 'ठाकरे परिवार' के साथ है, वे उद्धव के साथ दिख रहे हैं।

मुंबई करेगी फैसला!

हालांकि, इनमें भी कुछ लोग अनिर्णय की स्थिति में हैं। इनको प्रभावित करने की जिम्मेदारी मनसे प्रमुख राज ठाकरे की है, जो राजग संग हैं। हालांकि, इस बात का फैसला तो 20 मई को मुंबईवासी ही करेंगे कि 'गद्दार' कौन है!

मनी एक्सचेंज कारोबारी की बहन के घर से 40 लाख जब्त, टीआई समेत पांच पुलिस कर्मी हो चुके है सस्पेंड

भोपाल, 14 मई (एजेंसियां)। भोपाल के अशोका गार्डन के एक घर से पुलिस ने गुरुवार की रात छापा मारा। यहां से पुलिस ने करीब 32 लाख कटे-फटे, पुराने और नए नोट बरामद किए थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक मनी एक्सचेंज का काम करता था। उसके पास से एक लेटर मिलने की बात भी सामने आई है। हालांकि, पुलिस ने किसी तरह का पत्र मिलने से इनकार किया है।

डीसीपी जोन-1 प्रियंका शुक्ला ने बताया कि मामले में एडीसीपी जोन-1 रश्मि अग्रवाल दुबे के निर्देशन में एक टीम अन्य एंगल से भी मामले की जांच कर रही है। टीम ने रविवार-सोमवार की दरमियानी रात कारोबारी के बैरागढ़ स्थित एक अन्य ठिकाने पर दबिश दी। यहां से पुलिस ने नोटों से भरे 6 और बैग बरामद किए हैं। इन बैग से 40 लाख 11 हजार चार सौ रुपए और बरामद किए गए हैं। जिस मकान में दबिश देकर रकम बरामद की गई है, वह कारोबारी कैलाश खत्री की बहन बताई जा रही है।

लोगों को बताइए, 10 साल में सबसे अमीर प्रत्याशी कैसे बन गए मनोज तिवारी, कन्हैया कुमार का हमला

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। दिल्ली लोकसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय राजधानी में भी चुनावी आरोप-प्रत्यारोप अब चरम पर पहुंच गया है। उत्तर-पूर्व दिल्ली सीट पर तो इस बार सियासी जंग निजी हमले तक पहुंच गया है। इस बीच कांग्रेस प्रत्याशी कन्हैया कुमार ने बीजेपी के सीटिंग सांसद मनोज तिवारी पर हमला बोला है। उन्होंने कहा, 'इस क्षेत्र के लोगों का तो विकास नहीं हुआ, लेकिन हमारे सांसद दिल्ली के सबसे अमीर सांसद बन गए। यह कैसे संभव हुआ।' उन्होंने कहा कि दिल्ली के सबसे अमीर सांसद को चप्पल पहनने वाला लड़का चुनौती देने आया है। वो पूछने आया है कि क्षेत्र के लोग जहां थे वहीं पर अटक गए, पर आप सबसे अमीर सांसद बन गए, कैसे? आप जनता को यह बताएं कि पिछले 10 सालों में आपने क्या काम किए? या फिर इस बार भी अपने काम पर नहीं, सिर्फ प्रधानमंत्री के नाम पर वोट मांगोगे

'घर तो नहीं बचा सकते भगवान की रक्षा करेंगे!'

कन्हैया कुमार ने एक्स पोस्ट में कहा कि जो लोग नालियां और सड़कें नहीं बना सकते, वे भगवान की रक्षा करने की बात कर रहे हैं। वह क्षेत्र के लोगों को बिजली प्रदान करने में असमर्थ हैं। ये लोगों के घरों को उजड़ने से नहीं बचा पाते। ये लोग भगवान की क्या रक्षा करेंगे?

'सतर्क रहिए, वो बांटने की कोशिश करेंगे'

बीजेपी के नेता लोगों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हमें अपने मुद्दों पर अड़े रहना है। हमें उनसे पूछना है कि सड़कों का चौड़ीकरण क्यों नहीं हुआ? मेट्रो का काम पूरा क्यों नहीं हुआ? सेंट्रल स्कूल क्यों नहीं बना? दिल्ली में लोकसभा चुनाव के लिए वोट 25 मई 2024 को डाले जाएंगे। सियासी दलों के प्रत्याशी अपनी-अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए सुबह से शाम तक मतदाताओं से प्रत्यक्ष रूप से संपर्क स्थापित करने में लगे हैं। सात सीटों पर 162 प्रत्याशी मतदाताओं को अपने पक्ष करने की भरपूर कोशिश कर रहे हैं। साथ ही बढ़ चढ़कर दावे भी कर रहे हैं।

मदरसों में हिंदू बच्चों को दी जा रही इस्लामी शिक्षा, एनसीपीएलआर का बड़ा खुलासा

देहरादून, 14 मई (एजेंसियां)। देवभूमि कहे जाने वाले राज्य उत्तराखंड से हैरान कर देने वाली खबर निकलकर सामने आ रही है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीएलआर) ने खुलासा किया है कि उत्तराखंड में कई ऐसे मदरसे मिले हैं जहां पर हिंदू बच्चों को इस्लाम धर्म की शिक्षा दी जा रही थी। जानकारी के मुताबिक, राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग अब उत्तराखंड के सभी जिलाधिकारियों को दिल्ली तलब करने की तैयारी में है। आइए जानते हैं ये पूरा मामला। दरअसल, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने बच्चों के अधिकारों को लेकर उत्तराखंड के 14 विभागों के साथ समीक्षा बैठक की थी। इसके साथ ही आयोग की टीम ने देहरादून के कई मदरसों का भी औचक निरीक्षण किया था। यहां उन्हें बड़े स्तर पर अनियमितताएं देखीं। आयोग को देहरादून में कुछ ऐसे मदरसे भी मिले हैं, जहां दूसरे राज्यों से बच्चे लाकर रखे गए थे। राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि शिक्षा विभाग और अल्पसंख्यक आयोग की मिलीभगत के कारण उत्तराखंड में 400 से ज्यादा मदरसे अवैध रूप से चल रहे हैं। उन्होंने बताया कि आयोग ने जो भी अनियमितताएं मिलीं उनपर अपना रुख साफ कर दिया है। इन मदरसों पर आयोग की तरफ से कार्रवाई की जाएगी। एनसीपीलीआर के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने बताया है कि राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग उत्तराखंड के सभी जिलाधिकारियों को दिल्ली तलब करने की तैयारी में है। आयोग की टीम ने ये भी दावा किया है कि जब उन्होंने औचक निरीक्षण किया तो इस दौरान उन्हें ऐसे मदरसे भी मिले हैं जिनमें हिंदू बच्चों को इस्लाम धर्म की शिक्षा दी जा रही थी।

दिल्ली के कई हॉस्पिटलों में बम की सूचना से मचा हड़कंप, पुलिस-प्रशासन अलर्ट

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के कई हॉस्पिटलों में बम की सूचना से हड़कंप मच गया है। दिल्ली दमकल विभाग के मुताबिक, उन्हें कई अलग-अलग हॉस्पिटलों से बम का ईमेल मिला है। इन हॉस्पिटलों में जीटीबी हॉस्पिटल, दादा देव हॉस्पिटल (जनकपुरी) शामिल हैं। वहीं हेडगेवार हॉस्पिटल, दीप चन्द्र बन्धु में भी बम होने का ईमेल आया है। दमकल विभाग के मुताबिक, सभी कॉल्स को वेरीफाई किया जा रहा है। इससे पहले दिल्ली एयरपोर्ट को भी बम से उड़ाने की धमकी आ चुकी है। बुराड़ी के अस्पताल और संजय गांधी अस्पताल में भी धमकी वाला ईमेल मिला था। जिसके बाद दोनों अस्पतालों में सर्च ऑपरेशन चलाया गया था। अस्पतालों को धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद मौके पर पुलिस, दमकल विभाग और सिविक एजेंसियां, बम और डॉग स्क्वॉड की मदद से सर्च ऑपरेशन में जुट गई थीं। हालांकि अस्पताल परिसर से कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली थी। इससे पहले स्कूलों को बस से उड़ाने की धमकी का ईमेल आया था। हालांकि, किसी भी स्कूल में कोई भी विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला था। सुरक्षा बलों की मदद से सभी स्कूलों का खाली कराया गया था और बच्चों का सुरक्षित घर पहुंचाया गया था। इसके बाद मेल करने वाले पते की जांच शुरू की गई थी। हालांकि, इस मामले में पुलिस के हाथ कोई सुराग नहीं लगा था। दिल्ली पुलिस की खास टीम इंटरपोल की मदद से रूस में संपर्क कर चुकी है और मेल करने वाले के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। जिस मेल आईडी से स्कूलों को उड़ाने की धमकी दी गई थी। उसका सर्वर रूस का राजधानी मास्को में है। हालांकि, अब तक मेल भेजने वाले का पता नहीं लगाया जा सका है। दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटों पर 25 मई को मतदान होना है। उससे पहले देश की राजधानी को सुरक्षित रखने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। चुनाव को प्रभावित करने के लिए असामाजिक तत्व या आतंकी किसी घटना को अंजाम दे सकते हैं। इससे निपटने के लिए सुरक्षा बल तैयार हैं।

नीतीश कुमार पर तेजस्वी यादव का बड़ा बयान

बोले- उनके निर्देश पर ही बीजेपी से लड़ रहा हूं: बिहार में सियासी हलचल तेज

पटना, 14 मई (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश कुमार को लेकर बड़ा बयान दिया है, जिससे बिहार में सियासी हलचल तेज हो गयी है। दरअसल तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार को लेकर बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि वह आज भी उनके साथ हैं और उनका आशीर्वाद उन्हें प्राप्त है। तेजस्वी यादव ने कहा कि नीतीश कुमार जी ने उन्हें कहा था कि बीजेपी 2014 में आई और 2024 में जाएगी। नीतीश जी भी यही चाहते हैं और हम उन्हीं के अनुसार काम कर रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि आज भी उनके साथ हैं। नीतीश जी का आशीर्वाद उन्हें प्राप्त है। उनके आशीर्वाद से ही हम बीजेपी को 2024 में सत्ता से उखाड़ फेकेंगे। हम उनके निर्देश पर ही काम कर रहे हैं। तेजस्वी यादव के इस बयान से बिहार में सियासी हलचल तेज है। वहीं आरक्षण के मुद्दे को लेकर आज एक बार फिर से तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। तेजस्वी ने कहा कि वो लोग पिछले 10 सालों से सत्ता में हैं। वहीं तेजस्वी यादव ने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वो लोग भी इतने वर्ष सरकार में थे।

हथियारों-हिंसा के महिमामंडन वाले गीतों की सूची तलब एचसी ने कहा- केंद्र को शामिल कर करवाएंगे कार्रवाई

चंडीगढ़, 14 मई (एजेंसियां)। पंजाब में हथियारों व हिंसा का महिमामंडन करने वाले गीतकारों पर अब हाईकोर्ट की तलवार लटक गई है। हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार को ऐसे गीतों की सूची तैयार कर सौंपने का आदेश दिया है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने पंजाब सरकार से पूछा है कि ऐसे गीतों के मामले में कितनी एफआईआर दर्ज की गई है इसका ब्यौरा अगली सुनवाई पर सौंपा जाए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस मामले में अब केंद्र को शामिल करके सख्त कार्रवाई की जाएगी। याचिका दाखिल करते हुए फाजिल्का निवासी गुरभेज सिंह ने उसके खिलाफ 25 मार्च को हत्या के प्रयास व अन्य धाराओं में दर्ज एफआईआर में अग्रिम जमानत की मांग की थी। याची ने बताया कि उस पर व उसके साथियों पर आरोप है कि उन्होंने शिकायतकर्ता पर अंधाधुंध गोलियां चलाई। तथ्यों को देखते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि दैनिक आधार पर हमारे सामने ऐसे मामले आ रहे हैं जिनमें लोग खुलेआम हथियार लेकर घूमते हैं और दूसरे लोगों को चोट पहुंचा रहे हैं। हाईकोर्ट ने 2019 मे पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ को आदेश दिया था कि में कोई भी व्यक्ति किसी मेले, धार्मिक, विवाह आयोजन या किसी शैक्षणिक संस्थान में हथियार नहीं लेकर जाएगा। पंजाब सरकार ने 2022 में सार्वजनिक स्थानों और सोशल मीडिया पर हथियारों के उपयोग और प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगा दिया था। अधिकारियों को अपने संबंधित अधिकार क्षेत्र में आने वाले क्षेत्रों में औचक निरीक्षण करने का भी निर्देश दिया गया था। हाईकोर्ट ने कहा कि इतना समय बीत जाने के बावजूद स्थिति में कोई बदलाव नहीं नजर आ रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि पंजाब में न तो सशस्त्र लाइसेंस के आवंटन के नियमों को सख्ती से लागू किया नहीं किया जा रहा है। ऐसे में हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई पर डीजीपी को निजी हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया था। मामला सुनवाई के लिए पहुंचा तो डीजीपी ने बताया कि इन गानों को प्रतिबंधित करने को लेकर पंजाब सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर सकती। यह काम सेंसर बोर्ड का है और पंजाब के अधिकार क्षेत्र के बाहर का है। हाईकोर्ट ने कहा कि इन गीतों को प्रतिबंधित करने के साथ ही कोर्ट के आदेश के बावजूद इस प्रकार के गीतों को लाने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी जरूरी है। हाईकोर्ट ने अब पंजाब सरकार को इन गीतों की सूची सौंपने का आदेश दिया है। साथ ही हथियारों के लाइसेंस को लेकर भी विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है।

एक शहर, तीन रेट; रियाल रेट के फर्क से हाजियों को लगेगा 5 करोड़ से ज्यादा का फटका

भोपाल,14 मई (एजेंसियां)। प्रदेश के हाजियों का पहला जत्था इंदौर से रुखसत हो गया है। बाकी की रवानगी की तैयारियां चल रही हैं। ऐसे में राजधानी भोपाल में उपलब्ध कराए जा रहे सऊदी रियाल के रेट में भिन्नता हाजियों को बड़ा झटका देने वाली है। जहां सरकारी बैंक से मिल रहे रियाल के रेट अलग हैं, वहीं निजी बैंक कुछ अलग रेट पर रियाल उपलब्ध करवा रहा है। जबकि निजी चेंजर ने अपने अलग ही रेट तय कर रखे हैं। जानकारी के मुताबिक हज 2024 पर जाने वाले हाजियों को सऊदी अरब की करेंसी उपलब्ध कराने के लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को पाबंद किया है।

इसके साथ ही निजी बैंक बॉम्बे मर्केंटाइल से भी भारतीय मुद्रा को रियाल में कन्वर्ट किया जा रहा है। इसके अलावा कुछ निजी चेंजर के पास भी यह सुविधा मौजूद है। सूत्रों के मुताबिक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया एक सऊदी रियाल के बदले 22.90 रुपये चार्ज किए जा रहे हैं। इसके विपरीत निजी बैंक बॉम्बे मर्केंटाइल रियाल 22।75 रुपये में मुहैया करवा रहा है। जानकारी के मुताबिक प्रदेश से इस साल करीब 7 हजार हाजी सऊदी अरब जाएंगे।

प्रत्येक हाजी को 2100 रियाल साथ ले जाने की अनुमति दी गई है।

इस लिहाज से प्रदेश के हाजी करीब 14 करोड़ 70 लाख रुपए के बदले रियाल लेने वाले हैं। इसी तरह देशभर से इस साल करीब 1 लाख 78 हजार लोग हज सफर पर जाएंगे।

चुनावों के बीच बुरे फंसे चरणजीत सिंह चन्नी! पुंछ आतंकी हमले को बताया था 'चुनावी स्टंट'

चंडीगढ़, 14 मई (एजेंसियां)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और लोकसभा चुनावों में जालंधर से कांग्रेस के उम्मीदवार चरणजीत सिंह चन्नी अपने एक बयान की वजह से मुश्किल में फंसते नजर आ रहे हैं। सूबे के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सिबिन सी ने मंगलवार को कहा कि चरणजीत सिंह चन्नी की पुंछ आतंकी हमले को एक 'चुनावी स्टंट' बताने संबंधी टिप्पणी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। इस हमले में वायु सेना का एक जवान शहीद हो गया था। पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने इस मामले पर आगे की कार्रवाई के लिए भारत के निर्वाचन आयोग को पत्र लिखा है। पंजाब के सीईओ सिबिन सी ने मंगलवार कोबताया, 'जालंधर के जिला निर्वाचन अधिकारी की एक रिपोर्ट के

अनुसार यह (चन्नी की टिप्पणी) आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) का उल्लंघन है।' जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में 4 मई को भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के काफिले पर आतंकवादियों द्वारा घात लगाकर किए गए हमले में एक सैनिक शहीद हो गया था और 4 घायल हो गए थे। भारतीय वायुसेना के काफिले पर हमले को लेकर चन्नी ने कहा था, 'ये स्टंटबाजी हो रही है, हमले नहीं हो रहे। जब भी चुनाव नजदीक आते हैं तो भारतीय जनता पार्टी को जिताने के लिए ऐसे स्टंट किए जाते हैं। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। बीजेपी लोगों के जीवन और शरीर के साथ खेलना जानती है।' चन्नी के इस बयान से विवाद खड़ा हो गया और कई नेताओं ने मामले में कार्रवाई की मांग की है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने चन्नी की टिप्पणी को 'निंदनीय' बताया और कांग्रेस नेतृत्व से सैनिकों के अपमान के लिए देश के लोगों से माफी मांगने को कहा। बीजेपी नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने चन्नी के बयान को बेतुका और सैनिकों के प्रति अपमानजनक बताया। चन्नी ने बाद में कहा था कि उन्हें देश के सैनिकों पर गर्व है लेकिन 2019 में पुलवामा के आतंकी हमले को लेकर केंद्र पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि सरकार यह पता नहीं लगा पाई कि हमला किसने किया था।

बीएमएचआरसी में ड्यूटी के दौरान 25 वर्षीय डॉक्टर को आया हार्ट अटैक, मौत

भोपाल, 14 मई (एजेंसियां)। भोपाल मेमोरियल अस्पताल में ड्यूटी के दौरान 25 वर्षीय डॉक्टर को हार्ट अटैक आया और उनकी मौत हो गई। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुय कर दी है। मृतक डॉक्टर हरियाणा के गुरूग्राम के रहने वाले थे। निशातपुरा थाना के उप निरीक्षक करण सिंह ने बताया कि 25 वर्षीय डॉ. दीपक शर्मा गुरुग्राम के रहने वाले थे। एमबीबीएस करने के बाद वे बीएमएचआरसी अस्पताल से एमडी की पढ़ाई कर रहे थे। देर रात वे अस्पताल में ड्यूटी पर थे, तभी उनके सीने में दर्द शुरू हुआ। इसके बाद स्टॉफ के लोगों को बताया। उनके साथियों ने उनको सीपीआर दिया। इसके बाद वे बेहोश हो गए। सीनियर डॉक्टर पहुंचे और जांच करने के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

खेत में बने मकान में डेढ़ साल से कैद महिला को पुलिस ने छुड़ाया, हमीदिया अस्पताल में किया भर्ती

भोपाल, 14 मई (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल के बरखेड़ा पठानी के समीप लहारपुर में एक खेत में बने मकान में डेढ़ साल से कैद एक महिला का पुलिस ने रेस्क्यू कर अस्पताल पहुंचाया है। कमरे में कैद महिला भूख और प्यास से बेहाल थी। कई दिनों तक भोजन नहीं करने से महिला काफी कमजोर हो चुकी थी। सूचना मिलने पर गोविंदपुरा पुलिस ने सामाजिक संस्था लक्ष्मी नारायण आनंदम क्लब और समाजसेवियों के साथ मिलकर महिला का रेस्क्यू किया। इसके बाद उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महिला के परिजनों की काउंसलिंग कराकर उन्हें महिला की देखभाल करने की समझाइश दी गई है। गोविंदपुरा थाने की सहायक उप निरीक्षक (कार्यवाहक) सोनिया पटेल ने बताया कि उन्हें जेजे बोर्ड के सदस्य डॉ. कृपाशंकर चौबे ने फोन के माध्यम से पुलिस को सूचना दी। उन्होंने बताया कि बरखेड़ा पठानी स्थित लहारपुर में एक खेत में बने मकान में महिला को कैद कर रखा गया है। पुलिस की टीम सामाजिक संस्था लक्ष्मीनारायण आनंदम क्लब के सदस्य मोहन सोनी और डॉ. जीशान, अयान खान, समाजसेवी मानकीदेवी और सुलक्षणा यादव के साथ मौके पर पहुंची। रेस्क्यू टीम जब महिला के समीप पहुंची तो महिला काफी उग्र हो गई। काफी मशक्कत के बाद महिला को कमरे से बाहर निकाला गया।

कई दिनों से भूखी थी महिला

रेस्क्यू टीम ने जब महिला को कमरे से बाहर निकाला तो भूखी होने की वजह से वह काफी कमजोर थी। उसका वजन काफी कम था। उसने कई दिनों से नहाया भी नहीं था। रेस्क्यू टीम ने महिला के सिर के बाल काटने के बाद उसे स्नान कराया। इसके बाद उसका मेडिकल चेकअप करने के बाद उसे समाजसेवियों की मदद से हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने महिला का रेस्क्यू करने और उसे अस्पताल में भर्ती कराया और महिला के पति, बेटे एवं सास को समझाइश दी कि उसका पूरा ध्यान रखें। भविष्य में भी उसका उपचार कराते रहें। महिला के पति ने बताया कि उसकी पत्नी करीब डेढ़ साल से मानसिक रूप से विक्षिप्त है। वह पास जाने पर उग्र हो जाती है, अभद्रता करती है। कोई अप्रिय घटना न हो, इसके कारण उसे कमरे में बंद कर रखा था।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 15 मई - 2024

नोट की कीमत पर वोट

एक तरफ तो चौथे चरण का मतदान चल रहा था तो दूसरी ओर 10 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में सबकी नजरें मतदान प्रतिशत के आंकड़े पर थी। ऐसे में आंध्र प्रदेश में चुनाव की पूर्वसंध्या पर हुए एक खास घटनाक्रम पर भी सबका ध्यान अटका पडा था। वजह थी कि कई क्षेत्रों में वोटरों के बीच धन वितरित किए जाने के आरोप थे। दिन भर चली वोटिंग के बीच यह सवाल अपनी जगह खडा रहा कि चुनाव आयोग इन खबरों पर क्या कदम उठाता है? अक्सर देखा गया है कि जब भी चुनाव के दिन नजदीक आते हैं तो इस तरह के आरोप देश के अलग-अलग हिस्सों से सुनने व पढ़ने को मिलने लगते हैं। लेकिन आंध प्रदेश का ताजा मामला इस रूप में खास है कि इसमें मतदाताओं की अति सक्रियता ने ही पोल खोल दी। मामला तब और बिगड गया जब कई इलाकों में लोगों ने पैसों की मांग करते हुए या पैसा बांटने में गड़बड़ी की शिकायत करते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। यह मामला इसलिए भी अभूतपूर्व कहा जा सकता है कि वोट के बदले नोट को लोगों ने अपना अधिकार समझ लिया। नतीजतन वोटरों ने इस मामले में हुई कथित वादाखिलाफी के खिलाफ सार्वजनिक रूप से विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शन करने वालों में कुछ लोगों की शिकायत थी कि नोट बांटते समय उन्हें छोड़ दिया गया तो कुछ अन्य मामलों में कैश का वादा किया तो गया लेकिन निभाने में पक्षपात किया गया। साफ है कि इसके पीछे राजनीतिक दलों की ओर से गरीब मतदाताओं को नोट देकर उनके वोट खरीदने का बरसों पुराना चलन देश के सामने आ गया। इस तरह का भ्रष्ट चलन चुनाव-दर-चुनाव बने रहना कानून व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों और चुनाव आयोग की काबिलियत पर सवाल तो उठाता ही है, साथ ही यह भी साबित करता है कि मामला यहीं तक सीमित नहीं है। इससे यह भी पता चलता है कि हमारे इस लोकतांत्रिक राष्ट्र में मतदाताओं को जागरूक बनाने का काम कितने आधे-अधूरे ढंग से आगे बढ़ाया गया है। ऐसे में बड़ा सवाल मतदाताओं की सामाजिक आर्थिक स्थिति का भी है। जो मतदाता अपने वोट से पांच साल के लिए देश और राज्य का शासक चुनता है, वह इस अधिकार के इस्तेमाल की एवज में सिर्फ कुछ नोट भर चाहता है। खबरों के अनुसार मतदाता अपने वोट के बदले महज एक से छह हजार रुपये के बीच की कोई रकम चाहता है। इससे अगर वोट देने के अपने अधिकार को लेकर उसकी कमजोर समझ उजागर होती है तो यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि उसकी जिंदगी के दुर्दिन जल्द नहीं जाने वाले हैं। यदि ऐसे मतदाता गुरबत के दिन झेल रहे हैं तो इसके जिम्मेदार वह खुद ही हैं। नोट वितरण की ये घटनाएं भले ही समाज के कमजोर माने जाने वाले हिस्सों की कहानी कहते हों, लेकिन इस बीमारी से मजबूत माने जाने वाले तबके भी अछूते नहीं हैं। इसका उदाहरण भी आंध्र प्रदेश में ही मिल गया जब ये खबरें आईं कि कई पॉश माने जाने वाले अपार्टमेंट और गेटेड सोसायटी में आरडब्ल्यूए की तरफ से कई प्रत्याशियों के पास वोट की एवज में जेनरेटर और सोलर पावर की फरमाइशें भिजवाई गईं। मतलब नोट तो नहीं लेंगे लेकिन अपने लिए सुविधाएं इकट्ठा करने में आखिर क्या बुराई है।

पृथ्वी पर न करो अत्याचार

संजीव ठाकुर

वर्तमान में पृथ्वी तथा प्राकृतिक संसाधनों के विनाशकारी जलवायु परिवर्तन की गति तथा उसके प्रभाव में गति की तीव्रता तेजी से महसूस की जाती रही है। इसका और कोई कारण ना होकर मानव की अवांछित गतिविधियां ही हैं। जिनमें मूलतः वन का विनिष्टिकरण, जीवाश्म ईंधन का ताबड़तोड़ प्रयोग, नई कृषि नीति तथा पद्धति की तीव्रता से होते हुए उद्योगों की संरचना और कंक्रीट के जंगलों यानी शहरों का विस्तारीकरण बड़े कारण हैं। औद्योगिक क्रांति के बाद विज्ञान से उत्पादित औद्योगिकरण के विकास के साथ मनुष्य ने वायुमंडल के प्रक्रियागत प्रभाव में बदलाव लाना शुरू किया है, जिसके फलस्वरूप पृथ्वी में भूमंडलीय ऊष्मा का विस्तार ओजोन परत का क्षरण, असामयिक बाढ़,अकाल का आना अत्यंत महत्वपूर्ण है। ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा में वृद्धि से हरित गृह प्रभाव की घटना प्रभावित हुई है। ग्रीन हाउस इफेक्ट पृथ्वी की एक सामान्य प्रक्रिया है जिसके कारण पृथ्वी का निचला स्तर मंडल गर्म बना रहता है. तथा जीवन के अनुरूप वायुमंडल में वातावरण जीवन उपयोगी तथा जीवन के अनुकूल बना रहता है। किंतु ग्रीन हाउस इफेक्ट में बदलाव आने के साथ ही मनुष्य के सामने जलवायु परिवर्तन की बड़ी समस्या सामने आई है। इस तरह के परिवर्तन से ही पृथ्वी की परत को हमें बचाना होगा जिससे हम अति उष्णता, गर्म जलवायु और कम उत्पादन की विभीषिका से मानव को बचा सकते हैं। विश्व में विकासशील देश दोहरी चुनौतियों से जूझ रहे हैं, पहली भुखमरी यानी कि गरीबी दूसरी जलवायु में तीव्र परिवर्तन और यह दोनों एक दूसरे से गहरे संबंधित हैं। विकासशील तथा गरीब राष्ट्र एक और गरीबी तथा भुखमरी से लड़ाई लड़ रहे हैं एवं गरीबी से छुटकारा पाकर गरिमामय जीवन जीना चाहते हैं ।इसके लिए वे अपने प्राकृतिक, वैज्ञानिक संसाधनों का दोहन करके विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का प्रयास करते हैं जिससे इनके सम्मुख कई चुनौतियां उत्पन्न हो जाती है। इनके पास पर्याप्त रूप से आर्थिक वित्तीय पूंजी की कमी साथ ही उन्नत तकनीक का अभाव भी है। ऐसे में यह विकासशील राष्ट्र के विकास हेतु परंपरागत विकास साधनों पर आश्रित हो जाते हैं, जैसे विद्युत उत्पादन के लिए कोयले का उपयोग करना, वाहनों में प्रयुक्त ईंधन की गुणवत्ता का निम्न होना, कारखानों की पुरानी मशीनों द्वारा कार्बन, सल्फर, नाइट्रोजन आदि तत्वों की बड़ी मात्रा में वायु को उत्सर्जित करना आदि आते हैं। इन सब के कारण ग्रीन हाउस गैसें निर्मित होने से ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन घटनाओं को तीव्रता प्राप्त होती है। जलवायु परिवर्तन के कारण वैश्विक तापक्रम जैसे कारकों में बहुत तेजी से परिवर्तन होता आया है। इसके पश्चात वर्षा की अनिश्चितता तथा अनियमितता में वृद्धि हुई है साथ ही बाढ़ सूखा अकाल सुनामी हिमस्खलन भूस्खलन जैसी प्राकृत आपदाओं का कई देश हर वर्ष सामना करते आ रहे हैं। उनके सम्मुख बड़ी विकट स्थिति उत्पन्न होती आई है, और यही प्राकृतिक आपदाएं उन देशों को फिर से गरीबी के दलदल में ढकेल देती है जहां भुखमरी का बोलबाला होता है। विश्व में कुछ देश ऐसे हैं जिनमें जिंबाब्वे, सीरिया,लीबिया, सोमालिया तथा अधिकांश अफ्रीकी देश, दक्षिण एशियाई लैटिन अमेरिकी देशों में भोजन,रोटी के लिए लंबी-लंबी लाइन लगती देखी गई है। दूसरी तरफ विकसित और अमीर देशों में भी लाइन लगती है, लेकिन वहां पर विडंबना यह है कि यह लाइन रोटी के लिए नहीं बल्कि आईफोन, स्मार्टफोनऔर गैजट्स के लिए लगाई जाती है।

अनेक गरीब देशों में सबसे बड़ा संकट विकास बनाम पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे को लेकर सामने आया है। जहां यह देश विकास की इच्छा तो रखते हैं पर दूसरी और विकसित देश गरीब देशों को पर्यावरण संरक्षण की सीख दे कर इनके संसाधनों पर रोक लगाने का प्रयास करते हैं। जिससे इनके अस्तित्व तथा संप्रभुता पर गहरी चोट लगती है। यह एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आता है। विकासशील देशों को पर्यावरण संरक्षण जैसी बातें गरीबी के सामने एक चुनौती के रूप में दिखाई देती है।

कर्ज में डूबे पाकिस्तान से कर्जदाताओं ने भी मुहं मोड़ा !

अशोक भाटिया

गले तक कर्ज में डूबे और सातवें आसमान पर पहुंच चुकी महंगाई से जूझ रहे पाकिस्तान की मुसीबतें कम नहीं हो रही है। अब उसे और कर्ज मिलने में बड़ी मुश्किलें आ रही हैं क्योंकि पाकिस्तान की इकोनॉमी चरमरा चुकी है. मुल्क कर्ज के कुचक्र में फंस चुका है. स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान की जानकारी के अनुसार उसका कुल कर्ज और देनदारी दिसंबर, 2023 तक 27.2 फीसदी बढ़कर 81.2 ट्रिलियन रुपये (131 अरब डॉलर) पहुंच गई है. पिछले एक साल में ही देश पर कर्ज 17.4 ट्रिलियन रुपये की वृद्धि हुई है. पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 63.83 ट्रिलियन रुपये था ।

कर्ज का यह जंजाल अभी और गहरा हो गया जब पाकिस्तान ने आईएमएफ से एक और बेलआउट पैकेज मांगा था . साथ ही देश में राजनीतिक स्थिरता का माहौल भी नहीं आ पा रहा था . हाल ही में हुए आम चुनाव में देश में किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला. ऐसे में पाकिस्तान इकोनॉमिक और पॉलिटिकल मोर्चे पर असफल होता दिखाई दे रहा है. स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के मुताबिक, यह स्थिति बनने की सबसे बड़ी वजह बाहरी कर्ज और ब्याज के पेमेंट हैं. आईएमएफ , एफडीआई और अन्य जगहों से मिले कर्ज 26.17 फीसदी बढ़कर 33.611 ट्रिलियन रुपये हो गए हैं. सिर्फ आईएमएफ का कर्ज ही 24.17 फीसदी बढ़कर 2.142 ट्रिलियन रुपये पहुंच गया है ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी कहा है कि पाकिस्तान को कर्ज चुकाने में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही वैश्विक वित्तीय निकाय ने नकदी की कमी से जूझ रहे देश की कर्ज चुकाने की क्षमता पर संदेह किया जा रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट में शनिवार को यह जानकारी दी गई। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के बारे में वाशिंगटन बेस्ड बैंक का आकलन ऐसे वक्त में आया है, जब आईएमएफ सहायता दल शुक्रवार को पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ बातचीत करने के लिए पहुंचा है। इस्लामाबाद ने विस्तारित फंड सुविधा के तहत नए राहत पैकेज का अनुरोध किया था। आईएमएफ का दल इस अनुरोध पर चर्चा के लिए आया है। जियो न्यूज ने इस महीने की शुरुआत में पाकिस्तान पर जारी अपनी स्टाफ रिपोर्ट में आईएमएफ के हवाले से कहा कि कर्ज चुकाने की पाकिस्तान की क्षमता गंभीर जोखिमों के अधीन है और यह नीतियों को लागू करने तथा समय पर बाहरी फंडिंग पर निर्भर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि विशेष रूप से सुधारों को अपनाने में देरी, उच्च सार्वजनिक ऋण और सकल वित्त पोषण की जरूरतें और सामाजिक-राजनीतिक कारक - नीति कार्यान्वयन को खतरे में डाल सकते हैं।

आईएमएफ स्टाफ रिपोर्ट में कहा गया, ' डाउनसाइड रिस्क असाधारण रूप से ऊंची बनी हुई है जबकि नई सरकार ने स्टैंडबाय अरेंजमेंट पॉलिसीज को जारी रखने के अपने इरादे का संकेत दिया है। वहां राजनीतिक अनिश्चितता बनी हुई है। इसमें चेतावनी दी गई है कि यह अनिश्चितता पॉलिसी मेकिंग पर गहरा असर डाल सकती है, खासकर जीवनयापन की ऊंची लागत और अन्य राजनीतिक जटिलताओं को देखते हुए।

जियो न्यूज ने पाकिस्तान पर इस महीने की शुरुआत में जारी अपनी स्टाफ रिपोर्ट में वाशिंगटन स्थित ऋणदाता के हवाले से कहा है कि फंड चुकाने की पाकिस्तान की क्षमता महत्वपूर्ण जोखिमों के अधीन है और नीति कार्यान्वयन और समय पर बाहरी वित्तपोषण पर गंभीर रूप से निर्भर है। असाधारण रूप से उच्च जोखिम - विशेष रूप से सुधारों को अपनाने में देरी, उच्च सार्वजनिक ऋण और सकल वित्तपोषण की जरूरतें, कम सकल भंडार और स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) की शुद्ध एफएक्स व्युत्पन्न स्थिति, प्रवाह में गिरावट और सामाजिक-राजनीतिक कारक - नीति कार्यान्वयन को खतरे में डाल सकते हैं और पुनर्भुगतान क्षमता और ऋण स्थिरता को नष्ट कर देता है ऐसा रिपोर्ट में कहा गया ।इसमें आगे कहा गया है कि पाकिस्तान की फंड चुकाने की क्षमता सुनिश्चित करने के लिए बाहरी व्यवहार्यता बहाल करना महत्वपूर्ण है, और यह मजबूत नीति कार्यान्वयन पर निर्भर करता है, जिसमें बाहरी संपत्ति संचय और विनिमय दर लचीलापन शामिल है लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं है। इसमें यह भी कहा गया है कि भू-राजनीतिक अस्थिरता जोखिम का एक अतिरिक्त स्रोत है, भले ही पिछली समीक्षा के बाद से वैश्विक वित्तीय स्थितियों को लेकर अनिश्चितता में कुछ हद तक गिरावट आई है। वैश्विक ऋणदाता ने कहा कि देश को अगले पांच वर्षों के दौरान 123 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सकल वित्तपोषण की आवश्यकता है, साथ ही कहा कि पाकिस्तान को वित्तीय वर्ष 2024-25 में 21 बिलियन अमेरिकी डॉलर और 2025-26 में 23 बिलियन अमेरिकी डॉलर की मांग करने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि संकटग्रस्त देश को 2026-27 में 22 बिलियन अमेरिकी डॉलर, 2027-28 में 29 बिलियन अमेरिकी डॉलर और 2028-29 में 28 बिलियन अमेरिकी डॉलर की उम्मीद है।मामले से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, वैश्विक ऋणदाता की एक सहायता टीम देश की वित्तीय टीम के साथ अगले दीर्घकालिक ऋण कार्यक्रम के पहले चरण पर चर्चा करेगी।सूत्रों ने कहा कि अग्रिम दल बातचीत के लिए पाकिस्तान पहुंच चुका है जबकि आईएमएफ मिशन 16 मई को पहुंचेगा।

टीम विभिन्न विभागों से डेटा प्राप्त करेगी और वित्त मंत्रालय के अधिकारियों के साथ वित्तीय वर्ष 2025 (FY2025) के आगामी बजट पर चर्चा करेगी।सूत्रों ने यह भी बताया कि टीम 10 दिनों से अधिक समय तक पाकिस्तान में रहेगी।पाकिस्तान ने जलवायु वित्तपोषण के माध्यम से वृद्धि की संभावना के साथ ईईएफ के तहत तीन वर्षों के लिए 6 और 8 बिलियन अमेरिकी डॉलर के अगले बेलआउट पैकेज की मांग की थी ।

आईएमएफ के एक बयान में पहले कहा गया था, ₹अब सुधारों में तेजी लाना कार्यक्रम के आकार से अधिक महत्वपूर्ण है, जो सुधार के पैकेज और भुगतान संतुलन की जरूरतों द्वारा निर्देशित होगा।₹इस बीच, पाकिस्तान ने अपने बाहरी वित्तपोषण में 23 बिलियन अमेरिकी डॉलर के भारी अंतर को पूरा करने के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 में चीन जैसे प्रमुख सहयोगियों से लगभग 12 बिलियन अमेरिकी डॉलर का ऋण लेने का फैसला किया है क्योंकि संघीय सरकार का लक्ष्य बजट लक्ष्यों को प्राप्त करना है। आईएमएफ टीम के देश में अपेक्षित आगमन से पहले।वित्त मंत्रालय के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, सऊदी अरब से 5 अरब अमेरिकी डॉलर, संयुक्त अरब अमीरात से 3 अरब अमेरिकी डॉलर और चीन से 4 अरब अमेरिकी डॉलर की मदद ली जाएगी, साथ ही कहा गया है कि अगले वित्तीय वर्ष में चीन से और नए वित्तपोषण का अनुमान भी शामिल किया जाएगा। पर यह मिलेगा कि नहीं इस बात पर अब शंका जताई जा रही है ।

पाकिस्तान को नए ऋण कार्यक्रम के तहत आईएमएफ से 1 बिलियन अमरीकी डालर से अधिक प्राप्त होना था जबकि विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक से नए वित्तपोषण को भी अनुमानित बजट में शामिल किया गया था ।

ज्ञात हो कि वर्ल्ड बैंक ने हाल ही में कहा था कि पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति बिगड़ रही है और एक करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से नीचे जा सकते हैं। वर्ल्ड बैंक का यह अनुमान 1.8 प्रतिशत की सुस्त आर्थिक वृद्धि दर के साथ बढ़ती महंगाई पर आधारित है, जो चालू वित्त वर्ष में 26 प्रतिशत पर पहुंच गयी है। रिपोर्ट में कहा गया कि पाकिस्तान तीन साल तक घाटे में रह सकता है। वर्ल्ड बैंक ने कहा कि करीब 9.8 करोड़ पाकिस्तानी पहले से ही गरीबी रेखा के नीचे हैं। वही, गरीबी की दर लगभग 40 प्रतिशत पर बनी हुई है। गरीबी रेखा के ठीक ऊपर रह रहे लोगों के भी नीचे आने का जोखिम है। इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही में पाकिस्तान में महंगाई दर 30 फीसदी से ऊपर थी।

पाक के बाद चीन की बरबादी का मोदी प्लान शुरू

राज सक्सेना

जहां तक पीएलआई का प्रश्न है, केंद्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के कारण देशज विनिर्माण क्षेत्र में निवेश के अपार अवसर बढ़े हैं। सरकार ने इस कार्यक्रम के लिए प्रारम्भ में 13 उद्योगों का चयन किया जिनका कुल निवेश लगभग दो लाख करोड़ रूपये था। पीएलआई योजना का स्थापन मार्च, 2020 में हुआ। यह कार्यक्रम आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम का हिस्सा है जिसका उद्देश्य घरेलू विनिर्माण की अभिवृद्धि है। पीएलआई योजना भारत में उत्पादन करने वाली कंपनियों को वित्तीय प्रोत्साहन देकर घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने में मदद करती है। इससे निश्चितरूप से आयात में कमी और देश में नौकरियां पैदा करने में मदद मिलती है।

यह योजना भारतीय उत्पादों को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए उनकी गुणवत्ता में सुधार लाती है। इससे निर्यात को बढ़ावा मिलने से अन्य देशों के साथ व्यापार संतुलन को स्थायित्व मिलता है। साथ ही पीएलआई योजना नये उत्पादों और तकनीकों को विकसित करने वाली कम्पनियों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करके नव-अनुसंधानों प्रोत्साहन प्रदान करती है। इस योजना से भारत विदेशी निवेश का आकर्षक गन्तव्य स्वतः बन जाता है। पीएलआई योजना एक ऐसी योजना है जो परम्परागत भारतीय विनिर्माण क्षेत्र को और अधिक उत्पादक बनाने की क्षमता प्रदान करती है। कुछ ही वर्षों में यह योजना भारतीय अर्थव्यवस्था की नींव का पत्थर बनने की क्षमता रखती है।

नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा मार्च 2020 में शुरू की गई प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव – पीएलआई योजना भारत के विनिर्माण क्षेत्र, रोजगार पैदा करने और निर्यात को अकल्पनीय बूस्ट देने में 'गेम चेंजर' साबित हो रही है। वैश्विक शीर्ष ब्रांडों यथा एप्पल और सैमसंग भारत निर्मित स्मार्टफोन विनिर्माण क्षेत्र में देश पहली बार इलेक्ट्रॉनिक सामानों के एक मजबूत निर्यातक के रूप में विश्व पटल पर उभरे हैं। पीएलआई योजना के कारण प्रमुख स्मार्टफोन कंपनियों ने अपने आपूर्तिकर्ताओं को भी भारत में स्थानांतरित कर दिया है। इनमें ताइवान की दिग्गज कंपनी फॉक्सकॉन, विस्ट्रॉन और पेगाट्रॉन भी शामिल हैं। पीएलआई, उत्पादन-बद्ध-प्रोत्साहन योजना, मोदी सरकार की प्रमुख प्रस्तुति, को एक ऐसी योजना के रूप में पेश किया गया है जो अंततः भारत को एक मजबूत विनिर्माण देश और चीन के एक विश्वसनीय विकल्प बनाने में मदद करेगी । हालांकि क्रेडिट सुइस की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि यह योजना वास्तव में एक मिश्रित बैग (थैला) साबित हो रही है क्योंकि कई योजनाएं यथा खाद्य प्रसंस्करण, फार्मा और कपड़ा आदि अतिसामान्य लगती हैं और नियमित व्यावसायिक गतिविधि को प्रोत्साहित करती हैं। पीएलआई योजनाओं में संचयी 21 बिलियन डालर के निवेश की परिकल्पना की गई है। सरकार ने 2021 में पीएलआई योजना शुरू की और क्रिसिल के अनुमान के अनुसार, मौजूदा पूंजीगत व्यय का लगभग एक चौथाई हिस्सा इससे जुड़ा है। क्रेडिट सुइस ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि पूंजीगत व्यय जो एक प्रमुख निगरानी योग्य मद है वह बैटरी, ऑटो और स्टील के साथ असंतुलित रूप में है, जो कुल पूंजीगत व्यय में 48% का योगदान देता है।

मोदी तीसरा कार्यकाल जीतते हैं, तो निवेशक भारत को निर्यात केंद्र बनाने, सार्वजनिक पूंजी व्यय में वृद्धि और राज्य के स्वामित्व वाले निजीकरण के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के बेहतर कार्यान्वयन पर निश्चित ध्यान देंगे। एंटरप्राइजेज (एसओई), पेरिस स्थित बैंक सोसाइटी जेनरल ने मंगलवार को एक शोध रिपोर्ट में कहा है कि, 'लोकसभा के लिए सात चरण के आम चुनाव 19 अप्रैल को शुरू हो गए हैं। जनमत सर्वेक्षणों की आम सहमति भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले गठबंधन, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की पूर्ण बहुमत के साथ वापसी की ओर इशारा कर रही है'।

पीएलआई पर बहुत कुछ लिखा जा चुका है कि मोदी की यह स्कीम किस तरह से चीन के हाथ से विश्व मुद्रा डॉलर गायब कर रही है। डेल, विस्ट्रोन, फौक्सकाम, लावा, टाटा, जिओ, सैमसंग, एलजी जैसी बहुत सी कम्पनियों ने इस स्कीम के अंदर स्वयं को रजिस्टर्ड कराया है। जो प्रोडक्ट ये कम्पनियां बनाएंगी, वे सभी प्रोडक्ट्स पहले चीन से बड़ी मात्रा में आयात होते थे। उनका कुल योग लगभग 21.1 बिलियन डॉलर का था। इतना आयात तो कम होगा ही, उल्टा इसके 25 प्रतिशत धन का निर्यात भी होगा। अब कुछ भी हो, यह रफ्तार इसी तरह अगले 4 वर्ष भी जारी रही तो चीन को भी पाकिस्तान की तरह मोदी कटोरा थमाने के लिए सख्त प्रतिबन्ध लगाने में सरकार की ओर से कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे?। यह सब मोदी ने पिछले एक दो वर्ष में किया है। सामान्य दिनों में विश्व व्यापार संगठन के चलते इस तरह के चीन पर प्रतिबंध लगाने, लगभग नामुमकिन थे पर चीन ने भारत के साथ गलवान घाटी का पंगा लेकर अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार ली है।

दरअसल चीन ने सोचा था कि उसकी आर्थिक शक्ति और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते भारत अपनी यह भूमि लड़ाई से बचने के लिए भूल जाएगा और उसे तोहफे में दे देगा जैसा कि आजतक कांग्रेसी सरकारें करती आई हैं पर मोदी ने चीन के सामने 15 दिन में ही 'काउंटर डिप्लॉयमेंट ' करके उसे हैरान कर दिया और उसे 3 वर्षों में दूसरी बार अपने पैर वापस खींचने पर मजबूर कर दिया।

अब दुश्मन देश के सामान पर प्रतिबंध लगाना, या ऐसे व्यापार पर प्रतिबंध लगाना जिसके कारण स्वदेशी व्यापार प्रभावित हो रहा हो, या देश की सुरक्षा खतरे में पड़े , डब्लूटीओ के दायरे से बाहर चला जाता है। बस मोदी ने इसी का फायदा उठाया और धड़ाधड़ चीनी एप्स, चीनी कॉन्ट्रैक्ट्स, चीनी मालों पर बैन लगाना चालू कर दिया। मोदी की 'विश्व राजनीति' के चलते चीन ने डब्लूटीओ में जाकर बहुत बवाल मचाया पर सिर्फ चीखने चिल्लाने के अलावा वह और कुछ कर ही नहीं पाया। अब समय बहुत नजदीक आ गया है, जब चीन में स्थापित वैश्विक संस्थान चीन से स्वतः निकल कर भारत आ जायेंगे और चीन की जेब में जा रहा धन उसकी जेब से निकलकर अपने आप भारत की जेब में आना प्रारम्भ हो जाएगा।

मोदी का प्रशासन चलाने का अपना अलग तरीका है। वे बड़े धैर्य और संतोष के साथ अपनी चालें चलते हैं। पाकिस्तान को आर्थिक रूप से बरबाद करने के बाद भारत के सबसे प्रबल शत्रु चीन पर उनका निशाना है जो एक बड़ा मगरमच्छ है जिसके शिकार में थोड़ा वक्त जरुर लगेगा मगर घुटनों पर चीन भी आएगा, इसमें कोई संशय नहीं है। इसके अतिरिक्त चीन का कांग्रेस से एमओयू और अधिकाँश विश्वविद्यालयों के साथ साथ साम्यवादी सोच के तथाकथित लिबरलों का भी इंतजाम जरूरी है। इसमें भी थोडा समय लगेगा। कुल मिलाकर चीन की बरबादी का मास्टरप्लान पिछले तीन वर्षों से प्रगति पर है मगर यह भी सच है कि मछली के शिकार में समय कम लगता है और मगरमच्छ का शिकार थोड़ा समय लेता है।

मैं निष्पक्ष हूँ

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक बार की बात है, एक छोटे से गाँव में जहां शांति और सामाजिक उतार-चढ़ाव का खाता जोर-शोर से चल रहा था, वहां रहने वाले लोगों के जीवन में एक नया चमत्कारिक तत्व आया। यह चमत्कारिक तत्व था - सांप। हां, आपने सही सुना। गाँव में एक सांप ने अपना आवास बनाया और उसके आने से गाँव का माहौल ही बदल गया।

इस सांप की खबर सुनकर, गाँव के लोगों में अनेक सवाल उठे। इतनी भीड़-भाड़ वाली जगह में साँप क्यों आया? क्या यह सांप वाकई यहाँ रहना चाहता है या कुछ और करने आया है? यहाँ कैसे आया? और बहुत कुछ। लेकिन जवाब कहीं नहीं मिला।

एक दिन, एक नया शहरी आया जिसका नाम था श्रीकांत। वह गाँव में अपने खाली समय के लिए आया था, और उसने सांप के बारे में सुना था। उसने सोचा, यह कैसा अजीब महौल है जहां लोग सांप के साथ रहने में आनंद ले रहे हैं। उसने तुरंत जानने की इच्छा व्यक्त की और सांप के पास पहुँचा। सांप को देखकर श्रीकांत ने हंसते हुए पूछा, तुम यहाँ कैसे? सांप ने आराम से उत्तर दिया, क्या, सांप को कभी कभार यहाँ आने का हक़ नहीं है?

श्रीकांत को थोड़ी हैरानी हुई, तुम्हें यहाँ रहना कैसे पसंद आया? सांप ने मुस्कुराते हुए बताया, हाँ, यहाँ का मौसम तो बिलकुल बढ़िया है। श्रीकांत ने आश्चर्य से पूछा, क्या तुम सांप ही हो या फिर कोई और? सांप ने खुशी से कहा, मैं सांप लिमिटेड कंपनी का मालिक हूँ, और मैं राजनेताओं की सहायता के लिए यहाँ आया हूँ। श्रीकांत को हंसी आई, क्या, राजनेताओं की सहायता? सांप ने मुस्कुराते हुए कहा, हाँ, हम उनकी रैलियों में विष उगलते हैं।

श्रीकांत ने हंसते हुए कहा, तो किस पार्टी के लिए? सांप ने अदाकारी से जवाब दिया, हम निष्पक्ष हैं। हमारा विष सभी के लिए है, चाहे वह किसी भी पार्टी का हो।

श्रीकांत की हँसी रुकने का नाम नहीं ले रही थी। उसने कहा, यहाँ का माहौल ही कुछ अलग है। सांप ने बड़ी समर्पण भावना से कहा, हाँ, यहाँ का माहौल अलग है, लेकिन हमें अपने काम पर विश्वास है।

श्रीकांत ने समझा कि यह सांप भले ही छोटा हो, लेकिन उसके दिल में बड़े ख्वाब हैं। और उसकी यह कहानी उसके मन में एक नयी आशा का उद्घाटन कर गई। गाँव के लोगों ने भी सांप की सच्चाई को समझ लिया और उसे एक मित्र के रूप में स्वागत किया। इससे गाँव में बहुत सारी बातें आसानी से समझ आने लगी और लोगों के बीच एक नया बंधन सा बन गया। इस तरह लोग साँप के साथ में रहने के आदी हो गए।

प्यार की तिलिस्म में फंसती युवतियां और टूटती संस्कार की कड़ियां

डॉ.नर्मदेश्वर प्रसाद चौधरी

आजकल युवा प्रेम को व्यवहारिक बनाने के चक्कर में प्रेम की मूल संवेदना को ही खत्म करने लगे हैं जैसे कि आए दिन प्रेम में हत्या या बलात्कार तक की घटनाएं होती रह रही हैं। आजकल युवा का आकर्षण से प्रेम तक के बीच का समय काल काफी कम हो रहा है। कुछ घटनाओं में तो अनजान से दोस्ती, दोस्ती से प्रेम और प्रेम से सेक्स और सेक्स से घर से भाग जाने तक कि घटना इतने कम दिनों में हो जाती है जो समझ नहीं आ रहा है। एक दूसरे को जाने बिना समझे बिना काफी रिश्तों को काफी आगे ले जाने की बीमारी से समाज ग्रसित है। दोस्ती होती है, शादी की बात होती है और फिर इनका व्यवहार ऐसे ही मानो पति पत्नी हो. फिर कुछ दिन में सब खत्म क्योंकि जब रिश्ते शारीरिक जरूरत के अनुसार बनते हैं तो टूटना स्वाभाविक है। इससे बचने के लिए युवाओं को दोस्ती और प्रेम तथा अपने और बहुरूपिये के बीच के अंतर को समझना होगा।

आफताब श्रद्धा जैसी घटनाएं बहुत दुखद है। एक सभ्य समाज के नाम पर कलंक है। आज़ादी की चाह हमारे युवाओं को भटकाव की ओर ले जा रही है। परिणाम लड़कियों को ही भुगतना पड़ता है। काश! हमारी बेटियों को समझ आ जाए। वे माता-पिता को अपना बैरी ना समझे। अपने जीवन के कीमती वर्ष पढ़ाई और कैरियर में लगाएं। एक निश्चित उम्र के बाद ही अच्छे बुरे की समझ भी आती है। आजकल के मां - बाप भी कैरियर बनाने के चक्कर में अपने बच्चों को जमाने के ऊंच-नीच नहीं बताते। सिर्फ पढ़ो , पढ़ो कैरियर बनाओ। जो नसीहत उन्हें शुरू से देनी चाहिए वह उन्हें कभी नहीं मिलता। वे सिर्फ कैरियर के गुलाम बनकर रह जाते हैं। ऐसे में जब आफताब जैसा भेड़िया उनसे नकली मुहब्बत दिखाता है तो वह उसी को असली प्यार समझ कर अपने परिवार से विद्रोह कर बैठती है। फिर जो परिणाम होता है वह सर्वविदित है। लड़की की तो शत प्रतिशत गलती है जिसका परिणाम भुगत लिया उसने। इतनी नृशंस हत्या करना, एक गंदी सोच का ही नतीजा है।

आश्चर्य है कि विदेश में रहने वाले लोग भारतीय संस्कृति की ओर आने लगें हैं और भारत के युवा विदेश के कल्चर को अपना कर आधुनिकता का आवरण ओढ़ कर स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। लिव इन रिलेशनशिप में लड़कों की अपेक्षा लड़कियों का अधिक दैहिक और मानसिक शोषण किया जाता है। आधुनिकता के नाम पर हम आने वाली पीढ़ी को कितना गलत संदेश दे रहें हैं। माता पिता आर्थिक उपार्जन हेतु व्यस्त रहते हैं और बच्चों को समय नहीं दे पाते और बच्चे इंटरनेट पर उपलब्ध ज्ञान का गलत मतलब निकाल लेते हैं। सचमुच आने वाली पीढ़ी के लिए यह बहुत भयावह स्थिति है। वैसे लिव-इन को कानूनी मान्यता देना हमारे संस्कार के विरुद्ध है, इसका साफ-साफ अर्थ ये कि हम पाश्चात्य रंग में रंग गए।

ऐसा पाश्चात्य में एक कानून था जो शादी के पहले सेक्स को निषेध करता था। यूरोप में फौर्नीकेशन नाम का कानून था जिसमें विवाह बिना सैक्स अपराध था। आज इस पर समाज के साथ-साथ माता-पिता और सरकार को भी सोचने की आवश्यकता है। रही सही कसर वेब सीरीज और चलचित्र निकाल दे रही हैं। बहुत दुखद और भयावह स्थिति है। संस्कार को आज दकियानूसी बताया जा रहा है। आधुनिकता में भी एक तरह का दकियानूसीपन ही चल रहा है । लिव-इन में हो तो जब रिश्ता टूट जाये तो अलग हो जाओ बिना किसी झगड़े के लेकिन ऐसा भी नहीं करेंगे । लड़-झगड़ कर भी चिपके रहेंगे । फिर पीछा छुड़ाने के लिए हत्या तक पर उतर आएंगे । मनुष्य को पहचानने की कोई क्षमता नहीं है । जीवन में संघर्ष किया नहीं । बस किसी तरह कमाने लगे, बाल कटा कर ख़ुद को आधुनिक समझ नशा और सेक्स को आज़ादी समझ परिवार और रिश्तों को नकार खुद को आधुनिक समझने का भ्रम पाले हैं ।

यह अधकचरे ज्ञान वाली, पढ़ी-लिखी जाहिल युवा पीढ़ी है । समझदार युवा पहले अपना कैरियर बनाते हैं फिर भले ही अपनी मर्जी से शादी या प्रेम करते हैं । ये तो वासनाओं, इच्छाओं के वशीभूत केवल नशा, सेक्स, आधुनिक रहन सहन के नाम पर कुछ भी खाना कुछ भी पिना परिवार से दूरी को ही आज़ादी समझने वाले लोग हैं जो एक तरह से मनोरोगी, विक्षिप्त हैं और समाज के लिए अवांछनीय, गैर सामाजिक तत्व बनते जा रहे हैं ।

इस का दोषी जितना युवा है, उससे कम दोषी उसका परिवार , समाज , प्रशासन और सरकार नहीं है। हम अपना दोष पश्चिमी सभ्यता या किसी अन्य के सर नहीं मढ़ सकते। हमें अपनी भावी पीढ़ी को विश्वास में लेकर चलना चाहिए। ऐसा क्या है जो कार्यालयों में लोग अधिकारी की बात मानते हैं और जिस घर परिवार ने उन्हें या हमें सब कुछ दिया तथा भरन पोषण किया ,उसे नजरंदाज करते हैं। उसका विरोध भी करते हैं। इसके लिए जिम्मेदार कौन है ? घर परिवार या समाज और सरकार द्वारा बनाई गई कानून व्यवस्था। पहले बहुत जाँच पड़ताल के बाद रिश्ते हुआ करते थे । अब सब फ़ास्ट हो गया है। सब हर बात के लिए इसी भागमभाग में लगे हैं कि कहीं बढ़िया मौका चूक न जाएं, दौड़ में पीछे न रह जाएं। स्पीड में तरक्की वैभव सुख मज़ा सब पा लेने को आतुर युवक युवतियां अंधाधुंध दौड़ रहें हैं भूल जाते हैं कि मुंह के बल गिर भी सकते हैं।

कर्ण को पहली नजर में देखते ही मोहित हो गई थी द्रौपदी

महाभारत में द्रौपदी एक ऐसी पात्र है, जिनके सौंदर्य और बुद्धि के बारे में आज भी बातें होती हैं। द्रौपदी का जन्म अग्नि से हुआ था। महाभारत के अनुसार द्रौपदी केवल सुंदर ही नहीं थी बल्कि बेबाक, निडर और बुद्धिमान होने जैसी विशेषताएं ही द्रौपदी को और भी ज्यादा खास बनाती थीं। जब भरी सभा में द्रौपदी का चीर हरण हो रहा था, तो द्रौपदी ने सभा में बैठे सभी वरिष्ठजन भीष्म, धृतराष्ट्र, द्रोण की निंदा की थी और क्रोध और पीड़ा से भरकर कहा था कि इस मौन का ऋण इन सभी योद्धाओं को भी चुकाना ही होगा। इसके बाद द्रौपदी का कहा सच हुआ और कुरुक्षेत्र की भूमि पर रक्तरंजित युद्ध में भीष्म और द्रोण मारे गए जबकि धृतराष्ट्र ने अपने 100 पुत्रों को खोकर उम्र भर इस पीड़ा को सहन किया। महाभारत में द्रौपदी की व्यक्तित्व से जुड़ी ऐसी कई और बातें हैं, जिन्हें ज्यादातर लोग नहीं जानते। इन रहस्यों को जानकर कोई भी समझ सकता है कि द्रौपदी ने बेशक से रणभूमि में शस्त्र न उठाए हो, लेकिन द्रौपदी को आज भी शक्तिशाली महिला योद्धा माना जाता है। आइए, जानते हैं द्रौपदी से जुड़े रहस्य।

पूर्वजन्म में द्रौपदी ने भगवान शिव की तपस्या की थी, जब शिव द्रौपदी की समस्या से प्रसन्न हुए, तो द्रौपदी ने महादेव से 14 गुणों से संपन्न किसी व्यक्ति से विवाह करने का वरदान मांगा लेकिन महादेव ने द्रौपदी से कहा कि इस संसार में कोई भी मनुष्य ऐसा नहीं है, जिसमें एक साथ 14 गुण हो, इसलिए तुम्हें अधिकतम पांच गुणों से संपन्न पति की कामना करनी होगी। यह सुनकर द्रौपदी ने पांच गुण बताते हुए विवाह की इच्छा जताई। महादेव ने द्रौपदी को पांच गुणों से संपन्न पति का वरदान दिया। इस कारण से अगले जन्म में द्रौपदी को पांच पति प्राप्त हुए, जिनमें द्रौपदी के मांगे हुए एक-एक विशेष गुण थे। यदि महादेव द्रौपदी को 14 गुणों वाले व्यक्ति से विवाह का वरदान दे देते, तो द्रौपदी के 14 पति होते।

द्रौपदी को फिर से प्राप्त हो जाता था कौमार्य

द्रौपदी का विवाह पांच पांडवों से हुआ था लेकिन पांचों पतियों के साथ व्यक्तिगत समय बिताने के लिए नियम बनाए गए थे। इस नियम के अनुसार द्रौपदी एक निश्चित अवधि तक बारी-बारी से अपने पांच पतियों युधिष्ठिर, अर्जुन, भीम, नकुल और सहदेव के साथ रहती थी। द्रौपदी जब एक पति से दूसरे पति के पास जाती थी, तो वह फिर से अपना कौमार्य प्राप्त कर लेती थी और कुंवारी स्त्री बन जाती थी। इस कारण से द्रौपदी को पंच कन्याओं में सबसे विशेष माना जाता है।

कर्ण को पहली नजर में देखते ही मोहित हो गई थी द्रौपदी

कर्ण को पहली नजर में देखते ही मोहित हो गई थी द्रौपदी द्रौपदी के स्वंयवर में कई राजा-महाराजा आए थे। सभी रुपवान, धनवान और योद्धा थे। इसी स्वंयवर में पांचों पांडव भी उपस्थित थे। पांडवों के अलावा स्वंयवर में सम्मिलित होने के लिए कर्ण भी आया था। द्रौपदी सभी राजकुमारों को महल में छुपकर देख रही थी। अचानक द्रौपदी की नजर कर्ण पर ठहर गई। द्रौपदी कर्ण से बेहद प्रभावित हुई और कर्ण को देखकर मन ही मन मुस्कुराने लगी। जब श्रीकृष्ण ने देखा कि द्रौपदी कर्ण पर मोहित हो रही है, तो श्रीकृष्ण ने बीच में आकर द्रौपदी के मन में कर्ण को लेकर नकारात्मकता भरी बातें डालीं। उन्होंने कहा कि कर्ण एक सूत पुत्र है, अगर द्रौपदी कर्ण से विवाह करेगी, तो उसे कभी भी समाज में सम्मान नहीं मिलेगा। श्रीकृष्ण युग प्रवर्तक महाभारत के युद्ध के बारे में पहले से जानते थे, इसलिए यह बात उनकी रणनीति का हिस्सा थी। इसके अलावा द्रौपदी श्रीकृष्ण की सखी थी, इसलिए उन्होंने उनकी बात नहीं टाली। द्रौपदी के लिए श्रीकृष्ण की मित्रता बहुत ही महत्व रखती थी।

पूर्वजन्म में एक ऋषि की पत्नी थी द्रौपदी

द्रौपदी पूर्वजन्म में मुद्गल ऋषि की पत्नी थी। पूर्वजन्म में द्रौपदी का नाम इंद्रसेना था, जबकि ऋषि मुद्गल की पत्नी होने की वजह से उन्हें मुद्गलनी भी कहा जाता था। इंद्रसेना के पति की मृत्यु बहुत ही कम उम्र में हो गई थी। इंद्रसेना को इस बात का गहरा आघात पहुंचा। इंद्रसेना अक्सर अपनी कल्पनाओं में अपने पति के साथ प्रेम किया करती थी और पति के गुणों के बारे में सोचा करती थी। इस कारण से अगले जन्म में पति पाने की इच्छा में इंद्रसेना ने भगवान शिव की तपस्या करके अपने होने वाले पति में वे सभी गुण मांगे, जिनके बारे में उसने सोचा था।

पिरामिड से एकाग्रता वृद्धि और इच्छापूर्ति होती है

वास्तुशास्त्र, फेंगशुई के साथ-साथ पिरामिड वास्तु एवं पिरामिड यंत्रों का वास्तुदोष निवारण, एकाग्रता वृद्धि, ध्यान एवं इच्छापूर्ति में विशेष योगदान है। पिरामिड के चमत्कारी प्रभावों के पीछे पिरामिड की विशेष आकृति है, जो मनुष्य के उपर स्थूल एवं सूक्ष्म रूप से सकारात्मक प्रभाव डालती है। मिश्र के पिरामिड सुप्रसिद्ध हैं, पिरामिड पर शोध करने वालों का मानना है कि पिरामिड ब्रह्माण्ड से ब्रह्माण्डीय ऊर्जा के साथ-साथ ईश्वरीय शक्ति को भी अपनी ओर आकर्षित करते हैं। मनोकामना पूर्ति के लिए पिरामिड से निर्मित यंत्रों का प्रयोग किया जाता है। प्राचीन काल से ही मानव अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरूद्वारा में प्रार्थना करता आ रहा है।

पिरामिड के अन्दर बैठने से इच्छाशक्ति मजबूत होती है

किसी भी धार्मिक स्थल में जाकर जब आप ध्यान एकाग्र करेंगे, तो आपको मन में शांति का एहसास होता है और उस स्थान पर जब आप अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति से कुछ मांगते हैं, तो वह इच्छा पूरी होती है। इसलिए मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर, गुरूद्वारों में पिरामिड के आकार को ही प्राथमिकता दी जाती है। मन्दिरों के गर्भगृह में बैठकर ध्यान करने से या मंत्र जाप करने से विशिष्ट प्रकार का आनन्द प्राप्त होता है तथा मानसिक एवं आत्मिक शांति का अनुभव होता है। गुबंदो में जो गुंजारन उत्पन्न होता है, वह उस उद्घोष को शक्तिशाली बनाता है और शब्द ब्रह्म के आनंद की उद्विग्नता को बढ़ाता है। घंटे की अनुगूंज जब घूम कर हमारे श्रवण अंगों द्वारा अंतस् में प्रविष्ट होती है तो शांति का अनुभव प्रदान कराती है। अतः पिरामिड रचना बहुउद्देशीय है। पिरामिड संरचना ज्योतिष, गणित, ब्रह्माण्ड, गुरुत्वाकर्षण, वास्तुविद्या का यह अद्भुत समन्वय है। यदि मनुष्य प्रतिदिन दस से पंद्रह मिनट के लिए पिरामिड के अन्दर बैठे तो उसकी इच्छाशक्ति दृढ़ होती है और इच्छाशक्ति दृढ़ होने से मनोकामना पूर्ण होने के साथ आनन्द की अनुभूति होती है। जब कोई व्यक्ति पिरामिड के भीतर बैठता है, तब पिरामिड की भीतरी ऊर्जा-शक्तियाँ, उस व्यक्ति की ऊर्जा के साथ पारस्परिक असर उत्पन्न करती है और परिणामस्वरूप उस व्यक्ति को अपनी चेतना एवं शक्ति में वृद्धि होने का विशिष्ट अनुभव होता है।

पिरामिड में समाया है आकाश तत्व

पिरामिड के उपरी त्रिकोण के तीनों कोण वर्तमान, भूतकाल तथा भविष्य के प्रतीक माने गए हैं। ये कोण जन्मकुण्डली के लग्न, पंचम, नवम भाव का प्रतिनिधित्व करते हैं, लग्न वर्तमान का, पंचम भाव पूर्वजन्म के पुण्यों का तथा नवम भाव भविष्य का प्रतिनिधित्व करता है। पिरामिड मनुष्य का स्वास्थ्य, बुद्धि तथा जीवन की संरचना को उच्च श्रेणी का बनाता है। अनुसंधान बताते हैं कि चिकित्सा क्षेत्र में भी पिरामिड उपयोगी साबित हो रहे हैं। अग्नि, पृथ्वी, वायु, जल, आकाश, इन पंच तत्वों में पिरामिड आकाश तत्व का प्रतिनिधित्व करता है, अतः जब किसी भी भवन में आकाशीय शक्ति को बढ़ाना हो, तो पिरामिड स्थापना पर विचार किया जाता है। पिरामिड की चमत्कारिक आकृति ब्रह्माण्डीय ऊर्जा को मानव के कल्याण के लिए संग्रहित करती है। पिरामिड के तीनों कोण एक विद्युत चुम्बकीय तरंगों का सृजन करते हैं, जिसके कारण इसका प्रयोग मानव जीवन को संतुलित करता है। पिरामिड शिखर, सूर्य, चन्द्रमा की रश्मियों सहित अनन्त आकाश से आने वाली ब्रह्माण्डीय ऊर्जा को केन्द्र की ओर खींच लेता है। यह अन्दर प्रविष्ट ऊर्जा को उर्जा परिवर्तन के नियमानुसार परिवर्तित कर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करता है। पिरामिड की आकृति का सही प्रयोग कर जीवन में सुधार एवं परिवर्तन किया जा सकता है। जो मकान वास्तु के अनुरूप नहीं है उनमें पिरामिड वास्तु के उपयोग से वास्तुदोष का शमन किया जा सकता है।

अगर आप भी रहते हैं 3 बीएचके घर में तो इन नियमों का पालन करने से बनी रहेगी ऊर्जा

घर एक ऐसा स्थान होता है जहां पर हमें सबसे ज्यादा सुकून प्राप्त होता है। दुनियां में कहीं भी घूम लो लेकिन मन को शांति को तो अपने घर आकर ही मिलती है। हर व्यक्ति अपने घर को पॉजिटिव बनाने के लिए कुछ न कुछ उपाय करता है। ऐसा तभी हो सकता जब आप घर को वास्तु के अनुसार व्यवस्तिथ कर के रखते हो तो। ये छोटी-छोटी बातें आपके जीवन को खुशनुमा बनाने का काम करती हैं। आज इस आर्टिकल में बात करेंगे 3 BHK घर के बारे में। अगर आप भी इस तरह के घर में रहते हैं तो आपके लिए यह आर्टिकल बेहद ही खुशनुमा रहने वाला है-

ऐसा हो बैडरूम

आज-कल देखने में आता है कि लोग घर लेने के बाद हर कमरे में बेडरूम बना देते हैं। इसके अलावा कुछ लोग अपने बेडरूम को हमेशा चेंज करते रहते हैं। वास्तु के अनुसार ऐसा करना गलत माना गया है। जो व्यक्ति ऐसा करता है उसके जीवन में कभी भी स्टेबिलिटी नहीं रहती है। हो सके तो घर के सबसे बड़े कमरे बेडरूम बनाएं। वास्तु के अनुसार घर के सबसे बड़े कमरे को गेस्ट रूम नहीं बनाना चाहिए।

ऐसा हो मुख्य द्वार

घर के मुख्य दरवाजे को बाकियों के मुकाबले बड़ा रखा चाहिए। दो पल्ले का दरवाजा वास्तु के अनुसार बेहद ही शुभ माना जाता है। इसी के साथ ये दरवाजा हमेशा लकड़ी का होना चाहिए। ऐसा करने से घर में पॉजिटिविटी बनी रहती है।

खिड़कियों को न करें बंद

धूल-मिट्टी से बचने के लिए आज-लोग घर की खिड़की को बंद कर देते हैं। या फिर उनके आगे भारी-भरकम पर्दे लगा देते हैं। वास्तु के अनुसार ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता। इसी के साथ इस बात का ध्यान रखें कि जिस कमरे में आप सोते हैं उस कमरे की खिड़कियां हमेशा खोल के रखनी चाहिए और दक्षिण-पश्चिम दिशा की खिड़की को हमेशा बंद रखें।

हंसते-खेलते घर-परिवार को लग गई है नजर इन उपायों से रूठी खुशियां लौट कर आएंगी

वास्तु विद्वान मानते हैं की जब घर में ऊपरी हवाएं नेगेटिव एनर्जी के रूप में बढ़ने लगती हैं तो हंसते-खेलते परिवार को नजर लग जाती है। कलह, आर्थिक समस्याएं, वाद-विवाद आदि बढ़ने लगते हैं। उनका जड़ से नाश करने के लिए वास्तु में बहुत सारे कारगर उपाय बताए गए हैं। जिससे आपके घर-परिवार की रूठी हुई खुशियां फिर से लौट आएंगी- यदि आपको लगता है कि आपके घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ गई है तो घर की दक्षिण-पूर्व दिशा में एक मिट्टी के पात्र में पानी भरकर रख दें। इस उपाय से आप थोड़े ही दिनों पाएंगे कि घर से नकारात्मक शक्तियां दूर हो गई हैं।

घर से नकारात्मक ऊर्जा को खत्म करने के लिए पोछा लगाते समय पानी में नमक या फिटकरी के कुछ अंश डाल दें। वास्तु में ऐसी मान्यता है कि नमक और फिटकरी से जल्द ही नकारात्मक ऊर्जा नष्ट हो जाती है। यदि आपके घर का प्रवेश द्वार दक्षिण दिशा की ओर है तो यहां पर पंचमुखी हनुमान की तस्वीर लगाएं। इससे घर में कभी नकारात्मक ऊर्जा का वास नहीं होता है।

इसके अलावा घर में जिस भी जगह में वास्तु दोष है, वहां थोड़ा-सा कपूर रख दें। कुछ दिन बाद जब वह खत्म हो जाए तो वहां फिर से कपूर रख दें। इससे आपको बहुत लाभ मिलेगा व घर में धन धान्य की वृद्धि होगी।

घर के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा के मध्य स्थान) को बहुत शुभ माना जाता है क्योंकि यह ईश्वर का निवास स्थान होता है। अगर आपके घर का मंदिर इस दिशा में है तो यह बहुत शुभ है। इस दिशा में मंदिर होने से आपको निरोगी काया तो मिलेगी ही साथ ही घर में सुख-समृद्धि का वास भी होगा।

साथ ही इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए की घर में इष्ट देव की मूर्ति हमेशा दक्षिण दिशा में हो। वास्तु शास्त्र के अनुसार आपके घर का मुख्य द्वार टूटा-फूटा है या उसमें किसी प्रकार की खराबी है तो उसे जल्द से जल्द सही करवा लें, यह अनिवार्य है। मुख्य द्वार का घर के सदस्यों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ता है और लड़ाई-झगड़ा बना रहता है इसलिए अपने घर के मुख्य द्वार को सही और स्वच्छ रखें।घर के केंद्र में कभी भारी वजन का सामान या फर्नीचर नहीं रखना चाहिए। वास्तु में इस स्थान को ब्रह्म स्थान माना गया है। इस स्थान को हमेशा खाली और साफ रखना चाहिए। यहां भारी सामान रखना परिवार वालों की सेहत के लिहाज से उचित नहीं माना जाता है।

महाराजा विक्रमादित्य से जानें सुखी जीवन जीने का मूल मंत्र

एक बार महाराजा विक्रमादित्य अपने गुरु के दर्शन करने उनके आश्रम पहुंचे। वहां उन्होंने गुरु से कहा, "गुरु जी मुझे कोई मंत्र दीजिए जिससे न केवल मुझे बल्कि मेरे उत्तराधिकारियों को भी मार्गदर्शन मिलता रहे।"

गुरु जी ने उन्हें एक श्लोक लिखकर दिया जिसका अर्थ था कि मनुष्य को दिन व्यतीत हो जाने के बाद यह चिंतन अवश्य करना चाहिए कि आज का मेरा पूरा दिन पशु की तरह गुजरा या सत्कर्म करते हुए। बिना समाज सेवा, परोपकार आदि के तो पशु भी अपना गुजारा करते हैं जबकि मनुष्य का कर्त्तव्य तो अपने जीवन को सार्थक करना है।

इस श्लोक का राजा विक्रमादित्य पर इतना असर पड़ा कि उन्होंने इसे अपने सिंहासन पर अंकित करवा दिया। अब वह रोज रात को यह विचार करते कि उनका दिन अच्छे काम में बीता या नहीं। एक दिन अति व्यस्तता के कारण वह किसी की मदद अथवा परोपकार का कार्य नहीं कर पाए। रात को सोते समय दिन के कामों का स्मरण करने पर उन्हें याद आया कि आज उनके हाथ से कोई सद्कार्य नहीं हो पाया। वह बेचैन हो उठे। उन्होंने सोने की कोशिश की पर उन्हें नींद नहीं आई। आखिरकार वह उठकर बाहर निकल गए। रास्ते में उन्होंने देखा कि एक गरीब आदमी सर्दी में ठिठुर रहा है। उन्होंने उसे अपना दोशाला ओढ़ाया और राजमहल में लाकर खूब सेवा की। अब उन्हें इस बात का एहसास हुआ कि उनका दिन अच्छा बीता। उन्होंने सोचा कि यदि प्रत्येक व्यक्ति सद्भावना व परोपकार को अपनी दिनचर्या में शामिल कर ले तो उसका जीवन सार्थक हो जाएगा।

गणेश जी के पावन दर्शन से विघ्नहर्ता हर लेंगे सारी परेशानी

भारत में स्थित सबसे पवित्र और प्रसिद्ध गणेश मंदिर का जिक्र होता है तो सिद्धिविनायक मंदिर का नाम जरूर लिया जाता है, लेकिन सिद्धिविनायक के अलावा देश के अन्य हिस्सों में भी कई विश्व प्रसिद्ध गणेश मंदिर हैं। मोती डूंगरी गणेश मंदिर का इतिहास लगभग 400 वर्ष पुराना माना जाता है। कहा जाता है कि इस पवित्र और लोकप्रिय मंदिर का निर्माण 1761 के आसपास सेठ जय राम पल्लीवाल की देखरेख में हुआ था। मोती डूंगरी गणेश मंदिर के संबंध में यह भी माना जाता है कि इसका निर्माण राजस्थान के उत्तम पत्थर से लगभग 4 महीने के भीतर पूरा किया गया था। इस मंदिर की वास्तुकला भी भक्तों को खूब आकर्षित करती है। मोती डूंगरी गणेश मंदिर की कहानी बहुत दिलचस्प है। कथा के अनुसार कहा जाता है कि राजा गणेश प्रतिमा लेकर बैलगाड़ी से यात्रा करके लौट रहे थे, लेकिन

शर्त थी कि बैलगाड़ी जहां भी रुकेगी, उसी स्थान पर गणेश मंदिर बनवाया जाएगा।

कहानी के अनुसार ट्रेन डूंगरी पहाड़ी के नीचे

रुकी. सेठ जय राम पल्लीवाल ने उस स्थान पर एक मंदिर बनाने का फैसला किया जहां कार रुकी थी। मोती डूंगरी गणेश मंदिर बेहद खास है। यह जयपुर के साथ-साथ पूरे राजस्थान के सबसे बड़े गणेश मंदिरों में से एक है। इस पवित्र मंदिर में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु आते हैं। गणेश चतुर्थी के खास मौके पर हर दिन लाखों श्रद्धालु आते हैं. कहा जाता है कि प्रत्येक बुधवार को मंदिर परिवार में एक बड़ा मेला लगता है और इसी दिन सबसे अधिक श्रद्धालु पहुंचते हैं। मंदिर परिसर में एक शिवलिंग भी स्थापित है। इसके अलावा लक्ष्मी-नारायण की मूर्ति भी स्थापित की जाती है। मोती डूंगरी गणेश मंदिर में हर समय भक्तों का आगमन लगा रहता है। आप रोजाना सुबह 5 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक मंदिर के दर्शन कर सकते हैं। इसके बाद आप शाम 4:30 बजे से रात 9 बजे के बीच यात्रा कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दे कि मंदिर में जाने के लिए कोई प्रवेश शुल्क नहीं है. इसके अलावा आपको यह भी बता दें कि गणेश चतुर्थी के मौके पर यहां आना खास माना जाता है।

किसी के मन को समझना चाहते हैं तो रखें बस एक बात का ध्यान

दुनिया के महान दार्शनिकों में से एक सुकरात एक बार अपने शिष्यों के साथ बैठ कर किसी विषय पर चर्चा कर रहे थे कि तभी वहां एक ज्योतिषी आ गया। उसने देखा कि कोई भी उस पर विशेष ध्यान नहीं दे रहा है तो उसने सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हुए कहा, ''मैं बहुत बड़ा ज्योतिषी हूं। मैं किसी का भी चेहरा देख कर उसके चरित्र के बारे में बता सकता हूं। बताओ तुम में से कौन मेरी इस विद्या को परखना चाहेगा ?'' उसकी यह बात सुनकर सभी शिष्य सुकरात की ओर देखने लगे।सुकरात ने उस ज्योतिषी से अपने बारे में बताने के लिए कहा। ज्योतिषी उन्हें देखने लगा। सुकरात देखने में कुरूप थे। उन्हें कुछ देर निहारने के बाद ज्योतिषी ने कहा, ''तुम्हारे चेहरे की बनावट से पता चलता है कि तुम सत्ता विरोधी हो। तुम्हारे अंदर द्रोह करने की भावना प्रबल है। तुम्हारी आंखों की बनावट से लगता है कि तुम अत्यंत क्रोधी स्वभाव के हो।''

अपने गुरु के बारे में ये बातें सुनकर वहां बैठे शिष्यों को गुस्सा आ गया। उन्होंने उस ज्योतिषी को तुरंत वहां से जाने के लिए कहा लेकिन सुकरात ने उन्हें शांत करते हुए ज्योतिषी को अपनी बात पूरी करने के लिए कहा। ज्योतिषी ने अपनी बात को जारी रखते हुए कहा, ''तुम्हारे बेडौल सिर और माथे से पता चलता है कि तुम लालची हो। तुम्हारी ठुड्डी की बनावट तुम्हारे सनकी होने की तरफ इशारा करती है।' ज्योतिषी की ये बातें सुनकर शिष्य और भी क्रोधित हो गए लेकिन सुकरात गुस्सा होने की बजाय मुस्कुरा रहे थे। उन्होंने ज्योतिषी को ईनाम देकर विदा किया। सुकरात के इस व्यवहार को देख कर शिष्य उन्हें आश्चर्य से देखने लगे और उनसे पूछा, "गुरु जी हमें आपकी यह बात समझ नहीं आई कि आपने उस ज्योतिषी को ईनाम क्यों दिया जबकि उसने जो कुछ भी कहा वो सब झूठ था ?''

सुकरात बोले, ''नहीं शिष्यो ज्योतिषी ने मेरे बारे में जो कुछ भी कहा है वे सब सच है। उसके बताए सारे दोष मुझमें हैं। मुझमें लालच है, क्रोध है। उसने जो कुछ भी कहा वे सब कमियां मुझमें हैं लेकिन वह एक बहुत जरूरी बात बताना भूल गया। वह मेरे अंदर के विवेक को नहीं आंक पाया जिसके बल पर मैं इन सारी बुराइयों को अपने वश में किए रहता हूं बस वह यही चूक गया, वह मेरे बुद्धि के बल को नहीं समझ पाया।''

'ओवरएक्टिंग की दुकान', ट्रोलर्स के निशाने पर आईं अंकिता, मुंबई में हुई दुर्घटना का बनाया मजाक!

अभिनेत्री अंकिता लोखंडे अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। आए दिन उन्हें किसी न किसी कारण ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। एक बार फिर अभिनेत्री ट्रोलर्स के निशाने पर आई हैं। उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह मुंबई में आई धूल भरी आंधी को देखकर हैरान होती हुई दिखाई दे रही हैं। वीडियो में उनके ऐसे हाव-भाव देखकर सोशल मीडिया पर यूजर्स उन्हें ओवरएक्टिंग की दुकान कह रहे हैं।

अभिनेत्री साझा किया वीडियो

अंकिता लोखंडे ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा की है। इसमें वह मुंबई में अपने अपार्टमेंट की बालकनी में दिखाई दे रही हैं। वीडियो में वह तूफानी बारिश और बाहर के दृश्य की ओर इशारा करती हुई नजर आ रही हैं। उनके वीडियो में मुंबई की धूल भरी आंधी साफ दिख रही है। वीडियो में अभिनेत्री कहती दिख रही हैं, 'ये क्या हो रहा है यार? ये क्यों हो रहा है ऐसे? ये क्या है? क्या बकवास है?'

यूजर्स बोले- 'ओवरएक्टिंग की दुकान'

अभिनेत्री का वीडियो सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल हो गया है। अंकिता के इस वीडियो पर फैंस अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। वीडियो में उनके हाव-भाव देखकर देखकर फैंस उन पर जमकर निशाना साध रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा- 'ओवरएक्टिंग की दुकान', वहीं एक अन्य यूजन ने लिखा, 'मैडम जी इसको आंधी बोलते हैं।' एक अन्य ने लिखा, 'यह आपके लिए अच्छा है, लेकिन बेघर लोगों के बारे में सोचिए, वे कैसे जीवित रहेंगे?' इसी तरह तमाम यूजर्स उन्हें इस वीडियो को लेकर ट्रोल कर रहे हैं।

'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' में आई थीं नजर

गौरतलब है कि मुंबई के घाटकोपर में एक पेट्रोल पंप पर एक बड़ा होर्डिंग गिरने से लगभग 100 लोग फंस गए, जिसमें 14 लोगों की जान चली गई है। वहीं, अंकिता लोखंडे के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार रणदीप हुड्डा की फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने यमुना बाई का किरदार निभाया था।

लंदन फैशन शो में शामिल हुईं आलिया भट्ट

दुआ लीपा और डेविका होर्ने जैसे एक्टर्स के साथ स्टेज शेयर किया

आलिया भट्ट कल यानी सोमवार की शाम गुच्ची क्रूज 2025 फैशन शो में शामिल हुईं। इवेंट में आलिया ब्लैक ट्यूब ड्रेस पहने नजर आईं। इस आउटफिट में वो बेहद खूबसूरत दिखाई दीं। आलिया ने टाइट हेयर बन, गुच्ची का बैग और मैचिंग हील्स के साथ अपना लुक कंप्लीट किया। बता दें, आलिया गुच्ची की ग्लोबल एंबेसडर हैं। इस इवेंट में आलिया भट्ट के साथ दुआ लीपा, पॉल मेस्कल, ली नोथाई, सिंगर डेविका होर्ने और अमेरिकी सिंगर डेबी हैरी जैसे स्टार्स शामिल हुए।

सोशल मीडिया पर इवेंट की कुछ तस्वीरें वायरल हो रही हैं। रेड कार्पेट पर आलिया ने डेविका के साथ पोज भी दिया, सोशल मीडिया पर उनकी खूब सराहना की जा रही है। आलिया हाल ही में मेट गाला 2024 में शामिल हुई थीं। इस इवेंट में आलिया फेमस डिजाइनर सब्यासाची की क्लासिक शिमरी साड़ी पहने नजर आई थीं।

आलिया भट्ट के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

आलिया भट्ट वसन बाला की फिल्म 'जिगरा' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म को करण जौहर और आलिया भट्ट खुद को-प्रोड्यूस कर रहे हैं। ये फिल्म इसी साल सितंबर में सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इसके अलावा आलिया और रणबीर, भंसाली की फिल्म लव एंड वॉर में नजर आने वाले हैं। फिल्म की ऑफिशियल अनाउंसमेंट हो चुकी है। ये एक मॉडर्न लव स्टोरी होने वाली है। दोनों के साथ विक्की कौशल भी अहम रोल में दिखेंगे। ये फिल्म क्रिसमस के मौके पर रिलीज होगी।

हॉलीवुड सीरीज 'ड्यूनः प्रोफेसी' का हिस्सा बनीं तब्बू

'सिस्टर फ्रांसेस्का' के किरदार में आएंगी नजर, सोशल मीडिया पर यूजर्स ने दिया रिएक्शन

तब्बू हॉलीवुड की फेमस सीरीज 'ड्यूनः प्रोफेसी' में नजर आने वाली हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तब्बू इसमें 'सिस्टर फ्रांसेस्का' के किरदार में नजर आएंगी। यह एक साइंस फिक्शन सीरीज है। यह सीरीज ब्रायन हर्बर्ट और केविन जे. एंडरसन द्वारा लिखी गई कहानी 'सिस्टरहुड ऑफ ड्यून' से इंस्पायर्ड है। 'ड्यूनः प्रोफेसी' सीरीज की शुरुआत साल 2019 में हुई थी।

बता दें, पहले इस सीरीज का नाम 'ड्यूनः द सिस्टरहुड' था। 'ड्यूनः प्रोफेसी' दो हरकोनेन बहनों की कहानी है, जो मानव जाति के भविष्य को खतरे में डालने वाली ताकतों से लड़ती हैं, और एक कम्युनिटी की स्थापना करती हैं, जिसे बेने गेसेरिट के नाम से जाना जाएगा।

तब्बू इस सीरीज में एमिली वॉटसन, ओलिविया विलियम्स, ट्रैविस फिमेल, जोहदी मे, मार्क स्ट्रॉन्ग, सारा-सोफी बौस्नीना, जोश ह्यूस्टन, क्लो ली, जेड अनौका, फोओलीन कनिंघम, एडवर्ड डेविस, एओइफ हिंड्स, क्रिस मेसन, और शालोम ब्रुने-फ्रैंकलिन जैसे एक्टर्स के साथ नजर आएंगी।

सोशल मीडिया यूजर्स का रिएक्शन

सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा ये इंडिया के लिए सबसे अच्छी खबर है। तब्बू इस किरदार को बहुत अच्छी तरह से निभाएंगी। वहीं एक और यूजर ने लिखा कि इससे अच्छी खबर हो ही नहीं सकती है। यूजर्स सोशल मीडिया पर तब्बू के लिए बेहद खुश हैं, सभी उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट के लिए उन्हें बधाई दे रहे हैं।

तब्बू के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

तब्बू हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'क्रू' में नजर आई थीं। इस फिल्म में तब्बू के साथ करीना कपूर खान और कृति सेनन भी दिखाई दी थीं। इसके अलावा वो 'औरों में कहां दम था' में जल्द ही नजर आएंगी। इसमें तब्बू मोहिनी सिंह चौधरी का किरदार निभाने वाली हैं।

प्रीति ने मनीषा कोइराला को बताया टैलेंट का पावर हाउस

डेब्यू फिल्म को याद कर कहा- आप मेरे लिए हमेशा हीरो रहेंगी

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' में एक्ट्रेस मनीषा कोइराला के अभिनय की खूब तारीफ हो रही है। एक्ट्रेस ने मल्लिकाजान की भूमिका में जान डाल दी है। हर कोई मनीषा कोइराला के किरदार की तारीफ कर रहा है। प्रीति जिंटा ने भी मनीषा कोइराला के काम की तारीफ करते हुए उन्हें टैलेंट का पॉवर हाउस बताया।

मनीषा कोइराला ने हाल ही में इंस्टाग्राम अपनी कुछ तस्वीरों शेयर की। जिस पर प्रीति जिंटा ने लिखा है- मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं। आज मैंने आपका शो 'हीरामंडी' देखकर खत्म किया है। मैं आपसे यह कहना चाहती हूं कि आप टैलेंट की पॉवर हाउस हैं।

प्रीति जिंटा ने शाहरुख खान और मनीषा कोइराला के साथ फिल्म 'दिल से' डेब्यू किया था।

इस फिल्म की शूटिंग के दिनों को याद करते हुए मनीषा कोइराला के बारे में प्रीति लिखती हैं- आपने मुझे कभी महसूस ही नहीं होने दिया कि आप सुपरस्टार हैं और मैं न्यूकमर हूं। आप जितनी बेहतरीन कलाकार हैं,उससे भी ज्यादा बेहतरीन इंसान हैं। आपने जिस प्यार और उदारता से मुझे गले लगाकर मेरा स्वागत किया था वह क्षण आज भी मेरी यादों में एकदम ताजा है। आप मेरे लिए हमेशा हीरो रहेंगी।

वहीं, मनीषा कोइराला ने पोस्ट में लिखा है- मैं कभी सोच भी नहीं सकती थी कि कैंसर और 50 साल की होने के बाद मेरी जिंदगी इस तरह से दूसरे पड़ाव पर पहुंच जाएगी और हीरामंडी करियर के लिए मील का पत्थर साबित होगी। ओटीटी के आने से जिस तरह से बदलाव आया है,उस बदलते युग का हिस्सा बनकर खुद को भाग्यशाली समझती हूं।

तमन्ना भाटिया की तमिल फिल्म 'अरनमनई 4' बॉक्स ऑफिस पर 50 करोड़ के करीब पहुंची

'अरनमनई 4' का थिएटर्स में जादू चल गया है और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. तमन्ना भाटिया की इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अपना बजट निकाल लिया है. 'अरनमनई 4' हर रोज बॉक्स ऑफिस पर करोड़ों का कारोबार कर रही है. महज 10 दिनों की कमाई के साथ फिल्म ने अपना बजट निकाल लिया था और अब ये 50 करोड़ के क्लब में एंट्री लेने के करीब है .

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो 'अरनमनई 4' का बजट 40 करोड़ रुपए है और सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक तमन्ना भाटिया की फिल्म ने 10वें दिन 4.75 करोड़ कमाकर 40 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया था. वहीं अब 11वें दिन दे शुरुआती आंकड़े सामने आ गए हैं जिसके मुताबिक रात 10:30 बजे तक 'अरनमनई 4' ने कुल 1.75 करोड़ रुपए कमा लिए हैं.

वर्ल्डवाइड भी रहा दमदार कलेक्शन

तमन्ना भाटिया की 'अरनमनई 4' घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 11 दिनों में कुल 44.65 करोड़ रुपए का कारोबार कर चुकी है. वहीं वर्ल्डवाइड भी फिल्म 50 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है. 'अरनमनई 4' ने 10 दिनों में दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर कुल 54.30 करोड़ रुपए नोट छापे हैं.

साल की तीसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फिल्म

'अरनमनई 4' एक तमिल फिल्म है जो इस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तीसरी फिल्म बन गई है. इससे पहले 'अयालान' पहले नंबर और 'कैप्टन मिलर' दूसरे नंबर पर जगह बनाए हुए हैं. फिल्म 'अरनमनई 4' को सुंदर सी ने डायरेक्ट किया है और स्टारकास्ट की बात करें तो तमन्ना भाटिया के अलावा राशि खन्ना और सुंदर सी भी फिल्म का हिस्सा हैं. तमन्ना भाटिया के वर्कफ्रंट पर नजर डालें तो एक्ट्रेस जॉन अब्राहम के साथ फिल्म 'वेदा' में दिखाई देंगी. इसके अलावा उनके पास 'ओडेला 2' भी पाइपलाइन में है.

जूनियर एनटीआर 'वॉर 2' में नेगेटिव भूमिका में दिखेंगे

साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर ने आगामी फिल्म 'वॉर 2' की शूटिंग पूरी कर ली है। काफी वक्त से अभिनेता इस फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में मुंबई में थे। पहला शेड्यूल पूरा करने के बाद वे मुंबई से हैदराबाद लौट गए हैं। आज उन्होंने लोकसभा चुनाव के लिए मतदान भी किया। जूनियर एनटीआर फिल्म 'वॉर 2' में ऋतिक रोशन के साथ नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन अयान मुखर्जी कर रहे हैं।

क्या भूमिका निभाएंगे जूनियर एनटीआर?

ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की फिल्म अगले साल रिलीज होगी। फिलहाल फिल्म से जुड़ी पूरी स्टारकास्ट और इसकी रिलीज डेट के एलान का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म वर्ष 2019 में आई एक्शन थ्रिलर फिल्म 'वॉर' का सीक्वल है, जिसमें ऋतिक रोशन, टाइगर श्रॉफ और वाणी कपूर मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। अब इसके दूसरे पार्ट को लेकर दर्शक बेकरार हैं। फिल्म से जूनियर एनटीआर के लुक का खुलासा जल्द हो सकता है।

जन्मदिन के मौके पर जारी होगा पोस्टर!

कहा जा रहा है कि आगामी 20 मई को 'वॉर 2' का पोस्टर या टीजर जारी हो सकता है। दरअसल, 20 मई को जूनियर एनटीआर का जन्मदिन है। इस खास मौके पर निर्माता फिल्म में उनकी भूमिका से पर्दा उठा सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक 'वॉर 2' में अभिनेता नेगेटिव भूमिका में दिख सकते हैं। वहीं, ये भी कहा जा रहा है कि वे भारतीय एजेंट के रोल में नजर आ सकते हैं।

सादगी देख फैंस हुए कायल

जूनियर एनटीआर फिलहाल 'देवरा' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं, जिसमें जान्हवी कपूर और सैफ अली खान भी नजर आएंगे। यह फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी। पहला भाग इस साल अक्तूबर में आएगा। फिलहाल, आज जूनियर एनटीआर अपनी एक वीडियो को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें वे वोट डालने के लिए लाइन में लगे नजर आए। अभिनेता पूरे परिवार के साथ वोट डालने पोलिंग बूथ पर पहुंचे। अपनी सादगी से उन्होंने प्रशंसकों का दिल जीत लिया है।

सोनी राजदान ने किया खुलासा, आलिया भट्ट के पास नहीं थे खिलौने, एक कमरे के फ्लैट में रहता था परिवार

अभिनेत्री सोनी राजदान अपनी बेटी आलिया भट्ट और शाहीन भट्ट को खूब प्यार करती है। अक्सर कई खास मौकों पर वह अपनी लाड़लियों के साथ तस्वीरें साझा करती रहती हैं, जिन्हें लोग खूब पसंद करते हैं। मां-बेटियों के इस रिश्ते पर सोशल मीडिया यूजर्स जमकर प्यार बरसाते हैं। हाल ही में, सोनी राजदान ने आलिया और शाहीन के बचपन को लेकर बातचीत की है। इस बातचीत में कई अनसुने किस्से सुनने को मिले।

बेटियों को पालने में आई मुश्किलें

सोनी राजदान ने हाल ही में, आलिया के साथ 'द नॉड मैग' के लिए बातचीत की। सोनी ने बताया कि माता-पिता बनने के बाद उन्हें और महेश भट्ट को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। उनका परिवार एक कमरे के छोटे से फ्लैट में रहा करता था। महेश भट्ट अपनी फिल्मों के काम में व्यस्त रहते थे। सोनी ने बताया कि जब शाहीन पैदा हुई थी तो महेश भट्ट महज तीन हफ्ते बाद ही काम पर चले गए थे। इससे सोनी को लगता था कि वो आलिया और शाहीन की सिंगल मदर है।

सोनी और महेश के पास नहीं थे ज्यादा पैसे

सोनी ने बताया कि आलिया और शाहीन की परवरिश के समय उनके पास ज्यादा पैसे नहीं थे। दोनों पति-पत्नी युवा थे और संघर्ष कर रहे थे। उन्होंने याद करते हुए बताया कि आलिया भट्ट के पास खेलने का कमरा तक नहीं था। इतने अभाव के बावजूद उन्होंने बच्चों को लाड़-प्यार से बड़ा किया।

आज राहा के पास बहुत कुछ है

आलिया की मां ने आगे की बातचीत में राहा कपूर का जिक्र करते हुए कहा कि आज उस बच्ची के पास बहुत कुछ है। आलिया इस स्थिति में हैं कि वो अपनी बेटी के लिए सबसे अच्छी चीजें उपलब्ध करा सकती हैं। चाहे बेहतर स्वास्थ्य देखभाल हो, बेहतर नर्स हो या फिर सबसे बढ़िया खिलौने। उन्होंने कहा कि हर मां-बाप की उम्मीद होती है कि वो अपने बच्चे की बेहतर परवरिश करें। आपको बता दें कि आलिया और रणबीर कपूर की बेटी राहा का जन्म साल 2022 में हुआ था।

हीरामंडी में बिब्बो जान का किरदार निभाना चाहती थीं सोनाक्षी बोलीं- भंसाली सर से तारीफ सुन बेहोश होने वाली थी

सीरीज हीरामंडी में एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा को फरीदन के किरदार में देखा गया है। हालांकि, पहले वे इस रोल को नहीं करना चाहती थीं। उनकी ख्वाहिश थी कि वे बिब्बो जान के किरदार में दिखे। लेकिन बाद में यह रोल अदिति राव हैदरी को मिला।

फरीदन के किरदार में भी सोनाक्षी ने उम्दा काम किया है। दर्शकों के अलावा क्रिटिक्स ने भी उनके काम को बहुत सराहा है। उनका काम देख सीरीज के डायरेक्टर संजय लीला भंसाली भी खुद को तारीफ करने से रोक नहीं पाए। जब उन्होंने सोनाक्षी की तारीफ की तो एक्ट्रेस बेहोश होने वाली थीं।

'संजय सर की तारीफ सुन लगा कि बेहोश हो जाऊंगी'

हाल में सोनाक्षी ने सीरीज से जुड़ा एक प्रमोशनल वीडियो शूट किया। इस वीडियो में उन्होंने सेट पर मिली बेस्ट कॉम्प्लीमेंट के बारे में बात की। उन्होंने कहा- सेट पर सबसे अच्छी तारीफ संजय सर से मिली थी। उन्होंने कहा कि मैं एक ऐसी आर्टिस्ट हूं, जिसके अंदर बहुत क्षमता है। उनकी ये तारीफ सुन लगा था कि मैं उसी वक्त बेहोश हो जाऊंगी।

बिब्बो जान का किरदार निभाना चाहती थीं सोनाक्षी

सोनाक्षी ने आगे बताया कि वे सीरीज में फरीदन के अलावा दूसरा कौन सा रोल करना चाहती थीं। उन्होंने कहा- मैं बिब्बो जान का किरदार निभाना चाहती थी। वो वाकई में बहुत अच्छा रोल है।

200 करोड़ के बजट में बनी है सीरीज

सीरीज हीरामंडी 1 मई को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम की गई है। सीरीज में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, फरदीन खान, शेखर सुमन जैसे कलाकार दिखाई दिए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सीरीज को बनाने में कुछ 200 करोड़ रुपए का खर्च आया है।

खानपान की गलत आदतों से होती याददाश्त कमजोर विटामिन डी, बी12 की कमी से होती भूलने की बीमारी

अगर आपकी याददाश्त कमजोर हो रही है यानी आप चीजें भूलने लगे हैं तो इसका संबंध आपके खानपान से हो सकता है। भोजन में विटामिन की कमी से याददाश्त कमजोर हो सकती है। याददाश्त का विटामिन से क्या संबंध है? भूलने की बीमारी को दूर भगाने के लिए कैसी डाइट लें, इसके बारे में बता रही हैं मदरहुड हॉस्पिटल, पुणे की कंसल्टेंट डाइटीशियन इंशारा महेदवी।

पौष्टिक आहार बेहद जरूरी

अच्छी सेहत के लिए पौष्टिक आहार बेहद जरूरी है। हेल्दी डाइट में मौजूद विटामिन और मिनरल शरीर को पोषण देते हैं और स्वस्थ बनाए रखते हैं। लेकिन भोजन में पोषक तत्वों की कमी होने पर कई हेल्थ प्रॉब्लम्स शुरू हो जाती हैं। भोजन में पौष्टिक तत्वों की कमी का असर याददाश्त पर भी पड़ता है।

शरीर में विटामिन की कमी न होने दें

शरीर में विटामिन की कमी होने पर थकान, कमजोरी, चक्कर आना, ऊर्जा में कमी और नजर कमजोर होना जैसी समस्याएं होने लगती हैं। लंबे समय तक शरीर को यदि जरूरी विटामिन नहीं मिल पाते तो इसका असर मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ने लगता है।

विटामिन डी और बी12 की कमी का असर शारीरिक स्वास्थ्य के साथ साथ मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। विटामिन डी और बी12 की कमी होने पर एकाग्रता की कमी, याददाश्त कमजोर होना, तनाव, चिड़चिड़ापन बढ़ने लगता है।

विटामिन बी12 की कमी का असर

विटामिन बी12 लाल रक्त कोशिकाओं, डीएनए और न्यूरोट्रांसमीटर फंक्शन के उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण है। विटामिन बी12 की कमी के लक्षणों में हाथ-पैर सुन्न होना, चलने और संतुलन बनाने में कठिनाई, एनीमिया, थकान, कमजोरी, जीभ में सूजन, याददाश्त कमजोर होना जैसे नुकसान शामिल हैं। ये लक्षण धीरे-धीरे या अचानक नजर आ सकते हैं। विटामिन बी12 की कमी को पूरा करने के लिए डाइट में मछली, चिकन, दूध, दही जैसे जैसे मिल्क प्रोडक्ट्स शामिल करें।

बड़ी बहू का मतलब बड़ी जिम्मेदारी, इन गुणों को अपनाकर ससुराल वालों को कर सकती हैं खुश

ससुराल में बड़ी बहू को कभी भाभी, कभी बड़ी बेटी तो कभी बड़ी बहन की जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। जिम्मेदारी के साथ-साथ ये सभी अहसास भरे रिश्ते भी हैं। घर की बड़ी बहू बनने का सीधा-सीधा मतलब है कि आपको ससुराल की ढेर सारी परंपराओं को निभाने और उसे आगे बढ़ाने का जिम्मा उठाना होगा। आपको बड़ों का ख्याल रखना होगा तो छोटों को सही-गलत का अंतर बताना होगा। अपने घर में आपका व्यवहार कैसा भी हो, लेकिन घर की बड़ी बहू के रूप में आपको हर पल अपने व्यवहार में दयालुता और समर्पण का भाव रखना पड़ेगा। अगर आप भी घर की बड़ी बहू बनने जा रही हैं तो जान लें कि कैसे इन जिम्मेदारियों को निभाया जाए।

सकारात्मक सोच

जीवन में हर काम को करने के लिए सोच का सकारात्मक होना जरूरी है। बड़ी बहू बनना मतलब बड़ी जिम्मेदारी। इसलिए शादी के बाद अपना नया जीवन पूरे विश्वास और सकारात्मक सोच के साथ शुरू करें। ससुराल में किसी भी व्यक्ति के प्रति कोई भी पूर्व धारणा बनाकर न चलें। साथ ही खुद पर भरोसा रखें कि आप सब कुछ संभाल लेंगी।

रीति-रिवाज

घर की बड़ी बहू ही आगे आने वाली पीढ़ियों को अपने रीति-रिवाज और संस्कार सिखाती है। ससुराल के तौर-तरीके और रीति-रिवाज मायके से अलग हो सकते हैं। ऐसे में किसी भी बात को मानने से मना करना या उसे ससुराल वालों के अनुसार न करने से बचना चाहिए।

रिश्तों में सामंजस्य

अगर आप बड़ी बहू हैं या बनने वाली हैं तो कोशिश करें कि परिवार के सभी सदस्यों का ख्याल रखा जाए। बड़ी बहू से सभी को उम्मीदें होती हैं। इसलिए यह जरूरी है कि आप सबकी पसंद-नापसंद और सोच को समझें और वैसा ही व्यवहार करें।

संवेदनशीलता

शादी के बाद कई रिश्ते बदल जाते हैं। ऐसे में बदलते रिश्तों की संवेदनशीलता को समझें। कई बार देखा गया है कि पहले जो बेटा हर काम मां से पूछकर करता था, अब वह पत्नी की भी राय लेता है। कभी-कभी परिवार के लोग इस बदलाव के लिए खुद को तैयार नहीं कर पाते और रिश्तों में कड़वाहट आने लगती है। ऐसे में जरूरी है कि गुस्सा होने के बजाय सामने वाले की मनोस्थिति को समझें और प्यार से बात करें।

विनम्र रहें

अगर ससुराल में कोई बात बुरी भी लगती है तो तुरंत प्रतिक्रिया न दें। कई बार होता यह है कि एक बात के कई मतलब निकलने से रिश्ते में खटास आने लगती है। जब अलग-अलग परिवेश से आए दो लोग मिलते हैं तो एक-दूसरे को समझने के लिए ज्यादा वक्त की जरूरत होती है। फिर भी अगर आपको कोई बात बहुत बुरी लगी हो, तो शांत स्वर में अपनी बात रखें। साथ ही उन्हें भी अपनी बात रखने का मौका दें।

बड़ों की सलाह

आमतौर पर नई बहुएं ससुराल आने के बाद अपने तरीके से सब कुछ संभालने की कोशिश करती हैं, लेकिन आप ऐसा बिल्कुल न करें। कुछ नया या बड़ा काम करने से पहले अपनी सास या अपने बड़ों से पूछें और सलाह लेने में हिचकिचाएं नहीं। बड़ी बहू होने के नाते बड़ों के मार्गदर्शन के अनुसार चलना या उनकी सलाह लेकर चलना आपके लिए हितकर साबित होगा। साथ ही उनसे सलाह लेकर आप उनके दिल में अपनी जगह बना सकती हैं।

जिम्मेदारी बड़ी है...

घर की बड़ी बहू से परिवार वालों को हमेशा ही काफी अपेक्षाएं होती हैं। कई बार आपको पति और परिवार के बीच सामंजस्य बनाए रखने के लिए अपनी भावनाओं को एक तरफ रखना पड़ता है। ऐसी स्थिति में आप उनसे खुल कर संवाद करें। उनकी परेशानियां सुनें और अपनी समस्याएं भी बताएं। परिवार के सभी सदस्यों से जुड़ने का प्रयास करें और उनकी पसंद-नापसंद को जानें। कठिन समय में सभी का समर्थन करें और साथ मिलकर सफलताओं का जश्न मनाएं। आपके ये छोटे प्रयास आपको परिवार से बेहतर ढंग से जुड़ने में मदद करेंगे।

लिवर के डॉक्टर ने बताया- चाहते हैं हमेशा स्वस्थ रहे लिवर तो आज-अभी से छोड़ दें ये गड़बड़ आदत

शरीर स्वस्थ रहे, अपशिष्ट पदार्थ ठीक तरीके से बाहर होते रहें और रक्त शुद्ध बना रहे इसके लिए जरूरी है कि आपका लिवर ठीक तरीके से काम करता रहे। लिवर सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक है, पाचन को ठीक रखने से लेकर ब्लड शुगर को कंट्रोल में रखने तक के लिए लिवर का ठीक तरीके से काम करते रहना जरूरी है। हालांकि आश्चर्यजनक रूप से लिवर से संबंधित बीमारियों का खतरा काफी तेजी से बढ़ता जा रहा है। लिवर की बीमारियों के कारण न सिर्फ पाचन स्वास्थ्य प्रभावित होता है साथ ही शरीर में और भी कई प्रकार के नकारात्मक परिवर्तन होने लग जाते हैं।

लिवर से संबंधित रोगों के बढ़ते मामलों को लेकर लोगों को जागरूक करने और इस अंग को कैसे स्वस्थ रखा जाए इस बारे में शिक्षित करने के उद्देश्य से हर साल 19 अप्रैल को विश्व लिवर दिवस मनाया जाता है।

लिवर के लिए बहुत हानिकारक है शराब

अमर उजाला से बातचीत में वरिष्ठ लिवर रोग विशेषज्ञ डॉ राजीव अग्रवाल कहते हैं, लिवर की अधिकतर बीमारियों के लिए अल्कोहल के सेवन को प्रमुख कारक माना जाता है। आप जब शराब पीते हैं तो शरीर इसका ब्रेक डाउन करना शुरू कर देता है जिससे ये शरीर से बाहर निकल सके। हालांकि प्रक्रिया के दौरान ऐसे पदार्थ बनते हैं जो शराब से भी अधिक हानिकारक होते हैं। इन पदार्थों की अधिक मात्रा लिवर कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकती है और गंभीर लिवर रोग का कारण बन सकती है।

लिवर की बीमारी से होने वाली 5 में से 4 मौतों का कारण शराब है। शराब के कारण होने वाले लिवर रोगों में फैटी लिवर (स्टीटोसिस) लिवर की सूजन (अल्कोहलिक हेपेटाइटिस) और सिरोसिस जैसी समस्याएं प्रमुख हैं।

शराब के कारण लिवर कोशिकाओं को क्षति

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, लिवर बहुत लचीला अंग होता है और ये खुद को पुनर्जीवित करने में सक्षम होता है। हर बार जब आपका लिवर अल्कोहल को फिल्टर करता है, तो इससे लिवर की कोशिकाओं को क्षति पहुंचती है। वैसे तो लिवर नई कोशिकाओं का विकास कर लेता लेकिन अक्सर या लंबे समय तक शराब पीने से इसकी कोशिकाओं की पुनः उत्पन्न करने की क्षमता प्रभावित होने लगती है इसके परिणामस्वरूप आपके लिवर को गंभीर हो सकती है।

लिवर में फैट जमने की समस्या

अध्ययनकर्ताओं ने बताया लिवर में फैट बनने की समस्या भी कम उम्र के लोगों में देखी जा रही है। वैसे तो इसका खतरा उन लोगों में भी होता है जो शराब नहीं पीते हैं हालांकि अधिक शराब के सेवन को इसका प्रमुख कारण माना जाता है। सिरोसिस के मामले आमतौर पर लंबे समय तक शराब अधिक सेवन से जुड़े माने जाते हैं। शोधकर्ताओं ने बताया, शराब न पाने वाले लोगों में लिवर से संबंधित बीमारियों का खतरा कम होता है।

क्या है विशेषज्ञ की सलाह?

डॉ राजीव कहते हैं, अगर आप शराब पीना बंद कर देते हैं तो लिवर से संबंधित कई प्रकार की बीमारियों से बचाव कर सकते हैं। इसके अलावा लिवर को स्वस्थ रखने के लिए आहार को ठीक रखना, हरी सब्जियों-फलों का सेवन अधिक करने को जरूरी माना जाता है। शराब से दूरी बनाकर आप शरीर के इस सबसे महत्वपूर्ण अंग की सेहत को ठीक रख सकते हैं।

हड्डियों-दांतों में होता है लगभग 95% कैल्शियम, पर इन दो चीजों के कारण हो सकती है इसकी 'गंभीर कमी'

हड्डियों-दांतों को स्वस्थ रखने के लिए बचपन से ही आहार में कैल्शियम वाली चीजों की मात्रा बढ़ाने की सलाह दी जाती रही है। यही कारण है कि सभी उम्र के लोगों, विशेषकर बच्चों-बुजुर्गों को रोजाना दूध जरूर पीना चाहिए। दूध से शरीर के लिए जरूरी कैल्शियम की अधिकतर मात्रा की पूर्ति की जा सकती है।

क्या आप जानते हैं कि हमारी हड्डियों-दांतों में पूरे शरीर का लगभग 90-95% कैल्शियम स्टोर होता है। हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए हमें रोजाना कैल्शियम की आवश्यकता होती है। इतना ही नहीं हृदय, मांसपेशियों और तंत्रिकाओं को भी ठीक से काम करने के लिए भी कैल्शियम जरूरी है। कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि इससे कैंसर, मधुमेह और उच्च रक्तचाप के जोखिमों को कम करने में भी मदद मिल सकती है।

पर क्या आप जानते हैं कि आपके खान-पान और लाइफस्टाइल की ही कुछ गड़बड़ियां शरीर में कैल्शियम मात्रा को कम कर सकती हैं?

कैल्शियम की कमी के कारण

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कैल्शियम की मात्रा कैसे बढ़ाई जाए इसको लेकर तो हम सभी अक्सर चर्चा करते रहते हैं, पर क्या कभी इस बारें में सोचा है कि कुछ चीजों कैल्शियम को शरीर से बाहर भी निकाल सकती हैं। अध्ययनकर्ताओं ने बताया, जिन लोगों को किडनी की दिक्कतें होती हैं- जैसे रेनल फेलियर या क्रोनिक किडनी विकार वाले लोगों में कैल्शियम की कमी होने का खतरा अधिक देखा जाता रहा है।

इसके अलावा शोधकर्ताओं ने बताया कि अगर आप नमक का अधिक मात्रा में सेवन करते हैं तो इससे भी कैल्शिय्म की कमी और हड्डियों को क्षति पहुंचने की समस्या हो सकती है।

ज्यादा नमक है हानिकारक

तमाम अध्ययनों में विशेषज्ञ सलाह देते रहे हैं कि आहार में नमक की मात्रा कम करना जरूरी है। नमक की अधिकता के कारण ब्लड प्रेशर और हार्ट की दिक्कतों का खतरा हो सकता है। पर क्या आप जानते हैं कि अधिक मात्रा में नमक का सेवन पेशाब के माध्यम से कैल्शियम को बाहर निकालने लगता है। इसके अलावा नमक की अधिक मात्रा हड्डियों के क्षरण की समस्या को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को आहार में नमक की मात्रा कम से कम रखने की सलाह देते हैं।

धूम्रपान से हो सकते हैं नुकसान

नमक की ही तरह से शरीर में कैल्शियम की मात्रा को प्रभावित करने के लिए धूम्रपान की आदत को भी एक कारक माना जाता है। सिगरेट में मौजूद निकोटीन हड्डी बनाने वाली कोशिकाओं, जिन्हें ऑस्टियोब्लास्ट कहा जाता है उसके उत्पादन को धीमा कर देता है। धूम्रपान से शरीर में कैल्शियम का अवशोषण भी कम हो जाता है, जो महत्वपूर्ण सेलुलर कार्यों और हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

यानी कि कैल्शियम के अवशोषण को बढ़ाने के लिए नमक का सेवन कम करना और सिगरेट से बिल्कुल दूरी बनाना जरूरी है।

कैल्शियम के अवशोषण को बढ़ाने पर दें ध्यान

अध्ययन की रिपोर्ट से पता चलता है कि हड्डियों और दांतों को स्वस्थ रखने के लिए कैल्शियम का सेवन बढ़ाना तो जरूरी है ही साथ ही इस बात पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि शरीर में कैल्शियम के अवशोषण को कैसे बढ़ाया जा सकता है?

इसके लिए जरूरी है कि कैल्शियम के साथ आहार में विटामिन-डी वाली चीजों को भी शामिल किया जाए। पर्याप्त मात्रा में विटामिन-डी के बिना, हमारा शरीर ठीक तरीके से इस पोषक तत्व को अवशोषित नहीं कर पाता है।

गर्मियों की छुट्टियों को बनाएं मजेदार, इन कामों के लिए बच्चों को करें प्रोत्साहित

गर्मी की छुट्टियां आ रही हैं। अब कुछ दिन घर पर ही रहेंगे बच्चे। ऐसे में आप उन्हें कुछ नया करने, नया सोचने या फिर किसी नई जगह पर जाकर कुछ मनपसंद चीजें देखने का अवसर दे सकती हैं। इसमें उनकी मस्ती भी होगी और कुछ नई सीख भी मिलेगी। नौ वर्षीय शुभांगी की मां मोनिका पहले पहल बच्चों की गर्मी की छुट्टियों को लेकर काफी उधेड़बुन में रहती थीं कि इस डेढ़ महीने बेटी का रूटीन क्या रखें, जिससे कि वह बोर न हो और कुछ नया भी सीख सके। मगर अब वह अब इस उधेड़बुन में नहीं रहतीं।

कला को निखारने का समय

इसमें दो मत नहीं कि पहले की अपेक्षा गर्मी की छुट्टियों का स्वरूप आज काफी बदल चुका है। यह सिर्फ कहीं घूमने-फिरने या होमवर्क पूरा करने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बच्चे इस समय का भरपूर फायदा उठाने में ज्यादा रुचि रखते हैं। वे थिएटर, पॉटरी, स्विमिंग, टेनिस, बास्केटबॉल, म्यूजिक से लेकर नई भाषाएं और स्टोरी टेलिंग जैसी विधाएं सीख रहे हैं।

डायरी लेखन यानी खुद से बातें

प्रसिद्ध लेखिका और समाजसेवी सुधा मूर्ति को बचपन में उनकी मां हर दिन की घटनाओं को एक डायरी में नोट करने को कहती थीं। इससे ही उनमें लेखन का शौक जागा। डायरी लेखन से फिर कहानियां लिखने की भी आदत विकसित हुई।

नई भाषा, नई समझ

आठवीं कक्षा में पढ़ने वाला स्वराज क्रिकेट का दीवाना है। जब मम्मी ने कहा कि छुट्टियों में तो अब तुम सिर्फ क्रिकेट खेलोगे? तो स्वराज ने जवाब दिया, "नहीं!" मां थोड़ी हैरान हो गई और बोली, "तो फिर क्या करोगे?" तब स्वराज ने बताया कि "मुझे फ्रेंच भाषा बहुत पसंद है। इसलिए क्रिकेट की प्रैक्टिस से बचे समय में मैं फ्रेंच भाषा सीखूंगा।

खुद को तराशें

छुट्टियों में बच्चों के पास पर्याप्त समय होता है और नई चीजें सीखने का उन्हें भरपूर अवसर मिलता है। दसवीं की छात्रा मालिनी कहती है, "पिछले साल छुट्टियों में जब मैं फोटोग्राफी की एक वर्कशॉप में शामिल हुई तो मुझे फोटोग्राफी के बारे में बहुत कुछ जानने को मिला। साथ ही फोटोग्राफी के प्रति मेरा रुझान भी बढ़ गया।

नेचर कैंप और वर्कशॉप

इसमें कोई शक नहीं कि बदलती जीवन-शैली और बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने बच्चों को अपनी जड़ों से दूर कर दिया है। वे चाहकर भी प्रकृति का आनंद नहीं ले पाते। एयर कंडीशन्ड बसों और क्लास रूम में रहने की ऐसी आदत पड़ चुकी है कि थोड़ी अधिक गर्मी भी बर्दाश्त नहीं होती। अब धूल-मिट्टी वाले देसी खेल कम ही खेले जाते हैं। यह बदलाव आपने भी अपने गली-मोहल्ले में महसूस किया होगा।

प्रकृति से दोस्ती

अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा है, "जब आप प्रकृति की गहराई में जाते हैं, तभी उसकी खूबसूरती एवं कलात्मकता को बेहतर समझ पाते हैं।" तो आइए, इन छुट्टियों को भरपूर तरीके से जीने के लिए बच्चों को प्रकृति से जोड़े। पेड़-पौधों, पशु-पक्षियों के संग समय व्यतीत करें। देश में हर वर्ष दुनिया भर से प्रवासी पक्षी आते हैं, जिन्हें निहारने और उनकी आवाजें सुनने से अलग ही आनंद मिलता है।

बच्चों की रुचि है जरूरी

बाल मनोचिकित्सक रेणु गोयल बताती हैं, स्कूली बच्चे बहुत ही बेसब्री से गर्मी की छुट्टियों का इंतजार करते हैं। लेकिन वर्किंग पैरेंट्स और एकल परिवार के इस दौर में बच्चों के पास कुछ हफ्ते ही मस्ती के होते हैं। शेष समय टीवी के सामने या मोबाइल फोन पर ही गुजर जाता है। गेम्स और कार्टून शो फेवरेट टाइम पास बन जाते हैं। ऐसे में माता-पिता उन्हें समर कैंप या ऐसी एक्टिविटी का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित कर सकते हैं, जिसमें बच्चों को खेल-खेल में कुछ नया सीखने को मिले।

बढ़ता है खुद पर भरोसा

स्टोरी टेलर एवं लेखिका उषा छाबड़ा कहती हैं, आजकल के बच्चे काफी जिज्ञासु हैं। वे हर क्षण कुछ नया करना और सीखना चाहते हैं। पहले बच्चे सिर्फ कहानियां पढ़ा या सुना करते थे, लेकिन अब खुद से कहानियां सुनाने की ललक उनमें उत्पन्न हुई है। इसकी बानगी विशेषकर गर्मी की छुट्टियों में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन स्टोरी टेलिंग वर्कशॉप में बच्चों की बढ़ती भागीदारी से देखने को मिलती है।

ऋषिकेश के पास हैं ये ऑफबीट जगहें, कम पैसों में करें खूब मस्ती

गर्मियों में छुट्टी मनाने जाना चाहते हैं लेकिन किसी ठंडी और कम भीड़भाड़ वाली जगह की तलाश में हैं तो ऋषिकेश के पास कई बेहतर विकल्प मिल जाएंगे। वैसे तो उत्तराखंड में कई हिल स्टेशन हैं, जहां गर्मियों के मौके पर जाया जा सकता है, इसी कारण इस मौसम में पर्यटकों की भीड़ यहां पहुंच जाती है। इस भीड़ से बचना चाहते हैं तो ऋषिकेश के करीब ऑफबीट जगहों पर जाएं। यहां घूमने के लिए खर्च भी बहुत अधिक नहीं आएगा और सिर्फ दो से तीन दिन की छुट्टियों यानी वीकेंड ट्रिप का लुत्फ उठाया जा सकता है।

डोडीताल

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में डोडीताल नाम का खूबसूरत ताल है। ऋषिकेश डोडीताल से लगभग 90 किमी दूर है। यह ताल नैनीताल की यात्रा जैसा अनुभव करा सकता है। इसके अलावा इस स्थान का पौराणिक महत्व भी है। मान्यता है कि भगवान गणेश का जन्म इसी स्थान पर हुआ था। इस कारण इसे गणेशताल भी कहते हैं। ताल किनारे सुकून का वक्त बिताना हो या ट्रेकिंग का शौक हो तो डोडीताल की सैर कर सकते हैं।

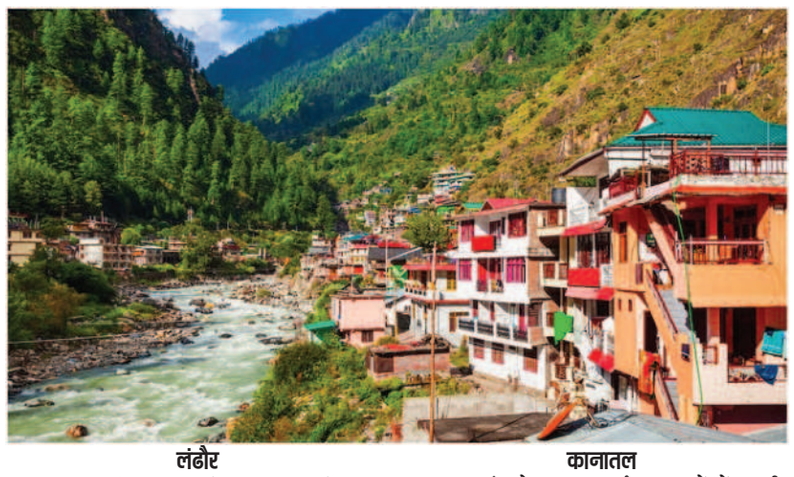

लंढौर

उत्तराखंड में स्थित लंढौर खूबसूरत और शांत जगह है, जो देवदार और चीड़ के घने जंगलों के बीच बसा है। गर्मियों में यहां का मौसम बेहद सुहाना और शानदार होता है। यहां बहुत सारी घूमने की जगहें भी हैं। लंढौर में दोस्तों और परिवार के साथ घूमने जा सकते हैं। दो दिन की छुट्टियों पर लंढौर घूमने जा सकते हैं।

कानातल

उत्तराखंड के मशहूर पर्यटन स्थलों में मसूरी, नैनीताल, मुक्तेश्वर या अल्मोड़ा शामिल है, लेकिन गर्मियों में यहां बहुत भीड़ रहती है। हालांकि किसी ऐसे हिल स्टेशन पर जाना चाहते हैं जो खूबसूरती में किसी मामले में इन जगहों से कम न हो, भीड़ भाड़ भी न हो तो कानातल जा सकते हैं। कानातल के ऊंचे-ऊंचे पहाड़, हरे भरे जंगल और बड़े-बड़े देवदार के पेड़ खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं।

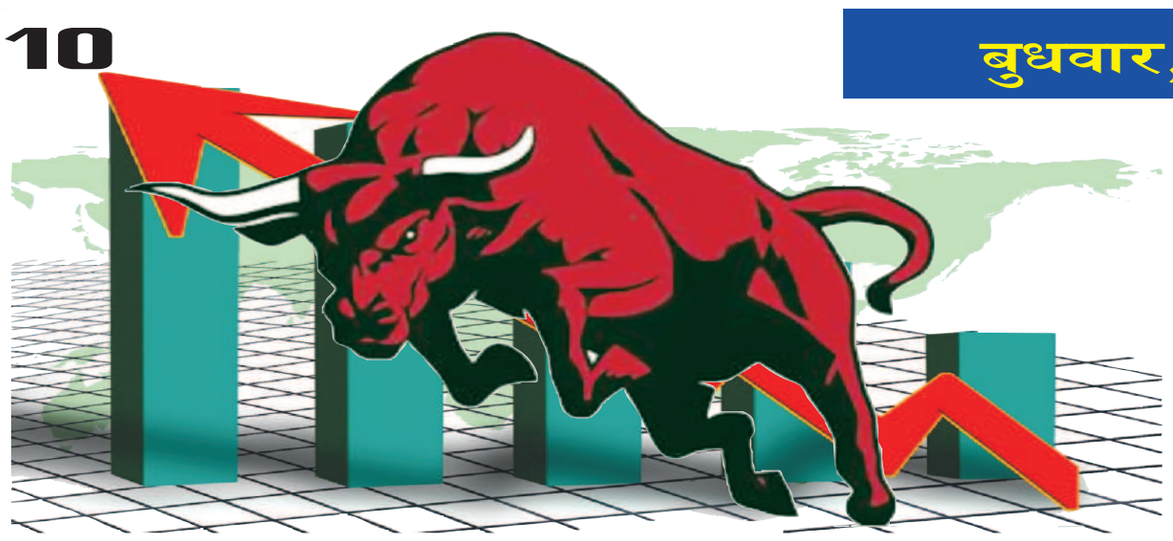

थोक महंगाई दर 13 महीने के उच्चतम स्तर पर, अप्रैल महीने में 1.26% हुआ आंकड़ा

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। थोक महंगाई दर अप्रैल महीने में सालाना आधार पर 13 महीने के उच्चतम स्तर 1.26% पर पहुंच गई। मार्च में यह 0.53% थी। वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को इससे जुड़े आंकड़े जारी किए। जानकारों ने थोक महंगाई दर 1% पर रहने का अनुमान जताया था। थोक महंगाई दर में यह इजाफा खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि के कारण है।

आलू-प्याज की थोक कीमतों में इजाफा

अप्रैल महीने में प्याज की कीमतों की वृद्धि दर 59.75% रही जो मार्च महीने में 56.99% थी। वहीं आलू के मामले में कीमतों की वृद्धि दर 71.97% रही, मार्च महीनें में यह 52.96% थी। एक साल पहले से तुलना करें तो उस दौरान प्याज की कीमतों में 5.54% की नरमी आई थी, वहीं

आलू की कीमतों में 30.56% का इजाफा हुआ था।

खाद्य पदार्थों की थोक महंगाई दर सालाना आधार पर 5.52% बढ़ी, मार्च महीने में यह 4.7% की दर से बढ़ी थी। मासिक आधार पर मार्च महीने के 0.95% की तुलना में इसमें 1.94% का इजाफा हुआ। सरकार के अनुसार अप्रैल महीने में थोक महंगाई दर में इजाफा मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, बिजली, क्रूड पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस, उत्पादित खाद्य पदार्थों और अन्य उत्पादित वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि के कारण है।

क्रूड पेटोलियम के थोक भाव भी बढ़े

अप्रैल 2024 में क्रूड पेटोलियम की थोक महंगाई दर पिछले साल के 1.64% के मुकाबले बढ़कर 4.97% पर पहुंच गईं। प्राथमिक वस्तुओं की थोक महंगाई दर अप्रैल महीने में बढ़कर 5.01% हो गई, जो पिछले महीनें में 4.51% थी। प्राथमिक वस्तुओं के अंतर्गत खाद्य पदार्थों, सब्जियों और खनिजों की कीमतें आती हैं।

खुदरा महंगाई दर में आई नरमी

विनिर्मित उत्पादों की कीमतों में 0.42 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि पिछले महीने में इसमें 0.85 प्रतिशत की गिरावट आई थी। ईंधन और बिजली की कीमतों में मार्च में 0.77 प्रतिशत की गिरावट के मुकाबले 1.38 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इससे पहले सांख्यिकी मंत्रालय ने सोमवार को खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े भी जारी किए, जिसके अनुसार खुदरा महंगाई दर (CPI) सालाना आधार पर 11 महीने के निचले स्तर 4.83 प्रतिशत पर आ आ गई, जबकि पिछले महीने में यह 4.85 प्रतिशत थी।

पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला, हलफनामा दाखिल करने का दिया समय

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अवमानना याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को व्यक्तिगत पेशी से छूट दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को हलफनामा दाखिल करने के लिए समय भी दिया है। इस हलफनामे में पतंजलि को यह बताना है कि उसने भ्रामक विज्ञापनों और उन दवाओं को वापस लेने के लिए क्या कदम उठाए हैं, जिनके लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं।

भ्रामक विज्ञापन पर सेलिब्रिटी के खिलाफ भी होगी कार्रवाई

जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने बीती 7 मई को इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अगर लोगों को प्रभावित करने वाले किसी प्रोडक्ट या सर्विस का

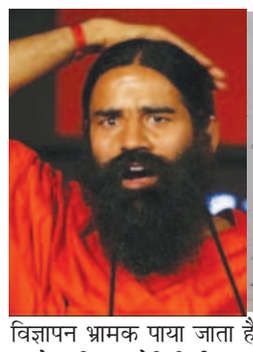

विज्ञापन भ्रामक पाया जाता है तो इसके लिए सेलिब्रिटीज और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स को भी समान रूप से जिम्मेदार ठहराया जाए। आईएमए ने अपनी याचिका में कहा है कि पतंजलि ने कोविड वैक्सीनेशन और एलोपैथी के खिलाफ नकारात्मक प्रचार किया। याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा पतंजलि भ्रामक दावे करके देश को धोखा दे रही है कि उसकी दवाएं कुछ बीमारियों को ठीक कर देंगी, जबकि इसका कोई ठोस प्रमाण नहीं है। हालांकि कोर्ट के आदेश बावजूद पतंजलि की तरफ से प्रिंट मीडिया में कथित भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित कराए गए। इस पर 3 जनवरी 2024 को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही करने को लेकर बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को नोटिस जारी किया।

कोर्ट ने पतंजलि को अखबारों में माफीनामा प्रकाशित करने का दिया था निर्देश

अवमानना नोटिस जारी करने के बावजूद बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण की तरफ से जवाब नहीं दिया गया। इस पर कोर्ट ने दोनों को सुनवाई के दौरान व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया। बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने माफीनामा जारी किया, लेकिन कोर्ट ने माफीनामा खारिज कर दिया। 6 अप्रैल 2024 को कोर्ट ने अखबारों में माफीनामा प्रकाशित करने का निर्देश दिया। 7 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को असली माफीनामे की जगह ई-फाइलिंग करने पर भी फटकार लगाई। इस मामले में 23 अप्रैल को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा कि आईएमए के डॉक्टरों को भी विचार करने को कहा, जो अक्सर महंगी और गैर-जरूरी दवाई लिख देते हैं। कोर्ट ने कहा था कि अगर आप एक उंगली किसी की तरफ उठाते हैं तो चार उंगलियां आपकी और भी उठेंगी।

सुप्रीम कोर्ट की इस टिप्पणी को आईएमए के अध्यक्ष डॉ. आरवी अशोकन ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया था। जिस पर कोर्ट ने आपत्ति जताते हुए उन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

ईडी के सामने पेश हुए झारखंड के मंत्री आलमगीर आलम, पीए के घरेलू सहायक के घर मिले थे करोड़ों रुपये

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। झारखंड के मंत्री और कांग्रेस के नेता आलमगीर आलम धनशोधन मामले में पूछताछ के लिए मंगलवार को यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए। राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री आलम अपराह्न करीब 11 बजे ईडी कार्यालय पहुंचे। आलम ने संघीय एजेंसी के कार्यालय में प्रवेश करने से पहले पत्रकारों से कहा, "मैं कानून का पालन करता हूं... मैं पूछताछ का सामना करने के लिए यहां आया हूं।" ईडी ने पिछले सप्ताह आलम के निजी सचिव और राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी संजीव कुमार लाल (52) और घरेलू सहायक जहांगीर आलम (42) को उनसे जुड़े एक फ्लैट से 32 करोड़ रुपये से अधिक नकदी जब्त करने के बाद गिरफ्तार किया था। मंत्री को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपना बयान दर्ज कराने के लिए मंगलवार को रांची में ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में पेश होने के लिए कहा गया था। धनशोधन की जांच राज्य के ग्रामीण विकास विभाग में कथित अनियमितताओं से संबंधित है।

सोना-चांदी की कीमतों में तेजी : सोना 72,202 रुपए पर पहुंचा

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में आज यानी 14 मई को मामूली बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 38 रुपए महंगा होकर 72,202 रुपए पर पहुंच गया है। वही चांदी की कीमत में आज अच्छी तेजी देखने को मिली है। एक किलो चांदी 586 रुपए महंगी होकर 84,080 रुपए प्रति किलोग्राम में बिक रही। इससे पहले चांदी 83,494 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,970 रुपए है। मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,820 रुपए है।

कोलकाताः 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 66,750 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 72,820 रुपए है।चेन्नईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,980 रुपए है। भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,870 रुपए है।

इस साल सोने-चांदी में दिखी शानदार तेजी

IBJA के अनुसार इस साल अब तक सोने के दाम 8,850 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 72,202 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 84,080 रुपए पर पहुंच गए हैं।

75 हजार तक जा सकता है सोना

मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार जुलाई से फिर शादियां शुरू हो जाएंगी, इससे सोने की डिमांड में तेजी आएगी। इससे आने वाले दिनों में सोने और चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। इसके चलते इस साल के आखिर तक सोना 75 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी भी 85 हजार प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

शेयर बाजार में मजबूत क्लोजिंग; सेंसेक्स 328 अंक चढ़ा, निफ्टी 22200 के पार

मुंबई, 14 मई (एजेंसियां)। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स 328.48 (0.45%) अंकों की बढ़त के साथ 73,104.61 के स्तर पर कारोबार करता दिखा, दूसरी ओर निफ्टी 113.80 (0.51%) अंक उछलकर 22,217.85 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स 328.48 (0.45%) अंकों की बढ़त के साथ 73,104.61 के स्तर पर कारोबार करता दिखा, दूसरी ओर निफ्टी 113.80 (0.51%) अंक उछलकर 22,217.85 पर बंद हुआ। मंगलवार के कारोबारी सत्र के दौरान एमएंडएम और एलएंटी के शेयरों में चार प्रतिशत तक की मजबूती आई।

म्यूचुअल फंड एसेट में पूर्वोत्तर की हिस्सेदारी बढ़कर 40,324 करोड़, इसमें सिक्किम के आंकड़े शामिल नहीं

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। देश में कुल म्यूचुअल फंड परिसंपत्तियों (एसेट) में पूर्वोत्तर की हिस्सेदारी चार साल में दोगुनी से अधिक होकर मार्च, 2024 में 40,324 करोड़ रुपये पहुंच गई। इक्रा एनालिटिक्स की रिपोर्ट में कहा गया है, यह आंकड़ा छोटे शहरों व कस्बों के निवेशकों के बीच म्यूचुअल फंड में निवेश करने की बढ़ती चाहत का संकेत मिलता है। रिपोर्ट के मुताबिक, म्यूचुअल फंड उद्योग की प्रबंधन के तहत कुल औसत संपत्तियों (एएयूएम) में अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड व त्रिपुरा की संयुक्त हिस्सेदारी मार्च, 2020 में 0.67 फीसदी थी। यह मार्च, 2024 में बढ़कर 0.73 फीसदी हो गई। इसमें सिक्किम के आंकड़े शामिल नहीं हैं। मार्च, 2020 में इन राज्यों का संपत्ति आधार 16,446 करोड़ रुपये था, जो इस साल मार्च में बढ़कर 40,324 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

एफटीए भागीदारों को 14.48% बढ़ा भारत का निर्यात, इन देशों से आयात में 37.97% वृद्धि

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। भारत का संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वाले देशों को निर्यात 2018-19 से 2023-24 के बीच यानी छह साल में 14.48 फीसदी बढ़कर 122.72 अरब डॉलर पहुंच गया। 2018-19 में भारत ने इन देशों को 107.20 अरब डॉलर का निर्यात किया था।

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के मुताबिक, छह साल की इस अवधि में एफटीए भागीदारी वाले देशों से भारत का आयात 37.97 फीसदी बढ़कर 187.92 अरब डॉलर पहुंच गया। 2018-19 में भारत ने

इन देशों से 136.20 अरब डॉलर का माल आयात किया था। यह वृद्धि भारत की वैश्विक व्यापार गतिशीलता पर एफटीए के महत्वपूर्ण और विविध प्रभाव को दर्शाती है।

वैश्विक व्यापार में भारत की कुल 1.8 फीसदी हिस्सेदारी

भारत का वैश्विक व्यापार में 1.8 फीसदी हिस्सा है। यह निर्यात में दुनियाभर में 17वें स्थान पर है। आयात के मोर्चे पर भारत वैश्विक व्यापार में 2.8 फीसदी हिस्सेदारी के साथ 8वें स्थान पर है।2023-24 में भारत का निर्यात 3.11 फीसदी घटकर 437.1 अरब डॉलर रहा। आयात भी 5.4 फीसदी गिरकर 677.2 अरब डॉलर रहा।

यूएई को 18.25% ज्यादा निर्यात

आंकड़ों के मुताबिक, 2023-24 में भारत ने यूएई को 35.63 अरब डॉलर का निर्यात किया। यह आंकड़ा 2018-19 के 30.13 अरब डॉलर से 18.25 फीसदी ज्यादा है। इस अवधि में यूएई से भारत का आयात 29.79 अरब डॉलर से 61.21 फीसदी बढ़कर 48.02 अरब डॉलर पहुंच गया। दोनों देशों के बीच एफटीए मई 2022 में लागू हुआ था। इसी प्रकार, 2018-19 से 2023-24 के बीच जापान, ऑस्ट्रेलिया, 10 देशों वाले दक्षिणपूर्व एशियाई गुट आसियान और दक्षिण कोरिया के साथ भी एफटीए के बाद निर्यात-आयात में बढ़ोतरी देखने को मिली है।

डाटा की बढ़ रही खपत, 24 करोड़ घरों को ब्रॉडबैंड सेवाओं से जोड़ने के लिए 4.2 लाख करोड़ की जरूरत

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। देश के 24 करोड़ घरों को अगले छह साल में यानी 2030 तक तेज रफ्तार वाली ब्रॉडबैंड सेवाओं से जोड़ने के लिए 4.2 लाख करोड़ रुपये के भारी निवेश की जरूरत होगी। ईवाई ग्लोबल के दूरसंचार क्षेत्र के प्रमुख एवं भागीदार प्रशांत सिंघल ने ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम के सम्मेलन में इसका ब्योरा देते हुए कहा, फाइबर बिछाने पर 2.7-3 लाख करोड़ रुपये, बुनियादी ढांचे पर 90,000-96,000 करोड़, वाईफाई एवं इन-बिल्डिंग समाधान पर 6,600-9,000 करोड़ रुपये, डाटा सेंटर पर 9,700-14,100 करोड़ रुपये और उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवाओं पर 26,000-29,000 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा।

चार करोड़ घरों में ही सुविधा

सिंघल ने कहा, भारत में अभी चार करोड़ घर से ब्रॉडबैंड से जुड़े हैं। इनमें शहरी इलाकों में ब्रॉडबैंड की पहुंच 3.6 करोड़ घरों तक है। ग्रामीण क्षेत्रों में 30 लाख कनेक्शन हैं। इन्हें 2030 तक क्रमशः 10 करोड़ और 15.3 करोड़ घरों तक पहुंचाने की जरूरत है।

बढ़ती डाटा खपत के लिए मौजूदा ढांचा पर्याप्त नहीं

ब्रॉडबैंड इंडिया फोरम के अध्यक्ष टीवी रामचंद्रन ने कहा, देश में फिक्स्ड ब्रॉडबैंड का मौजूदा ढांचा डाटा की बढ़ती खपत के साथ तालमेल नहीं बिठा सकता है। छह साल में फिक्स्ड ब्रॉडबैंड कनेक्शन में 20 फीसदी की न्यूनतम वार्षिक वृद्धि दर हासिल करनी होगी। अमेरिका में घरों तक ब्रॉडबैंड की पहुंच 92 फीसदी, चीन में 97% व जापान में 84% है।

उड़ान रद्द होने से अस्पताल में भर्ती पति से नहीं मिल सकी महिला, घर पहुंची मौत की खबर

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। पिछले हफ्ते एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान रद्द होने के कारण एक महिला ओमान के अस्पताल के आईसीयू में भर्ती अपने पति को मौत से पहले आखिरी बार नहीं देख सकी। उसके परिवार ने यह आरोप लगाया है। अमृता नाम की महिला ने मस्कट में अपने पति से मिलने के लिए आठ मई का टिकट बुक कराया था, लेकिन यहां हवाई अड्डे पहुंचने पर उसे बताया गया कि उड़ान रद्द हो गई है। हवाई अड्डे पर इसका विरोध करने पर उन्हें अगले दिन एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक अन्य उड़ान का टिकट दिया गया, लेकिन दुर्भाग्य से, उसे भी रद्द कर दिया गया और उन्हें अपनी यात्रा की योजना पूरी तरह से छोड़नी पड़ी। सोमवार को ओमान से उनके पति की मौत की खबर उनके पास पहुंची।

अमृता की मां ने एक टीवी चैनल को बताया, ₹यह इतना अनुचित था कि वह अपने पति को आखिरी बार नहीं देख सकी। हमने एयरलाइन से किसी और विमान में जगह देने के लिए विनती की ताकि हम उन्हें (अमृता के पति को) आखिरी बार देख सकें। लेकिन उन्होंने (एयरलाइन ने) कुछ नहीं किया। उन्होंने यह भी कहा कि अमृता के पति ने कहा था कि वह अपनी पत्नी और बच्चों से मिलना चाहते हैं और इसीलिए परिवार ने उन्हें देखने जाने के लिए टिकट बुक कराए थे। अमृता ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि दूसरी उड़ान भी रद्द होने के बाद एयरलाइन ने उन्हें बताया कि कुछ नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि अगले चार दिनों के लिए उनकी उड़ानें भरी हुई हैं और वे कुछ नहीं कर सकते। उनके पति को दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अमृता ने कहा, ₹मैंने उनसे (पति से) फोन पर बात की। उनसे कहा मैं वहां पहुंचने की पूरी कोशिश करूंगी, पर ऐसा नहीं हो पाया।

केबिन क्रू के छुट्टी पर जाने से 260 से अधिक उड़ानें रद्द हुई थीं

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन में कथित कुप्रबंधन के विरोध में चालक दल के सदस्यों की कमी के कारण एयर इंडिया एक्सप्रेस ने पिछले सप्ताह 'बड़ी संख्या में उड़ानें' रद्द कर दी थीं। कम लागत वाली एयरलाइन में केबिन क्रू के सदस्यों के असंतोष कारण ये उड़ानें दर्द की गईं। केबिन क्रू का यह असंतोष एआईएक्स कनेक्ट (पूर्व में एयर एशिया इंडिया) के साथ एयर इंडिया एक्सप्रेस की विलय की प्रक्रिया शुरू होने के बाद शुरू हुआ।

बाद में 10 मई को छुट्टी पर गए केबिन क्रू के सदस्यों ने समझौते के बाद काम पर लौटने की हामी भरी, जिसके बाद एयरलाइन की ओर से केबिन क्रू के 25 सदस्यों को जारी टर्मिनेशन लेटर वापस ले लिया गया। एयरलाइन के एक सूत्र ने बताया था कि चालक दल की कमी के कारण आठ मई से 10 मई के बीच एअर इंडिया एक्सप्रेस को 260 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 05-47 सूर्यास्त. -18-37
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी अहोरात्र
मास - वैशाख शुक्ल , बुधवार 15 May
नक्षत्र - आश्लेषा 15-24 तक उप मघा
योग - वृद्धि 07- 39 तक उप ध्रुव
करण- विष्टि 17-15 तक उप बव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - देवी बगलामुखी जं

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष	में	वृष--	05-45 बजे
चंद्र-	कर्क	में	मिथुन..	07-46 बजे
मंगल	मीन	में	कर्क...	09-58 बजे
बुध-	मेष	पें	सिंह...	12-10 बजे
गुरु-	वृष	में	कन्या..	14-16 बजे
शुक्र-	मेष	में	तुला.....	16-22 बजे
शनि-	कुंभ	में	वृश्चिक..	18-32 बजे
राहु-	मीन	में	धनु.....	20-50 बजे
केतु-	कन्या	में	मकर...	23-12 बजे
			कुंभ....	00-42 बजे
			मीन....	02-20 बजे
			मेष....	04-00 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:13 से 13:49 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05:48 - 07:22 शुभ	उत्पात	18:37 - 20:03 अशुभ
अमृत	07:22 - 08:59 शुभ	शुभ	20:03 - 21:26 शुभ
काल	08:59 - 10:36 अशुभ	अमृत	21:26 - 22:49 शुभ
शुभ	10:36 - 12:13 शुभ	चंचल	22:49 - 24:12 शुभ
रोग	12:13 - 13:49 अशुभ	रोग	24:12 - 01:36 अशुभ
उत्पात	13:49 - 15:26 अशुभ	काल	01:36 - 02:59 अशुभ
चंचल	15:26 - 17:03 शुभ	लाभ	02:59 - 04:22 शुभ
लाभ	17:03 - 18:37 शुभ	उत्पात	04:22 - 05:48 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज का दिन नौकरी से संबंधित कार्यों के लिए काफी अनुकूल है। आपने हमेशा से ईमानदारी और मेहनत के साथ कार्य किया है और अतीत में, हालाँकि आपको उतना फल नहीं मिला , लेकिन अब भाग्य आपके लिए स्थितियां अनुकूल करेगा । आपकी काफी सारी परियोजनाए सफलता के साथ फलित होंगी और आज का दिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों और अपने से नीचे कार्य पद पर तैनात सहकर्मियों से प्रशंसा पाने का समय है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आपको आज आपके कार्य क्षेत्र में एक मूल्यवान सुझाव किसी निकट व्यक्ति जो आपके हृदय के पास हो से मिल सकता है । अगर आप उसकी बात को ध्यानपूर्वक सुनेंगे तो आगे जाकर आपके भविष्य में अनुकूल प्रभाव पड़ सकता है। आपको उड़ती हुई धुंध को हटाना है और गंभीरता से भले और बुरे के बारे में सोचना है की किस दिशा में आपका नौकरी या कार्य क्षेत्र जा रहा है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज के दिन विधार्थियो , युवा बेरोजगारो और स्वनियोजित व्यवसायियों के लिए काफी करियर अवसर आयेंगे । आप एक ऐसी परियोजना के भागीदार बन सकते है जिससे आपके करियर की दिशा परिवर्तित हो सकती है और काफी समय से आपको इसकी तलाश भी थी । आपको इस अवसर का उपयोग काफी समझ के साथ करना है क्यों की ये अवसर जीवनभर में यदा कदा ही मिलता है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आज आप वह प्यार और ख़ुशी को पाएंगे जो आप अपने कार्य क्षेत्र में महसूस करते थे । बाहरी दबावों और काम के बोझ की वजह से वह ख़ुशी कही दब सी गई थी पर एक खुशनुमा पल आपको ये एहसास कराएगा की क्यों अपने ये कार्य क्षेत्र चुना था और ये क्यों आप पर इतना जचता है । आज का दिन अपने कार्य क्षेत्र में अपना रवैया बदलने के लिए अति उत्तम है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज के दिन आपको एक अप्रत्याशित रूप से उपहार आपके दिल के निकट के व्यक्ति से मिल सकता है। आज का दिन आपके लिए काफी उत्तम रहेगा । आपके सहकर्मी और आपसे उच्च पद पर तैनात सहकर्मी आपसे खुश रहेंगे तथा आपसे पूरा सहयोग एवं सहायता करेंगे जिसकी वहज से आप अपना काम समय पर पूरा कर पाएंगे तथा सांयकालीन वेला में आप किसी समारोह का भी आयोजन कर सकते है।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आप अपने वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए और अपने परिवार की धन वृद्धि के लिए शक्तिशाली ऊर्जा से भरे हुए हैं। आप अधिक ज्ञान को प्राप्त करने में सक्षम हो जायेंगे और जिससे आप अगली बार किसी की सेवा करने पर अधिक कमाने लायक हो जाएंगे , इस तरह से आपके हाथो में वित्तीय सुरक्षा और सफलता के लिए सभी सामग्री रहेगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

यह समय अपने कार्य क्षेत्र को दिशा या बदलाव देने का उचित समय है । कुछ समय से आप अस्थिरता को महसूस कर रहे है । नए और जोश भर देने वाले अवसर आज आपके सामने आ सकते है और आपको आशावादी रहकर उन्हें पकड़ना है । यह आपके कार्य क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में मदद करेगा और आगे जाकर आपकी कार्य क्षेत्र संबंधित समस्याओं का निराकरण करने में मदद करेगा ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

यह गतिविधियों और उपलब्धियों को याद करने या समर्थन करने का अच्छा समय है और ये आपकी उपलब्धियों को मजबूती देगा की आप रास्ते पर प्रथम है । ये समय नयी शुरुआत करने के लिए अच्छा है चाहे वह नई परियोजना या एक नई नौकरी को लेकर हो । इस ऊर्जा को जब तक बनाए रखने की कोशिश करें , जब तक आप अपनी मंजिल पर नहीं पहुंच जाते ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

हालाँकि , आप अच्छी तरह से अपने क्षेत्र में स्थापित हैं पर आज आप अपने काम में बैचैनी महसूस कर सकते हैं । किसी चीज़ को लेकर आप में असंतोष की भावना आज आपको परेशान कर सकती है हालांकि, अभी अपनी नौकरी छोड़ने का कदम बेवकूफी भरा होगा । ये क्षणिक भावनाए हैं जिससे आप गुमराह हो सकते है इसलिए आज किसी भी प्रमुख कैरियर निर्णय लेने से बचें ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

एक दोस्त या एक गाइड के माध्यम से छात्रों को एक नया करियर विकल्प मिल सकता है और आप अपने करियर के रूप में इसे चुन सकते हैं पर आपको एक गहन अनुसंधान की सलाह दी जाती है। आज पेशेवरो में नयी उर्जा का संचार हो सकता है । यह किसी भी परियोजना को शुरू करने के लिए एक अच्छा दिन है। सहकर्मी आपके मददगार साबित होंगे और आप एक टीम के नेता की भूमिका अच्छी तरह से निभाएंगे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

ऐसा लग रहा है की अपने कार्यस्थल के लिए आपकी यात्रा की लागत में दिन ब दिन बढ़ोतरी हो रही है । इसके अलावा ऑफिस की राजनीति आपके खिलाफ काफी मजबूत है और आप के खिलाफ प्रयुक्त हो रही है, लेकिन आप हमेशा की तरह काम करना जारी रखे और आपको जल्दी ही पदोनत्ति मिल सकती है , हालाँकि समय कैसा भी हो , ईर्ष्या के कारण कार्यालय राजनीति चलती रहेगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

जो लोग सेवा क्षेत्र में हैं , वे अपनी आय में बढ़ोतरी की उम्मीद कर सकते हैं हालाँकि अगर ऐसा नहीं होता है , तो आप खुलकर अपने विचारो को आवाज दे और ये सुनिश्चित रखे की इसे सुना जायेगा । काम का बोझ जो दिन के मध्य में ऊँचा रहेगा परन्तु उम्मीद है कि दिन के अंत तक वह कम होगा । आप अपने एक सुरक्षित भविष्य के लिए एक बीमा पॉलिसी में खुद को पंजीकृत कर सकते हैं।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

ऑडियो में दावा- सीमा हैदर आर्मी कैंप में जाती थी

करीबी बोले- कई हफ्ते ट्रेनिंग सेंटर में रही, चाचा पाकिस्तानी फौज में ट्रेनर

नई दिल्ली, 14 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 'सीमा हैदर के चाचा हैं गुलाम अकबर। पाकिस्तान आर्मी में ट्रेनिंग देते हैं। सीमा अक्सर अपने चाचा के पास जाती थी। वे छावनी में रहते थे। सीमा एक-एक हफ्ता रहकर वापस आ जाती थी। अकेले ही जाती थी। उसे लेने के लिए एक रिक्शावाला आता था। वो अब नजर नहीं आ रहा है, कहीं गायब हो गया है।

पाकिस्तान से प्रेमी सचिन मीणा के पास ग्रेटर नोएडा आई सीमा हैदर के बारे में उसके एक करीबी ने नया खुलासा किया है। ये शख्स पाकिस्तान में रहता है और सीमा के अलावा उसके पति गुलाम हैदर को भी अच्छे से जानता है। उसके मुताबिक, सीमा अक्सर पाकिस्तानी फौज के ट्रेनिंग सेंटर जाती थी। सीमा के बारे में बताने वाला शख्स भारत में गुलाम हैदर के वकील मोमिन मलिक के संपर्क में है। मोमिन उसकी पहचान उजागर नहीं करते, लेकिन कहते हैं कि मैं उसे कोर्ट में पेश करने की कोशिश करूंगा। सीमा हैदर एक साल पहले नेपाल बॉर्डर से भारत आई थीं। तभी से ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा गांव में रह रही हैं। शुरुआत से ही उन पर जासूस होने के आरोप लगते रहे हैं।

सीमा के बारे में नए दावे

सीमा के करीबी के मुताबिक, मेरा फोन हैंग हो जाता था तो सीमा उसे सही करके दे देती थी। वो इतनी चालाक हो गई थी कि बैन होने के बावजूद टिकटॉक चलाती थी। सीमा के मुताबिक, सचिन मीणा से उसकी बातचीत पबजी खेलते शुरू हुई थी। वहीं, उनके करीबी का दावा है कि सीमा पबजी का झूठ बोल रही है। पबजी का तो उसे पता ही नहीं है। सीमा कंप्यूटर भी चलाती थी। वो एक कंप्यूटर लेकर आई थी। सीमा के करीबी बताते हैं, मेरे पास अब भी उसका कंप्यूटर पड़ा है। उसने कंप्यूटर तोड़कर दिया था।

सीमा के करीबी बताते हैं कि भारत आने के लिए उसने बच्चों को ढाल बनाया। उसने पहले ही सोच लिया था कि अगर उसे जेल होती है तो बच्चों की खातिर उसे छोड़ा जा सकता है। वो बॉर्डर क्रॉस कर रही थी, तो एक पुलिसवाला उससे पूछताछ के लिए आया। तब इसने बड़ी बेटी की मुंह में हाथ डालकर उल्टी करा दी। इसके बाद पुलिसवाले ने कुछ नहीं पूछा और चला गया।

गुलाम हैदर के वकील मोमिन मलिक के मुताबिक, सीमा पाकिस्तान से दो बार भारत आई थी। पहली बार वो अकेले आई थी। इसके बाद बच्चों को लेकर आई। इसके सबूत हैं, अगर जरूरत पड़ी तो ये सबूत कोर्ट में भी देंगे।

कुछ दिन पहले एक ऑडियो क्लिप सामने आई थी। इसमें सुनाई दे रही आवाज हूबहू सीमा हैदर जैसी है। फिर कई फोटो, वीडियो और ऑडियो भी सामने आए, जिनमें सीमा पति सचिन और उसके परिवार पर पीटने का का इल्जाम लगा रही हैं।

ऑडियो में महिला कहती है, 'जब कभी मारते हैं, संदीप भैया को कॉल करके बता देती हूं। फिर संदीप भैया मम्मी से बात करते हैं। यहां सबके आगे वे हाथ जोड़कर गए हैं कि ऐसा मत करो। पैर भी पड़े और मैं झुक गई। जैसे-जैसे कहते हैं, मैं वैसे ही करती हूं। ऐसे उठो, ऐसे बैठो। रूल में रखते हैं, इस टाइम उठो और इस टाइम सो जाओ। कैदी से भी बदतर जिंदगी हो गई है।'

इसी बीच पाकिस्तान से सीमा के पहले पति गुलाम हैदर ने भी एक वीडियो जारी किया। इसमें रीमा नाम की महिला सीमा से पाकिस्तान लौटने की अपील कर रही है। रीमा खुद को सीमा की बहन बताती है। कहती है कि गुलाम और सीमा का तलाक नहीं हुआ। सीमा को भारत में डरा-धमकाकर पाकिस्तान के खिलाफ बुलवाया जा रहा है। हालांकि, सीमा इन वीडियो और ऑडियो को गलत बताती हैं। पाकिस्तान के सिंध की रहने वाली सीमा हैदर ठीक एक साल पहले 13 मई, 2023 को नेपाल के रास्ते चार बच्चों के साथ भारत आई थीं। इस एक साल में सचिन-सीमा के रिश्ते में क्या बदला, मारपीट के आरोपों का सच क्या है, पाकिस्तान से दावे करने वाली रीमा कौन है और ये दावे कितने सच हैं।

सीमा और सचिन का गांव रबूपुरा दिल्ली-नोएडा बॉर्डर से करीब 60 किमी दूर ग्रेटर नोएडा एरिया में हैं। उनका घर इतना पॉपुलर है कि गूगल मैप पर रबूपुरा सर्च करते ही सीमा-सचिन होम नाम से लोकेशन मिल जाती है।

सीमा-सचिन के घर के मेन गेट पर सीसीटीवी लगा है। बरामदे में एक महिला पुलिसकर्मी बैठी रहती हैं। इनकी रोज यहां ड्यूटी लगती है। हर आने-जाने वाले से पूछताछ करती हैं। वे बतातीं हैं कि अभी सीमा को क्लीनचिट नहीं मिली है। बिना पुलिस की इजाजत के सीमा घर से बाहर नहीं जा सकतीं। सिर्फ मेडिकल इमरजेंसी में ही परमिशन लेकर जा सकती हैं। हां, सचिन और उसके परिवार के लोग कहीं भी आ-जा सकते हैं।

सीमा आगे कहती हैं, 'लड़ाई तो हर घर में होती है। हमारे बीच लड़ाई होती, तो भी हम ऐसा नहीं करते। प्यार में तू-तड़ाक होती रहती है, लेकिन हमारी कभी बड़ी लड़ाई नहीं हुई। ऑडियो में संदीप यादव का नाम आया है, ये कौन हैं? सीमा कहतीं हैं, 'संदीप यादव फेक है। मेरे भाई आशीष चौरसिया हैं। वे लखनऊ से थे। उन्होंने मुझसे राखी बंधवाई है। वैसे तो ढेर सारे लोग मुझसे मिलने आते हैं। मुझे बहन मानते हैं, भाभी कहते हैं। ये हिंदुस्तान का प्यार है। पाकिस्तानी इसे नहीं समझेंगे। उनसे सचिन की खुशी बर्दाश्त नहीं हो रही है। इसके पीछे गुलाम हैदर की साजिश है। वो किसी ना किसी तरीके से सचिन को जेल में डलवाना चाहते हैं या उनकी जान लेना चाहते हैं।'

सीमा कहती हैं, 'अब भी हमारी जांच चल रही है। जांच करने वाले घर आते रहते हैं। सचिन को भी बुला लेते हैं, लेकिन अब तक क्लीनचिट नहीं मिली। हमारे घर के सभी फोन ट्रेसिंग पर लगे हैं। हर फोन का डेटा निकाला जा रहा है। चारों तरफ सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। हमेशा पुलिस तैनात रहती है। घर से बाहर जाने की इजाजत नहीं है। जो भी वीडियो आए हैं वे पूरी तरह से फेक हैं।'

सीमा की पिटाई वाले वीडियो पर उनके वकील डॉ. एपी सिंह कहते हैं, 'सीमा के सारे विजुअल आए, कहीं चोट नहीं थी। वे यूट्यूब पर रोज 4 रील्स डालती हैं। कभी गैप नहीं हुआ। वीडियो में जिस तरह की चोटें दिखाई गई हैं, उससे तो उसे अस्पताल में होना चाहिए था। मामले में नोएडा पुलिस से साइबर क्राइम की शिकायत की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।'

पाकिस्तान में गुलाम हैदर के नाम से एक यूट्यूब अकाउंट है। कुछ दिन पहले एक महिला हिजाब पहनकर लाइव आई। उसने खुद को सीमा की बहन रीमा बताया। वो बोली-, 'मैं उसकी बड़ी बहन हूं। वो झूठ बोलती है कि हैदर ने उसे तलाक दिया और छोड़कर चला गया। वो कहती है कि पाकिस्तान में बोलने भर से तलाक हो जाता है। ऐसा कुछ नहीं होता। न कभी सिर्फ बोलने से शादी होती है और न तलाक।'

रीमा आगे कहती है, 'शादी के लिए जैसे गवाह चाहिए, वैसे ही तलाक के लिए भी गवाह लगते हैं। अगर सीमा तलाक की बात को सच बोल रही है, तो उसके पास कोई गवाह होगा। वो कोई ऐसा सबूत दिखाए, जिससे साबित हो सके कि हैदर भाई ने तलाक दिया है। हमारे पास सबूत है, उसका निकाहनामा। सीमा बोलती है कि मेरे अब्बू ने मुझे बेच दिया था। ऐसा कुछ नहीं था। वो खुद घर से भाग गई थी।

सीमा से हमने रीमा के आरोपों के बारे में पूछा तो बोलीं, 'वो मेरी बहन नहीं है। रीमा मेरी बहन का नाम है और ये सबको पता है। हैदर को भी पता है। नकाब पहनाकर किसी और लड़की को बैठा रहे हैं और कह रहे हैं कि वो रीमा है। हैदर उससे मनचाही बातें बुलवा रहा है। वो हर तरह से मुझे घेरना और कमजोर करना चाह रहे हैं। इसीलिए दिखा रहे हैं कि देखो, अब तुम्हारी बहन भी ऐसा बोल रही है। ये सब मुझे दुखी करने की चाल है। ये लोग मेरे बच्चे छीनना चाहते हैं। मुझसे बच्चे छीनने का मतलब मुझे ही वापस बुलाना है, क्योंकि मैं अपने बच्चों के बगैर नहीं जी सकती। तलाक के गवाहों के बारे में पूछते ही सीमा कहती हैं, 'मेरा तलाक हुआ तो गवाह मेरे अब्बू और मेरी बहनें थीं। अब्बू की तो डेथ हो गई है। आप खुद सोचिए कि जिस औरत की शादी हो गई हो, वो अपने घर रहेगी या ससुराल में रहेगी। मैं 4 साल से पिता के घर रह रही थी। मुझे तलाक देकर निकाला गया था। मैं मजबूरी में पिता के घर में थी। लोग कहते हैं कि मैंने हैदर का घर बेचा।

वो छोटा सा करीब 30-35 गज का घर था। मेरे अब्बू ने मुझे दिलाया था। वो मेरे नाम पर था, इसलिए उसे बेचा था। तलाक के वक्त गवाह के तौर पर रीमा मौजूद थी, लेकिन आज वो मुकर रही है। मुझे लगता है कि जो वीडियो में आ रही है, वो रीमा नहीं है। मैं उसकी आवाज पहचानती हूं। सीमा और सचिन एक साल से साथ हैं। अब पाकिस्तान में रहने वाले सीमा के पहले पति गुलाम हैदर ने सीमा से 4 बच्चों की कस्टडी मांगी है। ग्रेटर नोएडा की जेवर कोर्ट में गुलाम के भारतीय वकील मोमिन मलिक ने सीमा और सचिन की जमानत को लेकर याचिका लगाई है। इसमें कहा गया है कि सीमा का गुलाम हैदर से आज तक कानूनी तलाक नहीं हुआ।

सीमा ने अरेस्ट होने के बाद 4 जुलाई, 2023 को अपने बयान में खुद को गुलाम हैदर की पत्नी बताया था। 7 जुलाई, 2023 को सीमा और सचिन को सशर्त जमानत मिली थी, उसमें सीमा के पति का नाम गुलाम हैदर दर्ज है। सीमा ने खुद मीडिया में दावा किया था कि उसने 13 मार्च, 2023 को सचिन से शादी कर ली थी। अगर वाकई सीमा ने सचिन से शादी कर ली थी तो फिर 7 जुलाई, 2023 के जमानत पत्र में कैसे गुलाम हैदर को पति बताया।

मोमिन मलिक कहते हैं, 'सीमा को मिली जमानत में बड़ी गड़बड़ी मिली है। अगर सही से जांच होती, तो जमानत ही नहीं मिलती। सीमा कहती हैं कि उन्होंने नेपाल में शादी की है। हमने उसे भी चैलेंज किया है। धर्म परिवर्तन को चैलेंज किया है। पूछा है कि तलाक का आधार क्या है। बच्चों का एडॉप्शन हुआ था, तो कैसे हुआ।'

जमानत के वक्त पति का नाम गुलाम हैदर लिखने पर सीमा कहती हैं, 'उस कागज पर मैंने नहीं लिखा था। मैं तो उस वक्त जेल में थी। वो मेरे वकील हेमंत ने लिखवाया था। मैंने तो सीमा सचिन नाम बताया था। पाकिस्तान में मेरा शिनाख्ती कार्ड बना था, उसमें मेरे पति का नाम गुलाम हैदर लिखा था। वही, शिनाख्ती कार्ड लेकर हमने पाकिस्तान में दूसरे डॉक्युमेंट बनवाए थे, तो उसका नाम आना ही था।'

वे आगे कहती हैं, 'अगर मैं पाकिस्तान के ऑफिस में जाकर कहती कि मैं तलाकशुदा हूं, तो वो 100 कागज मांगते। वहां कोई सिस्टम नहीं है। पहले पैसा मांगेंगे, फिर काम करेंगे। इसी वजह से मैंने हैदर के नाम वाले शिनाख्ती कार्ड से ही सारे कागजात बनवाए थे और उसी बात का ये फायदा उठा रहा है।'

सीमा के जासूस होने के आरोप पर डॉ. एपी सिंह कहते हैं, 'अगर वो जासूस होती तो क्या अपने बच्चों को लेकर भारत आती। क्या कोई जासूस ऐसा करता है। ऐसा बिल्कुल नहीं है। वो सिर्फ अपने प्यार की खातिर भारत आई है।

हमने गुलाम हैदर को टेरर फंडिंग होने के बारे में सीमा से पूछा तो वे कहती हैं, 'पाकिस्तान में जो मुल्ला हैं, वही फंडिंग कर रहे हैं। सीमा हिंदू बन गई, उसके बच्चे हिंदू बन गए हैं, इसमें कहीं न कहीं वे अपनी हार समझ रहे हैं। अपनी बेइज्जती समझ रहे हैं, इसलिए गुलाम हैदर को फंडिंग कर रहे हैं।'

'हैदर के पास न जमीन है, न जायदाद। उनके पूरे खानदान में कोई नौकरी करने वाला नहीं है। सब क्राइम करके घर में छिपे बैठे हैं। किसी और की खेतीबाड़ी में काम करके खाना खाते हैं, इतना पैसा कहां से लाएंगे।

चार-चार बार फ्लाइट पकड़कर कहां जाता था वो!

होटल मालिक की करतूत पर यकीन कर पाएंगे आप?

नई दिल्ली, 14 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। राजेश कपूर बिल्कुल अजीबोगरीब कारण से लगातार हवाई यात्रा करता था। हैरत की बात है कि फ्लाइट जर्नी के लिए जरूरी दस्तावेज भी फर्जी ही दिया करता था। वह मोबाइल नंबर भी गलत दर्ज करवाता था। थोड़ा अजीब है ना ये सब? कई बार दिन में तीन-चार बार फ्लाइट लेना, फर्जी डॉक्युमेंट और मोबाइल नंबर का इस्तेमाल करना। आखिर वो दिन आ गया जब राजेश की 'फ्रिक्वेंट फ्लाइंग' का राज खुल गया। उसकी तमाम चालाकियों के बावजूद दिल्ली पुलिस ने राजेश का पता कर लिया।

पुलिस के अनुसार, 40 वर्षीय राजेश कपूर ने पिछले एक साल में करीब 200 उड़ानें भरीं। कई बार एक दिन में तीन-तीन, चार-चार बार उड़ानें भरता था। जानते हैं क्यों? बस एक मकसद से- फ्लाइट में अन्य यात्रियों के महंगे सामान उड़ाने के लिए। जी हां, दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में रहने वाला राजेश रईस चोर है। चोरी से ही वह इतना रईस हो गया कि सेंट्रल दिल्ली में एक होटल खरीद लिया। उसकी किस्मत ने तब धोखा दिया जब उसने हाल ही में दिल्ली के रास्ते अमेरिका जाने वाले दो लोगों को फ्लाइट में निशाना बनाया और कथित तौर पर लाखों के आभूषण लूट लिए। इसके बाद पुलिस ने तलाश शुरू कर दी। चूंकि राजेश कभी असली डॉक्युमेंट या मोबाइल नंबर का उपयोग उड़ानों के लिए नहीं करता था, इसलिए पुलिस के लिए उसका पता लगाना थोड़ी टेढ़ी खीर थी। हालांकि, उन्नत तकनीक के जमाने में अब भला कौन शातिर बच सकता है? पुलिस टेक्नॉलजी के इस्तेमाल से राजेश की निगरानी की और एक दिन वह ट्रैक हो गया।

शातिरपने का अंदाजा लगा लीजिए

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआई एयरपोर्ट) की डीसीपी उषा रंगनानी ने बताया कि कपूर ने पुलिस से बचने के लिए बहुत दिमाग लगाया था। उन्होंने बताया, 'टिकट बुक करते समय वह अपने मृतक भाई की आईडीज का इस्तेमाल करता था। वह ज्यादातर कनेक्टिंग फ्लाइट के यात्रियों का पीछा करता था और आम तौर पर हैंडबैग लेकर चलने वाली बुजुर्ग महिलाओं को निशाना बनाता था। उसे पता होता था कि उन्हें चोरी का पता तुरंत नहीं चलेगा।' रंगनानी के अनुसार, कपूर या तो विमान में चढ़ने से पहले या फिर विमान के हवा में होने पर हाथ की सफाई करता था। डीसीपी ने कहा, 'बोर्डिंग के वक्त अफरा-तफरी का फायदा उठाते हुए वह चुपके से ऊपरी केबिनों में छानबीन करता था और यात्रियों के हैंडबैग से कीमती सामान चुरा लेता था। बोर्डिंग प्रोसेस में लोगों का ध्यान बंटा रहने के कारण वह टाइमिंग का फायदा उठाता था।'

फ्लाइट में यूं करता था हाथ की सफाई

पुलिस ने बताया कि अगर राजेश का टार्गेट उसकी सीट से दूर होता था तो वह क्रू मेंबर से अपनी सीट बदलने की जिद्द करता था और अपने टार्गेट के बगल में बैठ जाता। राजेश 2005 से ही इस हैरतअंगेज चोरी का धंधा चला रहा था। शुरुआती दौर में वह ट्रेनों के एसी कोच में चोरी किया करता। बाद में उसे लगा कि फ्लाइट पैसेंजरों पर हाथ साफ करने पर मोटा माल मिल सकता है। फिर उसने ट्रेन छोड़कर फ्लाइट का रुख कर लिया। लेकिन वो कहते हैं ना कि पाप का घड़ा एक न एक दिन तो भरता ही है। दो महीने के अंतराल में दो यात्रियों ने फ्लाइट से चोरी की शिकायत दर्ज कराई। पहले 22 फरवरी को अमृतसर-दिल्ली एयर इंडिया फ्लाइट में यात्रा कर रहे एक अमेरिकी नागरिक ने पुलिस से संपर्क किया। फिर हैदराबाद-दिल्ली एयर इंडिया फ्लाइट के एक यात्री ने 11 अप्रैल को शिकायत दर्ज कराई। दोनों ने बताया कि उन्होंने अपने केबिन बैग में रखे आभूषण खो दिए हैं।

और एक दिन फूट गया पाप का घड़ा

पुलिस ने दोनों शिकायतों पर जांच शुरू की। जिन उड़ानों में चोरियां हुईं, उनके यात्रियों की लिस्ट खंगाली। एयरलाइंस से उन यात्रियों के फोन नंबर लिए। फिर 100 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज देखे। फोन नंबर्स की जांच की गई तो पता चला कि एक नंबर फर्जी है। इस तरह, पुलिस को पहला सुराग मिल गया। उसने टेक्निकल सर्विलांस से असली मोबाइल नंबर का पता लगा लिया। उसे ट्रैक किया गया तो पता चला कि आरोपी पहाड़गंज में रहता है। आरोपी ने बहुत कम वक्त के लिए अपना हैंडसेट चालू किया था। पुलिस ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म से आरोपी की तस्वीर ली और पहुंच गई पहाड़गंज। पुलिस ने वहां एक-एक आदमी को वह तस्वीर दिखानी शुरू की। पता चला कि वह तो एक होटल मालिक की तस्वीर है।

चोरी के सामान खरीदने वाला भी गिरफ्तार

पुलिस ने इस जानकारी के बाद छापेमारी की और राजेश कपूर हाथ लग गया। पुलिस को लगता है कि ऐसे ही अन्य 11 शिकायतों का कनेक्शन भी राजेश से ही जुड़ा हो सकता है। राजेश ने पुलिस को बताया कि 46 वर्षीय शरद जैन भी हाई प्रोफाइल चोरी के इस धंधे में सहयोगी है। शरद चोरी के सामानों को ठिकाने लगाया था। डीसीपी रंगनानी ने कहा, 'शरद जैन करोल बाग में रहने वाला एक जौहरी है। वह कपूर से चोरी की जूलरी खरीदा करता था।' पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर जूलर को रेगरपुरा से दबोच लिया। पूछताछ में उसने बताया कि गहने खरीदने के बाद उसी दिन या फिर अगले दिन उसे पिघला लेता था। गहने को पिघलाने से पहले वह उसके हीरे और अमेरिकन हीरे निकाल लेता था और वापस राजेश को दे देता था। पुलिस को जूलर के पास से गहने, हीरे और अन्य पत्थर मिले हैं। आरोपी के मोबाइल फोन की जांच में दोनों के बीच वॉट्सऐप चैट, गहने की तस्वीरें और कच्चे बिल की पर्चियां मिलीं हैं।

माओवादियों के गढ़ बूढ़ा पहाड़ में पहली बार शांतिपूर्ण तरीके से मतदान

निडर होकर घरों से निकले मतदाता

रांची, 14 मई (एजेंसियां)। देशभर में लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के तहत मतदान हो रहा है। इस बीच झारखंड के बूढ़ा पहाड़ में पहली बार शांतिपूर्ण तरीके से वोटिंग हुई। बता दें कि बूढ़ा पहाड़ को माओवादियों का गढ़ कहा जाता है, जो कि पलामू लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। लातेहार और गढ़वा जिलों से सटे बूढ़ा पहाड़ में तीन दशकों से माओवादिओं ने आतंक बरपाया हुआ था। हाल ही में सुरक्षा बलों ने इस इलाके को माओवादियों से मुक्त कराया था। मतदाताओं के लिए हेसातु सरकारी स्कूल में बूथ नंबर 420 तैयार किया गया था, जहां अलग-अलग गांवों से आए सैकड़ों मतदाताओं में अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया।

उत्साहित होकर घरों से निकले मतदाता

37 वर्ष के हल्कन किसान ने अपने जीवन में पहली मतदान किया है। किसान का कहना है कि उन्होंने अपने जीवन में पहली बार मतदान किया है। इससे पहले माओवादियों की वजह से यहां से 13 किलोमीटर दूर मतदान के लिए जान पड़ता था, जिस वजह से बहुत कम लोग वोटिंग के लिए जाते थे। अब यह इलाका माओवादियों से मुक्त हो गया है।

किसान ने बताया कि यहां के मतदाताओं ने उत्साहित होकर अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया।

बूथ पर तैनात किया गया भारी सुरक्षा बल

मेदिनीनगर के उपखंड अधिकारी अनुराग तिवारी ने बताया कि मतदान केंद्रों पर भारी सुरक्षा बल तैनात किया गया। यहां कुल मिलाकर 771 मतदाता हैं, जो कि निश्चिंत होकर मतदान के लिए घरों से निकले। 50 वर्ष के विक्रम यादव ने कहा कि उन्होंने बिना किसी समस्या के अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। वह पांच किलोमीटर दूर से पैदल चकर मतदान करने आए थे।

बता दें कि बूढ़ा पहाड़ को माओवादियों से मुक्त कराने के लिए सुरक्षा बलों द्वारा वर्ष 2022 से तीन अलग अलग ऑपरेशन चलाए गए। इन कार्रवाईयों में 14 माओवादी मारे गए जबकि, 590 माओवादी या तो पकड़े गए या उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया।

बीच मोहल्ले में कांग्रेस नेता की गोली मारकर हत्या

बाइक से पहुंचे अज्ञात हमलावर, गोलियों से भूना

जगदलपुर, 14 मई (एजेंसियां)। नारायणपुर जिले के बरुखपारा में बीते सोमवार की रात को दो अज्ञात लोगों ने परिवहन संघ के सदस्य और कांग्रेस नेता विक्रम की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद बाइक पर आए दोनों युवक फरार हो गए। इस घटना के बाद जहां विक्रम की मौत हो गई। वहीं घर में मातम छा गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की जांच में जुट गई। जानकारी के मुताबिक, नारायणपुर बखरुपारा में अज्ञात दो लोग बाइक पर पहुंचे और विक्रम की हत्या कर दी। सूचना पर मौके पर पहुंच पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। उन्हें बीच मौहल्ले में विक्रम को गोली मार दी। बताया जा रहा है कि विक्रम ब्लाक कांग्रेस के उपाध्यक्ष और नारायणपुर परिवहन संघ के सचिव पद पर थे। विक्रम बैस को अज्ञात लोगों ने तीन गोली मारी है। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

6600 ग्राम कोकिन और 2100 एमडीएमए जब्त

होटल से पांच तस्कर गिरफ्तार, 'मनी हाईस्ट' वेब सीरीज की तरह रखे थे अपने नाम

रायपुर, 14 मई (एजेंसियां)। रायपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ निजात अभियान के तहत बड़े अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने एक होटल और मौरिज गॉर्डन से 6 हजार 600 ग्राम कोकिन और 2100 एमडिएमए जब्त कर पांच अंतर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपी पुलिस से बचने के लिए नेटफ्लिक्स के वेब-सीरिज 'मनी हाईस्ट' के किरदारों की तरह अपने नाम रखे थे। पुलिस ने खम्हारडीह थाने क्षेत्र के धोतरे मैरिज गार्डन और मंदिर हसौद के सैमरॉक ग्रीन होटल से आरोपियों को धर दबोचा। एमडीएमए और कोकिन के साथ एक अंतर्राज्यीय औ एक महिला सहित कुल 4 आरोपी को अरेस्ट किया है।

पुलिस आरोपियों के खिलाफ खम्हारडीह थाने में अपराध क्रमांक 205/24 धारा 21, 22 नारकोटिक्स एक्ट का केस दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस धोतरे मैरिज गार्डन एवं सैमरॉक ग्रीन होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज को भी खंगालने में लगी है। आरोपी आयुष अग्रवाल के विरूद्ध थाना तेलीबांधा में मारपीट, आरोपी चिराग शर्मा के विरूद्ध थाना न्यू राजेन्द्र नगर में मारपीट और महिला आरोपी कुसुम हिंदुजा के खिलाफा थाना खम्हारडीह में थाना 295 भादवि का अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

इस केस का मुख्य सरगना है आयुष अग्रवाल है, जिसे प्रोफेसर के नाम से जाना जाता है। दिल्ली निवासी महेश सिंग खडगा एमडीएमए और कोकिन के सप्लाई का काम करता था। आरोपी नशे की सप्लाई के लिए व्हॉट्सएप ग्रुप भी बना रखे थे।

चिराग और महिला पैडलर आरोपी थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 17 अलग -अलग छोटे जिप पॉलिथीन में रखें 2100 मिलीग्राम एमडीएमए और 6600 मिलीग्राम कोकिन, 1 नग इलेक्ट्रानिक तराजू, 8 नग मोबाइल फोन, 86 हजार नगद, 3 नग सोने की चैन, 1 नग लैपटॉप, 1 नग आईपेड, 3 नग एटीएम कार्ड, 1 नग सिम कार्ड, ऑडी कार क्रमांक डी एल/02/सी ए टी/5505 जब्त किये हैं। जब्त मशरूका की कुल कुल करीब 50 लाख रुपये आंकी गई है।

चारों आरोपियों से कड़ाई से पूछताछ करने पर उनकी ओर से एमडीएमए और कोकिन को दिल्ली से लाना एवं रायपर में घूम-घूमकर बिक्री करना बताया। आरोपी महेश सिंग खडगा जो दिल्ली का रहने वाला है। वह दिल्ली से प्रतिबंधित मादक पदार्थ को लाकर आयुष अग्रवाल को देता था। आयुष अग्रवाल अपने पैडलर कुसुम हिंदुजा और चिराग शर्मा के माध्यम से मांग के आधार पर लोगों को सप्लाई करते थेय्र

आरोपी नेटफ्लिक्स के वेब-सीरिज मनी हाईस्ट से प्रभावित होकर स्वयं की पहचान छिपाने एवं पुलिस से बचने के उद्देश्य सीरिज के किरदारों के नाम पर अपने नाम जैसे प्रोफेसर (आयुष अग्रवाल), लूसीफर (कुसुम हिंदुजा), बर्लिन एवं अन्य रखें थे एवं सभी एक-दूसरे को इन्हीं नामों से सम्बोधित करते थे। सीरिज में मुख्य सरगना का नाम प्रोफेसर रहता है, जिस पर प्रकरण में मुख्य आरोपी आयुष अग्रवाल को प्रोफेसर कहा जाता था।

'एआई जॉब मार्केट को सुनामी की तरह प्रभावित कर रहा

आईएमएफ प्रमुख जॉर्जीवा ने यह काम करने पर दिया जोर

वाशिंगटन, 14 मई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने हाल ही में कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जॉब मार्केट को नाटकीय रूप से बदलने वाली है। उन्होंने कहा कि यह बाजार को 'सुनामी की तरह' प्रभावित कर रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगले दो वर्षों में, एआई विकसित देशों में 60 प्रतिशत नौकरियों और दुनिया भर में 40 प्रतिशत नौकरियों को प्रभावित कर सकता है। जॉर्जीवा ने इन परिवर्तनों के लिए तैयार होने के महत्व पर जोर दिया। उसने कहा, हमारे पास लोगों को इसके लिए तैयार करने के लिए बहुत कम समय है, इसके लिए व्यवसायों को तैयार करने में बहुत कम समय है। एआई के जरिए हम कितना उत्पादन करते हैं उसे बढ़ा सकते हैं और चीजों को और अधिक कुशल बना सकते हैं। लेकिन यह झूठी जानकारी को भी बढ़ा सकता है और आमदनी के अंतर को व्यापक बना सकता है। उन्होंने एआई का अधिकतम लाभ उठाने के लिए सावधानीपूर्वक प्रबंधन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। जॉर्जीवा ने कहा, अगर हम इसे अच्छी तरह से प्रबंधित करते हैं, तो यह उत्पादकता में जबरदस्त वृद्धि ला सकता है, लेकिन इससे अधिक गलत सूचना और निश्चित रूप से, हमारे समाज में अधिक असमानता भी हो सकती है।

गेट्स फाउंडेशन से अलग होंगी मेलिंडा गेट्स

चैरिटेबल काम के लिए 12.5 अरब डॉलर का पेआउट मिलेगा; 2021 में बिल गेट्स से तलाक लिया था

न्यूयॉर्क, 14 मई (एजेंसियां)। बिल गेट्स की पूर्व पत्नी मेलिंडा गेट्स अब बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन से भी अलग होने जा रही हैं। उन्होंने सोमवार को कहा कि यह सही समय है कि वे परोपकार के क्षेत्र में दूसरे पड़ाव की तरफ जाएं। मेलिंडा इस फाउंडेशन से साल 2000 से जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि बिल गेट्स से उनके सेपरेशन एग्रीमेंट के तहत गेट्स फाउंडेशन में किए चैरिटेबल काम के लिए उन्हें अतिरिक्त 12.15 अरब डॉलर का पेआउट मिलेगा। मेलिंडा ने एक एक्स पोस्ट में लिखा, 'काफी सोच-विचार के बाद मैंने तय किया है कि मैं बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की को-चेयर के तौर पर अपनी जिम्मेदारी से रिजाइन कर दूं। फाउंडेशन के साथ काम करने का मेरा आखिरी दिन 7 जून रहेगा। मैं यह कदम इस भरोसे के साथ उठा रही हूं कि गेट्स फाउंडेशन मजबूत हालत में है। सीईओ मार्क सुजमैन, एक्जीक्यूटिव लीडरशिप और अनुभवी बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज इस बात का खयाल रखेंगे कि सभी जरूरी काम जारी रहें।'

बिल गेट्स बोले- यकीन है आप आगे भी परोपकारी काम से गहरी छाप छोड़ेंगी

मेलिंडा गेट्स के इस अनाउंसमेंट के बाद बिल गेट्स ने एक अलग पोस्ट में कहा कि मेलिंडा के जाने से दुखी हूं, लेकिन मुझे यकीन है कि भविष्य में अपने परोपकारी काम से वे गहरी छाप छोड़ेंगी। मैं फाउंडेशन के कामों और दुनिया के लाखों लोगों की जिंदगी बेहतर बनाने के प्रति पूरी तरह से कमिटेड हूं।

मई 2021 में तलाक लेने के बाद भी फाउंडेशन में साथ काम कर रहे थे बिल और मेलिंडा

गेट्स फाउंडेशन से मेलिंडा के बाहर होने की खबरें कई साल से आ रही थीं। बिल गेट्स और मेलिंडा गेट्स ने शादी के 27 साल बाद मई 2021 में तलाक का ऐलान किया था। उन्होंने कहा कि जीवन के अगले फेज में हम एक साथ अब आगे नहीं बढ़ सकते हैं। हालांकि, हम लोगों की भलाई के लिए अपने फाउंडेशन में साथ काम करते रहेंगे। उन्होंने ये भी कहा था कि वे 2023 तक एक ट्रायल पीरियड में रहेंगे और देखेंगे कि क्या वे गेट्स फाउंडेशन में एक-साथ काम कर सकते हैं या नहीं। जुलाई 2021 में फाउंडेशन के सीईओ ने ऐलान किया था कि अगर दो साल बाद दोनों को लगता है कि वे साथ काम नहीं कर सकते हैं तो मेलिंडा गेट्स को-चेयर और ट्रस्टी के तौर पर अपने पद से रिजाइन करेंगीं।

1994 में हुई थी बिल और मेलिंडा की शादी

बिल गेट्स और मिलिंडा पहली बार 1987 में मिले थे और दोनों ने 1994 में शादी की थी। बिल गेट्स की गिनती दुनिया के सबसे अमीर लोगों में होती है। वे और मेलिंडा अपने समाजसेवा से जुड़े कामों के लिए भी जाने जाते हैं। दोनों के तीन बच्चे भी हैं। मेलिंडा गेट्स ने साल 1996 में माइक्रोसॉफ्ट की नौकरी छोड़ दी। इसके बाद साल 1996 से 2003 तक ड्यूक विश्वविद्यालय के बोर्ड ऑफ ट्रस्टी में काम किया। फिर उन्होंने पति बिल गेट्स के साथ मिलकर गेट्स लाइब्रेरी फाउंडेशन बनाया, जिसका साल 2000 में नाम बदलकर 'बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन' कर दिया गया। मेलिंडा गेट्स 1,120 करोड़ डॉलर (93,529 करोड़ रुपयए) की मालकिन हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगाह किया कि अकुशल, अप्रशिक्षित हाथों में एआई जैसी शक्तिशाली तकनीक नहीं आनी चाहिए। इसके एआई का गलत इस्तेमाल हो सकता है। पीएम ने माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स को दिए एक इंटरव्यू में ये बात कही।

इस इंटरव्यू में पीएम मोदी ने विस्तार से बताया कि कैसे भारत ने अपने नागरिकों के लाभ के लिए टेक्नोलॉजी का लोकतंत्रीकरण किया है। जीवन में सुधार के लिए डिजिटल की शक्ति को अपनाया है। उन्होंने विश्वास जताया कि देश चौथी औद्योगिक क्रांति में उल्लेखनीय प्रगति करेगा।

भारत-ईरान के बीच चाबहार बंदरगाह की डील से भड़का अमेरिका, प्रतिबंध की चेतावनी दी

वाशिंगटन, 14 मई (एजेंसियां)। भारत और ईरान ने हाल ही में चाबहार बंदरगाह पर एक टर्मिनल के संचालन के लिए दीर्घकालिक अनुबंध पर हस्ताक्षर किया है। इस बंदरगाह को लेकर डील के बाद व्यापार करना आसान हो जाएगा और इससे एशियाई देशों में भारत की पहुंच और मजबूत हो जाएगी। हालांकि, दूसरी ओर से इस डील को लेकर अमेरिका की ओर से ज्यादा सकारात्मक रुख नहीं दिखाई दिया है। अमेरिका ने इशारों में इस डील को लेकर प्रतिबंध की चेतावनी भी दी है। आइए समझते हैं ये पूरा मामला।

क्या बोला अमेरिका?

अमेरिका ने कहा है कि ईरान के साथ व्यापारिक सौदे करने वाले किसी भी देश पर प्रतिबंध लगाए जाने का खतरा है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा है कि यूएसए जानता है कि ईरान और भारत ने चाबहार बंदरगाह से जुड़े एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार चाबहार बंदरगाह और ईरान के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में अपनी विदेश नीति के लक्ष्यों पर बात करे।

प्रतिबंधों के बारे में पता होना चाहिए- अमेरिका

दैनिक संवाददाता सम्मेलन में वेदांत पटेल से चाबहार बंदरगाह को लेकर ईरान-भारत समझौते के बारे में सवाल किया गया। इस पर पटेल ने कहा कि ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंध लागू हैं और हम उन्हें बरकरार रखेंगे। कोई भी इकाई, कोई भी व्यक्ति जो ईरान के साथ व्यापारिक समझौते पर विचार कर रहा है, उन्हें संभावित जोखिम और प्रतिबंधों के बारे में पता होना चाहिए।

जल्द विकसित होगा बंदरगाह

रॉयटर्स के हवाले कहा गया है कि ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों ने इस बंदरगाह के विकास की गति को धीमा कर दिया है। मगर अब भारत के सहयोग से इसके जल्द विकसित होने की उम्मीद है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुंबई में संवाददाताओं से कहा, जब भी कोई दीर्घकालिक व्यवस्था संपन्न होगी, तो बंदरगाह में बड़े निवेश का रास्ता साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कैबिनेट सहयोगी जहाजरानी मंत्री सर्बदानंद सोनोवाल ईरान की यात्रा पर हैं।

जेल में ही रहेगी चीन की हकीकत दिखाने वाली पत्रकार, ये है वजह

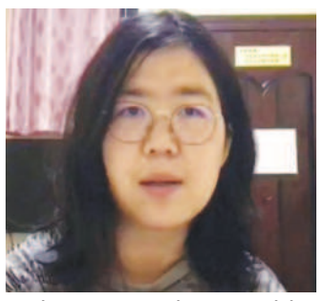

ताईपे, 14 मई (एजेंसियां)। कोरोना एक ऐसा नाम जिसको सुनकर ही लोगों में डर पैदा हो जाता है। साथ ही याद आता है वो खौफनाक मंजर जब इस जानलेवा बीमारी न जाने कितने लोग दुनिया से रुखसत हो गए थे। कोरोना का कहर पूरी दुनिया में था। इस नाम ने लोगों में ऐसी दहशत फैलाई कि लोगो ने अपनों से ही दूरी बना ली। कोरोना जैसी महामारी की शुरुआत चीन से हुई थी। चीन के वुहान में कोरोना ने सबसे पहले दस्तक दी और यहां ऐसा कहर बरपाया जिसे याद करके लोग आज भी सहम उठते हैं। इस बीच खबर है कि जब कोरोना वायरस महामारी की शुरूआत हुई थी उस दौरान जिसने इस मामले की रिपोर्टिंग की थी उस पत्रकार के घर का कोई अता नहीं है। उसके घरवाले गायब हैं। दरअसल चीनी नागरिक पत्रकार झांग झान ने शुरुआत के दिनों में कोरोना की खबरों को कवर किया था। इस दौरान उन्होंने कई दर्दनाक तस्वीरों को दिखाया था। जिससे चारों तरफ चीन की किरकिरी हो रही थी। उनकी रिपोर्टिंग की चर्चा पूरे चीन में रहो रही थी। लोगों को चीन के असली हालात पता चल रहे थे। सच्चाई सभी के सामने आ रही थी। इस बीच झगड़ा कराने और गड़बड़ी पैदा' करने के आरोप में पत्रकार झांग झान को जेल भेज दिया गया। वो पिछले चार सालों से शंघाई महिला कारागार में अपनी सजा काट रही थी। वहीं उनकी सजा अब पूरी हो गई है और उन्हें जेल से रिहा किया जाना था। लेकिन उनके घर के बारे में कुछ पता नहीं चल पा रहा है। वहीं झांग के केस लड़ने वाले वकील रेन क्वानिउ ने बताया कि झांग के पिता से उनकी बात नहीं हो पाई है। उन्होंने झांग को लेकर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि झांग को पुलिस अब किसी अन्य प्रकार के नियंत्रण में रखने के बाद ही रिहा किया जाएगा। वहीं रेन और ब्रिटेन में झांग को रिहा करने की मांग को लेकर प्रदर्शन भी हो रहे हैं,। लोग उनकी जल्द से जल्द रिहाई की मांग कर रहे हैं।

पीओके में बवाल के बाद जागी शहबाज सरकार

23 अरब का फंड जारी; झड़प में तीन लोगों की मौत और 100 से ज्यादा जख्मी

इस्लामाबाद, 14 मई (एजेंसियां)। महंगाई और बिजली की महंगी दरों से परेशान गुलाम कश्मीर की जनता पिछले कुछ दिनों से सड़कों पर हैं। विरोध प्रदर्शन के बीच कई जगहों पर सुरक्षाबलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प हुई। सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी भी की, जिसकी वजह से तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं, छह लोग घायल हैं। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि मुक्त बिजली और गेहूं के आटे पर सब्सिडी दी जाए।

लंदन में शहबाज सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

बता दें कि ना सिर्फ गुलाम कश्मीर बल्कि इस विरोध प्रदर्शन की आवाज लंदन में भी उठ रहे हैं। कई लोगों ने लंदन में भी पीओके के हालात पर चिंता जाहिर की। पीओके में हो रही हिंसा की चर्चा दुनियाभर में हो रही है, जिसकी वजह से शहबाज सरकार को काफी फजीहत का भी सामना करना पड़ा रहा है।

बिजली की दरों में की गई कटौती

इसी बीच शहबाज शरीफ सरकार ने पीओके के हालात को बेहतर बनाने के लिए 23 अबर रुपये का बजट मंजूर कर दिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी कि अप्रत्याशित विरोध और पीओके में शांति स्थापित करने के लिए पीएम शहबाज शरीफ ने सोमवार को एक विशेष बैठक की अध्यक्षता की। पीओके की समस्याओं का समाधान निकालने के लिए 23 अरब रुपये के बजट को मंजूरी दी गई। वहीं, शहबाज शरीफ ने पीओके में बिजली दरों की कटौती में मंजूरी दे दी है।

भारत ने पीओके के हालात पर क्या कहा?

पाकिस्तान सरकार के खिलाफ चल रहे विरोध के बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को अवैध रूप से कब्जे वाले क्षेत्र के विलय पर भारत के रुख को दोहराया और कहा कि एक दिन हम पीओके पर अवैध कब्जा खत्म कर देंगे और पीओके भारत में शामिल हो जाएगा।

यूएसः गुप्त धन भुगतान मामले में पूर्व राष्ट्रपति की बढ़ीं मुश्किलें, पूर्व वकील ने ट्रंप के खिलाफ दी गवाही

वॉशिंगट, 14 मई (एजेंसियां)। नएडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को गुप्त भुगतान करने के मामले में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। दरअसल ट्रंप के पूर्व वकील माइकल कोहेन की सोमवार को गुप्त धन भुगतान मामले में गवाही हुई और इस गवाही में कोहेन ने माना कि ट्रंप ने उन्हें स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसों का भुगतान करने का निर्देश दिया था। हालांकि ट्रंप इन आरोपों से इनकार कर चुके हैं।

एडल्ट स्टार को गुप्त रूप से पैसों का भुगतान करने का है आरोप

डोनाल्ड ट्रंप पर आरोप हैं कि उन्होंने साल 2016 में राष्ट्रपति चुनाव से पहले एडल्ट स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को गुप्त रूप से धन का भुगतान किया था। ट्रंप की तरफ से यह भुगतान स्टॉर्मी डेनियल्स से कथित तौर पर अपने निजी संबंधों को छिपाने और एडल्ट स्टार को चुप रहने के बदले दिया गया था। इस भुगतान के लिए ट्रंप पर अपने बिजनेस रिकॉर्ड में भी धांधली करने के आरोप हैं। अभियोजक ने आरोप लगाया कि ट्रंप के कहने पर माइकल कोहेन ने ही स्टॉर्मी डेनियल्स को 1,30,000 डॉलर का भुगतान किया था। कोहेन ने अपनी गवाही में कहा कि उसे जो कहा गया, उन्होंने वही किया।

कोहेन ने स्वीकारी स्टॉर्मी डेनियल्स को पैसों के भुगतान की बात

कोहेन ने अपनी गवाही में ज्यूरी को बताया कि 'ट्रंप, डेनियल्स को लेकर काफी नाराज थे। उन्होंने (ट्रंप) मुझे बताया कि इससे चुनाव प्रचार में भारी गड़बड़ी हो जाएगी और महिलाएं मुझसे नफरत करेंगी।' कोहेन ने ये भी बताया कि 'ट्रंप चाहते थे कि स्टॉर्मी डेनियल्स के वकील को पैसों का भुगतान चुनाव के बाद किया जाए, लेकिन जब अक्तूबर 2016 में स्टॉर्मी डेनियल्स की स्टोरी सार्वजनिक होने वाली थी, तो ट्रंप ने उन्हें पैसों को भुगतान को कहा।' कोहेन का कहना है कि 'डेनियल्स को पैसों का भुगतान उसने अपनी तरफ से किया था और ट्रंप ने उन्हें बाद में पैसे देने की बात कही थी।' सुनवाई के दौरान डोनाल्ड ट्रंप और उनके वकील ने कोहेन के आरोपों को नकारा और कहा कि कोहेन की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में है क्योंकि वह पहले भी झूठे बयान दे चुके हैं। कोहेन को यूएस कांग्रेस को झूठ बताने के मामले में दोषी पाया जा चुका है और उन्हें तीन साल जेल की सजा सुनाई गई है।

बांग्लादेश के विदेश मंत्री के बयान से पाकिस्तान को लग सकती है मिर्ची

कहा-भारत से अच्छे संबंधों के बिना संभव नहीं विकास

ढाका, 14 मई (एजेंसियां)। बांग्लादेश के विदेश मंत्री हसन महमूद ने भारत से रिश्तों को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिसे सुनकर पाकिस्तान को भी मिर्ची लग सकती है। हसन महमूद ने कहा कि भारत के साथ अच्छे संबंधों के बिना विकास संभव नहीं है। हालांकि उन्होंने यह टिप्पणी बांग्लादेश के लिए की है। मगर यह सुनकर पड़ोसी पाकिस्तान को भी झटका लग सकता है, क्योंकि पाकिस्तान की आवाम और कई नेता भी अक्सर पाकिस्तानी हुकूमत को भारत के साथ अच्छे संबंध कायम करने की सलाह देते रहे हैं। काफी संख्या में पाकिस्तानी भी मानते हैं कि उसका विकास भारत से बेहतर संबंध के बगैर संभव नहीं है। बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देश कई हजार किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ अवामी लीग पार्टी के संयुक्त महासचिव हसन ने यह टिप्पणी सोशल मीडिया पर लोगों से भारतीय उत्पादों का बहिष्कार करने को कहने वाले असफल अभियान के संबंध में एक सवाल का जवाब देते हुए की। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ₹उस देश (भारत) के साथ अच्छे संबंध बनाए रखे बिना हमारा विकास संभव नहीं है, जिसके साथ तीन तरफ से हमारी कई हजार किलोमीटर लंबी सीमा है।₹ महमूद ने कहा कि पड़ोसी के साथ अच्छे रिश्तों के बिना बांग्लादेश में शांति और स्थिरता बनाए रखना मुश्किल होगा। व्यापक पैमाने पर ऐसा माना जा रहा है कि सोशल मीडिया पर भारतीय उत्पादों के बहिष्कार के अभियान को पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) का समर्थन प्राप्त है, क्योंकि भारत ने सात जनवरी को हुए चुनाव में हसीना की अवामी लीग का 'समर्थन' किया था।

व्हाइट हाउस पर हमले का दोषी पाया गया भारतीय मूल का युवक, नाजी विचारधारा से प्रभावित होकर किया हमला

वॉशिंगटन, 14 मई (एजेंसियां)। अमेरिका में एक भारतीय मूल के युवक को व्हाइट हाउस पर हमले का दोषी ठहराया गया है। युवक पर एक ट्रक से व्हाइट हाउस पर हमले का दोष सिद्ध हुआ है और नाजी विचारधारा से प्रभावित होकर उसने इस हमले को अंजाम दिया। कोर्ट 23 अगस्त को उसकी सजा का एलान करेगा। दोषी युवक की पहचान साई वर्शिथ कंडुला (20 वर्षीय) के रूप में हुई है, जो मिसौरी के सेंट लुईस इलाके का रहने वाला है।

नाजी विचारधारा से प्रभावित होकर किया हमला

अमेरिका के अटॉर्नी मैथ्यू ग्रेव्स ने सोमवार को यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि कंडुला ने नाजी विचारधारा से प्रभावित होकर लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार को हटाकर तानाशाही लाने की मंशा से व्हाइट हाउस पर हमला किया। कंडुला ने जांच कर्ताओं के सामने स्वीकार किया कि अपने उद्देश्य को पाने के लिए वह अमेरिकी राष्ट्रपति और अन्य नेताओं की हत्या करने से भी पीछे नहीं हटता।

क्या है पूरा मामला

अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, कंडुला ने 22 मई 2023 की दोपहर को सेंट लुईस से एक विमान द्वारा वॉशिंगटन डीसी पहुंचा। कंडुला शाम करीब 5.20 बजे डलास इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरा और शाम करीब साढ़े छह बजे उसने एक ट्रक किराए पर लिया। ट्रक किराए पर लेकर वह व्हाइट हाउस के लिए निकल गया। रास्ते में वह खाने और गैस के लिए रुका। रात करीब साढ़े नौ बजे कंडुला वॉशिंगटन डीसी पहुंचा और वहां एच स्ट्रीट पर नॉर्थवेस्ट और 16वीं स्ट्रीट नॉर्थवेस्ट के चौराहे पर व्हाइट हाउस की सुरक्षा में तैनात बैरिकेड से ट्रक को टकर दिया। इसके बाद कंडुला पर आरोप है कि उसने ट्रक को फुटपाथ पर चढ़ा, जिससे फुटपाथ पर चलने वाले लोगों में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद फिर से कंडुला ने ट्रक को एक और बैरिकेड से टकराया, जिससे ट्रक खराब होकर बंद हो गया। कंडुला ट्रक से उतरा और उसने अपने बैग से एक बैनर निकाला, यह बैनर लाल और सफेद रंग का बना था और इस पर नाजी स्वास्तिक भी बना था। यूएस पुलिस ने कंडुला को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

बाल्टीमोर ब्रिज से टकराए जहाज पर सवार भारतीय दलों के एफबीआई ने जब्त किए मोबाइल फोन, सामने आई वजह

न्यूयॉर्क, 14 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी पुल हादसे की जांच कर रही जांच एजेंसी एफबीआई ने बाल्टीमोर में एक क्षतिग्रस्त मालवाहक जहाज पर सवार अधिकांश भारतीय चालक दल के मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं। दरअसल, पटाप्सको नदी पर बना 2.6 किलोमीटर लंबा, चार लेन वाला फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज 26 मार्च को जहाज 'डाली ' से टकराने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। डाली जहाज पर सवार चालक दल में 20 भारतीय और एक श्रीलंकाई शामिल था।

चालक दलों के अधिकार महत्वपूर्ण

बता दें कि दुर्घटना के बाद से चालक दल जहाज पर है और जांच में पूरा सहयोग कर रहे है। बाल्टीमोर इंटरनेशनल सीफर्स सेंटर के कार्यकारी निदेशक रेव जोशुआ मेसिक ने पीटीआई को बताया कि वह सभी संबंधित संगठनों के साथ काम कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चालक दल के अधिकारों को बरकरार रखा जाए। उन्होंने बताया कि उनके सेलफोन एफबीआई की जांच के हिस्से के रूप में जब्त कर लिए गए है और वापस नहीं किए गए हैं।

पिछले महीने से चल रही जांच

पिछले महीने, अमेरिकी अधिकारियों ने बाल्टीमोर पुल ढहने की घटना की आपराधिक जांच शुरू की थी। बता दें कि इस हादसे में निर्माण दल के छह कर्मचारियों की मौत हो गई थी, जो टक्कर के समय पुल पर गड्ढों की मरम्मत कर रहे थे। वाशिंगटन पोस्ट ने कहा था कि एफबीआई ने पिछले महीने बाल्टीमोर में फ्रांसिस स्कॉट की ब्रिज को गिराने वाले विशाल कंटेनर जहाज की आपराधिक जांच शुरू की थी। इस जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि क्या चालक दल ने जहाज में गंभीर सिस्टम समस्याएं होने के बावजूद बंदरगाह छोड़ा था।

जांच में सहयोग कर रहे भारतीय चालक दल

सिंगापुर-ध्वजांकित 'डाली' का स्वामित्व ग्रेस ओशन पीटीई लिमिटेड के पास है और इसका प्रबंधन सिनर्जी मरीन ग्रुप द्वारा किया जाता है। दुर्घटना के बाद, अमेरिकी अधिकारियों ने डाली पर सवार भारतीय चालक दल के सदस्यों सहित कर्मियों से पूछताछ शुरू कर दी थी।

सबसे ऊपर है कानून

यहां पूर्व मंत्री को लगा तगड़ा झटका, हो गई 24 साल की जेल

कजाकिस्तान, 14 मई (एजेंसियां)। कानून। यह सिर्फ एक शब्द नहीं बल्कि अपने आप में समूचा सिस्टम है! बड़ा हो या छोटा और अमीर हो या गरीब, सभी इसके नीचे आते हैं और उन्हें इसी के हिसाब से चलना पड़ता है। यह बात तब फिर साबित हुई, जब एक मामले में देश के पूर्व वित्त मंत्री को सुप्रीम कोर्ट से तगड़ा झटका। उन्हें कुल 24 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। यह पूरा मामला मध्य एशियाई देश कजाकिस्तान का है। रिपोर्ट के मुताबिक, अस्ताना की अदालत ने पूर्व मंत्री कुआनदिक बिशिमबायेव को पत्नी सल्तनत नुकेनोवा को यातना देने और हत्या का दोषी पाया है। सोमवार को वहां के सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें बीवी की हत्या के मामले में 24 साल की जेल की सजा सुनाई है। रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व मंत्री के ट्रायल को पिछले कुछ हफ्तों में टीवी पर लाइव ब्रॉडकास्ट किया गया था। ऐसे में कहा गया कि अधिकारियों की ओर से इसके जरिए यह संदेश देने की कोशिश की गई कि कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है। ट्रायल के समय वह सीसीटीवी फुटेज भी चलाया गया था, जिसमें वह पत्नी को घूंसे और लाते मारते हुए नजर आ रहे थे। वह उस कमरे में बुरी तरह उनके बालों को खींचते हुए भी दिखे थे, जहां पर घटना के बाद पत्नी ने दम तोड़ दिया था। पूर्व मंत्री से जुड़े इस मामले ने देश में घरेलू हिंसा पर बड़े स्तर पर बहस छेड़ दी थी। राष्ट्रपति कासिम जोमार्ट टोकायेव ने बताया, हम ऐसा समाज बनाना चाहते हैं, जहां पर सबके साथ न्याय हो, जिसमें सुधरे हुए महिला अधिकार भी शामिल हैं। कुआनदिक बिशिमबायेव कुछ समय के लिए पूर्व में तेल-समृद्ध मध्य एशियाई देश के वित्तमंत्री के तौर पर काम कर चुके हैं। 44 साल के पूर्व मंत्री ने नवंबर, 2023 में एक रेस्तरां (पति के रिश्तेदार का था) में पत्नी का कत्ल कर दिया था। हालांकि, कुआनदिक बिशिमबायेव को पिछले साल पत्नी को बुरी तरह पीटने का दोषी पाया गया था। वैसे, पूर्व मंत्री को पहले भ्रष्टाचार के आरोप में जेल की सजा सुनाई गई थी पर बाद में उन्हें पैरोल पर रिहा कर दिया गया था।

रविंद्र सिंह भाटी की 'पायलट' ने की तारीफ

तो 'गहलोत' ने कह डाली बड़ी बात

जयपुर, 14 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की सभी 25 लोकसभा सीटों पर चुनाव संपन्न हो चुका है। फिर भी बाड़मेर लोकसभा सीट की चर्चा बनी हुई है। रविंद्र सिंह भाटी को लेकर कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के विचार एकदम विपरीत हैं। एक तरफ सचिन पायलट भाटी के चुनाव लड़ने की तारीफ करते नजर आए तो दूसरी ओर अशोक गहलोत उनको जानने से इनकार किया।

इधर, प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक इंटरव्यू के दौरान बाड़मेर से निर्दलीय प्रत्याशी रविंद्र सिंह भाटी के साथ गाड़ी के गठजोड़ पर जबाव दिया। उन्होंने कहा कि वहां से हमारे उम्मीदवार उम्मेदाराम बेनीवाल है। फिर भी लोग कैसी अफवाह उड़ा रहे है। मैं रविंद्र सिंह को जानता नहीं हूं।

पायलट ने की रविंद्र की तारीफ

सचिन पायलट से एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि बाड़मेर में रविंद्र सिंह भाटी की बहुत चर्चा है। वहां से आपके उम्मीदवार उम्मेदाराम बेनीवाल है। वहां पर नतीजे क्या रहने वाले है? इस पर पायलट ने कहा कि 'बाड़मेर से उम्मेदाराम बेनीवाल चुनाव जीतेंगे। त्रिकोणीय मुकाबले में भाजपा तीसरे नंबर पर रहेगी। वे अच्छे बहुमत से जीत कर आएंगे'।

पायलट ने आगे कहा कि 'रविंद्र नौजवान व्यक्ति है, विधानसभा जीतकर लोकसभा चुनाव लड़ रहे है। हालांकि उन्होंने चुनाव पूरी ताकत से लड़ा। लेकिन जनता सब जानती है, वहां के लोगों ने सरकार बनाने के लिए वोट किया है'।

गहलोत ने जानने से किया इनकार

वहीं जब पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से एक इंटरव्यू में पूछा गया कि रविंद्र सिंह भाटी के काफिले में आपकी गाड़ी देखी गई। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ। इसके जबाव में गहलोत ने कहा कि 'बाड़मेर सीट ऐसी जहां मैंने बाड़मेर, जैसलमेर और सिवाना में तीन बार प्रचार किया। वहां से हमारे उम्मीदवार उम्मेदाराम बेनीवाल है। फिर भी लोग कैसी अफवाह उड़ा रहे है। मैं रविंद्र सिंह को जानता नहीं हूं। बस कभी-कभी सोशल मीडिया पर देखा है'।

अमीन खां का छलका दर्द, कांग्रेस पर जमकर बरसे

रविंद्र सिंह भाटी को लेकर भी कही ऐसी बात

बाड़मेर, 14 मई (एजेंसियां)। शिव के पूर्व विधायक व वयोवृद्ध जनप्रतिनिधि अमीन खां ने कांग्रेस से खुद को बर्खास्त करने को गलत करार दिया है। उन्होंने सवाल उठाया कि मैंने तो केवल जुबानी कहा था। ना ही निर्दलीय की सभा में गया और न ही प्रचार प्रसार में, जिन लोगों ने पार्टी के खिलाफ चुनाव लड़ा। जिलाध्यक्ष होकर जो विरोध में उतरा, उसको वापस ले लिया? फिर मेरा छह साल निष्कासन क्यों? मैं तब तक तो जिंदा भी नहीं रहूंगा।

कांग्रेस का सच्चा सिपाही बना रहा हूं

अमीन खां ने कहा कि मैंने 1955 में कांग्रेस पार्टी ज्वाइन की थी। तब से लेकर आज तक कांग्रेस का सच्चा सिपाही बना रहा हूं। शुरुआती दौर में हमारे क्षेत्र में मुझे लबा संघर्ष करना पड़ा। कांग्रेस पार्टी में होने के कारण कई बार मुझ पर जुल्म हुए, लेकिन मैं झुका नहीं, रुका नहीं। उम्र के इस अंतिम पड़ाव पर कांग्रेस पार्टी का मुझे बर्खास्त करना पार्टी का गैर जिमेदार कार्य है। मैं उम्र के अंतिम पड़ाव पर हूं और मुझे 6 साल के लिए बर्खास्त करना समझ से परे है। तब तक शायद में जिंदा ही नहीं रहूं। अमीन खां ने कहा कि चुनावों में उन्होंने अपनी नाराजगी जताई।

निर्दलीय प्रत्याशी को लेकर संतुलित बयान दिए। न तो उसका प्रचार-प्रसार किया और न ही किसी मंच पर साथ में रहा। यह इतना बड़ा गुनाह कैसे हो गया कि पार्टी से निष्कासित कर दिया जाए। यदि यह इतना बड़ा गुनाह है तो जिन लोगों ने कांग्रेस को कमजोर करने का काम किया और कांग्रेस को हराने का काम किया वे लोग महज एक महीने में बर्खास्त होकर बहाल कैसे हो गए?

कांग्रेस पार्टी का भविष्य अगर इस प्रकार तय होना है तो उनकी मर्जी। पिछले 10 सालों में केंद्र में भाजपा की सरकार है, लेकिन इन्होंने हमें कोई नुकसान नहीं पहुंचाया।

'मैंने उम्र दे दी'

अमीन खां ने कहा कि मैने पार्टी में मेरी पूरी उम्र दे दी। चुनाव लड़ा भी, जीता भी और लगातार पार्टी के साथ रहा। विधानसभा चुनावों में जिसको टिकट मिले उसके साथ खड़ा रहना ही पार्टी के लोगों का फर्ज था। मेरे को टिकट मिला तो जिलाध्यक्ष को मेरे साथ होना चाहिए था।

वह मेरे साथ नहीं रहा और निर्दलीय लड़ा। उसके साथ कौन-कौन थे, यह सब जानते हैं। मैंने विधानसभा चुनावों में पार्टी विरोध में जिसने जो किया वो सार्वजनिक व पार्टी में कहा, यह कैसे गलत हो गया? कांग्रेस में अहमद पटेल जैसे नेता था, उनकी कमी खल रही है। 1955 से अब तक का मेरा कांग्रेस समर्पित जीवन पढ़ा जाता फिर बात होती।

शांति धारीवाल को बड़ा झटका देने की तैयारी कर रही है भजनलाल सरकार

जयपुर, 14 मई (एजेंसियां)। एकल पट्टा प्रकरण में तत्कालीन नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल को क्लीन चिट देकर विवाद में आई राज्य सरकार अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में यू-टर्न ले सकती है। सुप्रीम कोर्ट में पेश जवाब पर पुनर्विचार के लिए कमेटी बनाने की तैयारी चल रही है, वहीं इस मामले में अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा को सहयोग करने के लिए ओआईसी के रूप में चार अधिकारियों की टीम बनाई गई है।

विभाग ने बनाई टीम

गृह विभाग की ओर से यह टीम संयुक्त सचिव अर्पणा गुप्ता की देखरेख में काम करेगी। इस टीम में जयपुर विकास प्राधिकरण में अतिरिक्त आयुक्त प्रिया बलराम, नगरीय विकास विभाग के रवि विजय व एसीबी में अधिकारी राजेन्द्र नैन को शामिल किया है। सूत्रों के अनुसार राजेन्द्र नैन के स्थान पर एसीबी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बिशनाराम को ओआईसी के रूप में शामिल किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि इस मामले में पूर्व में ओआईसी रहे एसीबी के एक अधिकारी को शांति धारीवाल को क्लीन चिट देने का जवाब पेश होने के कारण एपीओ कर दिया गया था।

धारीवाल को दी थी क्लीन चिट

हाल ही में राजस्थान सरकार ने एकल पट्टा मामले में कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल और तीन अन्य अधिकारियों पर लगे आरोपों पर क्लीन चिट दे दी थी। सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पेश किए गए जवाब में कहा गया था कि 10 साल पहले के एकल पट्टा मामले में कोई प्रकरण नहीं बनता है।

सचिन पायलट ने उम्मेदाराम बेनीवाल को बताया गैर-कांग्रेसी, बोले- 'वो हमारी पार्टी के नहीं है'

बाड़मेर, 14 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की बाड़मेर लोकसभा सीट पर चुनाव होने के बाद भी इस हॉट सीट की लगातार चर्चा हो रही है। कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदाराम बेनीवाल को लेकर सचिन पायलट ने बड़ा बयान दिया है। प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने एक इंटरव्यू के दौरान बाड़मेर से कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदाराम को अपनी पार्टी का उम्मीदवार मानने से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि वो सीट हमें गठबंधन ने दी है। उम्मेदाराम हमारी पार्टी के नहीं है। वहीं सचिन पायलट ने भाटी के चुनाव लड़ने की तारीफ की।

सचिन पायलट से एक इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि बाड़मेर में रविंद्र सिंह भाटी की बहुत चर्चा है। वहां से आपके उम्मीदवार उम्मेदाराम बेनीवाल है। वहां पर नतीजे क्या रहने वाले है? इस पर पायलट ने कहा कि 'बाड़मेर से उम्मेदाराम बेनीवाल चुनाव जीतेंगे। त्रिकोणीय मुकाबले में भाजपा तीसरे नंबर पर रहेगी। वो सीट हमें गठबंधन ने दी है। उम्मेदाराम हमारी पार्टी के नहीं है। वे अच्छे बहुमत से जीत कर आएंगे'।

दो साल पहले दौसा में रोकी थी ट्रेन

अब डॉ किरोड़ी मीणा को लेकर हाईकोर्ट का आया ये आदेश

जयपुर, 14 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की भजनलाल सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ किरोड़ी लाल मीणा को एक पुराने मामले में बहुत बड़ी राहत मिली है। दरअसल, एक प्रदर्शन के दौरान ट्रेन रोकने के मामले में रेलवे ने राजस्थान हाईकोर्ट में डॉ मीणा के खिलाफ मुकदमा नहीं चलाने की बात कही है। रेलवे का यह पक्ष सामने आने के बाद हाईकोर्ट ने वर्ष 2012 में दौसा रेलवे स्टेशन पर बिना अनुमति रेल रोकने के मामले में कृषि मंत्री मीणा के खिलाफ रेलवे कोर्ट में चल रही कार्रवाई पर रोक लगा दी है। न्यायाधीश सुदेश बंसल ने किरोड़ी लाल मीणा की याचिका पर यह आदेश दिया।

रेलवे प्रोटेक्शन फ़ोर्स (आरपीएफ) ने 9 अप्रेल 2012 को दौसा रेलवे स्टेशन पर बिना अनुमति रेल रोकने के आरोप को लेकर याचिकाकर्ता सहित चार लोगों पर मामला दर्ज किया था। प्रार्थीपक्ष की ओर से अधिवक्ता सुधीर जैन ने कोर्ट को बताया कि इस मामले में आरोप पत्र पेश हो चुका और रेलवे कोर्ट में सुनवाई चल रही है। इसी बीच वर्ष 2020 में रेलवे की ओर से प्रार्थना पत्र पेश कर कोर्ट से केस वापस लेने की अनुमति मांगी। रेलवे सुरक्षा बल की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल राज दीपक रस्तोगी ने जवाब पेश करने के लिए समय मांगा। साथ ही कहा कि रेलवे इस मुकदमे को आगे नहीं चलाना चाहती और इसे जनहित में वापस लेना चाहती।

घरेलू आटा चक्की में करंट आने से महिला की हुई मौत

डीग, 14 मई (एजेंसियां)। डीग जिले के केथवाड़ा घगवाडी गांव में घर की इलेक्ट्रिक आटा चक्की पर गेहूं पीस रही महिला मशीन में करंट आने से गंभीर रूप से झुलस गई, जिसे उपचार के लिए अलवर रैफर किया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार डीग जिले के केथवाड़ा घगवाडी गांव निवासी शकीरा मंगलवार सुबह चक्की में गेहूं पीस रही थी तभी उसमें करंट आ गया जिससे वह झुलस गई, उसे तुरंत स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे गंभीर हालत में अलवर रैफर कर दिया गया लेकिन वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका का पति फारुख मिस्त्री का काम करता है और उसके सात बच्चे हैं।

जिस स्कूल बस से उतरा, उसी ने मासूम को कुचला, हादसे के बाद मचा कोहराम

अलवर, 14 मई (एजेंसियां)। स्कूल बस की चपेट में आने से एक मासूम की मौत हो गई। जिस बस से वह स्कूल से आया उसी बस ने उसे कुचल दिया। घर के सामने हुए हादसे से कोहराम मच गया। उपखंड क्षेत्र के ग्राम चिरूनी स्थित विमल स्कूल की बस रोजाना की तरह भी छुट्टी के दौरान बच्चों को घर छोड़ने गई हुई थी। बस गांव चिरूनी निवासी पवन के 4 वर्षीय नवनीत को उसके घर के सामने उतारकर जैसे ही आगे चली कि मासूम बस की चपेट में आ गया। इससे नवनीत की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद परिजन उसे बहरोड अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस पर परिजन मृतक नवनीत को पोस्टमार्टम के लिए मुंडावर अस्पताल लाए। उधर, चालक बस को लेकर फरार हो गया।

बच्चों की सुरक्षा को लेकर कोई नहीं है गंभीर

अमूमन देखा गया है कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर स्कूल मैनेजमेंट गंभीर नहीं है। स्कूल मैनेजमेंट गंभीर होता तो बस के साथ सहायक भी बस में होता। जो छोटे बच्चों को घर की देहली तक परिजनों को सुपुर्द आगे बढ़ते। इधर, परिवहन विभाग की ओर से स्कूली बसों की जांच नहीं की जाती है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों की ओर से भी निजी स्कूलों की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।

जादू-टोना करने वाले आरोपियों ने नाबालिग को खेत में जलाया

शादी के लिए फुसलाकर लाए थे

भरतपुर, 14 मई (एजेंसियां)। भरतपुर की गहनौली थाना पुलिस ने नाबालिग की हत्या कर उसके शव को जलाकर सबूत मिटाने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपी मध्यप्रदेश से एक नाबालिग को बहला-फुसलाकर लाए थे, जिसके बाद उसमें से एक व्यक्ति ने नाबालिग से शादी कर ली। कुछ दिनों बाद आरोपियों ने नाबालिग की हत्या कर उसे गांव के खेत में जला दिया। उधर परिजनों की रिपोर्ट पर मप्र पुलिस भी नाबालिग की तलाश में जुटी थी।

थानाधिकारी ने बताया कि 27 अप्रैल को सूचना मिली थी कि नगला पितु गांव में रामेश्वर, राजेश और रामे भगत ने एक शव को खेत में जलाया है, जिसके बाद पुलिस ने गांव में पूछताछ की और मौके से साक्ष्य जुटाए। ग्रामीणों से पूछताछ के बाद नाबालिग के बारे में पता चलने पर ठेमी पुलिस से संपर्क किया गया। मामला सामने आने के बाद तीनों आरोपी फरार हो गए।

पुलिस ने आज इन तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के साथ पूछताछ में पता चला है कि तीनों ही जादू-टोने का काम करते थे। मामले में और भी आरोपियों के शामिल होने की संभावना है। मप्र के नरसिंहपुर की ठेमी पुलिस भी मामले में आरोपियों से पूछताछ करेगी।

यूरिया का पानी पीने से 50 बकरियों की मौत

पंप मालिक के खिलाफ कार्रवाई

दौसा, 14 मई (एजेंसियां)। दौसा जिले के लालसोट में यूरिया पंप पर पानी पीने से 50 बकरियों की मौत हो गई। घटना के चलते गुस्साए ग्रामीणों ने हाईवे पर जाम लगा दिया। ग्रामीणों ने मुआवजे के साथ यूरिया पंप मालिक के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा किया। दौसा जिले के लालसोट के लाखनपुर गांव पंचायत के बड़का पाड़ा गांव स्थित नेशनल हाईवे के पास यूरिया पंप बना हुआ है। यहां चरने आई बकरियां पानी के धोखे में पंप का पानी पी लिया। यूरिया पेट में जाते ही बकरियों की हालत खराब होने लगी।

बताया जा रहा है कि 90 बकरियों में से 50 बकरियों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मौके पर पहुंचे पशु चिकित्सकों की टीम ने घायल बकरियों का उपचार किया। वहीं, पशु चिकित्सक मेडिकल बोर्ड से मृत बकरियों का पोस्टमार्टम भी करवाया गया। इस घटना से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। गुस्साए ग्रामीणों ने लालसोट कोथुन नेशनल हाईवे पर जाम लगा दिया। जाम की सूचना के बाद मौके पर लालसोट पुलिस के साथ प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। करीब दो घंटे बाद ग्रामीण ने जाम खोल दिया, जिसके बाद आवागमन को सुचारू हुआ। तहसीलदार अमितेश मीणा ने बताया कि पीड़ित की ओर से यूरिया के प्लांट के मालिक के खिलाफ परिवाद दिया गया है। पुलिस की ओर से कठोर कार्रवाई भी की जाएगी हर संभव पीड़ित की सहायता की जाएगी।

12वीं की छात्रा को लेकर फरार हो गया टीचर

गुरु शिष्य के रिश्ते को किया कलंकित

राजसमंद, 14 मई (एजेंसियां)। राजसमंद जिले में गुरू-शिष्य रिश्ते को तार-तार करते हुए एक टीचर ने 12वीं क्लास की छात्रा को भगाकर ले जाने का आरोप लगा है. परिजनों के मुताबिक आरोपी टीचर ने बहला-फुसला कर पीड़िता को लेकर फरार हो गया. परिजनों ने आरोपी टीचर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करवा दी है, लेकिन अभी पुलिस आरोपी टीचर को पकड़ने में नाकाम रही है.

पिछले दो साल से आमेट थानाक्षेत्र के दौवड़ा विद्यालय में तैनात आरोपी टीचर इंद्रजीत सिंह के खिलाफ परिजनों ने अपहरण का मामला दर्ज करवाया है, लेकिन शिकायत दर्ज होने के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ कुछ नहीं लगा है.

रिपोर्ट के मुताबिक गत सोमवार को पीड़िता हर दिन की तरह स्कूल पहुंची और अपने क्लासरूम में पढ़ाई कर रही थी, लेकिन फिर क्लासरूम से नदारद दिखी. परिजनों का कहना है कि आरोपी टीचर इंद्रजीत सिंह उसे बहला फुसला कर अपने साथ ले गया. घटना के बाद परिजनों बीती शाम आमेट थाने में रिपोर्ट भी दर्ज करवाई.

परिजनों को कहना है कि घटना के 24 घंटे के बाद भी पुलिस के हाथ लापता छात्र को लेकर कोई सुराग हाथ नहीं लगा है. उन्होंने पुलिस द्वारा मामले में कोई कार्रवाई नहीं करने का भी आरोप लगाया है. पुलिस के रवैये से नाराज ग्रामीणों ने स्कूल परिसर पहुंचकर ताला जड़ दिया है.

सभी ग्रामीणों में पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं किए जाने पर भारी आक्रोश है. वहीं, विद्या के मंदिर में गुरु द्वारा ही अपनी शिष्या के साथ की गई हरकत को लेकर लोग नाराज दिखे. परिजनों ने पुलिस से जल्द से जल्द कार्रवाई कर पीड़ित छात्रा को दस्तयाब करने की मांग की है.

पश्चिमी इलाकों में फिर से शुरू होगा तेज लू का दौर, पारा जा सकता है 45 डिग्री के पार

जयपुर, 14 मई (एजेंसियां)। जयपुर. राजस्थान में बीते दो तीन दिन से पश्चिमी विक्षोभ के असर से रहा अंधड़ बारिश का दौर अब कमजोर पड़ गया है। विक्षोभ समाप्त होने के बाद अब फिर से प्रदेश के पश्चिमी इलाकों में तेज लू का दौर शुरू होने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। मौसम विभाग ने कल से अगले तीन चार दिन तक कुछ इलाकों में दिन में पारा 45 डिग्री के पार तक जाने की संभावना जताई है। दिन के अलावा रात में भी पारे की बढ़ती रफ्तार ने पिछले 24 घंटे में गर्मी का अहसास करा दिया है।

15 मई से आगामी 48 घंटों में अधिकतम तापमान में 2-4 डिग्री बढ़ोतरी होने की संभावना है। 15-16 मई को पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज होने तथा लू चलने की संभावना है। 17 मई को जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में अधिकतम तापमान 45-47 डिग्री दर्ज होने व तीव्र हीटवेव चलने की प्रबल संभावना है। पिछले 24 घंटे में बांसवाड़ा के सज्जनगढ़ में सर्वाधिक 30 मिमी बारिश हुई। बाडमेर, कोटा, टोंक, सवाई माधोपुर, भीलवाडा, सिरोही, चित्तौडगढ़, कोटा और जयपुर के चाकसू क्षेत्र में हल्की बौछारें गिरी। प्रदेश के शेष इलाकों में मौसम शुष्क रहा वहीं जालोर में सर्वाधिक 44.1 डिग्री अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। टोंक के वनस्थली में दिन में पारा 43.1 डिग्री रहा। जयपुर में फिर से पारा 40 डिग्री से आगे खिसक कर 41.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

बच्चे को लगाया 17.50 करोड़ का इंजेक्शन

अमेरिका से जेके लोन हॉस्पिटल पहुंचा, दुर्लभ बीमारी से पीड़ित है हृदयांश

जयपुर, 14 मई (एजेंसियां)। एसएमए से पीड़ित एक बच्चे की जिंदगी बचाने को लेकर शिक्षा महकमा आगे आया है। पत्रिका ने इस खबर को प्रमुखता के साथ प्रकाशित किया था। 6 मार्च को पत्रिका ने खबर लगाई थी कि शिक्षा मंत्री दिलावर की एक अपील बचा सकती है मासूम की जिंदगी। इसके बाद शिक्षा मंत्री ने खबर को गंभीरता से लिया और मासूम की जिंदगी बचाने के लिए आगे आए। अब शिक्षा विभाग की ओर से एक सरक्यूलर जारी किया गया है।

माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर के निदेशक आशीष मोदी की ओर से यह जारी किया गया है। जिसमें सभी अधिकारी और कर्मचारियों से अपील की गई है कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय द्वारिकापुरी, जयपुर में पदस्थापित प्रयोगशाला सहायक पूनम जांगिड़ का पुत्र अर्जुन जांगिड़ जिसकी आयु 22 माह 15 दिन है। यह बच्चा स्पाइनल मस्कुलर एट्रॉपी से पीड़ित है। जो की एक दुर्लभ आनुवांशिक विकार है। उक्त बीमारी के कारण बच्चे की गतिशीलता सामान्य बच्चों की तरह नहीं है। वह अपने पैरों पर खड़ा नहीं हो सकता है। उसे सांस लेने में तकलीफ का सामना करना पड़ रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उक्त बीमारी का इलाज एकमात्र जोलगेंसमा नामक इंजक्शन है। जिसकी कीमत लगभग साढ़े सत्रह करोड़ रुपए है। जो की बच्चे के परिवार की आर्थिक क्षमताओं से परे है। बच्चे का उक्त इंजेक्शन 24 माह तक ही लगाया जाना है। इस प्रकार बच्चे के पास अब इंजेक्शन लगाने के लिए सिर्फ एक महीने का समय बचा है। अतः मैं शिक्षा विभाग के सभी अधिकारी व कर्मचारी और आमजन से आग्रह करना चाहता हूं कि आप अपने सामथर्य अनुसार सहयोग राशि सीधे पीड़ित बच्चे अर्जुन के खाते में जमा कराएं।

सूम अर्जुन की मां पूनम जागिड़ का कहना है कि उन्हें समझ ही नहीं आ रहा है कि वह क्या करे और क्या नहीं करे। उन्होंने कभी सोचा नहीं था कि उनके साथ ऐसा होगा।

महिलाओं ने किया अधिक मतदान

निर्मल, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सहित अन्य राज्य के लोक सभा चुनाव सोमवार को संपन्न हुए जिसके तहत तेलंगाना के निर्मल जिले में तीन निर्वाचन क्षेत्र में प्रशासन ने पुख्ता बंदोबस्त किए जिससे मतदान की प्रक्रिया आसानी से संभव हुई।

जिले में कुल मतदाता 7 लाख 37 हजार 6 सो 86 मतदाता है जिनमें पुरुष 3 लाख 55 हजार 529 है, स्त्री 3 लाख 82 हजार 107 है, अन्य 50 है। जिसमे निर्मल में पुरुष 1 लाख 21 हजार 991 है तो वही महिलाएं 1 लाख 36 हजार 304 है अन्य 19 है। मुधोल निर्वाचन क्षेत्र की बात करें तो पुरुष 1 लाख 23 हजार 853 है महिलाएं 1 लाख 30 हजार 978 है और अन्य 18 है। खानपुर में पुरुष मतदाता 1 लाख 9 हजार 685 है और महिलाएं 1 लाख 14 हजार 825 है अन्य 13 है। जिले में कुल 926 मतदान केंद्र स्थापित किए गए। बैलेट यूनिट 1155, कण्ट्रोल यूनिट 1155, वीपीपैट मशीन 1247 स्थापित किए गए जिसमे कुल अधिकारियों की बात करे तो निर्मल निर्वाचन क्षेत्र में 1468 मुधोल में 1492 खानपुर में 1476 मौजूद रहे। एसपी डॉ.जी जानकी शर्मीला के नेतृत्व में पुख्ता बन्दोबत किया गया सभी पर पुलिस बल की कुल संख्या 1719 रही जिसमे सीआरपीएफ, एंटी करप्शन, बॉम्ब स्कार्ड, सहित डीएसपी, सीआई, एसआई, सीआई, एसआई, हेड कानिस्टेबल, होमगॉर्ड, सहित अन्य मौजूद थे। और भी कई शांति पूर्ण सुचारू रूप से मतदान के लिए इसमें निश्चित समय सारणी, उचित प्रशिक्षण और अच्छी तरह से तैयार किये गए मतदान केंद्र शामिल थे।

मुधोल निर्वाचन क्षेत्र में कुल 75.63 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया जिसमे महिलाओं ने 75.24 (98,549) प्रतिशत मतदान किया पुरुषो ने 76.06 (93,995) प्रतिशत मतदान किया और अन्य 11.11 (2) प्रतिशत मतदान किया।

निर्मल निर्वाचन क्षेत्र में कुल 71.68 प्रतिशत मतदान किया गया, महिलाओ ने कुल 73.72 (1,00,484) प्रतिशत मतदान किया और पुरुषो ने 69.41 (84,674) प्रतिशत वही अन्य 52.63 (10) प्रतिशत मतदान किया।

खानापुर निर्वाचन क्षेत्र में कुल 72.20 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, महिलाओ ने 74.17 (85,171) प्रतिशत तो पुरुषो ने 70.13 (76,926) प्रतिशत और अन्य 30.77 (4) प्रतिशत मतदान किया।

मंचेरियल में पीठासीन अधिकारी की हृदय गति रुकने से मौत

मंचेरियल, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक सरकारी स्कूल के भौतिक निदेशक गदिगोप्पुला सदानंदम, जो सोमवार को कासिपेट मंडल के मल्केपल्ली गांव में एक मतदान केंद्र पर पीठासीन अधिकारी थे, मंगलवार को यहां उनके आवास पर हृदय गति रुकने से निधन हो गया।

सदानंदम (48) ने सोमवार रात ड्यूटी पूरी करने के बाद घर लौटते समय सीने में दर्द की शिकायत की। उन्हें सुबह कस्बे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया और सुबह नौ बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। सदानंदम शहर के हमालीवाड़ा का रहने वाला था। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटा और दो बेटियां हैं। उनकी बड़ी बेटी की हाल ही में शादी हुई थी।

आसिफाबाद स्थित क्रय केंद्र पर धान की हेराफेरी

आरोप लगाकर किसानों ने दिया धरना

आसिफाबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। किसानों ने यह आरोप लगाते हुए धरना दिया कि मंगलवार को दहेगांव मंडल के ओड्डुगुडेम गांव में एक धान खरीद केंद्र पर 40 किलोग्राम धान के एक बैग से दो से तीन किलोग्राम धान की चोरी की जा रही थी।

एक किसान राउथु सत्तैया ने आरोप लगाया कि केंद्र के कर्मचारी गुपचुप तरीके से तौल मशीन में छेड़छाड़ कर प्रति बोरी करीब तीन किलोग्राम अनाज चोरी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें इसका एहसास तब हुआ जब उन्होंने उसी बैग को एक व्यापारी की दूसरी मशीन पर तौला। उन्होंने कहा कि उन्होंने सोमवार को केंद्र पर 200 क्विंटल धान सरकार को बेचा।

एक अन्य किसान दंडेरा राजू ने आरोप लगाया कि वह केंद्र पर 224 क्विंटल धान लेकर आए थे, लेकिन कर्मचारियों द्वारा दी गई रसीद में 220 क्विंटल दर्ज किया गया। उनका आरोप है कि जिला मुख्यालय की एक अन्य वजन मशीन पर इस केंद्र की मशीन में दिखाए गए वजन से अधिक अनाज तौला जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों से चोरी रोकने के लिए कदम उठाने का अनुरोध किया।

पूछे जाने पर, संयुक्त कलेक्टर (राजस्व) दसारी वेणु ने कहा कि किसानों के सामने आने वाली समस्या के समाधान के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को किसानों के आरोपों की जांच करने और धान के अनाज की कटौती रोकने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि जिले में धान की उपज की सुचारू खरीद सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए गए हैं।

उम्मीदवारों की किस्मत स्ट्रॉन्ग रूम में सील

संगारेड्डी, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जहीराबाद में चुनाव लड़ रहे 19 उम्मीदवारों और मेदक लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ रहे 44 उम्मीदवारों का भाग्य तीन स्थानों पर स्ट्रॉन्ग रूम में बंद हो गया है। मेदक लोकसभा क्षेत्र की ईवीएम बीवीआरआईटी कॉलेज, नरसापुर और आदिवासी कल्याण आवासीय विद्यालय नरसापुर में रखी गई थीं। दुब्बाक, गजवेल, मेदक और सिद्दीपेट की ईवीएम बीवीआरआईटी में रखी गई थीं, जबकि संगारेड्डी और पाटनचेरु विधानसभा क्षेत्रों की ईवीएम आदिवासी कल्याण आवासीय विद्यालय में रखी गई थीं।

इस बीच, सभी सात विधानसभा क्षेत्रों की ईवीएम को पटनचेरु मंडल के रुद्रराम में जीआईटीएएम विश्वविद्यालय, हैदराबाद में रखा गया था। संगारेड्डी के एसपी चेन्नुरी रूपेश ने कहा कि उन्होंने दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए ज़हेराबाद निर्वाचन क्षेत्र की ईवीएम को स्ट्रॉन्ग रूम में रखा है। मेदक कलेक्टर राहुल राज और एसपी बी बाला स्वामी ने बीवीआरआईटी और आदिवासी कल्याण स्कूल में स्ट्रॉन्ग रूम की जांच की, जब तक कि उन्हें ठीक से रखा और बंद नहीं किया गया।

'विश्व साहित्य कार्यशाला' की मेजबानी करेगा हैदराबाद

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (ईएफएलयू) में सहायक प्रोफेसर डॉ. सुरेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि 'विश्व साहित्य कार्यशाला' की मेजबानी हैदराबाद करेगा। अपनी तरह की अनूठी 12-सप्ताह की कार्यशाला का चौथा संस्करण 18 मई को शुरू होने वाला है और इस साल 3 अगस्त तक चलेगा, जिसमें लैटिन अमेरिकी साहित्य के महत्वपूर्ण लेकिन कम ज्ञात ग्रंथों की खोज पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। डॉ. नेगी ने कहा कि ऑनलाइन आयोजित किए गए पिछले तीन सत्रों के विपरीत, यह कार्यशाला का पहला ऑफ़लाइन संस्करण है। प्रत्येक शनिवार को शाम 6:30 बजे से रात 8 बजे तक निर्धारित, कार्यशाला में 20 व्यक्तियों का एक समूह शामिल होता है। इन समूहों में विभिन्न व्यवसायों के प्रतिभागी, जिनमें डॉक्टर, वकील, शिक्षक, पत्रकार, कवि, नौकरशाह और अन्य लोग शामिल होते हैं। कार्यशाला के लिए पंजीकरण 17 मई को शाम 5 बजे बंद हो जाएगा।

मतदान से दूर रहे शहरी मतदाता

ग्रामीण क्षेत्रों में हुआ अधिक मतदान

करीमनगर, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को लोकसभा चुनाव के दौरान करीमनगर और पेद्दापल्ली निर्वाचन क्षेत्रों में शहरी मतदाताओं की मतदान केंद्र की ओर जाने में अनिच्छा एक बार फिर स्पष्ट रूप से दिखाई दी। ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत शहरी क्षेत्रों की तुलना में अधिक था। ग्रामीण और शहरी विधानसभा क्षेत्रों के बीच वोटिंग में 10 फीसदी से ज्यादा का अंतर है। ग्रामीण क्षेत्र बहुल विधानसभा क्षेत्रों में जहां 70 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, वहीं शहरी आबादी वाले क्षेत्रों में यह केवल 60 प्रतिशत ही रहा। करीमनगर विधानसभा क्षेत्र में केवल 60.51 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। जबकि, ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक मतदान हुआ। सबसे अधिक 77.75 प्रतिशत मतदान मनकोंदुर में दर्ज किया गया, उसके बाद हुस्नाबाद (77.25), चोप्पादंडी (75.36), सिरसिला (75.27), वेमुलावाड़ा (74.44) और हुजूराबाद (73.82) रहे।

करीमनगर विधानसभा क्षेत्र में 3,67,353 मतदाता हैं। करीमनगर ग्रामीण और कोथापल्ली मंडलों में कुछ को छोड़कर, अधिकांश मतदाता करीमनगर शहर में रहते हैं। 3.67 लाख में से 111596 (पुरुष), 110680 (महिला) और 20 अन्य सहित 2,22,296 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पेद्दापल्ली संसद क्षेत्र में भी यही स्थिति रही, जहां 7 विधानसभा क्षेत्रों में 67.8 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

जहां सबसे कम मतदान रामागुंडम (61.59) और मंचेरियल (60.84) विधानसभा क्षेत्रों में दर्ज किया गया, वहीं धर्मपुरी (73.34), पेद्दापल्ली (71.34), मंथनी (69.98), बेल्लमपल्ली (70.96) और चेन्नूर (68.53) निर्वाचन क्षेत्रों में सबसे अधिक मतदान हुआ। रामागुंडम खंड पर पूरी तरह से शहरी आबादी का प्रभुत्व है।

शिक्षित लोग इस निर्वाचन क्षेत्र में रहते हैं क्योंकि एससीसीएल, एनटीपीसी, आरएफसीएल और अन्य उद्योग इस क्षेत्र में हैं। मंचेरियल पर भी शहरी आबादी का प्रभुत्व है। हालांकि पेद्दापल्ली जिला मुख्यालय है, लेकिन अधिकांश मतदाता आसपास के गांवों में रहते हैं।

भारी बहुमत से खम्मम जीतेंगे हम : नामा नागेश्वर राव

खम्मम, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस खम्मम लोकसभा उम्मीदवार नामा नागेश्वर राव ने विश्वास जताया कि वह अच्छे बहुमत से सीट जीतेंगे। उन्होंने पार्टी जिला अध्यक्ष टी मधुसूदन, सांसद वद्दीराजू रविचंद्र और पूर्व विधायक सैंड्रा वेंकट वीरैया के साथ मंगलवार को यहां मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि खम्मम जिले के मतदाता बहुत गतिशील थे, उन्होंने समझदारी से मतदान किया और सरकार विरोधी वोट बीआरएस को गया। चुनाव प्रचार के दौरान हर गांव में लोगों ने जाति और धर्म से ऊपर उठकर बीआरएस को आशीर्वाद दिया और समर्थन दिया। नागेश्वर राव ने बताया कि जिले में पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के रोड शो में लोगों की भारी भीड़ ने सकारात्मक प्रभाव डाला और बीआरएस के पक्ष में मतदान हुआ। उन्होंने कहा कि जब से कांग्रेस सरकार सत्ता में आई है लोग बिजली कटौती, पीने के पानी और सिंचाई के पानी की कमी से पीड़ित हैं।

श्री पद्मावती अम्मावरी मंदिर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

तिरुपति, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कोइल अलवर तिरुमंजनम मंगलवार को तिरुचनूर में श्री पद्मावती अम्मावरी मंदिर में धार्मिक उत्साह के साथ आयोजित किया गया। वार्षिक वसंतोत्सव 22 से 24 मई तक और 21 मई को अंकुरारपनम के साथ निर्धारित है, इसलिए यह उत्सव मनाया गया। 23 मई को सुबह 7:45 बजे स्वर्ण रथम का जुलूस निकाला जाएगा।

हर दिन दोपहर 2:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक शुक्रवार गार्डन में अम्मावारु की उत्सव मूर्ति में वसंत उत्सव मनाया जाता है। टीटीडी ने 21 से 24 मई को अर्जिता कल्याणोत्सव, सहस्र दीपालंकार सेवा, 23 मई को तिरुप्पवाड़ा सेवा, लक्ष्मी पूजा और 24 मई को रद्द कर दिया है। मंदिर के डीआईईओ गोविंदराजन, अर्चक बाबू स्वामी, अधीक्षक मधु, मंदिर निरीक्षक सुभास्कर ने भाग लिया।

खम्मम लोस चुनाव में मामूली मतदान प्रतिशत बढ़े

खम्मम, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम लोकसभा चुनाव-2024 में 2019 चुनाव की तुलना में मतदान प्रतिशत में मामूली वृद्धि दर्ज की गई है। सोमवार को हुए चुनाव में 76.09 प्रतिशत मतदान हुआ। 2019 के लोकसभा चुनाव में 75.3 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे अधिक था। सोमवार शाम पांच बजे तक मतदान प्रतिशत 70.76 था।

जैसे ही मतदान का समय शाम 6 बजे तक बढ़ा दिया गया और अधिकारियों ने कतार में खड़े सभी लोगों को वोट डालने की अनुमति दी, शाम 5 बजे के बाद मतदान बंद होने तक 5.33 प्रतिशत मतदान हुआ। विधानसभा क्षेत्रवार मतदान प्रतिशत के मामले में, पलेयर 83.77 प्रतिशत मतदान के साथ शीर्ष पर रहा, मधिरा, वायरा, सत्थुपल्ली और असवाराओपेट में क्रमशः 81.84, 81.06, 80.34 और 80.95 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

पीएम मोदी के ...

पीएम ने अपना एड्रेस- सी/1, सोमेश्वर टेनमेंट्स, रानीप, अहमदाबाद बताया है। नामांकन पत्र में पत्नी जशोदाबेन का नाम लिखा है। हालांकि, पत्नी की आय की जानकारी नहीं दी। मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब अक्टूबर 2002 में उन्होंने एक जमीन खरीदी थी। इसमें तीन हिस्सेदार थे। लेकिन बताया जा रहा है कि उन्होंने अपना हिस्सा दान कर दिया। इसलिए, इस बार उनकी अचल संपत्ति शून्य हो गई है। मोदी के पास 4 अंगूठी हैं। 2014 और 2019 में भी 4 सोने की अंगूठी थीं। इनका वजन 45 ग्राम है। 2019 में इस गोल्ड की कीमत 1.13 लाख रुपए बताई थी। 5 साल में यह कीमत बढ़कर 2.67 लाख रुपए हो गई।

पीएम ने बॉन्ड, शेयर या फिर म्यूचुअल फंड में कोई निवेश नहीं किया है। पोस्ट ऑफिस में 9.12 लाख रुपए की एनएससी हैं। 2019 में एनएससी में 7.61 लाख रुपए और 1.90 लाख का जीवन बीमा था। हालांकि, इस बार जीवन बीमा नहीं बताया है। प्रधानमंत्री ने अपनी कमाई का जरिया सरकार से मिली तनख्वाह और बैंकों से मिलने वाले इंट्रेस्ट को बताया है। उनके पास कमाई का कोई दूसरा साधन नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार वाराणसी से नामांकन दाखिल कर दिया है। 4 प्रस्तावक और सीएम योगी उनके साथ मौजूद रहे। प्रस्तावकों में गणेश्वर शास्त्री, बैजनाथ पटेल, लालचंद कुशवाहा और संजय सोनकर शामिल रहे। गणेश्वर शास्त्री ने ही राम मंदिर का मुहूर्त निकाला था, जबकि अन्य तीन स्थानीय भाजपा नेता हैं।

संदेशखाली वायरल वीडियो ...

45 मिनट के इस वीडियो में भाजपा नेता ने कहा- हमें 50 बूथों के लिए 2.5 लाख रुपए कैश की आवश्यकता होगी। इन बूथों पर 30 प्रतिशत प्रदर्शनकारी महिलाएं हैं। हमें यहां एससी, एसटी और ओबीसी समुदाय के लोगों को अच्छे पैसे देकर खुश रखना होगा। महिलाएं आगे की लाइन में रहकर पुलिस से मुकाबला करेंगी।

वीडियो वायरल होने के बाद न्यूज एजेंसी ने कायल से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पाया। हालांकि दैनिक भास्कर इस वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है। वीडियो को लेकर टीएमसी प्रवक्ता रिजु दत्ता ने कहा-भाजपा के फर्जी नैरेटिव की सच्चाई सबके सामने आ रही है। वहीं, भाजपा प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने वीडियो को बेबुनियाद और फेक बताया। उन्होंने कहा- चुनाव से पहले टीएमसी फर्जी वीडियो जारी कर नैरेटिव बदलना चाहती है।

इसके अलावा 10 मई को भी संदेशखाली केस से जुड़ी एक महिला का इंटरव्यू वायरल हुआ था। इसमें उसने बताया था कि उससे ब्लैंक पेपर पर साइन कराया गया था, जिसका इस्तेमाल रेप की फर्जी शिकायत दर्ज कराने में किया गया था। टीएमसी की चुनाव आयोग से शिकायत की थी, कहा- फर्जी केस दर्ज कराया गया, एनसीडब्ल्यू चीफ भी इसमें शामिल संदेशखाली में महिलाओं से रेप की शिकायतों को झूठा बताते हुए टीएमसी ने राष्ट्रीय महिला आयोग की चेयरपर्सन के खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत चुनाव आयोग में दर्ज कराई है।

टीएमसी ने कहा-10 मई को संदेशखाली की एक महिला ने एक इंटरव्यू में बताया कि उससे एनसीडब्ल्यू की चेयरपर्सन रेखा शर्मा और भाजपा नेता पियाली दास ने एक ब्लैंक पेपर पर साइन करवाया। इसके बाद इस साइन का उपयोग उन्होंने झूठा रेप केस फाइल करने के लिए किया। जब महिला ने केस वापस लेना चाहा तो पियाली दास और लोकल भाजपा नेताओं ने उसे धमकाया।

टीएमसी ने आरोप लगाया है कि भाजपा और एनसीडब्ल्यू ने लोकसभा चुनाव के पहले यह साजिश कर वोटर्स के साथ भी धोखाधड़ी की है। रेखा शर्मा और पियाली दास समेत साजिश में शामिल सभी भाजपा नेताओं के खिलाफ केस दर्ज होना चाहिए।

4 मई को जारी हुआ था सबसे पहला वीडियो

संदेशखाली मामले को लेकर अब तक कुल 4 वीडियो वायरल हो चुके हैं। सबसे पहले 4 मई को सोशल मीडिया पर संदेशखाली मामले का स्टिंग वीडियो जारी हुआ था। इसमें गंगाधर कायल दावा करते नजर आए थे कि भाजपा विधायक सुवेंदु अधिकारी ने शाहजहां शेख सहित उनके 3 नेताओं पर यौन उत्पीड़न के झूठे आरोप लगवाए। वीडियो में भाजपा नेता ने कहा था- सुवेंदु ने भाजपा नेताओं से स्थानीय महिलाओं को उकसाने के लिए कहा था। सुवेंदु ने कहा था कि टीएमसी के मजबूत नेताओं को तब तक गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, जब तक कि उन्हें बलात्कार के झूठे आरोप में नहीं फंसाया जाएगा। जिन महिलाओं के साथ बलात्कार नहीं हुआ, उन्हें पीड़ित के रूप में पेश किया गया। सुवेंदु ने संदेशखाली में एक घर में खुद बंदूकें रखी थीं, जिसे बाद में सीबीआई ने जब्ती के रूप में दिखाया। इसके अलावा दूसरा वीडियो रेप का केस दर्ज कराने वाली महिला का था। वीडियो में उसने दावा किया था कि भाजपा नेताओं ने उससे पहले ब्लैंक पेपर पर साइन करवाया था। इसके बाद उन्होंने थाने जाकर केस दर्ज कराने के लिए कहा था। तीसरा वीडियो बशीरहाट से भाजपा उम्मीदवार और शाहजहां के खिलाफ प्रोटेस्ट करने वाली रेखा पात्रा का था। वीडियो में उसने दावा किया था कि वह उन रेप पीड़िताओं को नहीं जानतीं जो दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने गई थीं।

बीजेपी नेता कायल बोले- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से मेरा वीडियो बनाया गया

4 मई को जारी पहले वीडियो के बाद भाजपा नेता गंगाधर कायल ने सफाई दी थी। उन्होंने मामले की जांच कर रही सीबीआई के डायरेक्टर को लेटर लिखकर कहा था कि कथित स्टिंग वीडियो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से बनाया गया है। गंगाधर ने कहा- मुझे विलियम्स नाम के एक यूट्यूब चैनल से अपलोड किया गया एक वीडियो मिला है। इसमें एआई की मदद से मेरे चेहरे और आवाज का इस्तेमाल किय गया है। ताकि संदेशखाली घटना के खिलाफ जनता को गुमराह किया जा सके।

ममता बोलीं-भाजपा ने संदेशखाली की कहानी लिखी थी

सीएम ममता बनर्जी ने स्टिंग वीडियो को लेकर कहा था कि मैं काफी पहले से कह रही हूं कि संदेशखाली की पूरी घटना प्री-प्लान्ड थी। अब सच सामने आ गया है। ममता ने नादिया जिले के चकदह में एक चुनावी रैली में कहा कि भाजपा ने संदेशखाली की पूरी कहानी लिखी थी। उन्होंने सत्ता की चाह में हमारी मां-बहनों की इज्जत बेच दी।

भाजपा बोली- मामले को दबाने के लिए ऐसा किया जा रहा

टीएमसी के दावे पर पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा- ममता बनर्जी ने संदेशखाली में जो पाप किया है, उसे दबाने के लिए वे यह सब कर रही हैं। आप वीडियो पर विश्वास करेंगे या आपबीती सुना रहीं महिलाओं पर? ममता बनर्जी को वहा के लोगों से बात करनी चाहिए थी।

सरकार ने ब्लॉक ...

आई4सी ने माइक्रोसॉफ्ट की मदद से ब्लैकमेलिंग और डिजिटल अरेस्ट जैसी गतिविधियों में शामिल 1,000 से अधिक स्काइप आईडी को भी ब्लॉक कर दिया है। बता दें कि स्काइप एक वीडियो कॉलिंग एप है जो कि माइक्रोसॉफ्ट का है। इसके अलावा ऐसे धोखेबाजों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सिम कार्ड, मोबाइल और सोशल मीडिया खातों को भी ब्लॉक किया गया है। स्काइप पर यह कार्रवाई इसलिए हुई है क्योंकि अभी तक डिजिटल अरेस्ट के जितने भी मामले सामने आई हैं उनके स्काइप का ही इस्तेमाल किया गया है। डिजिटल अरेस्ट ब्लैकमेल करने का एक एडवांस तरीका है। डिजिटल अरेस्ट स्कैम के शिकार वही लोग होते हैं जो अधिक पढ़े लिखे और अधिक होशियार होते हैं। डिजिटल अरेस्ट का सीधा मतलब ऐसा है कि कोई आपको ऑनलाइन धमकी देकर वीडियो कॉलिंग के जरिए आप पर नजर रख रहा है। डिजिटल अरेस्ट के दौरान साइबर ठग नकली पुलिस अधिकारी बनकर लोगों को धमकाते हैं और अपना शिकार बनाते हैं।

कई बार डिजिटल अरेस्ट वाले ठग लोगों को फोन करके कहते हैं कि वे पुलिस डिपार्टमेंट या इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से बात कर रहे हैं। ये कहते हैं कि आपके पैन और आधार का इस्तेमाल करते हुए तमाम चीजें की खरीदी गई हैं या फिर मनी लॉन्ड्रिंग की गई है। इसके बाद वे वीडियो कॉल करते हैं और सामने बैठे रहने के लिए कहते हैं। इस दौरान किसी से बात करने, मैसेज करने और मिलने की इजाजत नहीं होती। इस दौरान जमानत के नाम पर लोगों से पैसे भी मांगे जाते हैं। इस तरह लोग अपने ही घर में ऑनलाइन कैद होकर रह जाते हैं।

नारायणखेड़ में चुनाव ड्यूटी पर तैनात शिक्षकों द्वारा भुगतान के लिए प्रदर्शन, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

संगारेड्डी, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नारायणखेड़ विधानसभा क्षेत्र में चुनाव ड्यूटी पर गए शिक्षकों पर पुलिस ने कथित तौर पर लाठीचार्ज किया, जब उन्होंने सोमवार को ड्यूटी के बाद अपने काम के लिए पूर्ण भुगतान की मांग की। टीएसयूटीएफ से जुड़े शिक्षकों के अनुसार, चुनाव आयोग ने पीठासीन अधिकारियों और सहायक पीठासीन अधिकारियों को चुनाव कर्तव्यों के निर्वहन के लिए 3,150 रुपये का भुगतान करने का आदेश जारी किया था। जबकि इसे पूर्ववर्ती मेडक जिले में लागू किया गया था, नारायणखेड में अधिकारियों ने कथित तौर पर पीओ और एपीओ को केवल 2,400 रुपये का भुगतान किया था। जब शिक्षकों ने उनसे पूछताछ की तो उन्होंने अतिरिक्त राशि देने से इनकार कर दिया. देर रात शिक्षकों ने इसका विरोध किया और बहस करने लगे। चूंकि ईवीएम उसी स्थान पर रखी हुई थीं, इसलिए पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज का सहारा लिया।

टीएसयूटीएफ के कोषाध्यक्ष लक्ष्मा रेड्डी ने कहा कि दो तहसीलदार, जिन्हें मतदान कर्मचारियों को भुगतान करने का काम सौंपा गया था, वे शिक्षकों को अतिरिक्त राशि का भुगतान करने का आश्वासन देकर ईवीएम के पास ले गए थे, जहां पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया।

आदिलाबाद में मतदाताओं की संख्या में मामूली वृद्धि

आदिलाबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। 7 विधानसभा क्षेत्रों वाले आदिलाबाद संसदीय क्षेत्र में सोमवार को हुए मतदान में मतदाताओं की संख्या में मामूली वृद्धि दर्ज की गई। इस खंड में 74.09 प्रतिशत मतदान हुआ, जो 2019 के चुनावों में 71.42 प्रतिशत मतदान की तुलना में मामूली वृद्धि दर्शाता है। कुल 16,50,175 मतदाताओं की तुलना में 12,21,563 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। बोथ खंड 78.16 प्रतिशत के साथ शीर्ष पर रहा, उसके बाद मुधोल विधानसभा क्षेत्र रहा, जहां 75.63 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि सिरपुर (टी) में सबसे कम 71.56 प्रतिशत मतदान हुआ।

आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्र में 75.49 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि खानापुर में 72.20 प्रतिशत मतदान हुआ। आदिलाबाद सीट पर 73.39 प्रतिशत मतदान हुआ। निर्मल क्षेत्र में 75.63 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। अधिकारियों ने मतदान में वृद्धि का श्रेय दूरदराज के क्षेत्रों के मतदाताओं की सुविधा के लिए जागरूकता कार्यक्रमों और सहायक मतदान केंद्रों के निर्माण को दिया। मतदान में भाग लेने के मामले में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से अधिक रही। कुल 6,22,420 महिलाओं ने वोट डाले, जबकि 5,99,108 पुरुष मतदाताओं ने अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल किया। कुल 87 मतदाताओं में से 'अन्य' श्रेणी में आने वाले पैंतीस मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

केंद्र ने लिट्टे पर लगा प्रतिबंध फिर बढ़ाया

गृह मंत्रालय ने संगठन को देश की सुरक्षा के लिए बताया खतरा

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने मंगलवार को लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) पर लगाए गए प्रतिबंध को पांच साल के लिए बढ़ा दिया। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम 1967 की धारा 3 की उप धारा (1) और (3) को लागू करते हुए प्रतिबंध लगाया। मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी करते हुए बताया कि लिट्टे अभी भी उन गतिविधियों में शामिल है, जो देश की अखंडता और सुरक्षा के लिए खतरा हैं। बता दें कि मई 2009 में श्रीलंका में अपनी सैन्य हार के बाद भी, लिट्टे ने अपनी ईलम अवधारणा को नहीं छोड़ा। यह गुप्त रूप से धन जुटाकर ईलम के लिए काम कर रहा है। दरअसल, ईलम का अर्थ तमिलों के लिए एक स्वतंत्र देश है।

लिट्टे के नेताओं और कैडरों ने फिर एक बार अपने कार्यकर्ताओं को एकत्रित कर स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संगठन को पुनर्जीवित करने के प्रयास शुरू किए हैं। मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया कि लिट्टे समर्थक जनता के बीच अलगाववादी विचारधारा को बढ़ावा दे रहे हैं। ये विशेष रूप से तमिलनाडु में लिट्टे के लिए समर्थन को जुटा रहे हैं।

इससे भारत की क्षेत्रीय अखंडती पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा।

भारत ने 14 मई को 1992 में को लिट्टे पर प्रतिबंध लगाया था। उसके बाद से इस प्रतिबंध को बढ़ाया जा रहा है। इससे पहले यूरोपीय संघ, कनाडा और अमेरिका ने भी इस संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया था। बता दें कि साल 1987 में भारतीय शांति सेना उत्तरी श्रीलंका में शांति स्थापित करने के उद्देश्य से वहां गई लेकिन वहां लिट्टे के साथ युद्ध में उसके करीब 1,200 जवान मारे गए थे।

रोहित शर्मा और अजीत अगरकर का नहीं था मन

हार्दिक पंड्या का फिर टी20 वर्ल्ड कप की टीम में क्यों हुआ सेलेक्शन?

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। लगता है आग अभी बुझी नहीं है. वही आग जो मुंबई इंडियंस के फैसले के चलते लगी है. वो आग जो रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या के बीच धधक रही है. और, जिस आग की लपटें अब T20 वर्ल्ड कप 2024 में टीम इंडिया के अरमानों को भी जला सकती हैं. साल 2013 के बाद से उसके ICC खिताब जीतने की उम्मीदों को एक बार फिर से तोड़ सकती हैं. रोहित शर्मा और अजीत अगरकर T20 वर्ल्ड कप की टीम में हार्दिक पंड्या को चाहते ही नहीं थे. अब जब कोच और सेलेक्टर्स नहीं चाहते थे तो फिर टीम हार्दिक आए कैसे? तो उनके ऐसा करने के पीछे की भी वजह है. टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए टीम इंडिया के 15 खिलाड़ियों का सेलेक्शन बीते महीने के आखिरी हफ्ते में किया गया. टीम सेलेक्शन अहमदाबाद में किया गया

था. अब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से लिखा गया कि टीम में चुने जाने के लिए हार्दिक, भारतीय सेलेक्शन कमिटी की पसंद थे ही नहीं. रोहित शर्मा भी उन्हें टीम में लेना नहीं चाहते थे. सवाल है कि फिर हार्दिक पंड्या को चुना ही क्यों गया? और सिर्फ चुना ही नहीं टीम इंडिया का उप-कप्तान भी बनाया गया. यानी कि T20 वर्ल्ड कप में वो रोहित शर्मा के डिप्टी होंगे. कोच और चीफ सेलेक्टर्स की मनमर्जी के बिना इतना सब कैसे संभव हुआ?

सूत्रों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि हार्दिक पंड्या को बड़े दबाव के चलते टीम में लिया गया है.

उसी दबाव में उन्हें टीम इंडिया की उपकप्तानी भी दी गई है. हालांकि, ये पता नहीं चल पाया है कि भारतीय टीम के सेलेक्टर्स और कप्तान पर वो दबाव किसका रहा? अब तो सबसे बड़ा डर ये रहेगा कि कहीं दबाव में लिए इस फैसले का खामियाजा टीम इंडिया को टी20 वर्ल्ड कप में ना भुगतना पड़े?

वैसे, आईपीएल 2024 के दौरान काफी कुछ ऐसा देखने मिला है, जिससे लगता है कि रोहित और हार्दिक के बीच वाकई सब ठीक नहीं है. फिर चाहे वो ईडन गार्डन्स पर बारिश के दौरान रोहित शर्मा का केकेआर के खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ के साथ जाकर बैठने की तस्वीरें रही हों या फिर उनका केकेआर के बैटिंग कोच अभिषेक नायर के साथ बात करना. इसके अलावा ऐसी खबरें तो उसी वक्त से उछल रही हैं कि टीम दो खेमों में बंटी है, जब से मुंबई इंडियंस मैनेजमेंट ने रोहित को हटाकर हार्दिक को कप्तान बनाने का फैसला लिया.

विराट कोहली फिर आरसीबी के कप्तान बनेंगे?

लगातार 5 जीत के बाद ये क्या होने लगा !

मुंबई, 14 मई (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पिछले पांच मैचों में पांच जीत दर्ज कर अपने आलोचकों के मुंह बंद कर दिए हैं. आरसीबी की इन दमदार जीतों में विराट कोहली का बड़ा हाथ रहा है, जिन्होंने अबतक 13 मैचों में 661 रन ठोक दिए हैं. विराट ने सिर्फ रन नहीं बनाए बल्कि वो अपने अनुभव के दम पर अहम मौकों पर टीम की काफी मदद कर रहे हैं. रणनीति बनाने में वो कप्तान फाफ डुप्लेसी के साथ खड़े रहते हैं और फिर अपनी फील्डिंग और विकेट के जश्न से वो साथी खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई भी करते हैं. विराट कोहली के इन्हीं तेवरों को देख हरभजन सिंह ने उन्हें फिर आरसीबी का कप्तान बनाने की वकालत कर दी है.

'विराट को फिर आरसीबी का कप्तान बनाओ'

हरभजन सिंह ने स्टार स्पोर्ट्स के शो में कहा कि विराट कोहली के पास अगले सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आगे ले जाने का जोश और आक्रामकता है. हरभजन के मुताबिक अगर आरसीबी प्लेऑफ में क्वालिफाई नहीं कर पाती है तो इस टीम को भारतीय खिलाड़ी को कप्तान बनाना चाहिए. क्यों ना फिर विराट कोहली को कप्तान बनाया जाए. हरभजन के मुताबिक विराट जानते हैं कि आरसीबी को किस तरह का क्रिकेट खेलने की जरूरत है. बता दें विराट कोहली ने 2013 से लेकर 2021 तक आरसीबी की कप्तानी संभाली थी और इस दौरान ये टीम एक बार फाइनल तक पहुंच पाई. खिताब तो आरसीबी अबतक जीत नहीं पाई है. अब देखना ये है कि क्या आरसीबी विराट को दोबारा कप्तान बनाएगी या वो आगे किसी युवा खिलाड़ी में निवेश करेगी.

बिना दबाव अच्छा खेल रहे हैं विराट

वैसे विराट कोहली चाहे कप्तान हों या ना हों ये खिलाड़ी कप्तान की मदद तो करता ही है. फाफ डुप्लेसी के साथ मुश्किल परिस्थितियों में विराट हमेशा खड़े नजर आते हैं. इस सीजन तो विराट कोहली ने आरसीबी की नैया संभाली है. विराट बिना कप्तानी के टैग के बेहतरीन क्रिकेट खेल रहे हैं. विराट ने लंबे वक्त के बाद इतनी आक्रामक बैटिंग की है. स्पिनर्स इस खिलाड़ी की कमजोरी माने जाते थे लेकिन विराट ने इस सीजन फिरकी के फनकारों के खिलाफ भी लगभग 140 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं.

टीम इंडिया की नई जर्सी में होंगे दो बड़े बदलाव, ये है खास वजह

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 के बाद टी20 वर्ल्ड कप का आगाज होने वाला है. 2 जून से ये टूर्नामेंट शुरू होगा और इससे पहले टीम इंडिया ने अपनी नई जर्सी लॉन्च कर दी है. बीसीसीआई ने एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें कप्तान रोहित शर्मा नई जर्सी के साथ फोटोशूट करा रहे हैं. उनके साथ बीसीसीआई सचिव जय शाह हैं. वैसे आपको बता दें टीम इंडिया अपनी नई जर्सी का इस्तेमाल टी20 वर्ल्ड कप में नहीं कर पाएगी. टीम इंडिया को इस नई जर्सी में दो बड़े बदलाव कर आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में उतरना होगा, आइए आपको

बताते हैं कि ये बदलाव क्या हैं और इन बदलावों की वजह क्या होने वाली है.

जर्सी में दो बड़े बदलाव होंगे

टीम इंडिया की जर्सी में दो बड़े बदलाव होंगे. टीम इंडिया की जर्सी का स्पॉन्सर ड्रीम इलेवन है और ये जर्सी के बीचों बीच लिखा हुआ है. टी20 वर्ल्ड कप के लिए इसे जर्सी के बीच से हटाया जाएगा. इसके अलावा जर्सी में एडिडास कंपनी का लोगो भी है उसे भी वहां से मूव किया जाएगा. अब आपको बताते हैं कि ऐसा होगा क्यों? दरअसल आईसीसी टूर्नामेंट्स में जर्सी पर सामने की ओर सिर्फ देश का नाम लिखा होना चाहिए. इसके साथ-साथ उसमें आईसीसी का भी लोगो होता है. इसीलिए टीम इंडिया की नई जर्सी में ड्रीम इलेवन का नाम और एडिडास का लोगो किसी और जगह प्रिंट किया जाएगा. टीम इंडिया की नई टी20 जर्सी बाइलेट्रल सीरीज में इस्तेमाल की जाएगी.

टी20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का शेड्यूल

टी20 वर्ल्ड कप का आगाज 2 जून से हो रहा है टीम इंडिया अपने अभियान का आगाज आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले से करेगी.ये मैच 5 जून से शुरू होगा. टीम इंडिया अपना दूसरा ग्रुप स्टेज मैच पाकिस्तान से 9 जून को खेलेगी. तीसरा टी20 वर्ल्ड कप मैच अमेरिका के खिलाफ 12 जून को होगा. इसके बाद सुपर-8 के मुकाबले होंगे. टी20 वर्ल्ड कप का फाइनल 29 जून को होगा. टी20 वर्ल्ड कप के बाद टीम अंडिया को जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है और जो जर्सी अभी लॉन्च हुई है वो टीम इंडिया के खिलाड़ी वहां खेलेंगे.

आभा ने शॉटपुट में बनाया राष्ट्रीय कीर्तिमान

18.41 मीटर गोला फेंक तोड़ा अपना और मनप्रीत का रिकॉर्ड

भुवनेश्वर, 14 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की आभा खटुआ ने राष्ट्रीय फेडरेशन कप में 18.41 मीटर गोल फेंक शॉटपुट का नया राष्ट्रीय कीर्तिमान रच दिया। उन्होंने 18.06 मीटर का अपना और मनप्रीत कौर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा। उन्होंने पांचवें प्रयास में यह दूरी नापी। बावजूद इसके वह पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाईं। ओलंपिक के लिए क्वालिफाइंग मार्क 18.80 मीटर है। हालांकि उनके पास 30 जून तक क्वालिफाई करने का मौका है।

चंदा को 800 मीटर का स्वर्ण

यूपी की किरन बालियान 16.54 मीटर के साथ दूसरे और दिल्ली की श्रृष्टि विज 15.86 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। पुरुषों की 200 मीटर में ओडिशा के अनिमेश कुजूर ने 20.62 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण जीता। महिलाओं की 800 मीटर दौड़ दिल्ली की चंदा ने दो मिनट 2.62 सेकंड के समय के साथ जीती। पंजाब की ट्विंकल (2.03.94) ने रजत और अमनदीप कौर (2.07.66) ने कांस्य जीता।

तीरंदाजी : भारतीय टीम के कोच जीवनजोत के बेटे का शानदार प्रदर्शन

कनाडा के लिए जीता स्वर्ण पदक

ओटावा, 14 मई (एजेंसियां)। भारतीय कंपाउंड तीरंदाजी टीम के कोच जीवनजोत सिंह तेजा के पुत्र हरकुंवर सिंह तेजा ने कनाडा के लिए पैन अमेरिकन यूथ तीरंदाजी चैंपियनशिप में विश्व कीर्तिमान के साथ स्वर्ण पदक जीता है। जीवनजोत वही तीरंदाजी कोच हैं, जिन्होंने उपेक्षाओं से दुखी होकर भारत छोड़ दिया था। अंतिम क्षणों में द्रोणाचार्य अवॉर्ड से नाम काटे जाने के चलते वह पंजाबी यूनिवर्सिटी, पटियाला की नौकरी छोड़ परिवार समेत कनाडा में चले गए थे।

2020 में बेटे को सिखाना शुरू की तीरंदाजी

जीवनजोत के मुताबिक उन्होंने प्रण लिया था कि जो सम्मान उन्हें नहीं मिला वह अपने बेटे के जरिए हासिल करेंगे। उन्होंने कनाडा में ही 2020 में बेटे को तीरंदाजी सिखाना शुरू किया, लेकिन भारत का मोह वह नहीं छोड़ पा रहे थे। हांगझोऊ एशियाई खेलों में तीन

स्वर्ण जीतने वाली ज्योति सुरेखा और अन्य शिष्यों के दबाव में वह द्रोणाचार्य अवॉर्ड के लिए आवेदन करते रहे। उनके शिष्यों का प्यार रंग लाया और जिस द्रोणाचार्य अवॉर्ड के लिए 2018 में उनका नाम चयनित होने के बावजूद काटा गया, 2022 में उन्हें इस पुरस्कार के लिए चुना गया। जीवनजोत ने इसके बाद भारत आने का फैसला लिया। वह इस वक्त भारतीय कंपाउंड तीरंदाजी टीम के कोच हैं।

भारत में आकर तैयारी की

जीवनजोत के मुताबिक बेटा कनाडा में ही शिक्षा अर्जित कर रहा है, लेकिन तीरंदाजी सीखने के लिए उनके पास यहां आता है। पैन अमेरिकन चैंपियनशिप के लिए वह उनके पास यहां तीन माह रहकर गया। यहां उन्होंने उसे तैयारी कराई, जिसका नतीजा यह निकला कि हरकुंवर ने अंडर-15 कंपाउंड ओपन वर्ग के मुकाबले में 720 में से 682 का स्कोर कर विश्व रिकॉर्ड बनाया। फाइनल में हरकुंवर ने कोलंबिया के अल्मारियो फ्लोरेस जुआन एस्तेबान को 145-140 से पराजित किया। जीवनजोत इसी माह कोरिया में होने जा रहे विश्वकप में भारतीय टीम के साथ बतौर कोच जा रहे हैं।

एलोर्डा कप बॉक्सिंग

निकहत-मीनाक्षी और अनामिका की जीत से शुरुआत, सोनिया को मिली हार

अस्ताना, 14 मई (एजेंसियां)। छह बार के एशियाई चैंपियनशिप पदक विजेता शिव थापा (63.5 किग्रा), संजय (80 किग्रा) और गौरव चौहान (92 किग्रा से अधिक) तीन अन्य भारतीय मुक्केबाजों के साथ मंगलवार को चुनौती पेश करेंगे।

विश्व चैंपियन निकहत जरीन ने एलोर्डा कप बॉक्सिंग टूर्नामेंट में जीत के साथ अभियान शुरू किया है। उन्होंने 52 भार वर्ग में स्थानीय बॉक्सर कजाखस्तान की राखिमबेरदी झानसाया को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से पराजित किया। मीनाक्षी (48) और अनामिका (50) ने भी जीत से शुरुआत की है।

मीनाक्षी ने कजाखस्तान की गासीमोवा रोक्साना को 4-1 से और अनामिका ने जुंबायेवा अरालिम को पहले दौर में ही आरएससी (रेफरी ने मुकाबला रोका) कर दिया। वहीं इशमीत सिंह (75) को कजाखस्तान अरमानूली अरमात से और सोनिया (54) को चीन की चांग यूआन के हाथों 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। इस टूर्नामेंट के लिए 21 सदस्यीय टीम भेजी गई है, जिसमें कजाखस्तान, उज्बेकिस्तान, चीन, जापान जैसे देश भाग ले रहे हैं। पुरुष वर्ग में इश्मीत सिंह (75 किग्रा) को कजाकिस्तान के अर्मानुली आर्मैट ने 5-0 से हराया। छह बार के एशियाई चैंपियनशिप पदक विजेता शिव थापा (63.5 किग्रा), संजय (80 किग्रा) और गौरव चौहान (92 किग्रा से अधिक) तीन अन्य भारतीय मुक्केबाजों के साथ मंगलवार को चुनौती पेश करेंगे।

श्यामनिखिल को मिला सब्र का फल

बने भारत के 85वें ग्रैंडमास्टर

12 वर्षों तक किया था इंतजार

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। भारत के शतरंज खिलाड़ी पी श्यामनिखिल को आखिरकार सब्र का फल मिला और वह भारत के 85वें ग्रैंडमास्टर बन गए। आठ साल की उम्र में शतरंज खेलना शुरू करने वाले श्यामनिखिल को तीसरे नॉर्म के साथ इस उपलब्धि के लिए 12 साल का इंतजार करना पड़ा। हालांकि उनका यह इंतजार दुबई पुलिस मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में समाप्त हुआ जहां उन्होंने अपना तीसरा और अंतिम ग्रैंडमास्टर (जीएम) नॉर्म हासिल किया।

श्यामनिखिल को लंबे समय से प्रतीक्षित जीएम नॉर्म पूरा करने के लिए सिर्फ एक जीत और आठ ड्रॉ की जरूरत थी, जो उन्होंने दुबई में खेले गये टूर्नामेंट में हासिल किया। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी ने 2012 में दो ग्रैंडमास्टर नॉर्म के साथ आवश्यक 2500 ईएलओ रेटिंग अंक हासिल कर लिए थे जो जीएम बनने के लिए न्यूनतम आवश्यकता

है। उन्हें हालांकि तीसरे नॉर्म को पूरा करने के लिए 12 साल तक इंतजार करना पड़ा। श्यामनिखिल ने मुंबई मेयर्स कप 2011 में अपना पहला जीएम नॉर्म हासिल किया था। उन्होंने इसके कुछ समय के बाद 19 साल की उम्र में इंडियन चैंपियनशिप के दौरान दूसरा नॉर्म हासिल किया और फिर 2012 की शुरुआत में रेटिंग की आवश्यकता पूरी की। वह 2012 में दुबई ओपन में अपना अंतिम नॉर्म हासिल करने से चूक गए थे। वह इसके बाद अब तक कई मौकों का फायदा उठाने में विफल रहे।

श्यामनिखिल ने जीएम उपलब्धि हासिल करने के बाद कहा, मैंने आठ साल की उम्र में खेलना शुरू किया था। मेरे माता-पिता ने मुझे इस खेल को सिखाया है लेकिन मैं तीन साल तक कोई टूर्नामेंट नहीं खेल सका था। अंडर-13 राज्य चैंपियनशिप जीतने के बाद मेरे लिए अवसर खुल गए क्योंकि मैं एशियाई और आयु वर्ग विश्व चैंपियनशिप खेल सकता था। मैंने 2017 में ही यूरोप में टूर्नामेंट खेले थे, तब तक मैं वियतनाम या यूएई में खेलने की कोशिश कर रहा था और फाइनल नॉर्म हासिल करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन ये जगहें इतनी आसान नहीं हैं क्योंकि टूर्नामेंट बहुत मजबूत हैं। अब मैंने जीएम नॉर्म हासिल कर लिया है, ऐसे में मैं अधिक आजादी से खेल सकता हूं।

क्या जस्टिन लैंगर करेंगे राहुल द्रविड को रिप्लेस?

बीसीसीआई के आवेदन खोलने पर 'उत्सुक' एलएसजी कोच

नई दिल्ली, 14 मई (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप 2024 के बाद टीम इंडिया को नया हेड कोच मिल सकता है। मौजूदा हेड कोच राहुल द्रविड का कार्यकाल जून 2024 में समाप्त होने वाला है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी हेड कोच के लिए आवेदन खोल दिए है। तो वहीं बीसीसीआई द्वारा टीम इंडिया के हेड कोच के लिए आवेदन खोलने के बाद आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के कोच जस्टिन लैंगर ने राहुल द्रविड को रिप्लेस करने की उत्सुकता दिखाई है।

लैंगर बन सकते हैं हेड कोच

टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत के दौरान जब जस्टिन लैंगर से टीम इंडिया का हेड कोच

बनने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि हां मैं उसके लिए काफी उत्सुक हूं। लेकिन मैंने उसके लिए कभी नहीं सोचा। मैं दबाव जैसी स्थिति को समझता हूं इसलिए मेरे मन में किसी भी इंटरनेशनल कोच के लिए काफी सम्मान है। जहां तक टीम इंडिया को कोचिंग देने की बात है तो ये मेरे लिए काफी असाधारण भूमिका होगी। भारतीय टीम में काफी प्रतिभा है। टीम इंडिया को कोच बनना काफी आकर्षक होगा।

राहुल द्रविड के लिए भी खुले दरवाजे

टीम इंडिया के मौजूदा हेड कोच राहुल द्रविड का कार्यकाल वनडे विश्व कप 2023 के बाद ही खत्म हो गया था लेकिन टी20 विश्व कप 2024 नजदीक होने के चलते द्रविड का कार्यकाल बढ़ा दिया गया था। वहीं बीसीसीआई सचिव जय शाह भी कह चुके हैं अगर द्रविड को फिर से इस पद पर बने रहना है तो उनको आवेदन करके पूरी प्रक्रिया से गुजरना होगा।

दूसरी तरफ इसकी काफी कम संभावना है कि द्रविड फिर से टीम इंडिया के हेड कोच बनेंगे। द्रविड की कोचिंग में टीम इंडिया अभी तक कोई भी आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीत पाई है।

बांग्लादेश ने किया टीम का ऐलान

नजमुल हुसैन शांतो के हाथों में कमान

ढाका, 14 मई (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप 2024 को लेकर बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भी आज अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। विश्व कप में टीम की कप्तानी नजमुल हुसैन शांतो करते हुए दिखाई देंगे। इसके अलावा जिम्बाब्वे सीरीज में कमाल का प्रदर्शन करने वाले तंजीम हसन साकिब को भी टीम में चुना गया है। इसके अलावा शोरफुल इस्लाम भी चयनकर्ताओं की उम्मीदों पर खरे उतरे हैं उनको भी विश्व कप के लिए टीम में शामिल किया गया है।

हाल ही में बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे के साथ 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली थी। इस सीरीज में बांग्लादेश ने जिम्बाब्वे को 4-1 से हराया था। इस सीरीज में कमाल का प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को विश्व कप के लिए चुना गया है।

शाकिब अल हसन की हुई वापसी

बांग्लादेश टीम के सबसे अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की भी टीम में वापसी हुई है। हाल ही में शाकिब ने जिम्बाब्वे के खिलाफ लगभग एक साल के बाद टी20 क्रिकेट में वापसी की। इस सीरीज के चौथे मैच में शाकिब ने कमाल का प्रदर्शन करते 4 विकेट हासिल किए थे।

टी20 विश्व कप 2024 के लिए बांग्लादेश का स्क्वाड

बांग्लादेश टीमः नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद हृदोय, महमुदुल्लाह रियाद, जेकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान। शोरफुल इस्लाम, तंज़ीम हसन साकिब।

रिजर्व खिलाड़ीः अफीफ हुसैन, हसन महमूद।

आंध्र प्रदेश में कुछ स्थानों पर आधी रात तक जारी रहा मतदान

अमरावती, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में राज्य विधानसभा और लोकसभा के लिए एक साथ हो रहे चुनावों में कुछ स्थानों पर आधी रात तक मतदान जारी रहा, जबकि अंतिम मतदान का आंकड़ा 80 प्रतिशत को पार करने की संभावना है। चुनाव आयोग के मुताबिक, 78.36 फीसदी मतदाताओं ने वोट डाले लेकिन ये आंकड़ा और भी बढ़ सकता है और 2019 के 79.64 फीसदी मतदान को पार कर सकता है।

एनटीआर जिले के तिरुवुरु (एससी) विधानसभा क्षेत्र में चिंताला कॉलोनी, अनाकापल्ली जिले के मदुगुला मंडल में गोतिवाड़ा अग्रहारम और विशाखापट्टनम जिले के पद्मनभम मंडल में भीमुनिपट्टनम जैसी जगहों पर आधी रात तक मतदान जारी रहा।

दक्षिणी राज्य में मतदान को लेकर मतदाताओं में उत्साह देखा गया क्योंकि पड़ोसी राज्यों तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु और देश के अन्य हिस्सों में रहने वाले हजारों लोग वोट डालने के लिए अपने मूल स्थानों पर आए। कुछ लोग मतदान प्रक्रिया में भाग लेने के लिए विदेश से भी आए थे। एकल चरण के मतदान में 175 सदस्यीय विधानसभा और 25 लोकसभा सीटों के लिए 4.14 करोड़ से अधिक मतदाता वोट डालने के पात्र थे।

चुनाव अधिकारियों ने राज्य भर में 46,389 मतदान केंद्र स्थापित किए थे। मतदाताओं ने 2,841 उम्मीदवारों की राजनीतिक किस्मत का फैसला किया।

मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी, पूर्व मुख्यमंत्री और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायुडू, जन सेना नेता और अभिनेता पवन कल्याण 175 विधानसभा सीटों के लिए 2,387 उम्मीदवारों में से हैं। 25 लोकसभा सीटों के लिए, 454 प्रतियोगी मैदान में हैं और उनमें से प्रमुख हैं पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्य भाजपा प्रमुख डी. पुरंदेश्वरी, राज्य कांग्रेस अध्यक्ष वाई.एस. शर्मिला रेड्डी और पूर्व मुख्यमंत्री एन. किरण कुमार रेड्डी।

सोमवार सुबह 7 बजे शुरू हुआ मतदान वामपंथी उग्रवादी (एलडब्ल्यूई) प्रभावित क्षेत्रों अराकू, पदेरु और रामपछोड़ावरम में शाम 4 बजे समाप्त हुआ। शाम 5 बजे वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित तीन अन्य क्षेत्रों पलाकोंडा, कुरुपम और सलूर में शाम छह बजे जब मतदान समाप्त हुआ। 169 विधानसभा क्षेत्रों में कई मतदान केंद्रों पर लंबी कतारें थीं। अधिकारियों के मुताबिक करीब 3,500 मतदान केंद्रों पर 100 से 200 मतदाता इंतजार कर रहे थे। जहां अधिकांश मतदान केंद्रों पर रात 10 बजे तक प्रक्रिया पूरी हो गई, वहीं कुछ केंद्रों पर यह प्रक्रिया आधी रात तक जारी रही। 2019 के चुनाव के दौरान भी कुछ जगहों पर ऐसा ही नजारा देखने को मिला था।

शाम छह बजे मतदान समाप्त होने पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) एम.के.मीणा ने कतारों में खड़े मतदाताओं को आश्वासन दिया। चाहे कितना भी समय लगे, उन्हें वोट डालने की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने कहा, ऐसी स्थिति की आशंका को देखते हुए, हमने प्रक्रिया जारी रखने के लिए प्रकाश व्यवस्था जैसी आवश्यक व्यवस्था की थी।

मंगलवार सुबह विधानसभा चुनाव के लिए मतदान का आंकड़ा संशोधित कर 78.36 फीसदी कर दिया गया। धर्मावरम विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 88.61 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि पदेरू में सबसे कम 55.45 प्रतिशत मतदान हुआ। लोकसभा चुनाव में 78.25 प्रतिशत मतदान हुआ। अमलापालुरम निर्वाचन क्षेत्र में सबसे अधिक 83.19 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। विशाखापट्टनम में सबसे कम 68 प्रतिशत था।

तेलंगाना में पांच दिनों तक बारिश का अनुमान

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विभाग ने तेलंगाना में पांच दिनों तक बारिश होने का अनुमान लगाया है। मौसम विभाग के अनुसार, 18 मई तक तेलंगाना राज्य में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ बारिश होगी। बुधवार को पूरे राज्य में बारिश होने की संभावना है। विभाग ने कहा कि मेडक को छोड़कर बाकी जिलों में बारिश की संभावना है। उन जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। तेलंगाना में निम्न स्तर की हवाएं मुख्य रूप से पूर्व दिशा से बह रही हैं और मंगलवार को कुछ जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होगी। बुधवार को कुछ जिलों में हल्की से छिटपुट बारिश होने की संभावना है। 16 मई को मलकाजीगिरी, हैदराबाद, रंगारेड्डी, भुवनागिरी, नारायणपेट, जोगुलम्बा गडवाल और वानापर्थी को छोड़कर सभी जिलों में बारिश होने की संभावना है। इसी तरह, नारायणपेट, महबूबनगर, जोगुलम्बा गडवाल, नागरकुरनूल, नलगोंडा और सूर्यपेट को छोड़कर तेलंगाना के सभी जिलों में शुक्रवार को बारिश होगी।

17 मई को शहर में राष्ट्रीय सुविधा प्रबंधक शिखर सम्मेलन होगा

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। 10वां राष्ट्रीय सुविधा प्रबंधक (एमएफ) शिखर सम्मेलन-2024, 17 मई को यहां नरसिंगी स्थित एड्रेस कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया जाएगा। आईटी मंत्री श्रीधर बाबू मुख्य अतिथि होंगे। सरकार के प्रमुख सचिव जयेश रंजन मुख्य अतिथि होंगे। यह एक ग्रीन शिखर सम्मेलन होगा, जिसमें हरित और टिकाऊ पहलों को प्रोत्साहित किया जाएगा। राष्ट्रीय एफएम शिखर सम्मेलन-2024 सुविधा प्रबंधन पेशेवरों का एक वार्षिक सम्मेलन है। शिखर सम्मेलन में 400 से अधिक सुविधा प्रबंधन पेशेवर भाग लेंगे। तेलंगाना सुविधा प्रबंधन परिषद (टीएफएमसी) के अध्यक्ष सत्यनारायण मथला ने आज यहां एक प्रेस नोट में कहा कि यह सुविधा प्रबंधन पेशेवरों का एक दिवसीय वार्षिक सम्मेलन होगा। शिखर सम्मेलन का उद्घाटन सुबह होगा।

उद्घाटन के बाद एक पैनल चर्चा आयोजित की जाएगी। पैनल चर्चा में कर्मचारी सुरक्षा, कार्यस्थल की आवश्यकताओं और अगले तीन वर्षों के लिए कार्यस्थल के रुझानों के लिए रणनीतियों पर प्रकाश डाला जाएगा। सीईओ, सीएक्सओ और सीएफओ सम्मेलन भी आयोजित किए जाएंगे। शिखर सम्मेलन के दौरान ग्रीन अवार्ड प्रदान किए जाएंगे। प्रमुख आईटी पार्कों और समुदायों में अपनाई जाने वाली सर्वश्रेष्ठ संधारणीय प्रथाओं को पुरस्कार दिए जाएंगे। प्रेरक सरकारी टीमों को टीएफएमसी सामाजिक उत्कृष्टता पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। 20 आईटी कंपनियों के एक प्रतिनिधि हथकरघा वस्त्र पहनकर रैंप पर चलेंगे, ताकि हथकरघा सोमवार को बढ़ावा दिया जा सके, जिसे टीएफएमसी बहुत लंबे समय से हथकरघा सोमवार को बढ़ावा दे रहा है। शिखर सम्मेलन भविष्य की प्रौद्योगिकी और एआई प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसका उपयोग प्रत्येक सुविधा प्रबंधक अगले 10 वर्षों में करेगा।

उपमुख्यमंत्री ने भूपालपल्ली में दत्तात्रेय स्वामी मंदिर का दौरा किया

भूपालपल्ली, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क ने मंगलवार को जयशंकर भूपालपल्ली जिले के कटारम मंडल के दानवाड़ा गांव में श्री दत्तात्रेय स्वामी मंदिर का दौरा किया। श्री दत्तात्रेय स्वामी मंदिर की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना और अनुष्ठान किए गए। दौरे के दौरान मंदिर के अधिकारियों ने उपमुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया। उन्होंने पीठासीन देवता के दर्शन किए और पुजारियों से वैदिक आशीर्वाद लिया। मंत्री श्रीधर बाबू, विधायक विजया रमना राव, मक्कन सिंह, प्रेम सागर राव, गंद्रा सत्यनारायण और अदुरी लक्ष्मण कुमार और अन्य कांग्रेस नेता भट्टी विक्रमार्क के साथ थे। बाद में मीडिया से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया जिन्होंने लोकसभा चुनावों में पार्टी उम्मीदवारों की जीत के लिए अथक प्रयास किया।

उन्होंने विश्वास जताया कि कांग्रेस पार्टी तेलंगाना में करीब 12 से 14 लोकसभा सीटें जीतेगी। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि उनके नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और न्याय यात्रा इस बार केंद्र में भारत ब्लॉक सरकार बनाने में मदद करेगी और राहुल गांधी का प्रभाव मौजूदा लोकसभा चुनावों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ पार्टियों ने सभी विचारधाराओं को दरकिनार कर लोगों के बीच भावनाएं भड़काने की कोशिश की। भट्टी ने कहा, मैं पूरे विश्वास के साथ कह रहा हूं कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला भारत ब्लॉक जल्द ही सत्ता में आएगा और देश पर शासन करेगा।

बीआरएस एमएलसी कविता 20 मई तक न्यायिक हिरासत में

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नई दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शराब नीति मामले में बीआरएस एमएलसी कविता की न्यायिक हिरासत 20 मई तक बढ़ा दी है। मंगलवार को कविता को वर्चुअली कोर्ट में पेश किया गया। इस अवसर पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने अदालत से जांच के तहत कविता की न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ाने का अनुरोध किया। ईडी ने अदालत को बताया कि मामले की जांच जारी है और 8,000 पन्नों का पूरक आरोप पत्र दाखिल किया गया है। अदालत ने कहा कि वह 20 मई को ईडी द्वारा दाखिल पूरक आरोप पत्र पर विचार करने के मुद्दे की जांच करेगी।

कविता को दिल्ली शराब नीति मनी लॉन्ड्रिंग मामले में 15 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। तब से वह न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल में है। शराब मामले में ईडी और सीबीआई की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली कविता की अंतरिम और नियमित जमानत याचिकाओं को राउज एवेन्यू कोर्ट पहले ही खारिज कर चुका है। हालांकि, उन्होंने निचली अदालत के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी है। कविता की जमानत याचिका पर 24 मई को दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई होगी।

करुणा गोपाल वर्तकवि को आईआईटी कानपुर से सलाहकार बनने के लिए आमंत्रण

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा नेता और फाउंडेशन फॉर फ्यूचरिस्टिक सिटीज, हैदराबाद की अध्यक्ष सुश्री करुणा गोपाल वर्तकवि को आईआईटी कानपुर में संधारणीय शहरों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में उत्कृष्टता केंद्र की सलाहकार बनने के लिए आमंत्रित किया गया है, जिसका नेतृत्व भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), आईआईआईटी दिल्ली, आईआईआईटी हैदराबाद, प्रिंसटन यूनिवर्सिटी (यूएसए) जैसे शैक्षणिक संस्थानों और सेल, अदानी टोटल गैस लिमिटेड जैसे उद्योग के नेताओं और ईगव फाउंडेशन और डब्ल्यूआरआई इंडिया जैसे थिंक टैंकों के एक संघ द्वारा किया जाता है। आमंत्रण पत्र में लिखा है, शहरी परिवर्तन में आपकी विशेषज्ञता को देखते हुए, संधारणीय शहरों के लिए एआई में उत्कृष्टता केंद्र के सलाहकार के रूप में आपको आमंत्रित करते हुए हमें खुशी हो रही है, संघ में आपकी भागीदारी ज्ञान के साथ पूरक होगी और वास्तविक जीवन के समाधानों की क्षमता को बढ़ाएगी। सुश्री करुणा गोपाल अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भविष्य के विकास में सबसे आगे रही हैं। उन्हें 14 देशों की सरकारों द्वारा उनके स्मार्ट विकास प्रयासों को बढ़ाने के लिए आमंत्रित किया गया था।

उन्होंने भारत के '100 स्मार्ट सिटीज मिशन' के डिजाइन, इंडिया टेक्नोलॉजी रोडमैप 2047 में योगदान दिया। इस अतीत में उन्होंने विश्व बैंक, डीएफआईडी (अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग, यूके), यूएसएआईडी (अंतर्राष्ट्रीय विकास के लिए संयुक्त राज्य एजेंसी) और एडीबी (एशियाई विकास बैंक) के लिए शहरी विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

केएसपीपी का दूसरा स्नातक समारोह 17 मई को

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कौटिल्य स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी (केएसपीपी) 17 मई को हैदराबाद में जीआईटीएएम डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के किन्नरा सेमिनार हॉल में अपना दूसरा स्नातक समारोह आयोजित करेगा। कुल 25 छात्र इस समारोह में अपने प्रमाण पत्र प्राप्त करेंगे, जिसकी अध्यक्षता मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति अरुण कुमार मिश्रा, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष करेंगे। अन्य उल्लेखनीय उपस्थित लोगों में जीआईटीएएम के अध्यक्ष एम. श्री भारत, केएसपीपी के सह-संस्थापक प्रतीक कंवल, जीआईटीएएम के कुलपति वीरेंद्र सिंह चौहान, कुलपति दयानंद सिद्धवत्तम, जीआईटीएएम हैदराबाद के प्रो-वाइस-चांसलर प्रो. डी.एस. राव, केएसपीपी के डीन सैयद अकबरुद्दीन और रजिस्ट्रार गुनासेकरन शामिल हैं। समारोह में स्नातक छात्रों की उपलब्धियों का जश्न मनाया जाएगा और समाज के भविष्य को आकार देने में सार्वजनिक नीति के महत्व पर प्रकाश डाला जाएगा।

आवारा कुत्ते ने नवजात को नोंचकर मार डाला

विकाराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले के तांडूर में मंगलवार को कुत्ते द्वारा नोंचने से पांच महीने के बच्चे की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, महबूबनगर के मूल निवासी दत्तू और लावण्या एक फैक्ट्री में काम करते थे और अपने बच्चे साई के साथ रहते थे। हर दिन की तरह, दंपति मंगलवार को अपने पांच महीने के बेटे को घर पर छोड़कर काम पर चले गए। इसी बीच, लावण्या पानी लेने के लिए घर लौटी और उसने घर के पास एक कुत्ते को घूमते देखा। वह घर के अंदर गई और देखा कि बच्चे को कुत्ते ने बुरी तरह से नोच डाला है और बहुत खून बह रहा है। परिवार बच्चे को अस्पताल ले गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार ने शिकायत की कि कुत्ता फैक्ट्री के मालिकों का है और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। हालांकि, फैक्ट्री मालिकों ने कहा कि उनके पास कोई पालतू कुत्ता नहीं है और हो सकता है कि बच्चे को किसी सड़क के कुत्ते ने निशाना बनाया हो।

बीआरएस ने राष्ट्रीय दलों को करारा जवाब दिया : केटीआर

राजन्ना सिरसिला, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने आज कहा कि वह सभी पार्टी कार्यकर्ताओं का दिल से आभार व्यक्त करना चाहते हैं, जिन्होंने हाल ही में संपन्न संसदीय चुनाव में बीआरएस पार्टी के उम्मीदवारों की जीत के लिए अथक परिश्रम किया। उन्होंने कहा कि केसीआर की आदिलाबाद से आलमपुर तक की बस यात्रा से पिंक आर्मी में अपनी पार्टी की जीत को लेकर काफी आत्मविश्वास है।

राजन्ना सिरसिला जिला मुख्यालय में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में हार और विभिन्न षड्यंत्रों और षडयंत्रों के कारण कई पार्टी नेताओं के पलायन के बावजूद पिंक पार्टी के सैनिकों

ने राज्य के गांव और हर शहर में संकल्प के साथ काम किया। उन्होंने कहा, एक तरफ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जमीनी स्तर पर मजबूती से काम किया, वहीं दूसरी तरफ सोशल मीडिया योद्धाओं को मेरा दिल से धन्यवाद, जिन्होंने सोशल मीडिया पर विरोधियों के नकारात्मक हमलों और आलोचनाओं का मुकाबला करने में शानदार काम किया है। केटीआर ने कहा कि भले ही सरकार ने मामले दर्ज करने की कोशिश की, लेकिन पार्टी के सोशल मीडिया योद्धाओं ने सक्रिय रूप से काम किया और बीआरएस पार्टी को जीतने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि केसीआर के संघर्ष पथ ने पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह पैदा किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने निहित स्वार्थों के हमलों, मामलों, साजिशों, षडयंत्रों और राजनीतिक चालों को नाकाम कर दिया है। हम साहस के साथ आगे बढ़े। संसदीय चुनाव के दौरान केसीआर की बस यात्रा ने राज्य की राजनीति को बदल दिया है। 17 दिनों की बस यात्रा के साथ, राष्ट्रीय दलों के नेता नीचे आ गए हैं। चाहे वह किसी भी जिले, निर्वाचन क्षेत्र या शहर में गए हों, केसीआर का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। आदिलाबाद से आलमपुर तक, गुलाबी सेना आत्मविश्वास से भरी हुई है। हमारी पार्टी के सैनिकों ने दोनों राष्ट्रीय दलों को करारा जवाब दिया।

मैं बेहतर शासन प्रदान करूंगा : वाईएस जगन

अमरावती, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एपी सीएम वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने लोगों को आश्वासन दिया है कि वे आंध्र प्रदेश में बेहतर शासन प्रदान करेंगे। उन्होंने सोमवार को हुए मतदान पर ट्वीट किया। उन्होंने कहा, लोगों ने तपती धूप की परवाह किए बिना अपने मताधिकार का प्रयोग करके अपनी खुशी व्यक्त की। मैं उन लोगों का धन्यवाद करता हूं जो मुझे आशीर्वाद देने आए।

जगन मोहन रेड्डी ने वाईसीपी की जीत के लिए काम करने वाले पार्टी कार्यकर्ताओं का भी धन्यवाद किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि अब तक जो सुशासन चला आ रहा है, वह और भी बेहतर तरीकों से जारी रहेगा। उन्होंने कहा, मैं अपने दादा-दादी, अपनी बहनों, अपने भाइयों, अपने किसानों, अपने एससी, एसटी, बीसी, अल्पसंख्यकों और अपने सभी युवाओं का धन्यवाद करना चाहता हूं जो कल के चुनावों में मुझे आशीर्वाद देने के लिए सुनामी की तरह आए।

कांग्रेस को हराने के लिए भाजपा, बीआरएस ने मिलकर काम किया : जीवन रेड्डी

निजामाबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद लोकसभा के कांग्रेस उम्मीदवार जीवन रेड्डी ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) दोनों ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को हराने के लिए मिलकर काम किया है।

मंगलवार को यहां मीडिया से बात करते हुए जीवन रेड्डी ने कहा कि भाजपा और बीआरएस पार्टियां इतना नीचे गिर गई हैं कि उन्होंने राजनीतिक लाभ के लिए हर संभव कोशिश की और दोनों पार्टियों के नेताओं ने कांग्रेस पार्टी को हराने के लिए हाथ मिला लिया है। उन्होंने कहा कि जिले के लोगों ने बोधन चीनी कारखाने के मामले में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा दिए गए शब्दों पर दृढ़ता से विश्वास किया है और विश्वास व्यक्त किया है कि कांग्रेस पार्टी लोकसभा के नतीजों में निजामाबाद से विजयी होगी।

जीवन रेड्डी ने स्मार्ट सिटी के लिए सभी योग्यताएं होने के बावजूद निजामाबाद शहर को स्मार्ट सिटी का दर्जा देने से इनकार करने के लिए केंद्र सरकार की भी आलोचना की और कहा कि कांग्रेस सरकार आने वाले दिनों में निजामाबाद को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा छह गारंटियों के सफल कार्यान्वयन से लोकसभा के नतीजों में कांग्रेस पार्टी के पक्ष में अच्छे परिणाम आएंगे और निजामाबाद से उनकी पार्टी के उम्मीदवार जीवन रेड्डी 1.50 लाख वोटों के बहुमत से जीतेंगे।

डीके अरुणा को तेलंगाना में भाजपा की 12 लोकसभा सीटें जीतने का भरोसा

महबूबनगर, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और महबूबनगर से भाजपा लोकसभा उम्मीदवार डीके अरुणा ने आज दावा किया कि निर्वाचन क्षेत्र के लोगों ने पहले ही उन्हें दो से तीन लाख मतों के बहुमत से संसद में भेजने का फैसला कर लिया था। उन्होंने कहा कि मतदान के दिन, उत्साही मतदाता अपने परिवारों के साथ सुबह 7 बजे से पहले ही मतदान केंद्रों पर अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए उमड़ पड़े। आज यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए डीके अरुणा ने कहा कि हालांकि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मतदाताओं को लुभाने के लिए आठ बार निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया और कई स्थानों पर उन्हें धमकाया, लेकिन सभी मतदाताओं ने भाजपा के पक्ष में मतदान करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि युवाओं के अलावा, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्गों ने सर्वसम्मति से भाजपा को अपना समर्थन दिया। दो से तीन लाख मतों से चुनाव जीतने का विश्वास जताते हुए अरुणा ने पूरे विश्वास के साथ कहा कि उनकी पार्टी राज्य में 12 लोकसभा सीटें आसानी से जीतेगी।

वासंती पेद्दीरेड्डी बनी आईएफएस, हासिल की 50वीं रैंक

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) की पूर्व छात्रा वासंती पेद्दीरेड्डी ने भारतीय वन सेवा (आईएफएस) परीक्षा में अखिल भारतीय 50वीं रैंक के साथ सफलता हासिल की। वासंती ने हेल्थकेयर और हॉस्पिटल मैनेजमेंट (बैच 2015-17) में एमबीए पूरा किया है।

ओयूएच ने 2008 में अपनी स्थापना के बाद से, एमबीए हेल्थकेयर और अस्पताल प्रबंधन कार्यक्रम ने लगातार उत्कृष्ट व्यक्तियों को तैयार किया है, जिनमें स्वास्थ्य सेवा और अस्पताल प्रबंधकों से लेकर सिविल सेवक तक शामिल हैं। डॉ. रानी सुस्मिता जैसे उल्लेखनीय पूर्व छात्र, जिन्होंने आंध्र प्रदेश लोक सेवा आयोग समूह 1 परीक्षा में प्रथम रैंक हासिल की और डिप्टी कलेक्टर बनीं, कार्यक्रम की सफलता का उदाहरण हैं। दो और पूर्व छात्र, हरिता कटरागड्डा और विजय कुमार पेय्याला आईआरएस अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं, जिन्होंने 2000 की शुरुआत में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज से एमबीए (सामान्य) की पढ़ाई की थी।

हरीश राव ने मतदाताओं को जताया आभार

सिद्दीपेट, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने भारी संख्या में चुनाव में भाग लेने के लिए मेदक लोकसभा क्षेत्र के लोगों को धन्यवाद दिया। मंगलवार को एक प्रेस बयान में राव ने कहा कि मतदाताओं ने लोकतंत्र में चुनाव में भाग लेने के महत्व को पहचाना है। उन्होंने बीआरएस उम्मीदवार के लिए 50 दिनों से अधिक समय तक कड़ी मेहनत करने के लिए पार्टी कैडर और नेताओं को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने चुनाव को सुचारू रूप से संपन्न कराने में पुलिस और चुनाव कर्मचारियों की भूमिका की भी सराहना की।

एनडीएसए टीम 18 मई को करेगी श्रीशैलम बांध का दौरा

हैदराबाद, 14 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण की एक टीम जायजा लेने के अभ्यास के तहत 18 मई को श्रीशैलम परियोजना का फिर से दौरा करेगी। टीम में केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के विशेषज्ञों के शामिल होने की संभावना है, जो मानसून की शुरूआत से पहले बांध के सुरक्षा पहलुओं का आकलन करेगी।

सूत्रों के मुताबिक, एनडीएसए काफी समय से प्रोजेक्ट के रखरखाव से खुश नहीं था। एनडीएसए टीम ने परियोजना संरचनाओं का सुरक्षा निरीक्षण करने के लिए इस साल फरवरी में नारागुर्जुन सागर और श्रीशैलम दोनों परियोजनाओं का दौरा किया।

इसकी रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, तेलंगाना राज्य सरकार ने रखरखाव कार्यों की गति बढ़ा दी, जबकि आंध्र प्रदेश द्वारा बांध के आधे हिस्से पर नियंत्रण लेने की बोली के बाद सीआरपीएफ की तैनाती के बाद इसके अधिकारियों को परियोजना स्थल तक पहुंचने में बाधाओं का सामना करना पड़ा। बांध पर शुरू किये गये कार्य पूर्णता की ओर हैं। जहां तक श्रीशैलम परियोजना का सवाल है, कुछ अपवादों को छोड़कर इसकी मरम्मत के संबंध में कोई महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हो सकी।

एनडीएसए टीम चाहती थी कि एपी का सिंचाई विभाग रेडियल गेटों, पानी पंपिंग सुविधाओं और स्पिलवे के आउटलेट पर स्थित प्लंज पूल से संबंधित संचालन में कुल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कुछ सावधानियां बरतें और विशेष उपाय शुरू करे। परियोजना अधिकारियों ने तदनुसार 135 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ कार्यों का प्रस्ताव दिया था। अधिकारियों ने कहा कि 60 साल पुराना श्रीशैलम बांध आंध्र प्रदेश और तेलंगाना दोनों की संयुक्त परियोजना है और इसके लिए एक बड़ी पुनर्वास पहल की जरूरत थी।

एनडीएसए, जो तेलंगाना राज्य सरकार से जुड़े गोदावरी पर मेडिगड्डा बैराज में देखे गए संरचनात्मक मुद्दों का जवाब देने में तत्पर साबित हुआ। श्रीशैलम परियोजना के रखरखाव के लिए अब तक एक गंभीर दृष्टिकोण का अभाव था, जिस पर एपी ने अपना परिचालन नियंत्रण जारी रखा है।

एनडीएसए ने अभी तक अन्नमय्या परियोजना पर प्रतिक्रिया नहीं दी है जो कडप्पा जिले में आंशिक रूप से बह गई थी और पोलावरम परियोजना की डायाफ्राम दीवार कुछ साल पहले बाढ़ में क्षतिग्रस्त हो गई थी।

टीएस सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि एनडीएसए संयुक्त परियोजनाओं पर मरम्मत पूरी करने में तेलंगाना और एपी राज्यों के साथ दो अलग-अलग मानदंडों का पालन नहीं कर सकता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.